



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं० 44] नई दिल्ली, अक्टूबर 24—अक्टूबर 30, 2004, शनिवार/कार्तिक 2—कार्तिक 8, 1926
No. 44] NEW DELHI, OCTOBER 24—OCTOBER 30, 2004, SATURDAY/KARTIKA 2—KARTIKA 8, 1926

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 2004

का०आ० 2705.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालयों में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80% से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उन्हें एतद्वारा अधिसूचित करती है :

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (मुख्यालय), नई दिल्ली।

सीमा सुरक्षा बल

1. 193 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
2. 195 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
3. 112 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
4. 30 बटालियन, सीमा सुरक्षा बल
5. 1022 तोपखाना रेजिमेंट
6. जल स्कन्ध (भुज)

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

1. कार्यालय कमांडेंट-143 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
2. कार्यालय कमांडेंट-151 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

[सं० 12017/1/2004—हिन्दी]

राजेन्द्र सिंह, निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 19th October, 2004

S.O. 2705.—In pursuance of sub rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80%:

Narcotics Control Bureau

Narcotics Control Bureau (HQ.) New Delhi

Border Security Force

1. 193 Bn., Border Security Force
2. 195 Bn., Border Security Force
3. 112 Bn., Border Security Force
4. 30 Bn., Border Security Force
5. 1022 Arty Regiment, Border Security Force
6. Water Wing (Bhuj)

Central Reserve Police Force

- Office of the Commandant-143 Battalion, CRPF
Office of the Commandant-151 Battalion, CRPF

[No. 12017/1/2004-Hindi]

RAJENDRA SINGH, Director (OL.)

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 2004

(आयकर)

का०आ० 2706.— सामान्य जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा अधोलिखित संगठन को उसके नाम के सामने उल्लिखित अवधि के लिए आयकर नियमावली, 1962 के नियम, 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के प्रयोजनार्थ "संस्था" श्रेणी के अंतर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) अधिसूचित संगठन अपने अनुसंधान कार्यकलापों के लिए अलग लेखा बहियों का रख-रखाव करेगा;

(ii) अधिसूचित संगठन केन्द्र सरकार की तरफ से नामोद्दिष्ट निर्धारण अधिकारी को आयकर की विवरणी प्रस्तुत करने के अतिरिक्त अपने लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति तथा अपने अनुसंधान कार्यकलापों, जिसके लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंतर्गत छूट प्रदान की गई थी, के संबंध में आय एवं व्यय खाते की लेखा परीक्षा की भी एक प्रति संगठन पर अधिकार क्षेत्र वाले (क) आयकर महानिदेशक (छूट) 9वां तथा 10वां तल, सेक्टर 3, वैशाली गजियाबाद (ख) संगठन के ऊपर अधिकार क्षेत्र वाले आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) को प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को अथवा उससे पहले प्रस्तुत करेगा।

क्रम सं० अनुमोदित संगठन का नाम अवधि जिसके लिए अधिसूचना प्रभावी है

- | | | |
|----|--|--------------------------|
| 1. | रिसर्च फाउंडेशन फार जैनोलॉजी,
18, रामानुजा अय्यर स्ट्रीट,
चेन्नई-1 | 1-4-2003 से
31-3-2006 |
|----|--|--------------------------|

टिप्पणियाँ : (i) उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" के रूप में श्रेणीबद्ध संगठन पर लागू नहीं होगी।

(ii) अधिसूचित संगठन को सलाह दी जाती है कि वह अनुमोदन के नवीकरण के लिए तीन प्रतियों में और पहले ही अधिकार क्षेत्र वाले आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) के माध्यम से केन्द्र सरकार को आवेदन करें।

[अधिसूचना सं० 264/2004/फा० सं० 203/40/2004-आ० क०-11]

निधि सिंह, अवर सचिव (आयकर नि०-11)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

New Delhi, the 20th October, 2004

(INCOME TAX)

S.O. 2706.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Central Government for the period mentioned below, for the purpose of clause (iii) of Sub-section (1) of Section 35 of the Income tax Act, 1961, read with Rule 6 of the Income Tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organization shall maintain separate books of account for its Research activities;
- (ii) The notified organization shall submit, on behalf of the Central Government, to (a) the Director General of Income Tax (Exemption), Aayakar Bhawan, 9th & 10th Floor, Sector 3, Vaishali, Ghaziabad (b) the commissioner of Income tax/Director of Income tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, on or before the 31st October each year, a copy of its Audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under Sub-section (1) of Section 35 of Income tax Act, 1961 in addition to the return of income tax to the designated assessing officer.

Sl. No.	Name of the approved Organisation	Period for which notification is effective
1.	Research Foundation for jainology 18, Ramanuja Iyer Street, Chennai—1,	1-4-2003 to 31-3-2006

NOTES: (i) Condition (i) above will not apply to the organization categorized as "Association".
(ii) The notified Organisation is advised to apply in triplicates as well in advance for further renewal of the approval, to the Central Government through the Commissioner of Income tax/Director of Income tax (Exemptions) having jurisdiction.

[Notification No. 264/2004/F, No. 203/40/2004-ITA-II]

NIDHI SINGH, Under Secy. (ITA-II)

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 2004

(आयकर)

का.आ. 2707.— सामान्य जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा अधोलिखित संगठन को उसके नाम के सामने उल्लिखित अवधि के लिए आयकर नियमावली, 1962

के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनार्थ "संस्था" श्रेणी के अंतर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) अधिसूचित संगठन अपने अनुसंधान कार्यकलापों के लिए अलग लेखा बहियों का रखरखाव करेगा;

(ii) अधिसूचित संगठन केन्द्र सरकार की तरफ से नामोद्दिष्ट निर्धारण अधिकारी को आयकर की विवरणी प्रस्तुत करने के अतिरिक्त अपने लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति तथा अपने अनुसंधान कार्यकलापों, जिसके लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अंतर्गत छूट प्रदान की गई थी, के संबंध में आय एवं व्यय खाते की लेखा परीक्षा की भी एक प्रति संगठन पर अधिकार क्षेत्र वाले (क) आयकर महानिदेशक (छूट) 9वां तथा 10वां तल, सेक्टर 3, वैशाली गाजियाबाद (ख) संगठन के ऊपर अधिकार क्षेत्र वाले आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) को प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को अथवा उससे पहले प्रस्तुत करेगा।

क्रम सं.	अनुमोदित संगठन का नाम	अवधि जिसके लिए अधिसूचना प्रभावी है
----------	-----------------------	------------------------------------

1.	टाटा मेमोरियल सेन्टर, (टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल एण्ड कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट) परेल, मुम्बई—400012	1-4-2003 से 31-3-2006
----	---	--------------------------

टिप्पणी : (i) उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" के रूप में श्रेणीबद्ध संगठन पर लागू नहीं होगी।

(ii) अधिसूचित संगठन को सलाह दी जाती है कि वह अनुमोदन के नवीकरण के लिए तीन प्रतियों में और पहले ही अधिकार क्षेत्र वाले आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) के माध्यम से केन्द्र सरकार को आवेदन करें।

[अधिसूचना सं. 265/2004/फा. सं. 203/31/2004-आ. क.-II]

निधि सिंह, अवर सचिव (आयकर नि. -II)

New Delhi, the 20th October, 2004

(INCOME TAX)

S.O. 2707.—In is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Central Government for the period mentioned below. for the purpose of clause (ii) of Sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6 of the Income Tax rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- The organization shall maintain separate books of accounts for its research activities;
- The notified organization shall submit, on behalf of the Central Government, to (a) the Director General of Income-Tax (Exemption), Aayakar Bhawan, 9th & 10th Floor, Sector 3, Vaishali, Ghaziabad (b) the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax

(Exemptions) having jurisdiction over the organisation, on or before the 31st October each year, a copy of its Audited Annual Accounts and also a copy of audited Income & Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under Sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961 in addition to the return of income-tax to the designated assessing officer.

S. No.	Name of the approved Organisation	Period for which notification is effective
1.	Tata Memorial Centre, (Tata Memorial Hospital & Cancer Research Institute) Parel, Mumbai-400012.	1-4-2003 to 31-3-2006

Notes : (i) Condition (i) above will not apply to the organization categorized as "Association".

(ii) The notified Organisation is advised to apply in triplicates as well in advance for further renewal of the approval, to the Central Government through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction.

[Notification No. 265/2004/F.No. 203/31/2004-ITA-II]
NIDHI SINGH, Under Secy. (ITA-II)

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 2004

का.आ. 2708.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड (9) के उप-खंड (1) और (2) (क) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1980 की धारा 9 को उप-धारा (3) के खंड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा श्री अवतार सिंह मान (जन्म तिथि 14-10-1950), वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आल इंडिया पंजाब एंड सिंध बैंक आफिसर फेडरेशन, जो वर्तमान में चंडीगढ़, के आई एफ शाखा में वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में तैनात हैं, को तत्काल प्रभाव से तीन वर्षों की अवधि के लिए और तत्पश्चात् उनके उत्तराधिकारी के नामित किए जाने तक या पंजाब एंड सिंध बैंक में अधिकारी के रूप में उनकी सेवाएं समाप्त होने तक या अगला आदेश होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, पंजाब एंड सिंध बैंक के बोर्ड में अधिकारी कर्मचारी निदेशक के रूप में नामित करती हैं बशर्ते कि वे छह वर्ष से अधिक की अवधि तक लगातार पद धारण नहीं करेंगे।

[फा०सं० 9/24/2001-बी ओ-1]

रमेश चन्द, अवर सचिव

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)**(BANKING DIVISION)**

New Delhi, the 14th October, 2004

S.O. 2708.—In exercise of the powers conferred by clause (f) of Sub-section (3) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980, read with sub-clause (1) and sub-clause (2)(a) of clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby nominates Shri Avtar Singh Mann (DOB 14-10-1950), Sr. Vice President, All India Punjab & Sind Bank Officers Federation and presently posted as Sr. Manager, IF Branch, Chandigarh as officer Employee Director on the Board of Punjab & Sind Bank for a period of three years with immediate effect and thereafter until his successor has been nominated or until he ceases to be an officer of Punjab & Sind Bank or until further orders, whichever is earlier, provided that he shall not hold office continuously for a period exceeding six years.

[F. No. 9/24/2001-BO-I]

RAMESH CHAND, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 2004

का.आ. 2709.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिशों पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10 ख की उप-धारा (1) और (2) के उपबंध, 22 सितम्बर, 2004 से 21 दिसम्बर, 2004 तक, तीन माह की अवधि के लिए अथवा बैंक के लिए नियमित प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, लागू नहीं होंगे।

[फा०सं० 15/15/2004-बी ओ ए]

डी०पी० भारद्वाज, अवर सचिव

New Delhi, the 19th October, 2004

S.O. 2709.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India hereby declare that the provisions of Sub-sections (1) and (2) of Section 10B of the said Act shall not apply to the Bank of Rajasthan Ltd., for a period of three months from 22nd September, 2004 to 21st December, 2004 or till the appointment of a regular Managing Director and Chief Executive Officer for that bank, whichever is earlier.

[F. No. 15/15/2004-BOA]

D. P. BHARDWAJ, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 2004

का.आ. 2710.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिशों पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10 ख की उप-धारा (9) के उपबंध उस सीमा तक, जहां तक वे बैंक को चार महीने से अधिक की अवधि के लिए प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी का कार्य करने के लिए किसी व्यक्ति की नियुक्ति करने के लिए बैंक पर प्रतिबंध लगाते हैं, बैंक ऑफ राजस्थान लि. पर 22 सितम्बर, 2004 से 21 दिसम्बर, 2004 तक अथवा बैंक के नियमित प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, लागू नहीं होंगे।

[फा०सं० 15/15/2004-बी ओ ए]

डी०पी० भारद्वाज, अवर सचिव

New Delhi, the 19th October, 2004

S.O. 2710.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India hereby declare that the provisions of Sub-section (9) of Section 10B of the said Act shall not to the extent they preclude the bank from appointing a person to carry out the duties of the Managing Director and Chief Executive Officer beyond a period exceeding four months, apply to the Bank of Rajasthan Ltd., from 22nd September, 2004 to 21st December, 2004 or till the appointment of a regular Managing Director and Chief Executive Officer for that bank whichever is earlier.

[F. No. 15/15/2004-BOA]

D. P. BHARDWAJ, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 2004

का.आ. 2711.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खंड (9) के उप-खंड (1) और (2) (क) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उप-धारा (3) के खंड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा श्री ए. एक्स. जार्ज (जन्म तिथि 28-5-1951), उप सचिव, आल इंडिया इंडियन बैंक आफिसर एसोसिएशन, जो वर्तमान में एर्णाकुलम में मुख्य प्रबंधक के रूप में तैनात हैं, को तत्काल प्रभाव से तीन वर्षों की अवधि के लिए और तत्पश्चात् उनके उत्तराधिकारी के नामित किए जाने तक या इंडियन बैंक में अधिकारी के रूप में उनकी सेवाएं समाप्त होने तक या अगला आदेश होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, इंडियन बैंक के बोर्ड में अधिकारी कर्मचारी निदेशक के रूप में नामित करती है।

[फा०सं० एफ० 9/26/2002-बी ओ-1]

रमेश चन्द, अवर सचिव

New Delhi, the 20th October, 2004

S.O. 2711.—In exercise of the powers conferred by clause (f) of Sub-section (3) of section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, read with sub-clause (1) and sub-clause (2)(a) of

clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby nominates Shri A. X. George (DOB 26-05-1951), Deputy General Secretary, All India Indian Bank Officers Association and presently posted as Chief Manager, Indian Bank, Ernakulam Branch as officer Employee Director on the Board of Indian Bank for a period of three years with immediate effect and thereafter until his successor has been nominated or until he ceases to be an officer of Indian Bank or until further orders, whichever is earliest.

[F. No. 9/26/2002-BO-I]

RAMESH CHAND, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 2004

का.आ. 2712.—विशेष न्यायालय (प्रतिभूति संव्यवहार संबंधी अपराध विचारण) अधिनियम, 1992 की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, एतद्वारा, श्री वाई. सी. सत्यवादी, आईए एवं एस (70) जो वर्तमान में अपर उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली हैं, को विशेष न्यायालय (प्रतिभूति संव्यवहार संबंधी अपराध विचारण) अधिनियम, 1992 के अंतर्गत उनके पदभार ग्रहण करने की तारीख से 31-1-2006 तक अर्थात् उनकी अधिवर्षिता की आयु पूरी होने तक या अभिरक्षक के कार्यालय के समापन तक या अगला आदेश होने तक, जो भी पहले हो 26000/- रुपए (नियत) के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति के आधार पर अभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[फा०सं० 22/4/2003-सतर्कता]

अमिताभ वर्मा, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 21st October, 2004

S.O. 2712.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Special Court (trial of Offences relating to Transactions in Securities) Act, 1992, the Central Government hereby appoints Shri Y. C. Satyawadi, IA & AS (70), presently Additional Deputy Comptroller & Auditor General, New Delhi as Custodian under the Special Court (Trial of Offences Relating to Transactions in Securities) Act, 1992 on deputation basis in the pay scale of Rs. 26000/- (fixed) w.e.f. the date he joins the post and upto 31-01-2006 i.e. till the date of his superannuation or till the Office of the Custodian is wound up or until further orders whichever is earlier.

[F. No. 22/4/2003-Vig.]

AMITABH VERMA, Jt. Secy

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 2004

का.आ. 2713.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजन हेतु सेंट पीटर्सबर्गस्टेट मेडिकल अकादमी रूस द्वारा प्रदत्त चिकित्सा अर्हता एम. डी. (सामान्य कार्य

चिकित्सा) के अधिनियम की धारा 14 के अधीन एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता है;

और, डा. सुवद उन्द्राख, मंगोलियाई नागरिक जिनके पास उक्त अर्हता है, गवर्नमेंट एस.एम.एच.एस. हास्पिटल, श्रीनगर (जम्मू व कश्मीर) से धर्मार्थ (चेरिटेबल) कार्य हेतु और न कि व्यक्तिगत लाभ हेतु जुड़े हैं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) के अनुसरण में, केन्द्र सरकार एतद्वारा विनिर्दिष्ट करती है कि भारत में डा. सुवद उन्द्राख द्वारा आयुर्विज्ञान की प्रैक्टिस करने की अवधि:—

(क) इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से एक वर्ष की अवधि; अथवा

(ख) उस अवधि, जिसके दौरान डा. सुवद उन्द्राख, गवर्नमेंट एस.एम.एच.एस. हास्पिटल, श्रीनगर (जम्मू व कश्मीर) से जुड़े हैं, इनमें से जो भी कम हो, तक सीमित रहेगी।

[सं० वी-11016/1/2004-एम ई(नीति-I)]

पी.जी. कलाधारण, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 13th October, 2004

S.O. 2713.—Whereas medical qualification MD(General Medicine) granted by St. Petersburg State Medical Academy, Russia, is a recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) under Section 14 of the said Act;

And whereas Dr. Suvd Undrakh, Mongolian National, who possess the said qualification is attached to Government S.M.H.S. Hospital, Srinagar (J&K) for the purpose of charitable work and not for personal gain;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of Sub-section (1) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies that the period of practice of medicine by Dr. Suvd Undrakh in India shall be limited to:—

(a) a period of one year from the date of issue of this notification; or

(b) the period during which Dr. Suvd Undrakh, attached to Government S.M.H.S. Hospital, Srinagar (J&K), whichever is shorter.

[No. V-11016/1/2004-ME(Policy-I)]

P.G. KALADHARAN, Under Secy

शुद्धि पत्र

CORRIGENDUM

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 2004

New Delhi, the 14th October, 2004

का.आ. 2714.—इस मंत्रालय की दिनांक 29 अप्रैल, 2004 की अधिसूचना संख्या बी. 11015/7/2004-एम ई (नीति I) में “शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान, श्री नगर” से सम्बन्धित मद सं. (1) के कालम (3) में ‘एबीविएशन फार रजिस्ट्रेशन’ शीर्षक के अन्तर्गत ‘एम.डी. (अस्पताल प्रशा.)’ के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :-

“यह एक मान्यताप्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी जब यह शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान, श्रीनगर में प्रशिक्षित छात्रों के संबंध में 1994 में अथवा उसके बाद प्रदान की गयी हो”

[सं. बी. 11015/7/2004-एम ई (नीति-1)]

पी.जी. कलाधारण, अवर सचिव

S.O. 2714.—In this Ministry's notification No. V-11015/7/2004-ME (Policy-I) dated 29th April, 2004 in coloumn 3 under the heading “Abbreviation for Registration”, against item No. (I) relating to “Sher-I-Kashmir Institute of Medical Science, Srinagar”, in place of the existing entry under ‘M.D. (Hosp. Admn.)’ the following shall be substituted:-

“(This shall be a recognised medical qualification when granted in or after 1994 in respect of students trained at ‘Sher-I-Kashmir Institute of Medical Science, Srinagar’)”

[No. V-11015/7/2004-ME(Policy-I)]

P.G. KALADHARAN, Under Secy

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

(भारतीय मानक ब्यूरो)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2715.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के निम्न नीचे अनुसूची में दिये गये हैं वे स्थापित हो गये हैं :-

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	9271 : 2004 निकास के लिए असुघटित पोलिविनाइल क्लोराइड एकल दीवार वाले नालीदार पाइपों-विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	9271:1979	31-07-2004
2.	15450 : 2004 तप्त और अनतप्त जल की पूर्ति के लिए पॉलिएथिलीन एल्यूमिनियम/पॉलिएथिलीन समिष् दाब पाइपें-विशिष्ट	—	31-07-2004

इस भारतीय मानक की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना, पुणे तथा तिरुवांतापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ. सी ई डी/गजट]

एस. दासगुप्ता, वैज्ञानिक ‘एफ’ उप महानिदेशक (तकनीकी I)

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION**(Department of Consumer Affairs)****(BUREAU OF INDIAN STANDARDS)**

New Delhi, the 18th October, 2004

S.O. 2715.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rules (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each:

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Year of the Indian Standards Established	No. and Year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	9271:2004 Unplasticized Polyvinyl Chloride (UPVC) Single Wall Corrugated Pipes for Drainage Specification (<i>First Revision</i>)	9271:1979	31-07-2004
2.	15450:2004 Polyethylene/Aluminium/ Polyethylene Composite Pressure Pipes for Hot and Cold Water Supplies—Specification		31-07-2004

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shakti Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Gowahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref.: CED/Gazette]

S. DAS GUPTA, Scientist 'F'
Dy. Director General (Tech-I)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2716.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं वे स्थापित हो गये हैं :-

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक (कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	4907:2004 टिम्बर संयोजक जोड़ों के परीक्षण की पद्धति (पहला पुनरीक्षण)	4907:1968	31-08-2004
2.	15455:2004 विशाखित बेंत के ग्रेड-निर्धारण नियम	—	31-08-2004
3.	15456:2004 अविशाखित बेंत के ग्रेड-निर्धारण नियम	—	31-08-2004
4.	15457:2004 पतली कटी (स्लाइम) हुई विनियर के उत्पादन के लिए लट्टे काट	5248:1988, 6342:1987 13240:1991	31-08-2004
5.	15458:2004 भारतीय बेंत तथा उसके क्षेत्रीय वितरण का वर्गीकरण	—	31-08-2004

(1)	(2)	(3)	(4)
6.	956 : 2004 हवाई पट्टी के बचाव हेतु दमकल की कार्यात्मक अपेक्षाएँ (दूसरा पुनरीक्षण)	956:1975	31-08-2004
7.	7673 : 2004 अग्नि शमन उपकरणों से सम्बद्ध परिभाषिक शब्दावली (पहला पुनरीक्षण)	—	31-08-2004
8.	15493 : 2004 गैसीय अग्नि शमन पद्धतियाँ सामान्य अपेक्षाएँ	—	31-08-2004
9.	15496 : 2004 गैसीय अग्नि शमन पद्धतियों का निरीक्षण और रख-रखाव—रीति संहिता	—	31-08-2004
10.	15501 : 2004 गैसीय अग्नि शमन पद्धतियाँ—आईजी 541 शमन पद्धति	—	31-08-2004
11.	15506 : 2004 गैसीय अग्नि शमन पद्धतियाँ आईजी 55 शमन पद्धति	—	31-08-2004

इन भारतीय मानक की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना, पुणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ: सी ई डी/गजट]

एस. दासगुप्ता, वैज्ञानिक 'एफ' उप महानिदेशक (तकनीकी I)

New Delhi, the 18th October, 2004

S.O. 2716.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rules (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Year of the Indian Standards Established	No. and Year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	4907:2004 Method of Testing Timber Connector Joints (First Revision)	4907:1968	31-08-2004
2.	15455:2004 Grading Rules for Split Canes	—	31-08-2004
3.	15456:2004 Grading Rules for Unsplit Canes	—	31-08-2004
4.	15457:2004 Logs for Production of Sliced Veneers—Specification	5248:1988, 6342:1987, 13240:1991	31-08-2004
5.	15458:2004 Classification of Indian Canes and their Zonal Distribution	—	31-08-2004
6.	956:2004 Functional Requirements for Rescue Tender for Air Fields (Second Revision)	956:1975	31-08-2004
7.	7673:2004 Fire Fighting Equipment—Glossary of Terms (First Revision)	—	31-08-2004
8.	15493:2004 Gaseous Fire Extinguishing Systems-General Requirements	—	31-08-2004

(1)	(2)	(3)	(4)
9.	15496:2004 Inspection and Maintenance of Gaseous Fire Extinguishing Systems—Code of Practice	—	31-08-2004
10.	15501:2004 Gaseous Fire Extinguishing Systems—IG 541 Extinguishing Systems	—	31-08-2004
11.	15506:2004 Gaseous Fire Extinguishing Systems—IG 55 Extinguishing Systems	—	31-08-2004

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref. : CED/Gazette]

S. DAS GUPTA, Scientist 'F'
Dy. Director General (Tech-I)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2717.— भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं वे स्थापित हो गये हैं :-

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक (कोई) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	15491:2004 सामान्य प्रयोजनों के लिए मध्यम घनत्व के कार्बन बोर्ड-विशिष्ट	—	31-08-2004
2.	15284 (भाग-2): 2004 भूमि सुधार के डिजाइन और संरचना-मार्गदर्शी सिद्धांत भाग 2 ठर्राधार भालों का उपयोग करते हुए पहले ही संहत करना	—	31-08-2004
3.	15497 : 2004 गैसीय अग्नि शमन पद्धतियाँ आईजी 01 शमन पद्धतियाँ	—	30-09-2004
4.	15517 : 2004 गैसीय अग्नि शमन पद्धतियाँ एबएफसी 227ईए शमन पद्धतियाँ	—	30-09-2004
5.	12456:2004 इलैक्ट्रॉनिक डाटा संसाधन संस्थापन की अग्नि से सुरक्षा-रीति संहिता (पहला पुनरीक्षण)	12456:1988	30-09-2004
6.	12778:2004 इस्पात के तप्त वेल्लित समान्तर फ्लेंज सैक्शन से बने बीम स्तम्भ एवं ब्रेयरिंग पाइल सैक्शन-आयाम और सैक्शन के गुणधर्म (पहला पुनरीक्षण)	12778:1989	30-09-2004
7.	15528 : 2004 गैसीय अग्नि शमन पद्धतियाँ कार्बन डाईआक्साइड सकल आप्लावन तथा स्थानीय अनुप्रयोग (सब-फ्लोर एवं इन (कैबिनेट), उच्च तथा निम्न दाब (अवशीतन) पद्धतियाँ	—	30-09-2004

(1)	(2)	(3)	(4)
8.	15519 : 2004 वाटर मिस्ट अग्नि सुरक्षा पद्धतियाँ— पद्धति डिजाइन, संस्थापन और चालू करना— रीति संहिता	—	30-09-2004
9.	15525 : 2004 गैसीय अग्नि शमन पद्धतियाँ— आईजी 100 शमन पद्धति	—	30-09-2004
10.	15505 : 2004 गैसीय अग्नि शमन पद्धतियाँ— एचसीएफसी मिश्रण ए शमन पद्धति	—	30-09-2004
11.	2372 : 2004 प्रशीतन टावरों के लिए इमारती लकड़ी—विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	—	30-09-2004

इस भारतीय मानक की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना, पुणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ: सी ई डी/गजट]

एस. दास गुप्ता, वैज्ञानिक 'एफ' उप महानिदेशक (तकनीकी-1)

New Delhi, the 18th October, 2004

S.O. 2717.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards Established	No. and year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	15491: 2004 Medium Density Coir-boards for General Purposes—Specification	—	31-08-2004
2.	15284 (Part 2) : 2004 Design and Construction for Ground Improvement—Guidelines : Part 2 Preconsolidation Using Vertical Drains	—	31-08-2004
3.	15497:2004 Gaseous Fire Extinguishing Systems—IG 01 Extinguishing Systems	—	30-09-2004
4.	15517:2004 Gaseous Fire Extinguishing Systems—HFC 227ca (Hepta Fluoro Propane) Extinguishing Systems	—	30-09-2004
5.	12456:2004 Fire Protection of Electronic Data Processing Installation – Code of Practice (First Revision)	12456:1988	30-09-2004
6.	12778:2004 Hot Rolled Parallel Flange Steel Sections for Beams, Columns and Bearing Piles — Dimensions and Section Properties (First Revision)	12778:1989	30-09-2004

(1)	(2)	(3)	(4)
7.	15528:2004 Gaseous Fire Extinguishing Systems—Carbon Dioxide Total Flooding and Local Application (Sub-Floor and In-Cabinet), High and Low Pressure (Refrigerated) Systems	—	30-09-2004
8.	15519:2004 Water Mist Fire Protection Systems—System Design, Installation and Commissioning—Code of Practice	—	30-09-2004
9.	15525:2004 Gaseous Fire Extinguishing Systems—IG 100 Extinguishing Systems	—	30-09-2004
10.	15505:2004 Gaseous Fire Extinguishing Systems—HCFC Blend A Extinguishing Systems	—	30-09-2004
11.	2372:2004 Timber for Cooling Towers—Specification (Second Revision)	—	30-09-2004

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref.: CED/Gazette]

S. DAS GUPTA, Scientist 'F'
Dy. Director General (Tech-I)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2718.— भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची में दिये गये मानक (को) में संशोधन किया गया/किये गये हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक वर्ग की संख्या वर्ग और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ग	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस 15544 (भाग 1) : 2004 विश्वसनीयता स्ट्रेस स्क्रीनिंग भाग 1: लॉट में निर्मित मरम्मत योग्य वस्तुएँ	—	जुलाई, 2004
2.	आई एस 12641:2004 अर्द्धचालक युक्तियों—यांत्रिक एवं पर्यावरण कार्य-विधियाँ (पहला पुनरीक्षण)	—	जून 2004
3.	आई एस 15479:2004 उच्च घनत्व अंतरसंयोजक स्तरों या बोर्डों की योग्यता और निष्पादन की विशिष्टि	—	जून 2004
4.	आई एस 15480 (भाग 1) : 2004 प्रकाशिक तंतु तनुकारी	—	जून 2004

(1)	(2)	(3)	(4)
5.	आई एस 15482:2004 कापी संचार के लिए माइक्रोफोन एवं ईअरफोन	—	जून 2004

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयंबटूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना, पुणे तथा तिरुवनन्तापुरम में विक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : एलटीडी/जी-75]

एस. दास गुप्ता वैज्ञानिक 'एफ'
उप महानिदेशक (तकनीकी-1)

New Delhi, the 18th October, 2004

S.O. 2718.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No	No. and year of the Indian Standards Established	No. and year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 15444 (Part 1) : 2004 Reliability Stress Screening Part 1 : Repairable Items manufactured in Lots	—	July, 2004
2.	IS 12041:2004 Semi-conductor Devices—Mechanical and Climatic Test Methods (First Revision)	—	June, 2004
3.	IS 15479:2004 Qualification and Performance Specification for High Density Interconnect (HDI) Layers or Boards	—	June, 2004
4.	IS 15480 (Part 1) : 2004 Fibre Optic Attenuators Part 1 Generic Specification	—	June, 2004
5.	IS 15482:2004 Microphones and earphones for speech communications	—	June, 2004

Copies of these Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Baldevor Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Lucknow, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref. : LTD/G-75]

S. DAS GUPTA, Scientist 'F'
Dy. Director General (Tech-I)

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 2004

का.अ. 2719.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उत्तर प्रदेश राज्य में थूलेन्डी से फूलपुर पाइप लाइन परियोजना तक गैस के परिवहन के लिए गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा, एक पाइप लाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइप लाइन बिछाने के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें उक्त पाइप लाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के मालिक पाइप लाइन बिछाए जाने के संबंध में, श्री बी.एम. मिश्र, सक्षम प्राधिकारी, गेल (इण्डिया) लिमिटेड, बी-35 व 36, सैक्टर-1, नोएडा-201 301 को लिखित रूप में आपेक्ष भेज सकेगा।

अनुसूची

जिला	तहसील	गाँव	सर्वे नं.	आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए (हेक्टेयर में)
1	2	3	4	5
राय बरेली	महाराज गंज	उमरपुर	1554	0-02-59
			1598	0-28-24
			1555	0-01-88
			1596	0-00-10
			1597	0-17-00
			1613	0-00-75
			1607	0-00-37
			1606	0-01-80
			1605	0-00-44
			1603	0-02-14
			1608	0-24-60
			1636	0-03-97
			1634	0-01-35
			1639	0-24-08
			1645	0-02-32
			1646	0-04-01
			1677	0-12-84

1	2	3	4	5
राय बरेली	महाराज गंज	उमरपुर	1644	0-08-83
			1678	0-03-96
			1676	0-00-69
			1674	0-13-48
			मिकट सर्वे नं.	
			1674	0-00-42
			(फील्ड पैल)	
			1685	0-07-12
			1664	0-04-84
			1686	0-11-36
			1663	0-00-25
			1701	0-01-33
			1687	0-00-10
			1688	0-00-10
			1700	0-12-57
			1699	0-00-10
			1702	0-01-49
			1697	0-18-66
			1700	0-00-63
			1694	0-00-95
			1708	0-02-19
			1704	0-00-37
			1705	0-00-36
			1707	0-07-49
			1709	0-01-84
			1712	0-13-48
			1714	0-09-50
			1716	0-25-28
			1443	0-02-46
			1718	0-06-67
			1441	0-01-81
			1721	0-28-30
			1722	0-02-59
			1723	0-05-22
			1724	0-01-90
			1721	0-07-62
			1726	0-01-19
			1725	0-00-10
			1728	0-07-99
			1729	0-54-47
			1414	0-04-39

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	महाराज गंज	उमरपुर	1732	0-41-89	राय बरेली	महाराज गंज	उमरपुर	2145	0-00-19
			1883	0-14-80				2302	0-02-48
			1882	0-00-25				2133	0-04-37
			1878	0-00-31				2143	0-02-67
			1875	0-00-76				2139	0-00-10
			1874	0-00-40				2144	0-17-04
			1876	0-00-81				2134	0-09-87
			1877	0-09-49				2139	0-00-43
			1923	0-00-95				2135	0-04-65
			1925	0-22-78				2136	0-01-16
			1926	0-08-49				2137	0-00-68
			1746	0-03-80				2312	0-00-10
			1927	0-11-22				कुल	8-45-76
			1980	0-15-59	राय बरेली	सिद्धौना		2335	0-04-76
			1977	0-27-43				945	0-17-37
			1978	0-02-64				943	0-00-40
			2195	0-13-59				947	0-20-36
			2196	0-00-22				948	0-07-54
			1987	0-17-44				2324	0-29-27
			2194	0-00-80				2323	0-40-36
			2193	0-11-84				2328	0-38-20
			2192	0-14-62				2352	0-00-22
			2191	0-12-55				2353	0-08-72
			2190	0-00-56				2351	0-08-74
			2187	0-14-59				2356	0-02-53
			2188	0-13-78				2357	0-11-21
			2189	0-00-41				2358	0-04-74
			2185	0-00-10				2359	0-07-12
			2184	0-09-71				2350	0-02-14
			2183	0-07-36				2349	0-00-10
			2120	0-38-14				2413	0-00-97
			2170	0-05-75				2362	0-11-84
			2153	0-14-43				2363	0-15-22
			2152	0-01-95				2366	0-05-57
			2151	0-07-37				2409	0-00-84
			2126	0-14-67				2406	0-30-34
			2127	0-12-34				2390	0-05-92
			2149	0-02-87				2393	0-14-66
			2130	0-14-19				2391	0-16-37
			2132	0-09-10				2392	0-16-28
			2146	0-01-45				2209	0-30-51

[illegible]

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	सालोन	बरवा	523	0-15-84	राय बरेली	सालोन	बरवा	426	0-03-82
			528	0-00-10				428	0-02-14
			522	0-03-59				422	0-04-62
			497	0-07-40				423	0-15-91
			498	0-08-62				425	0-00-49
			509	0-04-44				424	0-06-88
			510	0-01-70				कुल	3-79-93
			508	0-06-08			बितौरा	53	0-02-15
			506	0-05-31				54	0-01-52
			498	0-02-80				55	0-01-26
			502	0-00-10				52	0-06-91
			500	0-05-42				51	0-13-92
			501	0-07-35				38	0-00-96
			499	0-10-89				49	0-04-15
			487	0-01-29				39	0-14-29
			488	0-00-23				29	0-02-75
			478	0-10-63				40	0-03-86
			476	0-03-64				41	0-03-04
			477	0-00-10				42	0-07-39
			473	0-02-75				28	0-00-13
			475	0-00-98				187	0-18-17
			474	0-08-26				186	0-00-51
			470	0-27-58				188	0-10-66
			613	0-00-11				185	0-04-39
			614	0-10-36				200	0-06-23
			467	0-01-64				201	0-01-92
			617	0-01-02				202	0-06-51
			618	0-16-81				212	0-00-84
			620	0-07-38				214	0-20-49
			621	0-22-95				213	0-00-17
		सर्वे नं. 621 व 451						215	0-21-73
		के बीच में	0-02-39					221	0-08-34
		(पक्की सड़क)						220	0-21-30
		451	0-32-27					245	0-03-51
		441	0-01-56					225	0-00-10
		439	0-18-92					244	0-11-75
		437	0-07-43					248	0-05-26
		436	0-11-47					243	0-01-31
		435	0-01-54					241	0-12-49
		434	0-01-84					249	0-00-19
		427	0-15-10					250	0-07-48

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	सालोन	बितौरा	307	0-23-61	राय बरेली	सालोन	बितौरा	1051	0-02-12
			304	0-01-16				1052	0-01-21
			305	0-09-69				1047	0-00-17
			304	0-09-30				1046	0-00-93
			413	0-00-51				1045	0-22-18
			414	0-01-60				1036	0-01-23
			415	0-04-77				1035	0-00-98
			303	0-05-97				1034	0-13-21
			416	0-13-84			सर्वे नं. 1034		0-3-41
			423	0-24-49			में (रोड़)		
			1133	0-09-11				1023	0-10-52
			423	0-13-25				1022	0-20-62
		सर्वे नं. 423 में					सर्वे नं. 1022 में		0-03-32
		(राजवाहा		0-05-99			(पक्की रोड़)		
		कैनाल)						999	0-06-54
			423	0-02-62				1001	0-14-97
			1129	0-00-90				1000	0-12-57
			1115	0-00-80				947	0-01-00
			1114	0-19-13				948	0-09-78
			1113	0-01-31				951	0-03-57
			1112	0-15-57				946	0-01-76
			1109	0-01-28				945	0-19-41
			1106	0-00-52				920	0-01-47
			1108	0-17-42				1553	0-07-82
			1107	0-07-45				1703	0-01-45
			1103	0-10-92				1702	0-06-53
			1092	0-02-51				1704	0-18-78
			1082	0-23-16				1755	0-03-54
			1083	0-08-86				1754	0-28-80
			1084	0-04-01				1757	0-00-10
			1085	0-07-26				1758	0-45-97
			1089	0-04-15				1753	0-00-83
			1088	0-02-36				1761	0-05-33
			1065	0-02-56				1760	0-10-55
			1057	0-22-52				1821	0-02-69
			1056	0-13-88				1798	0-01-32
			1054	0-13-50				1799	0-08-96
			1055	0-00-34				1802	0-01-92
			1053	0-01-60				1803	0-01-90
			1050	0-01-50				1804	0-11-67
			1049	0-04-52				1800	0-00-10

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	सालोन	बितौरा	1805	0-03-41	राय बरेली	सालोन	प्रधानपुर	98	0-19-22
			1806	0-14-81				69/499	0-01-28
			1818	0-15-93				69	0-08-62
			1807	0-02-00				105	0-14-14
			1817	0-03-76				104	0-01-56
			1809	0-27-70				106	0-26-31
			1810	0-00-39				110	0-09-35
			1967	0-04-21				109	0-05-54
			1968	0-51-12				406	0-20-67
			1962	0-05-21				405	0-02-63
			कुल	9-77-39				409	0-01-19
		कमलपुर	19	0-27-71				420	0-05-07
		बरेला	17	0-01-50				377	0-05-26
			13	0-29-55				421	0-02-08
			9	0-12-72				376	0-09-78
			10	0-04-98				375	0-06-20
			11	0-00-80				374	0-09-10
			325	0-15-11				371	0-00-83
			343	0-01-89				373	0-01-06
			356	0-08-30				462	0-00-15
			344	0-12-58				463	0-07-52
			355	0-00-55				372	0-04-17
			345	0-13-27				368	0-00-21
			346	0-00-85				364	0-01-83
			353	0-11-70				367	0-08-33
			352	0-12-69				366	0-02-79
			351	0-05-15				365	0-01-97
			387	0-01-50				428	0-01-47
			381	0-00-54				369	0-00-44
			382	0-09-39				427	0-06-76
			383	0-06-41				सर्वे नं. 427 व	
			380	0-01-99				437 के बीच	
			384	0-00-15				(पक्की रोड़)	
			कुल	1-79-33				438	0-12-98
		प्रधानपुर	80	0-22-67				437	0-01-16
			81	0-10-37				441	0-06-82
			78	0-02-00				439	0-00-21
			77	0-24-15				440	0-01-36
			76	0-17-61				442	0-06-44
			75	0-11-19				446	0-04-45
								448	0-05-76
								445/502	0-01-35
								447	0-09-71
								कुल	3-27-98

1	2	3	4	5
राय बरेली	सालोन	रचानपुर	10	0-03-36
			11	0-01-84
			12	0-14-09
			21	0-27-32
			22	0-00-27
			23	0-03-13
			21	0-06-93
		सर्वे नं. 302 में (रजवाहा कैनाल)		0-02-45
			302	0-18-41
			309	0-16-98
			310	0-06-35
			298	0-09-58
			294	0-08-77
			295	0-01-53
			293	0-00-86
			326	0-00-10
			327	0-15-75
			326	0-00-01
			332	0-05-04
			331	0-12-55
			329	0-00-94
			336	0-15-60
			335	0-00-67
			337	0-01-03
			338	0-10-97
			339	0-07-25
			340	0-06-06
			341	0-08-88
			342	0-05-96
			343	0-08-41
			266	0-04-79
			267	0-03-60
			268	0-20-74
			269	0-02-24
			263	0-09-22
			264	0-07-56
			263	0-12-65
			258	0-03-25
			259	0-04-06
			260	0-00-77
			257	0-09-49
			248	0-10-07

1	2	3	4	5
राय बरेली	सालोन	रचानपुर	247	0-06-56
			246	0-02-52
			सर्वे नं. 246 व वी.बी. के बीच	0-00-33
			कुल	3-18-94
		निनवा	275	0-02-35
			कुल	0-02-35

[फा. सं. एल-14014/16/2004-जी.पी.]

स्वामी सिंह, निदेशक

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 15th October, 2004

S.O. 2719.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of gas from Thulendi to Phoolpur pipeline project in the State of Uttar Pradesh, a pipeline should be laid by the GAIL (India) Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of the notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India are made available to the general public object in writing to the laying of the pipeline under the land to Shri B.M. Mishra, Competent Authority, GAIL (India) Limited, B-35 & 36, Sector-1, Noida-201301 (Uttar Pradesh).

SCHEDULE

District	Tehsil	Village	Survey No.	Area to be acquired for ROU (In Hectare)
1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Maharaj	Umarpur	1554	0-02-59
	Ganj		1598	0-28-24
			1555	0-01-88
			1596	0-00-10
			1597	0-17-00
			1613	0-00-75

1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Maharaj	Umarpur	1607	0-00-37
	Ganj		1606	0-01-80
			1605	0-00-44
			1603	0-02-14
			1608	0-24-60
			1636	0-03-97
			1634	0-01-35
			1639	0-24-08
			1645	0-02-32
			1646	0-04-01
			1677	0-12-84
			1644	0-08-83
			1678	0-03-96
			1676	0-00-69
			1674	0-13-48
		Near Svy. No.		
		1674		0-00-42
		(Field Channel)		
			1685	0-07-12
			1664	0-04-84
			1686	0-11-36
			1663	0-00-25
			1701	0-01-33
			1687	0-00-10
			1688	0-00-10
			1700	0-12-57
			1699	0-00-10
			1702	0-01-49
			1697	0-18-66
			1700	0-00-63
			1694	0-00-95
			1708	0-02-19
			1704	0-00-37
			1705	0-00-36
			1707	0-07-49
			1709	0-01-84
			1712	0-13-48
			1714	0-09-50
			1716	0-25-28
			1443	0-02-46
			1718	0-06-67
			1441	0-01-81
			1721	0-28-30
			1722	0-02-59
			1723	0-05-22
			1724	0-01-90

1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Maharaj	Umarpur	1721	0-07-62
	Ganj		1726	0-01-19
			1725	0-00-10
			1728	0-07-99
			1729	0-54-47
			1414	0-04-39
			1732	0-41-89
			1883	0-14-80
			1882	0-00-25
			1878	0-00-31
			1875	0-00-76
			1874	0-00-40
			1876	0-00-81
			1877	0-09-49
			1923	0-00-95
			1925	0-22-78
			1926	0-08-49
			1746	0-03-80
			1927	0-11-22
			1980	0-15-59
			1977	0-27-43
			1978	0-02-64
			2195	0-13-59
			2196	0-00-22
			1987	0-17-47
			2194	0-00-00
			2193	0-11-84
			2192	0-14-62
			2191	0-12-55
			2190	0-00-56
			2187	0-14-59
			2188	0-13-78
			2189	0-00-41
			2185	0-00-10
			2184	0-09-71
			2183	0-07-36
			2120	0-38-14
			2170	0-05-75
			2153	0-14-43
			2152	0-01-95
			2151	0-07-37
			2126	0-14-67
			2127	0-12-34
			2149	0-02-87
			2130	0-14-19

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Maharaj	Umarpur	2132	0-09-10	Rai Bareilly	Rai Bareilly	Dhawud	665	0-03-03
	Ganj		2146	0-01-45			Nagar	666	0-08-85
			2145	0-00-19				667	0-00-24
			2302	0-02-48				668	0-35-25
			2133	0-04-37				679	0-00-92
			2143	0-02-67				678	0-01-05
			2139	0-00-10				680	0-15-19
			2144	0-17-04				667	0-01-71
			2134	0-09-87				681	0-19-22
			2139	0-00-43				682	0-00-13
			2135	0-04-65				718	0-04-96
			2136	0-01-16				778	0-00-28
			2137	0-00-68				777	0-09-89
			2312	0-00-10				775	0-09-96
			Total	8-45-76				774	0-37-11
Rai Bareilly	Rai Bareilly	Sidhauna	2335	0-04-76				764	0-01-90
			945	0-17-37				763	0-14-76
			943	0-00-40				762	0-14-37
			947	0-20-36				764	0-01-80
			948	0-07-54				765	0-02-42
			2324	0-29-27				761	0-01-96
			2323	0-40-36				749	0-14-17
			2328	0-38-20				760	0-05-18
			2352	0-00-22				753	0-02-16
			2353	0-08-72				752	0-04-75
			2351	0-08-74				751	0-05-60
			2356	0-02-53				750	0-42-19
			2357	0-11-21				737	0-09-93
			2358	0-04-74				754	0-00-15
			2359	0-07-12				798	0-01-07
			2350	0-02-14				736	0-05-59
			2349	0-00-10				799	0-07-26
			2413	0-00-97				800	0-26-38
			2362	0-11-84				803	0-06-75
			2363	0-15-22				802	0-08-58
			2366	0-05-57				815	0-10-90
			2409	0-00-84				814	0-02-04
			2406	0-30-34				811	0-05-08
			2390	0-05-92				Total	3-42-78
			2393	0-14-66	Rai Bareilly	Rai Bareilly	Bandipur	6	0-25-44
			2391	0-16-37				7	0-15-17
			2392	0-16-28				8	0-01-72
			2209	0-30-51				9	0-10-58
			2197	0-15-88				10	0-27-00
			2196	0-34-93				12	0-15-18
		In Svy No. 2196	0-01-95					11	0-09-27
		(Nala)						14	0-01-83
		In Svy No. 2196	0-06-56					264	0-07-05
		(Cart Track)						263	0-12-50
		2197	0-33-92					262	0-01-56
		2088	0-41-37					266	0-18-77
		2087	0-26-36					265	0-02-27
		Total	4-75-07					270	0-10-37

Rai Bareilly Salon	Bitaura	53	0-02-15
		54	0-01-52
		55	0-01-26
		52	0-06-91
		51	0-13-92
		38	0-00-96
		49	0-04-15
		39	0-14-29
		29	0-02-75
		40	0-03-86
		41	0-03-04
		42	0-07-39
		28	0-00-13
		187	0-18-17
		186	0-00-51
		188	0-10-66
		185	0-04-39
		200	0-06-23
		201	0-01-92
		202	0-06-51
		212	0-00-84
		214	0-20-49
		213	0-00-17
		215	0-21-73
		221	0-08-34
		220	0-21-30
		245	0-03-51
		225	0-00-10
		244	0-11-75
		248	0-05-26
		243	0-01-31
		241	0-12-49
		249	0-00-19
		250	0-07-48

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Salon	Bitaura	307	0-23-61	Rai Bareilly	Salon	Bitaura	1001	0-14-97
			304	0-01-16				1000	0-12-57
			305	0-09-69				947	0-01-00
			304	0-09-30				948	0-09-78
			413	0-00-51				951	0-03-57
			414	0-01-60				946	0-01-76
			415	0-04-77				945	0-19-41
			303	0-05-97				920	0-01-47
			416	0-13-84				1553	0-07-82
			423	0-24-49				1703	0-01-45
			1133	0-09-11				1702	0-06-53
			423	0-13-25				1704	0-18-78
		In Svy. No. 423		0-05-99				1755	0-03-54
		(Minor canal)						1754	0-28-80
		423		0-02-62				1757	0-00-10
		1129		0-00-90	Rai Bareilly	Salon	Bitaura	1758	0-45-97
		1115		0-00-80				1753	0-00-83
		1114		0-19-13				1761	0-05-33
		1113		0-01-31				1760	0-10-55
		1112		0-15-57				1821	0-02-69
		1109		0-01-28				1798	0-01-32
		1106		0-00-52				1799	0-08-96
		1108		0-17-42				1802	0-01-92
		1107		0-07-45				1803	0-01-90
		1103		0-10-92				1804	0-11-67
		1092		0-02-51				1800	0-00-10
		1082		0-23-16				1805	0-03-41
		1083		0-08-86				1806	0-14-81
		1084		0-04-01				1818	0-15-93
		1085		0-07-26				1807	0-02-00
		1089		0-04-15				1817	0-03-76
		1088		0-02-36				1809	0-27-70
		1065		0-02-56				1810	0-00-39
		1057		0-22-52				1967	0-04-21
		1056		0-13-88				1968	0-51-12
		1054		0-13-50				1962	0-05-21
		1055		0-00-34				Total	9-77-39
		1053		0-01-60					
		1050		0-01-50			Kamalpur	19	0-27-71
		1049		0-04-52			Barela	17	0-01-50
		1051		0-02-12				13	0-29-55
		1052		0-01-21				9	0-12-72
		1047		0-00-17				10	0-04-98
		1046		0-00-93				11	0-00-80
		1045		0-22-18				325	0-15-11
		1036		0-01-23				343	0-01-89
		1035		0-00-98				356	0-08-30
		1034		0-13-21				344	0-12-58
		In Svy. No. 1034		0-3-41				355	0-00-55
		(Road)						345	0-13-27
		1023		0-10-52				346	0-00-85
		1022		0-20-62				353	0-11-70
		In Svy. No. 1022		0-03-32				352	0-12-69
		(Metalled Road)						351	0-05-15
		999		0-06-54				387	0-01-50

1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Solan	Kamulpur	381	0-00-54
		Barela	382	0-09-39
		(contd.)	383	0-06-41
			380	0-01-99
			384	0-00-15
		Total		1-79-33
	Pardanpur		80	0-22-67
			81	0-10-37
			78	0-02-00
			77	0-24-15
			76	0-17-61
			75	0-11-19
			98	0-19-22
			69/499	0-01-28
			69	0-08-62
			105	0-14-14
			104	0-01-56
			106	0-26-31
			110	0-09-35
			109	0-05-54
			406	0-20-67
			405	0-02-63
			409	0-01-19
			420	0-05-07
			377	0-05-26
			421	0-02-08
			376	0-09-78
			375	0-06-20
			374	0-09-10
			371	0-00-83
			373	0-01-06
			462	0-00-15
			463	0-07-52
			372	0-04-17
			368	0-00-21
			364	0-01-83
			367	0-08-33
			366	0-02-79
			365	0-01-97
			428	0-01-47
			369	0-00-44
			427	0-06-76
		In Bet. Svy. No.		
		427 & 437		0-04-22
		(Metalled Road)		
			438	0-12-98
			437	0-01-16
			441	0-06-82
			439	0-00-21
			440	0-01-36
			442	0-06-44
			446	0-04-45
			448	0-05-76
			445/502	0-01-35
			447	0-09-71
		Total		3-27-98

1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Solan	Rachanpur	10	0-03-36
			11	0-01-84
			12	0-14-09
			21	0-27-32
			22	0-00-27
			23	0-03-13
			24	0-06-93
		In Svy. No. 302		
		(Minor Canal)		0-02-45
			302	0-18-41
			309	0-16-98
			310	0-06-35
			298	0-09-58
			294	0-08-77
			295	0-01-53
			293	0-00-86
			326	0-00-10
			327	0-15-75
			326	0-00-01
			332	0-05-04
			331	0-12-55
			329	0-00-94
			336	0-15-60
			335	0-00-67
			337	0-01-03
			338	0-10-97
			339	0-07-25
			340	0-06-06
			341	0-08-88
			342	0-05-96
			343	0-08-41
			266	0-04-79
			267	0-03-60
			268	0-20-74
			269	0-02-24
			263	0-09-22
			264	0-07-56
			263	0-12-65
			258	0-03-25
			259	0-04-06
			260	0-00-77
			257	0-09-49
			248	0-10-07
			247	0-06-56
			246	0-02-52
		In Bet. Svy.		0-00-33
		No. 246 & V.B.		
		Total		3-18-94
	Ninava		275	0-02-35
		Total		0-02-35

[F. No. L-14014/16/2004-G.P.]

SWAMI SINGH, Director

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 2004

का.आ. 2720.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उत्तर प्रदेश राज्य में धूलैन्डी से फूलपुर पाइपलाइन परियोजना तक गैस के परिवहन के लिए गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा, एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में, श्री बी.एम. मिश्र, सक्षम प्राधिकारी, गेल (इण्डिया) लिमिटेड, बी-35 व 36, सैक्टर-1, नोएडा-201 301 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

जिला	तहसील	गांव	सर्वे नं.	आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए (हेक्टेयर में)
1	2	3	4	5
इलाहाबाद	सोरांव	मानियमरपुर	386	0-00-66
			387	0-04-18
			388	0-15-37
			389	0-06-22
			390	0-19-37
			391	0-07-30
			392	0-01-70
			393	0-01-53
			394/1460	0-01-83
			394	0-11-91
			395	0-00-92
			407	0-02-96
			408	0-02-51
			424	0-00-27
			422	0-00-13
			409	0-03-93
			413	0-24-15
			414	0-34-35
			412	0-10-88
			494	0-04-03

1	2	3	4	5
इलाहाबाद	सोरांव	मानियमरपुर	493	0-00-54
			495	0-03-32
			496	0-10-18
			492	0-01-58
			490	0-01-19
			491	0-00-18
			464	0-03-15
			784	0-10-50
			785	0-00-30
			783	0-31-42
			782	0-02-07
			787	0-02-00
			788	0-05-39
			789	0-00-14
			779	0-02-37
			775	0-05-34
			776	0-07-43
			777	0-01-39
			778	0-29-80
			763	0-00-23
			762	0-00-78
			978	0-00-24
			979	0-19-64
			980	0-05-94
			891/1559	0-11-57
			981	0-00-16
			980/1462	0-01-88
			741	0-03-57
			1053	0-00-52
			1054	0-05-70
			1055	0-10-02
			1056	0-05-35
			1058	0-04-82
			1059	0-00-55
			1060	0-03-86
			1252	0-02-10
			1257	0-01-92
			1253	0-00-35
			1254	0-13-09
			1255	0-10-37
			1256	0-04-04
			1243	0-00-10
			1245	0-04-23

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
इलाहाबाद	सोरांव	मानियमरपुर	1242	0-07-57	इलाहाबाद	सोरांव	बिसानी उर्फ	45	0-01-07
			1244	0-01-71			शिकोहाबाद	46	0-19-70
			1248	0-00-20				42	0-03-40
			1246	0-06-87				41	0-18-15
			1230	0-01-56				40	0-16-13
			1208	0-00-37				61	0-01-33
			1217	0-00-26				74	0-14-30
			1225	0-16-67				75	0-00-14
			1224	0-00-26				79	0-15-91
			1226	0-01-31				76	0-00-15
			1228	0-14-59				77	0-03-31
			1229	0-01-33				78	0-07-72
			1185	0-02-48				80	0-01-05
			1188	0-25-66				81	0-04-26
			1189	0-03-00				94	0-02-70
			1184	0-01-19				190	0-16-84
			1181	0-32-56				191	0-00-52
			1180	0-03-96				201	0-04-73
			1174	0-01-30				192	0-10-37
			1179	0-03-95				193	0-08-52
			1178	0-00-10				196	0-04-15
			1177	0-02-43				197	0-14-41
			1175	0-05-83				198	0-01-70
			1176	0-01-83				215	0-00-89
			1127	0-05-19				216	0-00-36
			कुल	5-25-80				214	0-19-15
								208	0-13-37
								210	0-17-36
		बिसानी उर्फ	4	0-00-10				209	0-01-61
		शिकोहाबाद	9	0-00-15				435 बी.जी.	0-18-84
			13	0-06-07				उत्तरी रेलवे	
			14	0-05-60				595	0-01-07
			15	0-13-57				441	0-01-05
			18	0-00-78				449	0-12-97
			30	0-03-93				450	0-01-78
			29	0-06-05				448	0-02-78
			16	0-00-61				454	0-00-79
			28	0-12-05				453	0-18-48
			25	0-02-44				457	0-03-78
			27	0-14-91				458	0-06-51
			26	0-01-17				452	0-00-96
			37	0-01-12				459	0-09-12
			51	0-00-35				460	0-04-93
			48	0-00-12				461 (कार्टे	0-01-54
			47	0-04-65				ट्रैक)	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
इलाहाबाद	सोरांव	बिसानी डर्फ	472	0-11-47	इलाहाबाद	सोरांव	मदारीपुर	610	0-03-11
		शिकोहाबाद	571	0-00-61				614	0-14-09
			570 (कार्टे ट्रेक)	0-01-63				615	0-01-12
			569	0-23-47				662	0-21-90
			567	0-02-63				661	0-00-51
			568	0-26-01				662	0-04-03
			566	0-09-15				532	0-00-77
			565	0-10-31				692	0-02-76
			564	0-09-38				710	0-27-00
			563	0-00-98				717	0-01-59
			495	0-08-67				712	0-02-96
			496	0-08-17				711	0-02-92
			498	0-00-81				709	0-09-81
			497	0-30-94				707	0-19-49
			502	0-11-56				706	0-10-80
			547	0-02-19				704	0-08-32
			508	0-00-10				705	0-01-96
			532	0-00-17				703	0-01-15
			544	0-01-64				701	0-10-09
			545	0-00-14				700	0-12-41
			543	0-02-94				699	0-25-07
			542	0-14-35				697	0-10-57
			541	0-05-76				696	0-08-63
			539 (नाला)	0-03-06				719	0-03-00
			540	0-01-96				755	0-00-26
			538	0-13-31				756	0-02-73
			536	0-02-58				871	0-02-11
			537	0-00-55				875	0-05-13
			कुल	5-86-11				873	0-13-06
		मदारीपुर	5	0-00-21				874	0-03-00
			6	0-00-33				876	0-12-46
			562	0-01-39				877	0-14-11
			565	0-00-10				879	0-11-68
			564	0-37-74				880	0-00-32
			560	0-00-11				883	0-08-84
			559	0-06-64				884	0-05-44
			596	0-03-28				885	0-11-03
			602	0-00-14				886	0-09-96
			599	0-04-49				887	0-05-23
			601	0-15-19				890	0-02-91
			603	0-12-65				945	0-01-08
			608	0-01-29				940	0-13-66
			611	0-12-28				943	0-03-23

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
इलाहाबाद	सोरोंब	मदारीपुर	942	0-11-44	इलाहाबाद	सोरोंब	बन्का	797	0-00-44
			941	0-07-88			जलालपुर	796	0-00-38
			कुल	4-45-46				790	0-46-70
		बन्का	490	0-11-46				791	0-08-59
		जलालपुर	487	0-09-90				792	0-00-81
			506	0-05-96				787	0-02-60
			509	0-04-11				789	0-01-52
			510	0-00-10				781	0-00-13
			482	0-13-43				788	0-30-43
			481	0-00-74				1040	0-00-61
			512	0-00-34				1041	0-01-44
			513	0-03-52				1034	0-05-09
			480	0-04-44				1056	0-00-12
			515	0-19-60				1057	0-07-80
			513	0-00-95				1055	0-01-48
			517	0-12-63				1059/1761	0-02-41
			518	0-13-74				1059	0-06-88
			519	0-04-85				1060	0-19-02
			520	0-18-70				1147	0-01-28
			609	0-09-81				1146	0-08-50
			608	0-04-02				1065	0-01-81
			607	0-01-53				1137	0-03-74
			600	0-01-01				1139	0-03-19
			601	0-02-82				1140	0-02-50
			593	0-03-39				1136	0-01-64
			603	0-01-37				1135	0-03-17
			605	0-08-71				1134	0-03-46
			593	0-00-10				1133	0-02-25
			592	0-01-39				1132	0-03-37
			606	0-03-56				1131	0-09-87
			761	0-00-10				1130	0-07-93
			591	0-03-12				1127	0-08-09
			764	0-00-63				1126	0-00-32
			762	0-12-75				1124	0-00-10
			590	0-00-48				1123	0-02-77
			763	0-22-71				1122	0-03-49
			767	0-07-80				1121	0-12-68
			759	0-00-64				1117	0-04-88
			752	0-00-11				1116	0-04-98
			758	0-07-40				1120	0-01-57
			757	0-09-32				1118	0-09-29
			756	0-09-39				1108	0-00-11
			755	0-11-24				1107	0-03-28
			767/1786	0-00-70				1119	0-01-70
			782	0-02-36					
			783	0-00-68					
			796	0-00-51					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
इलाहाबाद	सोरोंब	बन्का	1106	0-14-17	इलाहाबाद	सोरोंब	सकरामऊ	101	0-00-40
		जलालपुर	1105	0-12-41				832	0-18-73
			1202	0-00-95				980/1314	0-04-37
			1200	0-25-53				980	0-21-63
			1199	0-01-80				981	0-01-23
			1201	0-04-95				982	0-00-10
			1198	0-00-82				983	0-22-83
			1204	0-32-79				957	0-00-68
			1216	0-00-86				999	0-00-10
			1217	0-08-79				953	0-31-42
			1210	0-01-70				955	0-10-07
			1222	0-21-34				954	0-00-34
			1233	0-00-10				946	0-01-50
			1223	0-05-37				1018	0-14-78
			1224	0-00-95				945	0-12-29
			1225	0-15-68				944	0-04-94
			1226	0-09-48				943	0-04-91
			1227	0-00-84				1020	0-05-86
			1230	0-05-40				1022	0-00-34
			1228	0-01-33				1021	0-10-26
			1229	0-02-36				942	0-00-19
			1753	0-00-42				933	0-00-21
			1754	0-00-18				934	0-03-04
			कुल	6-64-76				940	0-10-66
		सकरामऊ	53	0-00-97				941	0-02-49
			54	0-00-52				939	0-04-26
			55	0-46-07				938	0-05-05
			56	0-00-28				937	0-00-41
			60	0-01-81				कुल	3-24-18
			68	0-00-10			नजारपुर	107	0-06-20
			67	0-01-33				111	0-01-25
			66	0-02-69				112	0-25-70
			65	0-03-67				सर्वे नं. 112 व 211 के बीच में	
			64	0-04-39				211	0-07-45
			63	0-11-41				208	0-16-54
			61	0-12-26				207	0-01-08
			62	0-05-26				209	0-00-60
			89	0-06-04				206	0-00-17
			90	0-12-02				205	0-26-42
			91	0-00-54				223	0-08-26
			96	0-02-20				224	0-00-65
			97	0-05-14				225	0-18-49
			94	0-10-55				226	0-00-96
			95	0-02-84					

[illegible]

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
इलाहाबाद	फुलपुर	रायदेपुर	147	0-00-83	इलाहाबाद	फुलपुर	बसौधा	241	0-00-59
			153	0-03-97				291	0-00-70
			152	0-01-09				369	0-15-43
			148	0-01-42				240	0-02-14
			155	0-00-11				367	0-00-94
			154	0-04-01				365	0-11-83
			157	0-02-18				366	0-10-42
			172	0-04-70				364	0-09-79
			151	0-01-91				363	0-07-72
			174	0-00-19				362	0-19-26
			173	0-09-72				361	0-06-93
			171	0-07-74				360	0-24-65
			188	0-00-10				359	0-01-38
			187/488	0-03-02				358	0-00-68
			183	0-02-18				357	0-02-59
			187	0-02-21				347/बी	0-33-18
			186	0-00-68				313	0-02-67
			सर्वे नं. 189	0-02-70				346/ए	0-13-43
			(पक्की रोड)					345/ए	0-08-57
			189	0-00-80				345/बी	0-07-35
			192	0-00-50				344	0-13-10
			190	0-02-03				342/ए	0-00-44
			191	0-10-73				342/बी	0-03-53
			192	0-00-61				333	0-06-56
			196	0-13-53				316	0-01-60
			197/488	0-02-20				317	0-07-53
			कुल	1-23-64				318	0-02-83
		बसौधा	251/ए	0-08-84				319	0-02-53
			253	0-00-46				320	0-07-74
			252	0-01-85				324	0-11-08
			249	0-03-70				325	0-11-29
			249/543	0-02-71				327	0-15-52
			249/542	0-03-39				328	0-10-64
			255	0-00-72				329	0-06-84
			254/बी	0-00-36				330	0-06-28
			249/591	0-03-04				331	0-11-89
			248	0-02-70				332	0-00-38
			246	0-00-10				कुल	3-99-01
			297	0-40-01			ओहरपुर	91	0-03-80
			208	0-18-65				94	0-26-03
			243/53	0-00-45				96	0-31-40
			242	0-01-74				112	0-41-47
			280	0-08-82				159	0-23-04

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
इलाहाबाद	फूलपुर	ओहरपुर (जारी)	165	0-26-78	इलाहाबाद	फूलपुर	आहरैन जारी	133	0-20-37
			188	0-56-44				136/784	0-01-12
			189	0-00-97				सर्वे नं. 133 व	
			208	0-04-42				बी.बी. के	
			207	0-13-81				बीच में	0-00-20
			206	0-02-17				कुल	1-20-40
			241	0-32-08		बाराजी		412	0-05-79
			242	0-10-51				425	0-13-38
			276	0-04-79				424	0-14-85
			244	0-01-85				430	0-18-80
			275	0-12-61				429	0-12-28
			274	0-13-96				482	0-01-20
			273	0-01-77				490	0-01-02
			272	0-15-17				489	0-00-72
			271	0-11-85				485	0-17-56
			354	0-01-12				486	0-02-60
			355	0-04-78				484	0-14-50
			357	0-03-84				499	0-01-83
			366	0-01-67				501	0-19-34
			365	0-04-24				502	0-04-09
			364	0-24-64				477	0-03-64
			382	0-01-17				562	0-09-48
			360	0-00-49				564/704	0-00-62
			385	0-02-99				563	0-02-28
			383	0-08-25				564	0-23-01
			384	0-14-66				565	0-00-18
			386	0-03-30				563/706	0-01-34
			387	0-01-75				566	0-03-18
			388	0-01-56				573	0-07-41
			कुल	4-09-39				568	0-01-10
	आहरैन		20	0-00-10				569	0-14-01
			30	0-05-90				571	0-00-10
			31	0-12-01				570	0-19-99
			124	0-00-80				578	0-00-42
			123	0-06-31				579	0-00-24
			32	0-00-11				580	0-04-48
			122	0-06-48				538	0-02-19
			125	0-00-53				582	0-03-57
			126	0-08-88				581	0-13-66
			127	0-03-11				सर्वे नं. 581	
			128	0-13-67				(पक्की रोड)	0-03-78
			129	0-17-79				कुल	2-42-64
			130	0-23-02					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
इलाहाबाद	फूलपुर	भानेमऊ	17	0-02-04	इलाहाबाद	फूलपुर	दयालपुर (अरी)	(60)	0-19-21
			16	0-06-30				58	0-00-99
			18	0-23-40				65	0-11-24
			19 (रोड)	0-05-48				66	0-21-03
			15	0-00-75				67	0-09-55
			20	0-04-47				137	0-11-57
			97	0-00-51				149	0-07-83
			83	0-23-60				148	0-01-10
			87	0-08-06				157	0-03-00
			89	0-01-76				156	0-32-10
			80	0-00-30				224	0-01-15
			79	0-01-52				155	0-00-27
			90	0-10-79				229	0-00-66
			91	0-00-86				232	0-12-52
			77	0-04-65				230	0-12-77
			75	0-06-87				231	0-00-84
			74	0-05-82				228	0-01-82
			73	0-05-57				287	0-08-02
			144	0-03-16				240	0-17-10
			148	0-01-69				281	0-22-34
			165	0-01-54				283	0-02-29
			159	0-14-79				283/315	0-01-22
			162	0-00-63				282	0-01-42
			161	0-07-17				284	0-16-29
			160	0-06-80				278	0-06-19
			338	0-00-80				279	0-00-10
			339	0-00-10				कुल	2-86-52
			340	0-08-51					
			152	0-01-57			फजलापुर	43	0-17-54
			348	0-04-18				44	0-30-46
			151	0-00-16				42	0-00-10
			341	0-06-85				50	0-01-75
			342	0-00-61				52	0-00-10
			346	0-19-18				51	0-19-94
			399	0-02-29				55	0-00-74
			400	0-09-46				40	0-01-39
			409	0-07-49				37	0-00-30
			398	0-00-10				39	0-09-71
			402	0-08-78				38	0-12-06
			कुल	2-18-62				33	0-17-73
		दयालपुर	1	0-13-11				31	0-00-68
			सर्वे नं. 1					29	0-13-50
			(नाला)	0-01-43				28	0-02-78
			3	0-01-76				27	0-13-34
			2	0-20-24				कुल	1-42-12
			59	0-27-36					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
इलाहाबाद	फूलपुर	मलिक्या	11	0-13-30	इलाहाबाद	फूलपुर	नारी (नारी)	317	0-03-81
			12	0-02-97				324	0-00-10
			13	0-11-33				323	0-00-29
			14	0-22-60				322	0-00-60
			16	0-01-10				318	0-04-19
			21	0-19-81				321	0-03-12
			कुल	0-71-11				319	0-06-92
	सराये लहरी		86	0-04-64				320	0-29-22
			87	0-02-40				336	0-09-97
			89	0-01-81				कुल	2-82-94
			88	0-23-30		सराय अजीत	52		0-05-75
			92	0-04-90			67		0-06-93
			93	0-06-16			कुल		0-12-68
			कुल	0-43-21		सराय हरी	13		0-03-12
	नारी		251	0-06-79		किसान	14		0-15-51
			250	0-24-65			21		0-02-61
			246	0-15-81			22		0-00-27
			248	0-02-64			23		0-03-92
			249	0-17-57			24		0-04-36
			238	0-04-06			26		0-00-17
			267	0-03-38			25		0-09-70
			269	0-00-10			35		0-00-18
			268	0-09-38			27		0-04-08
			234	0-00-91			32		0-10-67
			236	0-00-84			31		0-01-56
			235	0-25-74			156		0-04-09
			281	0-00-10			171		0-07-13
			229	0-03-44			169		0-02-58
			284	0-11-09			166		0-10-56
			285	0-00-10			167		0-01-57
			227	0-07-65			165		0-10-56
			287	0-07-96			184		0-06-74
			288	0-09-08			183		0-08-44
			289	0-00-83			185		0-10-12
			293	0-27-69			189		0-04-55
			289	0-00-26			188		0-17-30
			291/ए	0-02-88			191		0-04-62
			292	0-05-98			190		0-19-84
			314	0-00-40			कुल		1-64-25
			315	0-01-48		सिकन्दरा	388		0-02-52
			316	0-33-37			389		0-07-95
			सर्वे नं. 316 व				402		0-04-18
			317 के बीच				401		0-06-19
			में	0-00-54					

1	2	3	4	5
इलाहाबाद	फूलपुर	थारडीह	221	0-12-23
		(जारी)	222	0-02-01
			474	0-13-31
			475	0-70-25
			484	0-01-40
			490	0-02-60
			488	0-04-67
			487	0-08-41
			486	0-18-18
			489	0-01-16
			525	0-00-14
			485	0-03-88
			सर्वे नं. 486 व	
			485 (पक्की	
			रोड)	0-04-77
			443	0-00-20
			442	0-11-20
			528	0-13-63
			529	0-04-40
			438	0-13-66
			437	0-07-69
			439	0-00-73
			436	0-06-49
			434	0-03-26
			433	0-00-28
			432	0-00-10
			435	0-39-23
			431	0-00-65
			449	0-26-95
			550	0-02-24
			548	0-01-22
			547	0-07-77
			546/2104	0-00-67
			546	0-06-74
			551	0-01-11
			550	0-00-10
			545	0-00-56
			555	0-05-16
			554	0-07-9
			553	0-10-82
			552	0-07-79
			587	0-00-82
			586	0-04-10
			588	0-12-58

1	2	3	4	5
इलाहाबाद	फूलपुर	थारडीह	389	0-08-85
		(जारी)	610	0-02-15
			611	0-27-37
			609	0-16-05
		सर्वे नं. 609 व	0-10-07	
		603 (पक्की रोड)		
		603	0-02-68	
		604	0-29-78	
		607	0-09-77	
		606	0-05-36	
		605	0-00-70	
		657	0-18-06	
		659	0-08-84	
		सर्वे नं. 657 व	0-08-12	
		659 के बीच में		
		(रजवाहा		
		कैनाल/पक्की		
		रोड)		
		662	0-00-28	
		661	0-09-27	
		673	0-00-10	
		685	0-31-36	
		688	0-13-16	
		686	0-00-67	
		1857	0-14-31	
		1853	0-06-50	
		1855	0-06-79	
		1854	0-00-80	
		1852	0-04-87	
		1851	0-04-98	
		1875	0-08-01	
		1874	0-00-10	
		1876	0-11-40	
		1880	0-05-27	
		1879	0-06-53	
		1882	0-02-19	
		1881	0-10-69	
		1885	0-15-92	
		1884	0-01-55	
		1892	0-25-33	
		1895	0-08-51	
		1896	0-08-12	
		कुल	9-34-67	

1	2	3	4	5
इलाहाबाद	फूलपुर	पाली	80	0-03-06
			79	0-02-29
			78	0-39-54
			65	0-13-50
			53	0-28-28
			52	0-25-20
			47	0-00-84
			46	0-27-69
			32	0-00-84
			41	0-27-93
			42	0-00-10
			39	0-03-81
			38	0-18-59
			37	0-00-44
			35	0-00-34
			36	0-03-05
			कुल	1-95-50

[फा. सं. एल-14014/16/2004-जी.पी.]

स्वामी सिंह, निदेशक

New Delhi, the 15th October, 2004

S.O. 2720.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of gas from Thulendi to Phoolpur pipeline project in the State of Uttar Pradesh, a pipeline should be laid by the GAIL (India) Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of the notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India are made available to the general public object in writing to the laying of the pipeline under the land to Shri B.M. Mishra, Competent Authority, GAIL (India) Limited, B-35 & 36, Sector-1, NOIDA-201301 (Uttar Pradesh).

SCHEDULE

District	Tehsil	Village	Survey No.	Area to be acquired for ROU (in Hectares)
1	2	3	4	5
Allahabad	Soraon	Maniumar-	386	0-00-66
		pur	387	0-04-18
			388	0-15-37

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Allahabad	Soraon	Maniamar-	389	0-06-22	Allahabad	Soraon	Maniamar-	1059	0-00-55
		pur	390	0-19-37			pur	1060	0-03-86
			391	0-07-30				1252	0-02-10
			392	0-01-70				1257	0-01-92
			393	0-01-53				1253	0-00-35
			394/1460	0-01-83				1254	0-13-09
			394	0-11-91				1255	0-10-37
			395	0-00-92				1256	0-04-04
			407	0-02-96				1243	0-00-10
			408	0-02-51				1245	0-04-23
			424	0-00-27				1242	0-07-57
			422	0-00-13				1244	0-01-71
			409	0-03-93				1248	0-00-20
			413	0-24-15				1246	0-06-87
			414	0-34-35				1230	0-01-56
			412	0-10-88				1208	0-00-37
			494	0-04-03				1217	0-00-26
			493	0-00-54				1225	0-16-67
			495	0-03-32				1224	0-00-26
			496	0-10-18				1226	0-01-31
			492	0-01-58				1228	0-14-59
			490	0-01-19				1229	0-01-33
			491	0-00-18				1185	0-02-48
			464	0-03-15				1188	0-25-66
			784	0-10-50				1189	0-03-00
			785	0-00-30				1184	0-01-19
			783	0-31-42				1181	0-32-56
			782	0-02-07				1180	0-03-96
			787	0-02-00				1174	0-01-30
			788	0-05-39				1179	0-03-95
			789	0-00-14				1178	0-00-10
			779	0-02-37				1177	0-02-43
			775	0-05-34				1175	0-05-83
			776	0-07-43				1176	0-01-83
			777	0-01-39				11127	0-05-19
			778	0-29-80				Total	5-25-80
			763	0-00-23			Bisani urf	4	0-00-10
			762	0-00-78			Shikohabad	9	0-00-15
			978	0-00-34				13	0-06-07
			979	0-19-64				14	0-05-60
			980	0-05-94				15	0-13-57
			891/1559	0-11-57				18	0-00-78
			981	0-00-16				30	0-03-93
			980/1462	0-01-88				29	0-06-05
			741	0-03-57				16	0-00-61
			1053	0-00-52				28	0-12-05
			1054	0-05-70				25	0-02-44
			1055	0-10-02				27	0-14-91
			1056	0-05-35				26	0-01-17
			1058	0-04-82				37	0-01-12

1	2	3	4	5
Allahabad	Soraon	Bisani urf	51	0-00-35
	Shikohabad		48	0-00-12
			47	0-04-65
			45	0-01-07
			46	0-19-70
			42	0-03-40
			41	0-18-15
			40	0-16-13
			61	0-01-33
			74	0-14-30
			75	0-00-14
			79	0-15-91
			76	0-00-15
			77	0-03-31
			78	0-07-72
			80	0-01-05
			81	0-04-26
			94	0-02-70
			190	0-16-84
			191	0-00-52
			201	0-04-73
			192	0-10-37
			193	0-08-52
			196	0-04-15
			197	0-14-41
			198	0-01-70
			215	0-00-89
			216	0-00-36
			214	0-19-15
			208	0-13-37
			210	0-17-36
			209	0-01-61
		435 B.G.		0-18-84
		Northern		
		Railway		
			595	0-01-07
			441	0-01-05
			449	0-12-97
			450	0-01-78
			448	0-02-78
			454	0-00-79
			453	0-18-48
			457	0-03-78
			458	0-06-51
			452	0-00-96
			459	0-09-12
			460	0-04-93
		461 (Cart		0-01-54
		Track)		
			472	0-11-47

1	2	3	4	5
Allahabad	Soraon	Bisani urf	571	0-00-61
	Shikohabad		570 (Cart	0-01-63
			Track)	
			569	0-23-47
			567	0-02-63
			568	0-26-01
			566	0-09-15
			565	0-10-31
			564	0-09-38
			563	0-00-98
			495	0-08-67
			496	0-08-17
			498	0-00-81
			497	0-30-94
			502	0-11-56
			547	0-02-19
			508	0-00-10
			532	0-00-17
			544	0-01-64
			545	0-00-14
			543	0-02-94
			542	0-14-35
			541	0-05-76
			539 (Nala)	0-03-06
			540	0-01-96
			538	0-13-31
			536	0-02-58
			537	0-00-55
			Total	5-86-11
		Madaripur	5	0-00-21
			6	0-00-33
			562	0-01-39
			563	0-00-10
			564	0-37-74
			560	0-00-11
			559	0-06-64
			596	0-03-28
			602	0-00-14
			599	0-04-49
			601	0-15-19
			603	0-12-65
			608	0-01-29
			611	0-12-28
			610	0-03-11
			614	0-14-09
			615	0-01-12
			662	0-21-90
			661	0-00-51
			662	0-04-03

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Allahabad	Soraon	Madaripur	532	0-00-77	Allahabad	Soraon	Banka	515	0-19-60
			692	0-02-76			Jalalpur	513	0-00-95
			710	0-27-00				517	0-12-63
			717	0-01-59				518	0-13-74
			712	0-02-96				519	0-04-85
			711	0-02-92				520	0-18-70
			709	0-09-81				609	0-09-81
			707	0-19-49				608	0-04-02
			706	0-10-80				607	0-01-53
			704	0-08-32				600	0-01-01
			705	0-01-96				601	0-02-82
			703	0-01-15				593	0-03-39
			701	0-10-09				603	0-01-37
			700	0-12-41				605	0-08-71
			699	0-25-07				593	0-00-10
			697	0-10-57				592	0-01-39
			696	0-08-63				606	0-03-56
			719	0-03-00				761	0-00-10
			755	0-00-26				591	0-03-12
			756	0-02-73				764	0-00-63
			871	0-02-11				762	0-12-75
			875	0-05-13				590	0-00-48
			873	0-13-06				763	0-22-71
			874	0-03-00				767	0-07-80
			876	0-12-46				759	0-00-64
			877	0-14-11				752	0-00-11
			879	0-11-68				758	0-07-40
			880	0-00-32				757	0-09-32
			883	0-08-84				756	0-09-39
			884	0-05-44				755	0-11-24
			885	0-11-03				767/1786	0-00-70
			886	0-09-96				782	0-02-36
			887	0-05-23				783	0-00-68
			890	0-02-91				796	0-00-51
			945	0-01-08				797	0-00-44
			940	0-13-66				796	0-00-38
			943	0-03-23				790	0-46-70
			942	0-11-44				791	0-08-59
			941	0-07-88				792	0-00-81
			Total	4-45-46				787	0-02-60
	Banka		490	0-11-46				789	0-01-52
	Jalalpur		487	0-09-90				781	0-00-13
			506	0-05-96				788	0-30-43
			509	0-04-11				1040	0-00-61
			510	0-00-10				1041	0-01-44
			482	0-13-43				1034	0-05-09
			481	0-00-74				1056	0-00-12
			512	0-00-34				1057	0-07-80
			513	0-03-52				1055	0-01-48
			486	0-04-44				1059/1761	0-02-41

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Allahabad	Soraon	Banka	1059	0-06-88	Allahabad	Soraon	Sakramau	53	0-00-97
		Jalalpur	1160	0-19-02				54	0-00-52
			1047	0-01-28				55	0-46-07
			1146	0-08-50				56	0-00-28
			1065	0-01-81				60	0-01-81
			1137	0-03-74				68	0-00-10
			1139	0-03-19				67	0-01-33
			1140	0-02-50				66	0-02-69
			1136	0-01-64				65	0-03-67
			1135	0-03-17				64	0-04-39
			1134	0-03-46				63	0-11-41
			1133	0-02-25				61	0-12-26
			1132	0-03-37				62	0-03-26
			1131	0-09-87				89	0-06-04
			1130	0-07-93				90	0-12-02
			1127	0-08-09				91	0-00-54
			1126	0-00-32				96	0-02-20
			1124	0-00-10				97	0-05-14
			1123	0-02-77				94	0-10-55
			1122	0-03-49				95	0-02-84
			1121	0-12-68				101	0-00-40
			1117	0-04-88				832	0-18-73
			1116	0-04-98				980/1314	0-04-37
			1120	0-01-57				980	0-21-63
			1118	0-09-29				981	0-01-23
			1108	0-00-11				982	0-00-10
			1107	0-03-28				983	0-22-83
			1119	0-01-70				957	0-00-68
			1106	0-14-17				999	0-00-10
			1105	0-12-41				953	0-31-42
			1202	0-00-95				955	0-10-07
			1200	0-25-53				954	0-00-34
			1199	0-01-80				946	0-01-50
			1201	0-04-95				1018	0-14-78
			1198	0-00-82				945	0-12-29
			1204	0-32-79				944	0-04-94
			1216	0-00-86				943	0-04-91
			1217	0-08-79				1020	0-05-86
			1210	0-01-70				1022	0-00-34
			1222	0-21-34				1021	0-10-26
			1233	0-00-10				942	0-01-19
			1223	0-05-37				933	0-00-21
			1224	0-00-95				934	0-03-04
			1225	0-15-68				940	0-10-66
			1226	0-09-48				941	0-02-49
			1227	0-00-84				939	0-04-26
			1230	0-05-40				938	0-05-05
			1228	0-01-33				937	0-00-41
			1229	0-02-36					
			1753	0-00-42					
			1754	0-02-18					
			Total	6-64-76				Total	3-24-18

[illegible]

[illegible]

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Allahabad	Phool-	Oharpur	273	0-01-77	Allahabad	Phool-	Baraji	502	0-04-09
	pur		272	0-15-17		pur		477	0-03-64
			271	0-15-85				562	0-09-48
			354	0-01-12				564/704	0-00-62
			355	0-04-78				563	0-02-28
			357	0-03-84				564	0-23-01
			366	0-01-67				565	0-00-18
			365	0-04-24				563/706	0-01-34
			364	0-24-64				566	0-03-18
			382	0-01-17				573	0-07-41
			360	0-00-49				568	0-01-10
			385	0-02-99				569	0-14-01
			383	0-08-25				571	0-00-10
			384	0-14-66				570	0-19-99
			386	0-03-30				578	0-00-42
			387	0-01-75				579	0-00-24
			388	0-01-56				580	0-04-48
			Total	4-09-39				538	0-02-19
		Aharain	20	0-00-10				582	0-03-57
			30	0-05-90				581	0-13-66
			31	0-12-01				In Svy. No.	0-03-78
			124	0-00-80				581 (Metalled	
			123	0-06-31				Road)	
			32	0-00-11				Total	2-42-64
			122	0-06-48			Bharaswari	17	0-02-04
			125	0-00-53				16	0-06-30
			126	0-08-88				18	0-23-40
			127	0-03-11				19 (Road)	0-05-48
			128	0-13-67				15	0-00-75
			129	0-17-79				20	0-04-47
			130	0-23-02				97	0-00-51
			133	0-20-37				83	0-23-60
			136/784	0-01-12				87	0-08-06
			In Bet Svy.	0-00-20				89	0-00-76
			No. 133 &					80	0-00-30
			V.B.					79	0-01-52
			Total	1-20-40				90	0-10-79
		Baraji	412	0-05-79				91	0-00-86
			425	0-13-38				77	0-04-65
			424	0-14-85				75	0-06-87
			430	0-18-80				74	0-05-82
			429	0-12-28				73	0-05-57
			482	0-01-20				144	0-03-16
			490	0-01-02				148	0-01-69
			489	0-00-72				165	0-01-54
			485	0-17-56				159	0-14-79
			486	0-02-60				162	0-00-63
			484	0-14-50				161	0-07-17
			499	0-01-83				160	0-06-80
			501	0-19-34				338	0-00-80

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Allahabad	Phool- pur	Bhanemau	339	0-00-10	Allahabad	Phool- pur	Fazlapur	55	0-00-74
			340	0-08-51				40	0-01-39
			152	0-01-57				37	0-00-30
			348	0-04-18				39	0-09-71
			151	0-00-16				38	0-12-06
			341	0-06-85				33	0-17-73
			342	0-00-61				31	0-00-68
			346	0-19-18				29	0-13-68
			399	0-02-29				28	0-02-78
			400	0-09-46				27	0-13-34
			409	0-07-49				Total	1-42-12
			398	0-00-10					
			402	0-08-78					
		Total		2-18-62			Malkiya	11	0-13-30
								12	0-02-97
		Dayalpur	1	0-13-11				13	0-11-33
			In Svy. No. 1	0-01-43				14	0-22-60
			(Nala)					16	0-01-10
			3	0-01-76				21	0-19-81
			2	0-20-24				Total	0-71-11
			59	0-27-36					
			60	0-19-21					
			58	0-00-99			Sarai Lahari	86	0-04-64
			65	0-11-24				87	0-02-40
			66	0-21-03				89	0-01-81
			67	0-09-55				88	0-23-30
			137	0-11-57				92	0-04-90
			149	0-07-83				93	0-06-16
			148	0-01-10				Total	0-43-21
			157	0-03-00					
			156	0-32-10					
			224	0-01-15			Nari	251	0-06-79
			155	0-00-27				250	0-24-65
			229	0-00-66				246	0-15-81
			232	0-12-52				248	0-02-64
			230	0-12-77				249	0-17-57
			231	0-00-84				238	0-04-06
			228	0-01-82				267	0-03-38
			287	0-08-02				269	0-00-10
			240	0-17-10				268	0-09-38
			281	0-22-34				234	0-00-91
			283	0-02-29				236	0-00-84
			283/315	0-01-22				235	0-25-74
			282	0-01-42				281	0-00-10
			284	0-16-29				229	0-03-44
			278	0-06-19				284	0-11-09
			279	0-00-10				285	0-00-10
		Total		2-86-52				227	0-07-65
								287	0-07-96
		Fazlapur	43	0-17-54				288	0-09-08
			44	0-30-46				289	0-00-83
			42	0-00-10				293	0-27-69
			50	0-01-75				289	0-00-26
			52	0-00-10				291/A	0-02-88
			51	0-19-94				292	0-05-98

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Allahabad	Phool-	Nari	314	0-00-40	Allahabad	Phool-	Sikandra	390	0-00-32
	pur		315	0-01-48		pur		400	0-09-46
			316	0-33-47				391	0-01-78
			In Bet Svy.	0-00-54				399	0-02-26
			No. 316 &					398	0-08-06
			317					397	0-03-37
			317	0-03-81				393	0-00-18
			324	0-00-10				395	0-05-86
			323	0-00-29				396	0-07-64
			322	0-00-60				408	0-07-93
			318	0-04-19				407	0-03-91
			321	0-03-12				410	0-00-16
			319	0-06-92				411	0-06-08
			320	0-29-22				412	0-11-47
			336	0-09-97				413	0-00-98
			Total	2-82-94				418	0-11-57
								416	0-01-23
		Saray Ajit	52	0-05-75				420	0-17-39
			67	0-06-93				417	0-10-48
			Total	0-12-68				421	0-37-24
								434	0-05-70
		Saray Hari	13	0-03-12				414	0-04-83
		Kishan	14	0-15-51				Total	1-78-74
			21	0-02-61					
			22	0-00-27				344	0-00-58
			23	0-03-92			Saif	365	0-01-86
			24	0-04-36			Khanpur	Total	0-02-44
			26	0-00-17					
			25	0-09-70				70	0-16-05
			35	0-00-18				69	0-11-91
			27	0-04-08				68	0-28-35
			32	0-10-67				76	0-12-89
			31	0-01-56				79	0-03-48
			156	0-04-09				78	0-00-10
			171	0-07-13				80	0-13-85
			169	0-02-58				81	0-22-66
			166	0-10-56				67	0-06-21
			167	0-01-57				208	0-20-12
			165	0-10-56				209	0-20-02
			184	0-06-74				211	0-22-47
			183	0-08-44				210	0-00-48
			185	0-10-12				212	0-00-93
			189	0-04-55				216	0-20-28
			188	0-17-30				218	0-17-00
			191	0-04-52				219	0-33-11
			190	0-19-84				221	0-12-23
			Total	1-64-25				222	0-02-01
								474	0-13-31
		Sikandra	388	0-02-52				475	0-70-25
			389	0-07-95				484	0-01-40
			402	0-04-18				490	0-02-60
			401	0-06-19				488	0-04-67

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Allahabad	Phool-	Thardih	487	0-08-41	Allahabad	Phool-	Thardih	657	0-18-06
	pur		486	0-18-18		pur		659	0-08-84
			489	0-01-16				In Bet Svy.	0-08-12
			525	0-00-14				No. 657 &	
			485	0-03-88				659 (Minor	
			In Svy. No.	0-04-77				Canal/	
			486 & 485					Metalled	
			(Metalled					Road)	
			Road)					662	0-00-28
			443	0-00-20				661	0-09-27
			442	0-11-20				673	0-00-10
			528	0-13-63				685	0-31-36
			529	0-04-40				688	0-13-16
			438	0-13-66				686	0-00-67
			437	0-07-69				1857	0-14-31
			439	0-00-73				1853	0-06-50
			436	0-06-49				1855	0-06-79
			434	0-03-26				1854	0-00-80
			530	0-00-28				1852	0-04-87
			532	0-00-10				1851	0-04-98
			435	0-39-23				1875	0-08-01
			431	0-00-65				1874	0-00-10
			549	0-26-95				1876	0-11-40
			550	0-02-24				1880	0-05-27
			548	0-01-22				1879	0-06-53
			547	0-07-77				1882	0-02-19
			546/2104	0-00-67				1881	0-10-69
			546	0-06-74				1885	0-15-92
			551	0-01-11				1884	0-01-55
			550	0-00-10				1892	0-25-33
			545	0-00-56				1895	0-08-51
			555	0-05-16				1896	0-08-12
			554	0-07-09				Total	9-34-67
			553	0-10-82			Pali	80	0-03-06
			552	0-07-79				79	0-02-29
			587	0-00-82				78	0-39-54
			586	0-04-10				65	0-13-50
			588	0-12-58				53	0-28-28
			589	0-08-85				52	0-25-20
			610	0-02-15				47	0-00-84
			611	0-27-37				46	0-27-69
			609	0-16-05				32	0-00-84
			In Svy.	0-10-07				41	0-27-93
			No. 609 &					42	0-00-10
			603 (Metalled					39	0-03-81
			Road)					38	0-18-59
			603	0-02-68				37	0-00-44
			604	0-29-78				35	0-00-34
			607	0-09-77				36	0-03-05
			606	0-05-36				Total	1-95-50
			605	0-00-70					

[F. No. L-14014/16/2004-G.P.]

SWAMI SINGH, Director

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 2004

का.आ. 2721.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उत्तर प्रदेश राज्य में धूलेन्डी से फूलपुर पाइपलाइन परियोजना तक गैस के परिवहन के लिए गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा, एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में, श्री बी.एम. मिश्र, सक्षम प्राधिकारी, गेल (इण्डिया) लिमिटेड, बी-35 व 36, सेक्टर-1, नोएडा-201 301 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

जिला तहसील गांव सर्वे नं. आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए (हैक्टेयर में)

1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	कुन्डा	सराय	240	0-02-26
		महासिंह		
			239	0-09-98
			241	0-04-49
			238	0-00-27
			237	0-01-04
			260	0-00-54
			259	0-01-46
			258	0-09-31
			257	0-07-37
			256	0-04-20
			255	0-04-06
			254	0-06-66
			253	0-07-19
			252	0-12-29
			251	0-00-72
			250	0-03-85
			323	0-21-60
			324	0-00-94
			327	0-19-14
			325	0-04-24
			329	0-02-98
			343	0-01-71

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
प्रतापगढ़	कुन्डा	सराय	342	0-06-36
		महासिंह	344	0-06-87
			340	0-00-85
			335	0-10-89
			334	0-15-15
			366	0-04-78
			333	0-00-85
			368	0-49-53
			427	0-08-86
			425	0-20-91
			सर्वे नं. 425	0-00-78
			व 448 के बीच में	
			440	0-00-10
			448	0-06-20
			449	0-04-21
			450	0-05-93
			455	0-03-19
			456	0-06-46
			454	0-05-65
			457	0-04-69
			458	0-10-21
			453	0-00-54
			460	0-00-11
			459	0-02-59
			473	0-00-22
			474	0-05-13
			475	0-05-50
			476	0-24-90
			482	0-47-16
			514	0-17-05
			515	0-06-08
			516	0-03-63
			519	0-00-38
			521	0-32-59
			520	0-04-01
			कुल	4-48-66
		भावनापुर	1	0-00-25
			3	0-41-65
			45	0-00-26
			46	0-10-11
			47	0-00-81
			48	0-35-53
			49	0-00-78
			50	0-30-07
			56	0-00-68

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	कुन्डा	भावनापुर	52	0-00-96	प्रतापगढ़	कुन्डा	भावनापुर	910	0-57-69
			55	0-20-41				1252	0-01-82
			54	0-10-71				940	0-00-10
			53	0-24-07				955	0-25-46
			57	0-00-65				953	0-01-44
			67	0-01-61				954	0-10-89
			435	0-00-71				955	0-12-50
			436	0-00-33				957	0-02-15
			437	0-05-41				958	0-18-01
			438	0-04-69				1024	0-07-98
			439	0-04-90				1220	0-01-65
			434	0-00-78				1221	0-23-66
			444	0-36-38				1219	0-01-62
			452	0-01-17				1210	0-00-10
			451	0-29-35				1211	0-08-45
			453	0-00-11				1219	0-00-10
			454	0-05-58				1218	0-01-30
			450	0-00-48				1217	0-02-26
			456	0-35-19				1216	0-01-17
			466	0-00-35				1215	0-00-33
			469	0-00-10				1223	0-02-54
			458	0-00-10				1225	0-01-74
			457	0-26-27				1224	0-07-57
			571	0-08-40				1618	0-10-62
			885	0-04-23				1205	0-12-59
			884	0-04-26				1204	0-00-10
			878	0-04-21				1203	0-00-10
			877	0-02-15				1619	0-06-36
			876	0-00-21				1624	0-07-86
			879	0-12-47				1622	0-04-00
			881	0-02-36				1629	0-00-11
			880	0-00-10				1189	0-00-10
			883	0-16-42				1803	0-34-05
			882	0-03-99				1800	0-04-98
			887	0-00-68				1801	0-02-39
			899	0-01-11				1798	0-01-85
			898	0-25-62				1802	0-02-70
			900	0-00-10				1791	0-00-10
			897	0-01-68				1804	0-06-76
			902	0-00-53				1810	0-10-28
			903	0-03-81				1805	0-05-61
			913	0-04-98				1807	0-04-34
			914	0-07-42				1811	0-02-04
			912	0-03-01				1812	0-11-39
			911	0-01-35				1174	0-01-05

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	कुन्डा	भावनापुर	1173	0-00-29	प्रतापगढ़	कुन्डा	कानूपुर	82	0-00-37
			1841	0-15-84				78	0-00-10
			1840	0-04-36				97	0-15-39
			1812	0-00-14				99	0-17-64
			1839	0-08-49				100	0-04-75
			1838	0-12-21				259	0-06-71
			1837	0-00-10				896	0-06-36
			1834	0-12-29				919	0-11-32
			1833	0-06-17				913	0-03-07
			1829	0-00-17				914	0-01-71
			1830	0-05-24				912	0-00-68
			1831	0-03-01				916	0-00-10
			2164	0-04-88				917	0-00-81
			2165	0-02-95				915	0-03-22
			2163	0-01-96				900	0-30-43
			2172	0-00-45				911	0-52-87
			2171	0-22-47				910	0-03-53
			2170	0-02-00				कुल	2-74-19
			2181	0-04-73					
			2198	0-24-23			महियामऊ	243	0-11-50
			2186	0-05-59				248	0-11-12
			2185	0-16-60				249	0-30-26
			2184	0-39-85				251	0-06-36
			2183	0-01-50				254	0-25-06
			2182	0-34-55				256	0-02-01
			2248	0-00-55				267	0-15-15
			2262	0-53-09				257	0-01-33
			कुल	10-43-16				268	0-04-21
								269	0-01-82
		कानूपुर	17	0-18-40				266	0-11-13
			36	0-00-10				265	0-00-10
			43	0-01-18				260	0-05-19
			44	0-00-91				259	0-00-11
			46	0-08-13				261	0-14-39
			53	0-22-20				199	0-04-70
			54	0-11-39				262	0-03-50
			55	0-13-49				301	0-01-64
			63	0-01-30				718	0-04-78
			65	0-00-65				719	0-00-12
			66	0-00-46				721	0-22-54
			67	0-00-18				720	0-04-56
			68	0-00-15				722	0-00-35
			69	0-00-10				724	0-02-31
			76	0-18-36				723	0-09-52
			77	0-16-49				697	0-06-77
			83	0-01-64				696	0-04-37

1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	कुन्डा	महियामऊ	695	0-04-26
			685	0-04-50
			682	0-01-69
			684	0-03-13
			685	0-03-71
			686	0-07-64
			673	0-01-30
			619	0-06-13
			618	0-02-94
			620	0-04-62
			621	0-00-16
			593	0-04-80
			594	0-01-74
			590	0-07-46
			592	0-01-98
			591	0-00-36
			589	0-29-72
			586	0-05-44
			582	0-02-12
			585	0-02-74
			584	0-02-11
			574	0-00-13
			581	0-00-26
			583	0-07-52
			575	0-07-55
			573	0-00-46
			576	0-03-55
			571	0-18-01
			523	0-09-42
			517	0-00-13
			518	0-00-24
			519	0-16-14
			522	0-01-01
			520	0-17-23
			1233	0-06-53
			1232	0-22-83
			1230	0-01-26
			1231	0-01-09
			895	0-14-38
			894	0-02-02
			896	0-00-14
			898	0-20-34
			901	0-00-44
			902	0-20-70
			900	0-03-17
प्रतापगढ़	कुन्डा	महियामऊ	903	0-08-78
			904	0-01-96
			925	0-19-92
			906	0-00-30
			908	0-09-97
			913	0-00-29
			909	0-13-40
			910	0-07-98
			911	0-09-35
			1211	0-02-88
			1202	0-09-47
			1210	0-00-10
			1203	0-05-52
			1204	0-05-66
			1209	0-00-50
			1208	0-02-91
			1205	0-04-62
			1206	0-07-25
			1207	0-11-01
			1258	0-08-30
			1266	0-04-33
			1267	0-03-17
			1275	0-04-56
			1276	0-05-41
			1277	0-03-89
			1278	0-06-38
			1279	0-01-14
			1272	0-02-73
			1291	0-07-69
			1292	0-02-65
			कुल	6-52-02
	लालगंज	रामगढ़ खास	283	0-02-44
			284	0-18-68
			282	0-10-89
			292	0-01-09
			297	0-03-56
			298	0-03-59
			299	0-08-25
			300	0-01-26
			306	0-01-75
			304	0-06-56
			305	0-10-54
			325	0-12-00
			324	0-01-19

[illegible]

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	लालगंज	रहतिकार	1199	0-20-23	प्रतापगढ़	लालगंज	मुस्ताफाबाद	1697	0-23-18
			1197	0-01-17				1696	0-01-04
			1195	0-23-46				1695	0-62-97
			1192	0-09-01				1694	0-01-60
			1191	0-05-21				1691	0-36-00
			1187	0-02-58				1709	0-00-85
			1157	0-13-14				1750	0-02-79
			1158	0-24-93				1690	0-01-82
			1159	0-30-45				1689	0-00-94
			1145	0-01-85				1742	0-43-84
			1144	0-01-44				1741	0-02-39
			1139	0-07-37				1739	0-10-51
			1140	0-08-16				1740	0-00-10
			1141	0-02-47				1743	0-07-19
			1111	0-78-57				1738	0-24-72
			कुल	9-29-07				1735	0-00-10
	पुरेमाथादा		191	0-05-81				1737	0-13-55
			190	0-00-84				1771	0-00-90
			192	0-05-80				1780	0-03-27
			169	0-08-85				1779	0-01-24
			193	0-06-02				1776	0-07-87
			186	0-02-98				1778	0-24-49
			194	0-03-04				1784	0-00-72
			209	0-00-71				1776	0-02-98
			208	0-06-26				1789	0-14-22
			210	0-03-54				1788	0-00-10
			213	0-15-70				1790	0-08-25
			214	0-00-51				1791	0-11-05
			232	0-03-00				1793	0-20-75
			233	0-00-94				1794	0-03-61
			234	0-19-47				1801	0-08-12
			235	0-14-12				1795	0-19-13
			236	0-00-10				1800	0-00-16
			237	0-26-49				1796	0-07-98
			240	0-01-33				सर्वे नं.	0-00-62
			241	0-09-53				1795, 1796	
			242	0-01-69				ब 1848	
			243	0-29-20				में (रोड)	
			244	0-01-73				1848	0-46-56
			246	0-00-99				1849	0-15-21
			250	0-00-80				1851	0-10-51
			249	0-06-26				1852	0-16-95
			248	0-09-43				1853	0-08-31
			247	0-00-88				1858	0-08-81
			253	0-10-83				1859	0-07-46
			कुल	1-97-45					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	लालगंज	मुस्ताफाबाद	1863	0-24-16	प्रतापगढ़	लालगंज	इतैला	37	0-19-29
			1864	0-07-64				41	0-03-91
			1865	0-12-82				40	0-04-63
			1877	0-03-25				42	0-00-60
			1875	0-00-55				43	0-03-30
			1874	0-15-16				47	0-01-89
			1891	0-26-28				52	0-01-74
			1886	0-44-30				51	0-06-65
			1885	0-02-96				50	0-08-45
			1883	0-00-51				49	0-07-64
			1933	0-00-10				48	0-12-63
			कुल	6-22-09				57	0-02-22
	खजूरी		424	0-01-87				58	0-08-32
			412	0-20-55				101	0-01-22
			418	0-14-94				124	0-00-23
			413	0-01-69				114	0-22-63
			423	0-04-83				123	0-00-36
			417	0-01-21				115	0-01-86
			421	0-08-03				113	0-18-37
			422	0-10-23				112	0-07-43
			486	0-01-82				110	0-13-79
			486/660	0-07-81				111	0-00-24
			490	0-08-14				108	0-00-95
			485	0-19-07				कुल	1-48-35
			484	0-02-25			भेभौरा	128	0-02-38
			482	0-07-66				126	0-02-77
			483	0-03-93				77	0-03-63
			493	0-00-70				85	0-02-65
			492	0-00-89				115	0-20-19
			494	0-00-50				114	0-28-18
			495	0-28-97				105	0-14-41
			477	0-01-88				103	0-06-31
			471	0-13-04				99	0-16-08
			469	0-06-00				100	0-00-86
			468	0-15-44				97	0-00-87
			427	0-00-44				96	0-00-11
			467	0-06-53				95	0-16-35
			466	0-05-99				94	0-09-92
			465	0-02-66				92	0-01-58
			464	0-05-67				91	0-18-31
			463	0-07-87				134	0-11-30
			499	0-07-00				214	0-13-07
			563	0-00-73				216	0-21-34
			564	0-03-78				217	0-02-18
			565	0-00-33				218	0-18-71
			कुल	2-22-45				219	0-01-28

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	लालगंज	भेभौरा	220	0-08-74	प्रतापगढ़	लालगंज	उछापुर	469	0-21-94
			213	0-01-24				460	0-03-98
			221	0-01-31				462	0-09-55
			226	0-02-47				461	0-00-45
			230	0-07-56				463	0-11-47
			231	0-14-03				464	0-15-64
			239	0-13-78				597	0-28-39
			240	0-07-47				596	0-01-00
			241	0-01-73				598	0-00-85
			261	0-00-10				599	0-25-50
			250	0-06-16				581	0-00-10
			251	0-19-25				577	0-27-50
			252	0-03-54				601	0-00-99
			256/463	0-11-57				576	0-01-89
			258	0-00-87				572	0-00-94
			257	0-11-61				567	0-06-43
			256	0-07-32				571	0-00-10
			265	0-02-87				564	0-02-19
			267	0-11-20				565	0-19-95
			268	0-02-96				552	0-01-06
			269	0-01-39				551	0-01-37
			कुल	3-49-65				550	0-13-85
		उछापुर	395	0-03-08				546	0-15-99
			396	0-07-58				439	0-03-30
			397	0-06-14				सर्वे नं. 540	0-15-51
			405	0-06-84				में (पक्की	
			399	0-14-83				रोड)	
			404	0-08-81				540	0-09-62
			400	0-12-15				537	0-09-83
			386	0-01-85				524	0-10-63
			430	0-06-39				536	0-23-97
			429	0-37-52				531	0-03-29
			431	0-00-20				529	0-01-54
			428	0-31-33				532	0-16-02
			437	0-00-74				528	0-01-05
			446	0-34-82				526	0-09-88
			447	0-25-31				कुल	5-74-51
			219	0-04-70			कैथौला	111	0-00-30
			440	0-01-29				117	0-00-10
			451	0-04-00				118	0-04-63
			453	0-09-98				120	0-01-15
			454	0-12-45				121	0-08-50
			455	0-01-00				122	0-00-70
			218	0-26-87				124	0-01-66
			459	0-00-86				126	0-00-90

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	लालगंज	कैथोला	127	0-05-19	प्रतापगढ़	लालगंज	बेल्हा	584	0-00-67
			128	0-11-88				585	0-02-29
			129	0-00-88				582	0-07-98
			131	0-01-76				588	0-08-26
			141	0-03-23				589	0-03-17
			143	0-20-57				609	0-02-20
			144	0-00-15				591	0-01-72
			152	0-22-71				594	0-13-52
			151	0-02-94				590	0-00-14
			कुल	0-87-25				593	0-18-54
	पन्डारी		147	0-06-62				595	0-11-54
			पन्डारी	0-07-51				596	0-00-52
			रजवाहा (सर्वे					597	0-00-85
			नं. 47 व 149					604	0-01-06
			के बीच में)					603	0-03-18
			149	0-26-39				602	0-01-36
			167	0-02-31				601	0-16-47
			154	0-03-95				610	0-02-89
			150	0-00-10				647	0-24-79
			153	0-00-21				646	0-07-12
			155	0-26-89				641	0-00-71
			162	0-00-94				648	0-01-14
			163	0-24-57				654	0-24-61
			210	0-00-92				656	0-02-97
			208	0-16-76				653	0-00-30
			207	0-17-93				650	0-01-43
			206	0-06-97				651	0-11-02
			247	0-17-63				676	0-00-55
			202	0-01-44				660	0-13-75
			201	0-00-78				673	0-00-19
			200	0-11-14				661	0-12-68
			258	0-16-86				662	0-12-23
			271	0-00-47				663	0-05-30
			270	0-01-38				764	0-03-00
			269	0-01-19				765	0-00-10
			264	0-00-72				770	0-44-35
			259	0-27-66				771	0-02-79
			262	0-07-17				सर्वे नं.	0-00-15
			261	0-05-66				862/3413	
			260	0-20-33				व बीवी के	
			261/277	0-03-05				बीच में	
			सर्वे नं.	0-01-37				862/3413	0-00-33
			261/277					855	0-00-43
			में रोड					864	0-03-34
			(एसएच-36)						
			कुल	2-58-92					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	लालगंज	बेल्हा	866	0-28-06	प्रतापगढ़	लालगंज	मेधावान	726	0-03-93
			885	0-00-95				952	0-01-44
			882	0-12-89				953	0-04-79
			883	0-03-43				954	0-00-93
			880	0-01-17				955	0-02-07
			879	0-14-91				956	0-01-53
			878	0-00-72				970	0-00-65
			875	0-25-37				969	0-28-69
			876	0-00-34				971	0-02-08
			877	0-05-24				972	0-11-48
			886	0-00-10				968	0-05-98
			कुल	3-62-82				990	0-01-16
	मेधावान		766	0-04-67				991	0-21-40
			771	0-02-02				1319	0-01-77
			772	0-02-61				1324	0-03-33
			793	0-05-47				1322	0-23-65
			792	0-16-35				1321	0-11-38
			791	0-00-12				1320	0-09-50
			790	0-17-33				1289	0-00-98
			सर्वे नं.	0-14-75				1257	0-12-31
			790 व 789					1256	0-32-35
			के बीच में					1254	0-00-10
			789	0-03-41				1252	0-11-36
			785	0-03-75				1249	0-34-69
			804	0-13-99				1250	0-01-64
			805	0-09-96				1243	0-17-12
			806	0-05-82				1242	0-00-40
			809	0-00-10				1238	0-00-10
			807	0-10-14				सर्वे नं.	0-00-67
			808	0-13-07				1243 व 1169	
			811	0-14-00				के बीच में	
			815	0-02-00				(रोड)	
			812	0-00-66				1169	0-05-45
			714	0-00-10				1170	0-03-57
			715	0-00-10				1168	0-04-93
			731	0-00-35				1167	0-03-47
			722	0-12-17				1166	0-01-47
			721	0-34-86				1171	0-14-37
			719	0-12-08				1165	0-00-15
			717	0-00-38				1170	0-00-73
			718	0-42-21				1177	0-18-02
			708	0-01-55				1178	0-21-19
			707	0-12-06				1179	0-01-24
			706	0-04-30				1180	0-02-82
			705	0-21-08					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	लालगंज	मेधावान	1181	0-18-71	प्रतापगढ़	लालगंज	आजहरा	660	0-16-87
			1198	0-00-66				630	0-01-01
			1199	0-20-79				648	0-07-59
			1200	0-08-59				641	0-01-64
			1195	0-21-85				639	0-18-40
			1197	0-01-26				638	0-01-16
			1193	0-15-64				636	0-27-30
			कुल	6-93-85				634	0-00-79
	लालगंज	रामगढ़	220	0-20-52				611	0-25-57
		रैला						614	0-01-14
			221	0-01-46				606	0-05-68
			कुल	0-21-98				607	0-03-72
		आजहरा	204	0-01-18				607/113	0-01-55
			254	0-17-67				605	0-09-19
			255	0-00-38				604	0-09-53
			252	0-02-43				603	0-00-89
			251	0-00-56				756	0-06-61
			256	0-05-08				912	0-02-91
			257	0-00-55				911	0-15-52
			249	0-01-15				910	0-00-37
			247	0-18-86				909	0-14-04
			267	0-00-28				915	0-20-03
			268	0-01-44				919	0-38-71
			269	0-01-52				918	0-01-28
			270	0-01-06				895	0-00-45
			271	0-01-13				881	0-16-27
			272	0-02-86				880	0-00-84
			273	0-05-01				876	0-05-97
			316	0-01-96				875	0-00-67
			274	0-07-83				874	0-08-85
			275	0-04-03				894	0-01-72
			205	0-01-86				870	0-04-63
			308	0-15-19				882	0-01-50
			276	0-11-29				868	0-00-31
			206	0-06-02				890	0-25-43
			207	0-09-01				869	0-01-81
			288	0-10-62				891	0-06-18
			289	0-16-51				889	0-04-36
			291	0-25-35				888	0-00-30
			293	0-09-57				883	0-01-53
			295	0-26-61				884	0-20-66
			637	0-02-27					
			662	0-01-23				कुल	5-43-49

1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	सदर	सराय देवराय	355	0-07-53
			सर्वे नं.	0-01-47
			355 व 356	
			के बीच में	
			(कार्ट ट्रक)	
			356	0-23-79
			792	0-00-37
			790	0-29-65
			789	0-08-30
			787	0-00-73
			362	0-24-84
			786	0-04-03
			363	0-35-38
			364	0-33-21
			754	0-02-02
			749	0-01-32
			756	0-00-63
			755	0-00-28
			753	0-46-29
			752	0-10-28
			1075	0-01-67
			747	0-00-17
			1077	0-07-66
			1074	0-05-18
			1078	0-00-45
			1079	0-05-08
			1080	0-09-00
			1082	0-09-99
			1084	0-03-79
			730	0-04-87
			731	0-00-38
			729	0-01-12
			728	0-06-84
			727	0-41-58
			726	0-04-45
			725	0-06-48
			1093	0-00-10
			1092	0-01-64
			1094	0-04-21
			724	0-10-28
			708	0-00-13
			1100	0-00-16
			1095	0-10-05

1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	सदर	सराय	1096	0-01-87
		देवराय	1098	0-07-26
			1097	0-11-18
			1099	0-01-28
			1101	0-12-97
			कुल	3-99-96
		पूरे	228	0-05-16
		वैशनाबा		
			231	0-17-07
			230	0-04-13
			232	0-03-63
			264	0-00-10
			235	0-02-00
			234	0-18-47
			271	0-10-93
			268	0-03-89
			272	0-08-31
			269	0-00-30
			270	0-01-64
			सर्वे नं.	0-03-59
			270 व	
			274 के बीच	
			में (रोड़)	
			274	0-16-25
			276	0-22-07
			275	0-00-39
			277	0-16-80
			293	0-04-18
			292	0-14-65
			285	0-01-93
			कुल	1-55-49

[फा. सं. एल-14014/16/2004-जी.पी.]

स्वामी सिंह, निदेशक

New Delhi, the 15th October, 2004

S.O. 2721.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of gas from Thulendi to Phoolpur pipeline project in the State of Uttar Pradesh, a pipeline should be laid by the GAIL (India) Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land)

Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of the notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India are made available to the general public object in writing to the laying of the pipeline under the land to Shri B.M. Mishra, Competent Authority, GAIL (India) Limited, B-35 & 36, Sector-1, Noida-201301 (Uttar Pradesh).

SCHEDULE

District	Tehsil	Village	Survey No.	Area to be acquired for ROU (in hect.)
1	2	3	4	5
Pratapgarh	Kunda	Saray Mahasingh	240	0-02-26
			239	0-09-98
			241	0-04-49
			238	0-00-27
			237	0-01-04
			260	0-00-54
			259	0-01-46
			258	0-09-31
			257	0-07-37
			256	0-04-20
			255	0-04-06
			254	0-06-66
			253	0-07-19
			252	0-12-29
			251	0-00-72
			250	0-03-85
			323	0-21-60
			324	0-00-94
			327	0-19-14
			325	0-04-24
			329	0-02-98
			343	0-01-71
			342	0-06-36
			344	0-06-87
			340	0-00-85
			335	0-10-89
			334	0-15-15
			366	0-04-78
			333	0-00-85
			368	0-49-53
			427	0-08-86
			425	0-20-91
			In Bet	0-00-78
			Svy. No. 425 & 448	
			440	0-00-10

1	2	3	4	5
Pratapgarh	Kunda	Saray	448	0-06-20
		Mahasingh	449	0-04-21
			450	0-05-93
			455	0-03-19
			456	0-06-46
			454	0-05-65
			457	0-04-69
			458	0-10-21
			453	0-00-54
			460	0-00-11
			459	0-02-59
			473	0-00-22
			474	0-05-13
			475	0-05-50
			476	0-24-90
			482	0-47-16
			514	0-17-05
			515	0-06-08
			516	0-03-63
			519	0-00-38
			521	0-32-59
			520	0-04-01
			Total	4-48-66
		Bhavanapur	1	0-00-25
			3	0-41-65
			45	0-00-26
			46	0-10-11
			47	0-00-81
			48	0-35-53
			49	0-00-78
			50	0-30-07
			56	0-00-68
			52	0-00-96
			55	0-20-41
			54	0-10-71
			53	0-24-07
			57	0-00-65
			67	0-01-61
			435	0-00-71
			436	0-00-33
			437	0-05-41
			438	0-04-69
			439	0-04-90
			434	0-00-78
			444	0-36-38
			452	0-01-17
			451	0-29-35
			453	0-00-11
			454	0-05-58
			450	0-00-48

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Pratapgarh Kunda	Bhavanapur	456		0-35-19	Pratapgarh Kunda	Bhavanapur	1618		0-10-62
		466		0-00-35			1205		0-12-59
		469		0-00-10			1204		0-00-10
		458		0-00-10			1203		0-00-10
		457		0-26-27			1619		0-06-36
		571		0-08-40			1624		0-07-86
		885		0-04-23			1622		0-04-00
		884		0-04-26			1629		0-00-11
		878		0-04-21			1180		0-00-10
		877		0-02-15			1803		0-34-05
		876		0-00-21			1800		0-04-98
		879		0-12-47			1801		0-02-39
		881		0-02-36			1798		0-01-85
		880		0-00-10			1802		0-02-70
		883		0-16-42			1791		0-00-10
		882		0-03-99			1804		0-06-76
		887		0-00-68			1810		0-10-28
		899		0-01-11			1805		0-05-61
		898		0-25-62			1807		0-04-34
		900		0-00-10			1811		0-02-04
		897		0-01-68			1812		0-11-39
		902		0-00-53			1174		0-01-05
		903		0-03-81			1173		0-00-29
		913		0-04-98			1841		0-15-84
		914		0-07-42			1840		0-04-36
		912		0-03-01			1812		0-00-14
		911		0-01-35			1839		0-08-49
		910		0-57-69			1838		0-12-21
		1252		0-01-82			1837		0-00-10
		940		0-00-10			1834		0-12-29
		985		0-25-46			1833		0-06-17
		983		0-01-44			1829		0-00-17
		954		0-10-89			1830		0-05-24
		955		0-12-50			1831		0-03-01
		957		0-02-15			2164		0-04-88
		958		0-18-01			2165		0-02-95
		1024		0-07-98			2163		0-01-96
		1220		0-01-65			2172		0-00-45
		1221		0-23-66			2171		0-22-47
		1219		0-01-62			2170		0-02-00
		1210		0-00-10			2181		0-04-73
		1211		0-08-45			2198		0-24-23
		1219		0-00-10			2186		0-05-59
		1218		0-01-30			2185		0-16-60
		1217		0-02-26			2184		0-39-85
		1216		0-01-17			2183		0-01-50
		1215		0-00-33			2182		0-34-55
		1223		0-02-54			2248		0-00-55
		1225		0-01-74			2262		0-53-09
		1224		0-07-57			Total		10-43-16

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Pratapgarh Kunda	Kanupur	17		0-18-40	Pratapgarh Kunda	Mahiamau	301		0-01-64
		36		0-00-10			718		0-04-78
		43		0-01-18			719		0-00-12
		44		0-00-91			721		0-22-54
		46		0-08-13			720		0-04-56
		53		0-22-20			722		0-00-35
		54		0-11-39			724		0-02-31
		55		0-13-49			723		0-09-52
		63		0-01-30			697		0-06-77
		65		0-00-65			696		0-04-37
		66		0-00-46			695		0-04-26
		67		0-00-18			685		0-04-50
		68		0-00-15			682		0-01-69
		69		0-00-10			684		0-03-13
		76		0-18-36			685		0-03-71
		77		0-16-49			686		0-07-64
		83		0-01-64			673		0-01-30
		82		0-00-37			619		0-06-13
		78		0-00-10			618		0-02-94
		97		0-15-39			620		0-04-62
		99		0-17-64			621		0-00-16
		100		0-04-75			593		0-04-80
		259		0-06-71			594		0-01-74
		896		0-06-36			590		0-07-46
		919		0-11-32			592		0-01-98
		913		0-03-07			591		0-00-36
		914		0-01-71			589		0-29-72
		912		0-00-68			586		0-05-44
		916		0-00-10			582		0-02-12
		917		0-00-81			585		0-02-74
		915		0-03-22			584		0-02-11
		900		0-30-43			574		0-00-13
		911		0-52-87			581		0-00-26
		910		0-03-53			583		0-07-52
		Total		2-74-19			575		0-07-55
	Mahiamau	243		0-11-50			573		0-00-46
		248		0-11-12			576		0-03-55
		249		0-31-26			571		0-18-01
		251		0-06-36			523		0-09-42
		254		0-25-96			517		0-00-13
		256		0-02-01			518		0-00-24
		267		0-15-15			519		0-16-14
		257		0-01-33			522		0-01-01
		268		0-04-21			520		0-17-23
		269		0-01-82			1233		0-06-53
		266		0-11-13			1232		0-22-83
		265		0-00-10			1230		0-01-26
		260		0-05-19			1231		0-01-09
		259		0-00-11			895		0-14-38
		261		0-14-39			894		0-02-02
		199		0-04-70			896		0-00-14
		282		0-03-64			898		0-20-34
							901		0-00-44

[illegible]

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	
Pratapgarh	Lalganj	Rahatkar	1595	0-15-15	Pratapgarh	Lalganj	Puremathada	194	0-03-04	
			1594	0-11-82				209	0-00-71	
			1596	0-00-85				208	0-06-26	
			1545	0-01-78				210	0-03-54	
			1546	0-11-22				213	0-15-70	
			1547	0-27-84				214	0-00-51	
			1549	0-07-58				232	0-03-60	
			1510	0-01-73				233	0-00-94	
			1512	0-18-47				234	0-19-47	
			1509	0-00-22				235	0-14-12	
			1506	0-11-46				236	0-00-10	
			1508	0-09-87				237	0-26-49	
			1507	0-04-75				240	0-01-33	
			1419	0-01-97				241	0-09-53	
			1415	0-03-95				242	0-01-69	
			1414	0-00-11				243	0-29-20	
			1413	0-06-26				244	0-01-73	
			1410	0-05-25				246	0-00-99	
			1411	0-14-78				250	0-00-80	
			1412	0-00-10				249	0-06-26	
			1402	0-04-59				248	0-09-43	
			1399	0-19-47				247	0-00-88	
			1398	0-00-11				253	0-10-83	
			1396	0-02-20				Total	1-97-45	
			1395	0-27-47				Mustafabad	1697	0-23-18
			1223	0-00-34					1696	0-01-04
			1224	0-22-58					1695	0-62-97
			1225	0-17-88					1694	0-01-60
			1226	0-01-25					1691	0-36-00
			1202	0-16-72					1709	0-00-85
			1200	0-20-21					1750	0-02-79
			1199	0-20-23					1690	0-01-82
			1197	0-01-17					1689	0-00-94
			1195	0-23-46					1742	0-43-84
			1192	0-09-01					1741	0-02-39
			1191	0-05-21					1739	0-10-51
			1187	0-02-58					1740	0-00-10
			1157	0-13-14					1743	0-07-19
			1158	0-24-93					1738	0-24-72
			1159	0-30-45					1735	0-00-10
			1145	0-01-85					1737	0-13-55
			1144	0-01-44					1771	0-00-90
			1139	0-07-37					1780	0-03-27
			1140	0-08-16					1779	0-01-24
			1141	0-02-47					1776	0-07-87
			1111	0-78-57					1778	0-24-49
			Total	9-29-07					1784	0-00-72
		Puremathada	191	0-05-81					1776	0-02-98
			190	0-00-84					1789	0-14-92
			192	0-05-80					1788	0-00-10
			169	0-08-85					1790	0-08-25
			193	0-06-02					1791	0-11-05
			186	0-02-98					1793	0-20-75

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Pratapgarh	Lalganj	Mustafabad	1794	0-03-61	Pratapgarh	Lalganj	Khajuri	466	0-05-99
			1801	0-08-12				465	0-02-66
			1795	0-19-93				464	0-05-67
			1800	0-00-16				463	0-07-87
			1796	0-07-98				499	0-07-00
			In Svy. No.	0-00-62				563	0-00-73
			1795, 1796					564	0-03-78
			and 1848					565	0-00-33
			(Road)					Total	2-22-45
			1848	0-46-56					
			1849	0-15-21			Italia	37	0-19-29
			1851	0-10-51				41	0-03-91
			1852	0-16-95				40	0-04-63
			1853	0-08-31				42	0-00-60
			1858	0-08-81				43	0-03-30
			1859	0-07-46				47	0-01-89
			1863	0-24-16				52	0-01-74
			1864	0-07-64				51	0-06-65
			1865	0-12-82				50	0-08-45
			1877	0-03-25				49	0-07-64
			1875	0-00-55				48	0-12-63
			1874	0-15-16				57	0-02-22
			1891	0-26-28				58	0-08-32
			1886	0-44-30				101	0-01-22
			1885	0-02-96				124	0-00-23
			1883	0-00-51				114	0-22-63
			1933	0-00-10				123	0-00-36
			Total	6-22-09				115	0-01-86
		Khajuri	424	0-01-87				113	0-18-37
			412	0-20-55				112	0-07-43
			418	0-14-94				110	0-13-79
			413	0-01-69				111	0-00-24
			423	0-04-83				108	0-00-95
			417	0-01-21				Total	1-48-35
			421	0-08-03			Bhebhaura	128	0-02-38
			422	0-10-23				126	0-02-77
			486	0-01-82				77	0-03-63
			486/660	0-07-81				85	0-02-65
			490	0-08-14				115	0-20-19
			485	0-19-07				114	0-28-18
			484	0-02-25				105	0-14-41
			482	0-07-66				103	0-06-31
			483	0-03-93				99	0-16-08
			493	0-00-70				100	0-00-86
			492	0-00-89				97	0-00-87
			494	0-00-50				96	0-00-11
			495	0-28-97				95	0-16-35
			477	0-01-88				94	0-09-92
			471	0-13-04				92	0-01-58
			469	0-06-00				91	0-18-31
			468	0-15-44				134	0-11-30
			427	0-00-44				214	0-13-07
			467	0-06-53				216	0-21-34

3139 GI/04—9

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Pratapgarh	Lalganj	Pandari	149	0-26-39	Pratapgarh	Lalganj	Belha	656	0-02-97
			167	0-02-31				653	0-00-30
			154	0-03-95				650	0-01-43
			150	0-00-10				651	0-11-02
			153	0-00-21				676	0-00-55
			155	0-26-89				660	0-13-75
			162	0-00-94				673	0-00-19
			163	0-24-57				661	0-12-68
			210	0-00-92				662	0-12-23
			208	0-16-76				663	0-05-30
			207	0-17-93				764	0-03-00
			206	0-06-97				765	0-00-10
			247	0-17-63				770	0-44-35
			202	0-01-44				771	0-02-79
			201	0-00-78				In Bet Svy.	0-00-15
			200	0-11-14				No. 862/	
			258	0-16-86				3413 & V.B.	
			271	0-00-47				862/3413	0-00-33
			270	0-01-38				855	0-00-43
			269	0-01-19				864	0-03-34
			264	0-00-72				866	0-28-06
			259	0-27-66				885	0-00-95
			262	0-07-17				882	0-12-89
			261	0-05-66				883	0-03-43
			260	0-20-33				880	0-01-17
			261/277	0-03-05				879	0-14-91
			In Svy. No.	0-01-37				878	0-00-72
			261/277					875	0-25-37
			Road (SH-36)					876	0-00-34
			Total	2-58-92				877	0-05-24
								886	0-00-10
		Belha	584	0-00-67				Total	3-62-82
			585	0-02-29				766	0-04-67
			582	0-07-98			Medhawan	771	0-02-02
			588	0-08-26				772	0-02-61
			589	0-03-17				793	0-05-47
			609	0-02-20				792	0-16-35
			591	0-01-72				791	0-00-12
			594	0-13-52				790	0-17-33
			590	0-00-14				In Bet Svy.	0-14-75
			593	0-18-54				No. 790 &	
			595	0-11-54				789	
			596	0-00-52				789	0-03-41
			597	0-00-85				785	0-03-75
			604	0-01-06				804	0-13-99
			603	0-03-18				805	0-09-96
			602	0-01-36				806	0-05-82
			601	0-16-47				809	0-00-10
			610	0-02-89				807	0-10-14
			647	0-24-79				808	0-13-07
			646	0-07-12				811	0-14-00
			641	0-00-71				815	0-02-00
			648	0-01-14				812	0-00-66
			654	0-24-61					

1	2	3	4	5
Pratapgarh Lalganj	Medhawan	714		0-00-10
		715		0-00-10
		731		0-00-35
		722		0-12-17
		721		0-34-86
		719		0-12-08
		717		0-00-38
		718		0-42-21
		708		0-01-55
		707		0-12-06
		706		0-04-30
		705		0-21-08
		726		0-03-93
		952		0-01-44
		953		0-04-79
		954		0-00-93
		955		0-02-07
		956		0-01-53
		970		0-00-65
		969		0-28-69
		971		0-02-08
		972		0-11-48
		968		0-05-98
		990		0-01-16
		991		0-21-40
		1319		0-01-77
		1324		0-03-33
		1322		0-23-65
		1321		0-11-38
		1320		0-09-50
		1289		0-00-98
		1257		0-12-31
		1256		0-32-35
		1254		0-00-10
		1252		0-11-36
		1249		0-34-69
		1250		0-01-64
		1243		0-17-12
		1242		0-00-40
		1238		0-00-10
		In Bet. Svy.		0-00-67
		No. 1243 &		
		1169 (Road)		
		1169		0-05-45
		1170		0-03-57
		1168		0-04-93
		1167		0-03-47
		1166		0-01-47
		1171		0-14-37
		1165		0-00-15
		1170		0-00-73
		1177		0-18-02

1	2	3	4	5
Pratapgarh Lalganj	Medhawan	1178		0-21-19
		1179		0-01-24
		1180		0-02-82
		1181		0-18-71
		1198		0-00-66
		1199		0-20-79
		1200		0-08-59
		1195		0-21-85
		1197		0-01-26
		1193		0-15-64
		Total		6-93-85
	Ramgarh	220		0-20-52
	Raila			
		221		0-01-46
		Total		0-21-98
	Ajhara	204		0-01-18
		254		0-17-67
		255		0-00-38
		252		0-02-43
		251		0-00-56
		256		0-05-08
		257		0-00-55
		249		0-01-15
		247		0-18-86
		267		0-00-28
		268		0-01-44
		269		0-01-52
		270		0-01-06
		271		0-01-13
		272		0-02-86
		273		0-05-01
		316		0-01-96
		274		0-07-83
		275		0-04-83
		205		0-01-86
		308		0-15-19
		276		0-11-29
		206		0-06-02
		207		0-09-01
		288		0-10-62
		289		0-16-51
		291		0-25-35
		293		0-09-57
		295		0-26-61
		637		0-02-27
		662		0-01-23
		660		0-16-87
		630		0-01-01
		648		0-07-59
		641		0-01-64
		639		0-18-40
		638		0-01-16

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
		Ajhara	636	0-27-30		Sadar	Sarar Devray	752	0-10-28
			634	0-00-79				1075	0-01-67
			611	0-25-57				747	0-00-17
			614	0-01-14				1077	0-07-66
			606	0-05-68				1074	0-05-18
			607	0-03-72				1078	0-00-45
			607/113	0-01-55				1079	0-05-08
			605	0-09-19				1080	0-09-00
			604	0-09-53				1082	0-09-99
			603	0-00-89				1084	0-03-79
			756	0-06-61				730	0-04-87
			912	0-02-91				731	0-00-38
			911	0-15-52				729	0-01-12
			910	0-00-37				728	0-06-84
			909	0-14-04				727	0-41-58
			915	0-20-03				726	0-04-45
			919	0-38-71				725	0-06-48
			918	0-01-28				1093	0-00-10
			895	0-00-45				1092	0-01-64
			881	0-16-27				1094	0-04-21
			880	0-00-84				724	0-10-28
			876	0-05-97				708	0-00-13
			875	0-00-67				1100	0-00-16
			874	0-08-85				1095	0-10-05
			894	0-01-72				1096	0-01-87
			870	0-04-63				1098	0-07-26
			882	0-01-50				1097	0-11-18
			868	0-00-31				1099	0-01-28
			890	0-25-43				1101	0-12-97
			869	0-01-81				Total	3-99-96
			891	0-06-18					
			889	0-04-36			Pure Baishnaba	228	0-03-45
			888	0-00-30				231	0-17-07
			883	0-01-53				230	0-04-43
			884	0-20-66				232	0-03-63
		Total		5-43-49				264	0-00-10
								235	0-02-00
	Sadar	Sarar Devray	355	0-07-53				234	0-18-47
			In Bet. Svy. No. 355 & 356 (Cart Track)	0-01-47				271	0-10-93
			351	0-23-79				268	0-03-89
			792	0-00-37				272	0-08-31
			790	0-29-65				269	0-00-30
			789	0-08-30				270	0-01-64
			787	0-00-73				In Bet Svy. No. 270 & 274 (Road)	0-03-59
			362	0-24-84				274	0-16-25
			786	0-04-03				276	0-22-07
			363	0-35-38				275	0-00-39
			364	0-33-21				277	0-16-80
			754	0-02-02				293	0-04-18
			749	0-01-32				292	0-14-65
			756	0-00-63				285	0-01-93
			755	0-00-28				Total	1-55-49
			753	0-46-29					

[F. No. —14014/16/2004-G.P.]

SWAMI SINGH, Director

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 2004

का.आ. 2722.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उत्तर प्रदेश राज्य में धूलेन्डी से फूलपुर पाइपलाइन परियोजना तक गैस के परिवहन के लिए गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा, एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और, केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाए जाने के संबंध में, श्री बी.एम. मिश्र, सक्षम प्राधिकारी, गेल (इण्डिया) लिमिटेड, बी-35 व 36, सैक्टर-1, नोएडा-201 301 को लिखित रूप में आपेक्ष भेज सकेगा।

अनुसूची

जिला	तहसील	गाँव	सर्वे नं.	आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए हेक्टर एयर स्क.मी.
1	2	3	4	5
इलाहाबाद	सौरोंव	प्रलाबालपुर	399	0-00-66
			400	0-00-10
			401	0-03-45
			406	0-06-79
			405	0-01-04
			404	0-00-10
			407	0-07-63
			409	0-39-62
			477	0-01-18
			476	0-28-87
			410	0-02-58
			411	0-00-82
			470	0-03-09
			468	0-00-77
			415	0-09-27
			414	0-15-52
			416	0-01-92
			423	0-04-76

1	2	3	4	5
इलाहाबाद	सौरोंव	प्रलाबालपुर	422	0-00-86
			417	0-05-72
			418	0-04-92
			419	0-02-98
			(रोड़) सर्वे नं. 419, 418 व 417 में	0-01-94
			1026	0-00-10
			1025	0-17-42
			1024	0-01-17
			1023	0-19-41
			1033	0-19-48
			1035	0-01-63
			1034	0-00-15
			1008	0-03-35
			1036	0-08-15
			1037	0-00-35
			1007	0-02-75
			1038	0-02-70
			1006	0-00-97
			1005	0-14-12
			1004	0-08-71
			1003	0-00-10
			1055	0-05-71
			1056	0-00-65
			1063	0-00-44
			1129	0-01-02
			1130	0-04-71
			1128	0-04-60
			1132	0-03-56
			1127	0-07-82
			1131	0-10-41
			1121	0-05-29
			1120	0-04-32
			1127	0-04-86
			1125	0-00-10
			1138	0-00-10
			1141	0-06-43
			1142	0-02-34
			1132	0-01-36
			1137	0-26-88
			1144	0-01-68
			1138	0-01-06
			1145	0-00-10
			1139	0-01-49
			1143	0-00-87
			1140	0-07-60

1	2	3	4	5
इलाहाबाद	सौराँव	प्रलाबालपुर	(नाला) सर्वे नं. 1151 व 1140 में	0-03-72
			1151	0-00-42
			1149	0-03-30
			1152	0-26-36
			1154	0-05-01
			1155	0-00-20
			1153	0-01-55
			कुल	3-89-11

[फा. सं. एल-14014/16/2004-जी.पी]
स्वामी सिंह, निदेशक

New Delhi, the 15th October, 2004

S.O. 2722.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of gas from Thulendi to Phoolpur pipeline project in the State of Uttar Pradesh, a pipeline should be laid by the GAIL (India) Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of the notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India are made available to the general public object in writing to the laying of the pipeline under the land to Shri B.M. Mishra, competent Authority, GAIL (India) Limited, B-35 & 36, Sector-1, Noida-201 301 (Uttar Pradesh).

SCHEDULE

District	Tehsil	Village	Survey No.	Area to be acquired for ROU in/Hect./ Arc./Sq Metre
1	2	3	4	5
Allahabad	Soraon	Pralabalpur	399	0-00-66
			400	0-00-10
			401	0-03-45
			406	0-06-79
			405	0-01-04

1	2	3	4	5
Allahabad	Soraon	Pralabalpur	404	0-00-10
			407	0-07-63
			409	0-39-62
			477	0-01-18
			476	0-28-87
			410	0-02-58
			411	0-00-82
			470	0-03-09
			468	0-00-77
			415	0-09-27
			414	0-15-52
			416	0-01-92
			423	0-04-76
			422	0-00-86
			417	0-05-72
			418	0-04-92
			419	0-02-98
			(Road) in Svy. No. 419 418 & 417	0-01-94
			1026	0-00-10
			1025	0-17-42
			1024	0-01-17
			1023	0-19-41
			1033	0-19-48
			1035	0-01-63
			1034	0-00-15
			1008	0-03-35
			1036	0-08-15
			1037	0-00-35
			1007	0-02-75
			1038	0-02-70
			1006	0-00-97
			1005	0-14-12
			1004	0-08-71
			1003	0-00-10
			1055	0-05-71
			1056	0-00-65
			1063	0-00-44
			1129	0-01-02
			1130	0-04-71
			1128	0-04-60
			1132	0-03-56
			1127	0-07-82
			1131	0-10-41
			1121	0-05-29
			1120	0-04-32

1	2	3	4	5
Allahabad	Soraon	Pralabapur	1127	0-04-86
			1125	0-00-10
			1138	0-00-10
			1141	0-06-43
			1142	0-02-34
			1132	0-01-36
			1137	0-26-88
			1144	0-01-68
			1138	0-01-06
			1145	0-00-10
			1139	0-01-49
			1143	0-00-87
			1140	0-07-60
		(Nala) in		
		Svy. No. 1151	0-03-72	
		& 1140		
		1151	0-00-42	
		1149	0-03-30	
		1152	0-26-36	
		1154	0-05-01	
		1155	0-00-20	
		1153	0-01-55	
Total			3-89-11	

[F. No. L-14014/16/2004-G.P.]

SWAMI SINGH, Director

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 2004

का.आ. 2723. — केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उत्तर प्रदेश राज्य में थूलेन्डी से फूलपुर पाइपलाइन परियोजना तक गैस के परिवहन के लिए गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा, एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में, श्री बी.एम. मिश्र, सक्षम प्राधिकारी, गेल (इण्डिया) लिमिटेड, बी-35 व 36, सैक्टर-1, नोएडा-201 301 को लिखित रूप में आपेक्ष भेज सकेगा।

अनुसूची				
जिला	तहसील	गाँव	सर्वे नं.	आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए हैक्ट. एयर स्क.मी.
1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	लालगंज	पारनीपुर	284	0-02-57
			573 (रोड़)	0-02-89
			570	0-07-54
			569	0-21-22
			560	0-01-60
			568	0-01-99
			567	0-00-10
			508	0-13-11
			565	0-34-76
			563	0-03-41
			557	0-00-13
			564	0-01-71
			551	0-04-26
			561	0-01-11
			554	0-16-26
			637	0-06-69
			553	0-01-53
			638	0-00-10
			673	0-08-63
			672	0-11-51
			668	0-05-86
			669	0-11-79
			676	0-01-29
			674	0-00-61
			670	0-00-31
			675	0-00-78
			677	0-00-79
			678	0-16-70
			679	0-04-06
			680	0-16-89
			743	0-00-29
			745	0-09-12
			736	0-00-59
			777	0-00-82
			737	0-15-43
			738	0-07-88
			739	0-04-22
			740	0-00-77
			774	0-21-49
			775	0-01-53
			773	0-00-49
			786	0-17-07

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	लालगंज	पारनीपुर	785	0-20-89	प्रतापगढ़	लालगंज	कालनपुर	6	0-06-60
			797	0-00-10				66	0-01-21
			806	0-14-85				68	0-19-40
			807	0-10-36				69	0-03-13
			805	0-00-10				67	0-07-04
			808	0-15-86				66	0-01-42
			809	0-02-53				19	0-00-26
			कुल	3-53-59				65	0-00-22
	रूहादा	1(सई नदी)		0-05-33				64	0-13-50
		4		0-07-29				63	0-07-51
		6		0-17-38				56	0-00-15
		6/362		0-00-78				57	0-19-68
		58		0-06-46				60	0-00-22
		57		0-04-04				59	0-01-18
		60		0-43-10				53	0-20-13
		59		0-03-88				50	0-00-13
		56		0-00-52				52	0-15-01
		65(कार्ट ट्रक)		0-06-37				45	0-02-01
		62		0-18-87				51	0-00-19
		63		0-01-15				49	0-00-24
		64		0-15-96				90	0-18-14
		258		0-02-05				106	0-02-94
		259		0-22-90				92	0-09-54
		76		0-00-12				105	0-04-75
		260		0-01-85				95	0-01-06
		261		0-21-50				103	0-02-34
		262		0-00-10				96	0-29-72
		263		0-38-39				97	0-01-45
		264		0-01-44				98	0-05-78
		274		0-01-86				(रोड) सर्वे	
		275		0-01-27				नं. 98	0-01-69
		273		0-00-13				400	0-12-75
		277		0-18-00				399	0-09-37
		279		0-37-31				398	0-03-81
		283		0-32-31				401	0-02-25
		289		0-44-49				405	0-06-35
		299		0-08-40				404	0-01-76
		288		0-06-13				406	0-24-39
		307		0-17-07				412	0-01-37
		306		0-00-59				407	0-00-37
		308		0-06-14				411	0-00-20
		309		0-03-09				413	0-24-29
		311		0-35-07				416	0-02-17
		310		0-00-93				417	0-00-12
		कुल		4-32-27					

1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	लालगंज	कालनपुर	418	0-27-81
			419	0-00-73
			421	0-07-16
			420	0-06-32
			422	0-03-88
			423	0-02-79
			424	0-12-24
			कुल	4-46-77
	बाछाबल		207	0-02-71
			208	0-12-48
			209	0-10-38
			210	0-15-85
			211	0-05-32
			212	0-11-49
			213	0-12-56
			235	0-16-71
			236	0-07-71
			234	0-10-60
			233	0-14-06
			238	0-00-10
			232	0-03-08
			229	0-13-14
			231	0-17-73
			230	0-09-55
			228	0-02-19
			274	0-04-85
			कुल	1-65-51
	पुरनेता		309	0-01-13
			310	0-28-04
			306	0-00-81
			304	0-34-08
			300	0-00-20
			299	0-01-21
			298	0-26-89
			297	0-01-22
			291	0-02-70
			292	0-10-29
			293	0-09-73
			294	0-02-65
			289	0-17-87
			287	0-13-74
			284	0-17-17
			564	0-04-12
			532	0-02-41
			283	0-00-35
			782	0-03-52
			533	0-07-51
			552	0-14-95

1	2	3	4	5
प्रतापगढ़	लालगंज	पुरनेता	553	0-14-43
			554	0-11-65
			558	0-01-27
			555	0-05-68
			562	0-15-06
			565	0-00-60
			566	0-12-41
			568	0-01-59
			572	0-29-00
			574	0-02-53
			कुल	2-94-81

[फा. सं. एल-14014/16/2004-जी.पी]

स्वामी सिंह, निदेशक

New Delhi, the 15th October, 2004

S.O. 2723.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of gas from Thulendi to Phoolpur pipeline project in the State of Uttar Pradesh, a pipeline should be laid by the GAIL (India) Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1960), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of the notification issued under Sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India are made available to the general public object in writing to the laying of the pipeline under the land to Shri B.M. Mishra, Competent Authority, GAIL (India) Limited, B-35 & 36, Sector-1, Noida-201301 (Uttar Pradesh).

SCHEDULE

District	Tehsil	Village	Survey No.	Area to be acquired for ROU hect./Are./Sq Metre
1	2	3	4	5
Pratapgarh	Lalganj	Paranipur	284	0-02-57
			573(Road)	0-02-89
			570	0-07-54
			569	0-21-22
			560	0-01-60

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	Kalanpur	63	0-07-51			Bachhabal	207	0-02-71	
		56	0-00-15				208	0-12-48	
		57	0-19-68				209	0-10-38	
		60	0-00-22				210	0-15-85	
		59	0-01-18				211	0-05-32	
		53	0-20-13				212	0-11-49	
		50	0-00-13				213	0-12-56	
		52	0-15-01				235	0-16-71	
		45	0-02-01				236	0-07-71	
		51	0-00-19				234	0-10-60	
		49	0-00-24				233	0-14-06	
		90	0-18-14				238	0-00-10	
		106	0-02-94				232	0-03-08	
		92	0-09-54				229	0-13-14	
		105	0-04-75				231	0-17-73	
		95	0-01-06				230	0-09-55	
		103	0-02-34				228	0-02-19	
		96	0-29-72				274	0-04-85	
		97	0-01-45				Total	1-65-51	
		98	0-05-78			Purenotn	309	0-01-13	
	(Road) in						310	0-28-04	
	Svy. No. 98						306	0-00-81	
	400		0-12-75				304	0-34-08	
	399		0-09-37				300	0-00-20	
	398		0-03-81				299	0-01-21	
	401		0-02-25				298	0-26-89	
	405		0-06-35				297	0-01-22	
	404		0-01-76				291	0-02-70	
	406		0-24-39				292	0-10-29	
	412		0-10-37				293	0-09-73	
	407		0-00-37				294	0-02-65	
	411		0-00-20				289	0-17-87	
	413		0-24-29				287	0-13-74	
	416		0-02-17				284	0-17-17	
	417		0-00-12				564	0-04-12	
	418		0-27-81				532	0-02-41	
	419		0-00-73				283	0-00-35	
	421		0-07-16				282	0-03-52	
	420		0-06-32				533	0-07-51	
	422		0-03-88				552	0-14-95	
	423		0-02-79				553	0-14-43	
	424		0-12-24				554	0-11-65	
							558	0-01-27	
							555	0-05-68	
							562	0-15-06	
							565	0-00-60	
							566	0-12-41	
							568	0-01-59	
							572	0-29-00	
							574	0-02-53	
							Total	2-94-81	
	Total		3-46-77						

[F. No. L-14014/16/2004-G.P.]

SWAMI SINGH, Director

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 2004

का.आ. 2724.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उत्तर प्रदेश राज्य में थूलेन्डी से फूलपुर पाइपलाइन परियोजना तक गैस के परिवहन के लिए गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा, एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को उक्तपाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में, श्री बी.एम. मिश्र, सक्षम प्राधिकारी, गेल (इण्डिया) लिमिटेड, बी-35 व 36, सैक्टर-1, नोएडा-201 301 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

जिला तहसील गाँव सर्वे नं. आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए हैक्ट./एयर/स्क.मी.

1	2	3	4	5
राय बरेली	महाराज गंज	थूलेन्डी	1552	0-02-45
			1551	0-04-65
			2323	0-04-02
			2307	0-01-88
			2311	0-15-93
			2310	0-04-33
			2312	0-01-28
			2313	0-08-27
			2350	0-04-23
			2352	0-13-21
			2354	0-01-93
			2353	0-00-10
			2987	0-07-54
			2905	0-00-61
			2386	0-00-86
			2393	0-05-34
			2991	0-08-02
			2995	0-00-19
			2994	0-04-99

1	2	3	4	5
राय बरेली	महाराज गंज	थूलेन्डी	2992	0-06-17
			2339	0-04-08
			3027	0-07-75
			3028	0-04-13
			3029	0-03-46
			3026	0-00-60
			3032	0-01-63
			3033	0-00-82
			3034	0-07-86
			3038	0-01-43
			3035	0-13-54
			3037	0-06-98
			3036	0-10-70
			3053	0-12-28
			3052	0-04-17
			3054	0-08-92
			3055	0-02-59
			कुल	1-86-94
मलिक पुर			214	0-09-80
			215	0-07-93
			216	0-02-30
			219	0-14-66
			218	0-01-46
			221	0-06-40
			250	0-02-46
			222	0-14-55
			249	0-01-65
			248	0-08-35
			247	0-08-95
			246	0-02-92
			241	0-19-90
			कुल	1-01-56
हरदोई			1625	0-00-49
			1724	0-17-59
			1725	0-09-20
			1726	0-01-72
			1727	0-02-88
			1779	0-00-31
			1777	0-04-09
			1773	0-04-88
			1778	0-02-06
			1776	0-06-44
			1775	0-14-83
			1773	0-02-21

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	महाराज गंज	हरदोई	1774	0-12-92	राय बरेली	महाराज गंज	हरदोई	2321	0-01-05
			1740	0-01-77				2327	0-06-21
			1772	0-05-42				सर्वे नं. 2327	
			1766	0-01-06				ब 2324	0-00-18
			1767	0-10-56				के बीच	
			1765	0-06-96				2324	0-04-69
			1468	0-01-87				2326	0-11-43
			1748	0-00-71				(नाला) सर्वे	
			1761	0-02-76				न. 226	0-00-93
			1760	0-03-96				2325	0-02-86
			1751	0-06-07				(नाला) सर्वे	
			1750	0-00-52				न. 2325	0-01-88
			1752	0-04-02				2660	0-09-20
			1753	0-02-04				कुल	2-96-53
			1697	0-03-32			अतरा	404	0-00-10
			सर्वे नं. 1753	0-11-69				408	0-04-57
			ब 1678					409	0-19-08
			के बीच					422	0-34-87
			1696	0-00-25				421	0-00-74
			1678	0-01-03				420	0-06-27
			1677	0-01-24				442	0-02-06
			1679	0-08-86				441	0-00-10
			1696	0-02-16				440	0-05-05
			1680	0-05-46				443	0-07-48
			1675	0-00-50				439	0-04-36
			1681	0-08-73				434	0-00-15
			1660	0-02-79				435	0-12-93
			1661	0-07-53				436	0-01-87
			1659	0-00-23				437	0-08-95
			1247	0-01-34				458	0-03-35
			2305	0-02-84				459	0-07-32
			2304	0-00-82				811	0-04-49
			2306	0-04-25				830	0-01-90
			2307	0-02-48				829	0-01-02
			2310	0-07-46				831	0-02-61
			2360	0-01-36				832	0-01-71
			2312	0-12-79				810	0-00-32
			2353	0-01-12				842	0-03-16
			2313	0-07-31				843	0-01-76
			2303	0-05-25				841	0-12-15
			2302	0-02-72				840	0-00-84
			2312	0-02-83				844	0-08-54
			2301	0-04-72				850	0-00-79
			2316	0-06-95				851	0-00-12
			2317	0-07-19				852	0-05-90
			2318	0-00-35				853	0-11-19
			2320	0-05-19				854	0-06-20

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	महाराज गंज	अतरा	896	0-00-51	राय बरेली	महाराज गंज	हाजीपुर	401	0-07-19
			895	0-12-02				402	0-11-55
			894	0-00-87				504ए	0-17-15
			890	0-02-22				504बी	0-17-77
			887	0-13-00				505	0-01-74
			886	0-02-51				506बी	0-21-93
			884	0-00-25				503	0-02-98
			891	0-00-75				519	0-03-72
			990	0-00-86				518	0-02-44
			987	0-01-67				515	0-00-71
			988	0-05-41				517	0-04-49
			989	0-00-70				516	0-07-85
			986	0-10-62				515	0-07-05
			984	0-05-50				534	0-01-05
			965	0-00-61				535	0-08-16
			963	0-01-12				536	0-26-15
			962	0-00-90				कुल	2-28-45
			964	0-09-46					
			985	0-02-69			बलाई मऊ	38	0-19-64
		सर्वे न. 985						40	0-03-47
		च 959	0-01-17					41	0-03-45
		के बीच						42	0-03-85
			959	0-25-78				कुल	0-30-41
			958	0-13-67					
			953	0-00-67			पाखनपुर	309	0-29-00
			952	0-00-56				315	0-00-39
			950	0-16-99				316	0-05-02
			949	0-03-34				318	0-00-14
			951	0-02-87				329	0-59-90
			941	0-11-37				(पक्की	
			946	0-00-93				सड़क) सर्वे	0-88-15
			1028	0-02-35				न. 329	
			1024	0-14-44				329	0-28-25
			1035	0-01-10				337	0-45-84
			कुल	3-48-77				(कैनाल) सर्वे	
								न. 337	0-57-23
								337	0-11-39
								कुल	3-25-31
		हाजीपुर	364	0-24-09					
			362	0-04-00					
			365	0-02-76			बरथुवा	28	0-04-48
			366	0-08-86				29	0-08-00
			367	0-33-90				30	0-00-13
			369	0-00-68				45	0-01-11
			342	0-05-16				37	0-37-65
			398	0-01-77				38	0-00-50
			404	0-02-19				43	0-00-85
			491	0-00-14				42	0-05-31
			403	0-02-97				41	0-04-30

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	
राय बरेली	महाराज गंज	बरथुवा	40	0-09-14	राय बरेली	महाराज गंज	बेनीपुर	48	0-08-92	
			111	0-00-13				49	0-07-82	
			106	0-18-08				50	0-00-68	
			107	0-01-55				55	0-02-21	
			108	0-07-72				58	0-00-95	
			110	0-01-93				65	0-04-97	
			109	0-03-22				66	0-03-49	
			113	0-00-45				67	0-14-33	
			107/1636	0-00-60				68	0-15-85	
			121	0-00-59				69	0-17-39	
			122	0-07-13				70	0-00-91	
			123	0-05-45				77	0-02-24	
			124	0-06-61				78	0-00-47	
			125	0-08-23				80	0-00-10	
			120	0-00-63				76	0-30-83	
			128	0-01-43				99	0-00-38	
			129	0-01-07				73	0-04-11	
			127	0-05-32				75	0-12-12	
			88	0-01-71				74	0-04-19	
			131	0-09-52				40	0-38-83	
			132	0-01-05				22	0-00-45	
			164	0-05-20				39	0-01-01	
			373	0-04-36				20	0-06-34	
			374	0-14-88				34	0-23-54	
			372	0-01-48				21	0-02-80	
			368	0-00-40				33	0-00-94	
			367	0-05-19				36	0-21-35	
			375	0-08-60				37	0-03-42	
			366	0-00-11				कुल	2-30-64	
			377	0-02-62				इन्धोरा	84	0-39-00
			380	0-01-13				81	0-00-65	
			381	0-07-55				82	0-00-72	
			383	0-16-01				83	0-02-40	
			379	0-04-59				80	0-18-31	
			299	0-02-89				141	0-07-82	
			298	0-10-84				140	0-02-89	
			287	0-02-30				139	0-26-04	
			297	0-00-74				138	0-00-21	
			296	0-02-30				सर्वे नं. 137		
			378	0-01-05				व 132	0-00-22	
			316	0-00-74				के बीच		
			295	0-01-88				132	0-00-40	
			294	0-01-04				142	0-00-84	
			283	0-23-38				144	0-04-99	
			286	0-01-13				146	0-09-84	
			287	0-05-65				145	0-04-60	
			279	0-00-85						
			कुल	2-80-80						

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	महाराज गंज	इन्धोरा	152	0-07-56	राय बरेली	राय बरेली	धूनावर	214	0-00-41
			153	0-15-52				228	0-05-34
			154	0-02-32				227	0-17-74
			155	0-04-58				218	0-09-78
			157	0-00-40				222	0-23-40
			156	0-02-49				222/1126	0-00-18
			173	0-20-27				220	0-02-40
		सर्वे न. 173						221	0-08-13
		व 168	0-05-44					223	0-31-10
		के बीच						358	0-59-21
		168	0-04-36					(कच्ची	
		175	0-01-12					रोड़) सर्वे	0-02-89
		164	0-00-61					नं. 358 में	
		166	0-00-76					359	0-21-28
		167	0-02-70					362	0-04-40
		340	0-00-55					सर्वे नं. 359	
		341	0-00-60					व 363 के	0-04-99
		342	0-24-20					बीच	
		469	0-32-30					363	0-24-09
		कुल	2-44-71					364	0-00-40
								365	0-05-26
राय बरेली	मलिक पुर		349	0-02-82				366	0-14-03
	बन्ना		348	0-25-17				365	0-20-49
			346	0-13-24				383	0-00-83
			347	0-05-30				384	0-08-10
			345	0-13-62				173	0-02-50
			341	0-19-92				172	0-18-72
			340	0-19-54				170	0-03-11
			339	0-06-16				384	0-00-30
			332	0-13-07				168/1127	0-03-38
			338	0-02-02				388	0-27-21
			333	0-01-41				157	0-05-58
			331	0-04-31				156	0-11-20
			330	0-08-60				कुल	4-17-92
			329	0-10-82				बावन	1370
			326	0-03-19				बुगूर्ज	1382
			कुल	1-49-19				(बल्ला)	1372
	धूनावर		23 (रोड़)	0-02-68					1375
			10	0-05-13					1373
			9	0-05-75					1380
			8	0-06-89					1379
			1	0-21-81					1442
			7	0-16-51					1443
			18	0-01-35					1444
			47	0-05-45					1665
			212	0-15-90					1661

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	राय बरेली	बावन	1667	0-08-84	राय बरेली	राय बरेली	बावन	2305	0-00-10
		बुगूँज	1668	0-00-55			बुगूँज	2398	0-13-97
		(बल्ला)	1669	0-06-29			(बल्ला)	2399	0-01-73
			1670	0-21-56				2400	0-01-63
			1671	0-00-45				2401	0-18-54
			1672	0-05-63				2416	0-04-03
			1673	0-11-12				2415	0-01-22
			1674	0-02-87				2411	0-01-45
			1676	0-00-10				2412	0-03-88
			1675	0-21-50				2413	0-06-26
			1704	0-00-47				2414	0-05-97
			1702	0-06-81				(कैनाल)	0-09-13
			1701	0-12-82				2167	
			1716	0-05-80				2137	0-00-83
			1717	0-06-01				2136	0-00-88
			1718	0-10-54				2142	0-55-24
			1720	0-18-67				2133	0-14-94
			1721/5615	0-01-16				2127	0-02-73
			2200	0-27-01				2124	0-17-60
			2199	0-08-77				2047	0-03-60
			2201	0-02-04				2048	0-00-41
			2198	0-00-56				2123	0-27-67
			2202	0-01-57				2121	0-04-93
			2211	0-00-63				2050	0-00-44
			2212	0-02-86				2120	0-20-39
			2197	0-00-96				2060	0-18-52
			2196	0-30-00				2108	0-10-59
			2195	0-00-24				2107	0-23-89
			2194	0-04-13				2103	0-22-11
			1749	0-23-27				2104	0-05-52
			2191	0-12-37				2102	0-10-71
			2190	0-30-51				2099	0-07-45
			2184	0-10-11				2068	0-44-70
		(रोड) सर्वे						2097	0-71-62
		नं. 2184	0-05-83					2096	0-08-12
		ब 2190						3297	0-71-83
			2187	0-05-61				कुल	9-85-29
			2188	0-03-02				202	0-25-00
			2179	0-02-19			धूलवास	536	0-02-88
			2178	0-00-95				535	0-03-16
			2180	0-11-56				534	0-24-04
			2176	0-03-71				203	0-03-34
			2172	0-30-21				531	0-02-09
			2406	0-01-80				532	0-01-35
			2396	0-01-51				530	0-09-92
			2397	0-01-78				213	0-02-47

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	राय बरेली	थूलवास	527	0-15-34	राय बरेली	राय बरेली	थूलवास	882	0-00-10
			525	0-20-00				854	0-16-34
			526	0-02-76				855	0-24-03
			522	0-01-86				851	0-10-79
			521	0-50-60				858	0-15-23
			517	0-00-10				859	0-02-42
			516	0-00-49				859/1781	0-04-18
			549	0-04-54				861	0-03-33
			506	0-13-50				842	0-01-45
			495	0-11-53				836	0-00-51
			505	0-04-33				838	0-07-41
			496	0-03-56				863	0-11-01
			501	0-07-59				839	0-00-23
			504	0-07-55				837	0-09-68
			503	0-02-83				(कार्ट ट्रक)	
			502	0-02-58				840	0-01-51
		सर्वे नं. 503						826/1678	0-03-09
		व 562 के	0-03-25					825	0-07-50
		बीच						सर्वे नं. 826/	
		(कार्ट ट्रक)						1678 व	0-00-10
		562	0-01-86					824 के	
		सर्वे नं. 562						बीच	
		व 597 के	0-00-37					सर्वे नं. 826/	
		बीच						1678 व	0-10-35
		597	0-18-64					824 के	
		594	0-01-80					बीच	
		593	0-08-19					824	0-20-63
		592	0-03-29					823	0-08-31
		591	0-14-41					971	0-07-24
		585	0-09-89					980	0-07-94
		590	0-05-11					981	0-79-82
		586	0-03-19					कुल	6-44-44
		587	0-00-21			लोधवा मऊ	20		0-27-20
		584	0-06-82				24		0-00-10
		581	0-00-11				25		0-01-71
		582	0-01-35				40		0-23-66
		583	0-04-43				48		0-06-28
		658	0-13-72				47		0-17-10
		657	0-01-79				49		0-03-08
		656	0-05-83				50		0-00-13
		655	0-03-17				51		0-03-53
		643	0-07-03				52		0-05-00
		659	0-06-72				53		0-15-48
		660	0-34-57				54		0-02-24
		884	0-10-87				63		0-00-10
		885	0-00-10				62		0-16-81
		883	0-01-11				65		0-02-57

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	राय बरेली	लोधवा मऊ	97	0-04-53	राय बरेली	राय बरेली	मरदानपुर	28	0-12-46
			98	0-09-81				29	0-03-59
			94	0-19-88				31	0-12-54
			91	0-03-70				32	0-28-40
			84	0-17-82				46	0-00-33
			83	0-00-44				34	0-01-75
			85	0-19-29				35	0-01-91
			224	0-05-49				46	0-40-83
			86	0-00-52				50	0-06-64
			430	0-11-27				51	0-03-35
			434	0-02-72				53	0-01-46
			433	0-07-11				52	0-07-05
			432	0-15-67				61	0-03-31
			447	0-14-45				74	0-19-59
			454	0-17-34				71	0-00-36
			455	0-16-65				72	0-16-74
			453	0-01-09				92	0-05-11
			456	0-04-53				93	0-15-77
			429	0-17-47				109	0-14-82
			463	0-01-39				110	0-02-54
			464	0-07-50				90	0-11-16
			465	0-00-57				146	0-00-95
			कुल	3-24-23				147	0-00-93
		पहाड़ीपुरी	86	0-03-66				140	0-20-96
		मदनपुर	438	0-01-41				114	0-00-54
			477	0-18-16				139	0-00-91
			479	0-22-34				138	0-00-83
			494	0-03-08				137	0-02-17
			493	0-12-61				134	0-01-59
			481	0-03-62				133	0-00-87
			484	0-01-41				141	0-04-61
			485	0-02-14				132	0-09-75
			492	0-00-69				131	0-05-16
			486	0-26-42				204	0-02-56
			487	0-00-13				202	0-20-87
			489	0-01-04				213	0-00-52
			490	0-29-70				201	0-00-84
			491	0-01-42				214	0-00-96
			535	0-01-69				200	0-02-37
			532	0-00-10				215	0-08-62
			536	0-24-66				221	0-26-43
			537	0-02-19				223	0-01-52
			538	0-00-77				224	0-01-41
			539	0-02-15				सर्वे न.	
			543	0-09-58				224 व 231	0-13-79
			540	0-10-57				के बीच	
			541	0-03-64					
			कुल	1-83-18					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	राय बरेली	मरदानपुर	231	0-17-39	राय बरेली	राय बरेली	चक पीरा	1	0-17-08
			232	0-02-07			शाह	3	0-09-35
			230	0-03-93				2	0-02-01
			229	0-03-73				11	0-00-64
			228	0-00-75				12	0-00-48
			227	0-22-15				13	0-12-42
			233	0-00-10				14	0-12-77
			402	0-00-15				15	0-02-39
			226	0-00-97				16	0-05-41
			404	0-15-36				140	0-17-34
			405	0-00-73				141	0-05-40
			403	0-14-37				142	0-12-78
			399	0-05-09				138	0-05-99
			397	0-02-79				143	0-00-42
			396	0-19-38				144	0-00-44
			कुल	4-47-83				152	0-00-25
	रासेहेथा		528	0-24-78				153	0-02-21
			525	0-21-60				160	0-04-94
			524	0-11-76				161	0-28-57
			523	0-03-98				166	0-00-18
			535	0-00-21				167	0-24-88
			520	0-02-93				168	0-12-94
			537	0-03-02				169	0-13-81
			536	0-02-25				171	0-02-95
			519	0-21-31				170	0-16-29
			492	0-15-34				कुल	2-11-00
			539	0-09-97				332	0-00-55
			481	0-03-69			सन्धेनागीन	331	0-19-42
			481	0-00-36				325	0-01-01
			540	0-14-73				330	0-11-63
			541	0-45-15				344	0-20-37
			546	0-00-28				345	0-12-29
			548	0-02-69				305	0-00-36
			455	0-04-23				सर्वे न.	
			474	0-02-52				305 व 346	0-01-32
			575	0-26-21				के बीच	
			729	0-00-84				346	0-16-34
			730	0-16-80				347	0-24-96
			731	0-19-20				351	0-01-94
			732	0-00-64				348	0-06-86
			733	0-02-21				349	0-06-58
			735	0-00-35				354	0-07-71
			777	0-15-72				350	0-01-77
			780	0-26-74				250	0-63-58
			784	0-10-05				249	0-21-11
			कुल	3-09-56				353	0-01-40

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	राय बरेली	सन्धेनागीन	398	0-00-87	राय बरेली	राय बरेली	जलालपुर	247	0-01-12
			(रजवाहा					248	0-04-54
			केनाल)	0-02-03				249	0-03-29
			सर्वे न. 249					250	0-04-56
			(रजवाहा					288	0-09-70
			केनाल)	0-00-78				251	0-01-59
			सर्वे न. 353					253	0-06-55
			(रजवाहा					254	0-09-96
			केनाल)	0-00-86				255	0-06-98
			सर्वे न. 398					287	0-03-10
			(रजवाहा					256	0-11-98
			केनाल)	0-04-00				284	0-08-97
			सर्वे न. 241					283	0-05-22
			(रजवाहा					260	0-00-17
			केनाल)	0-01-80				282	0-02-30
			सर्वे न. 231					280	0-07-09
			231	0-02-77				281	0-01-26
			230	0-05-51				279	0-00-30
			229	0-05-67				277	0-17-24
			228	0-00-83				276	0-08-64
			232	0-00-10				274	0-08-91
			233	0-03-62				275	0-03-56
			234	0-06-63				308	0-03-75
			236	0-00-27					
			235	0-05-92					
			238	0-20-50					
			सर्वे न. 238					कुल	1-80-31
			(एसएच-	0-07-46					
			34)				लालपुर	92	0-00-47
			458	0-16-67			चौहान	93	0-00-94
			459	0-01-46				94	0-14-08
			457	0-08-15				96	0-03-18
			462	0-00-59				91	0-04-10
			463	0-16-92				164	0-00-31
			464	0-01-51				165	0-07-46
			465	0-09-19				168	0-19-08
			482	0-04-28				172	0-01-10
			480	0-00-10				177	0-10-02
			481	0-13-92				176	0-01-46
			कुल	3-61-61				175	0-11-78
								173	0-05-76
								174	0-15-47
		जलालपुर	218	0-14-79				186	0-01-12
			219	0-06-84				188	0-37-47
			217	0-05-67				202	0-01-29
			216	0-00-49				208	0-17-18
			221	0-09-07				210/007	0-17-56
			240	0-05-53				245	0-03-16
			241	0-03-98				213	0-05-31
			242	0-03-16					

1	2	3	4	5		1	2	3	4	5
राय बरेली	राय बरेली	लालपुर चौहान	214 216 243 242 227 (नाला) सर्वे नं. 227 228 229 230 231 232 233 234	0-06-85 0-08-53 0-01-14 0-01-25 0-06-70 0-01-04 0-10-03 0-06-54 0-02-69 0-00-94 0-03-84 0-01-18 0-16-57		राय बरेली	राय बरेली	राजुआपुर	133 सर्वे नं. 133 व 284 (रोड़) 284 277 271 278 281 279 276 272 270 269 259 301 सर्वे नं. 301 (रोड़) 305 सर्वे नं. 305 व 303 (रजवाहा केनाल)	0-05-92 0-04-46 0-09-93 0-02-96 0-00-46 0-02-90 0-00-60 0-04-30 0-00-17 0-11-16 0-03-07 0-11-11 0-04-44 0-28-59 0-03-73 0-18-28 0-06-96 0-02-83 0-00-17 0-12-29 0-01-12 0-20-45 0-12-99 0-04-26 0-02-19 0-30-88 0-04-37 0-35-70 0-01-15 0-08-40 0-00-14 0-03-48
			कुल	2-45-69						
		बुवापुर कलां	278 (पक्की सडक) सर्वे नं. 278 278/409 281 280 390 391 396 388 387 397 383 382 381	0-14-99 0-02-83 0-28-22 0-01-78 0-06-43 0-04-79 0-20-25 0-09-78 0-06-41 0-29-35 0-15-48 0-01-84 0-18-49 0-12-17						
			कुल	1-72-81						
		राजुआपुर	1 9 8 7 10 6 11 123 127 121 119 118 117	0-10-17 0-18-60 0-36-97 0-05-81 0-00-10 0-00-11 0-25-59 0-18-60 0-03-65 0-30-58 0-17-89 0-12-95 0-00-22						
							सालोन	पोथाई		
									2295 2314 2322 2324 2321 2320 2319 2317	0-15-20 0-16-15 0-06-70 0-00-76 0-10-42 0-02-64 0-00-77 0-01-52
									कुल	4-40-30

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	सालोन	पोथाई	2346	0-29-72	राय बरेली	सालोन	पोथाई	3272	0-20-35
			2348	0-11-98				3261	0-03-22
			2349	0-01-56				3274	0-18-01
			2276	0-04-87				कुल	5-79-12
			2393	0-04-06			बिकापुर	4	0-04-19
			2394	0-31-98				7	0-24-08
			2423	0-01-73				8	0-13-52
			2424	0-05-43				19	0-01-03
			2408	0-02-51				23	0-02-71
			2407	0-00-19				25	0-19-89
			2406	0-02-55				24	0-00-70
			2405	0-38-85				27	0-02-34
			2402	0-07-00				28	0-00-80
			2962	0-00-89				29	0-00-30
			2972	0-18-21				32	0-37-54
			2972/3303	0-01-04				31	0-00-10
			2974	0-35-99				कुल	1-07-20
			2967	0-00-89			ब्रमजीतपुर	2	0-68-34
			2975	0-05-57				67	0-29-48
			3026	0-18-99				68	0-17-28
			3120	0-01-20				69	0-10-85
			3029	0-00-10				कुल	1-25-95
			3027	0-05-94			घाटमपुर	5	0-05-59
			3028	0-02-29				6	0-02-09
			3030	0-03-37				8	0-05-72
			3032	0-00-61				7	0-00-10
			3117	0-40-08				9	0-36-14
			3116	0-03-04				77	0-00-56
			3131	0-00-43				78	0-07-82
			3115	0-18-67				75	0-08-72
			3111	0-01-75				69	0-01-18
			3101	0-00-73				70	0-06-77
			3100	0-43-53				71	0-00-80
			3098	0-11-88				72	0-02-87
			3083	0-03-93				64	0-10-73
			3249	0-02-79				61	0-06-87
			3077	0-22-55				62	0-02-20
			3076	0-02-64				54	0-00-10
			3074	0-33-61				53	0-00-68
			3075	0-01-21				49	0-02-77
			3250	0-31-84				48	0-01-03
			3254	0-00-21				47	0-01-34
			3252	0-18-96				46	0-00-83
			3263	0-00-33				44	0-00-78
			3262	0-06-98				13	0-44-38
			3255	0-00-10					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	सालोन	घाटमपुर	34	0-11-92	राय बरेली	सालोन	अटवा	36	0-00-35
			33	0-16-01				355	0-09-00
			35	0-04-01				353	0-00-37
			396	0-01-78				354	0-03-52
			406	0-11-40				352	0-22-75
			405	0-00-10				351	0-09-13
			404	0-02-60				350	0-02-82
			403	0-02-41				378	0-03-00
			410	0-03-14				349	0-20-20
			402	0-06-17				(रोड) सर्वे	0-03-19
			414	0-25-08				न. 349	
			412	0-05-47				386	0-07-15
			413	0-02-57				344	0-12-51
			416	0-02-08				387	0-35-91
			417	0-04-64				388	0-09-30
			415	0-00-10				485	0-09-95
			418	0-00-73				486	0-02-92
			419	0-01-12				487	0-03-68
			420	0-01-18				495	0-01-61
			421	0-04-61				490	0-00-62
			सर्वे न. 421	0-05-35				488	0-10-23
			(रजवाहा					521	0-00-10
			केनाल)					489	0-05-53
			428	0-00-29				520	0-01-47
			कुल	2-62-83				512	0-21-27
	अटवा		10	0-07-26				513	0-01-71
			11	0-04-37				514	0-00-92
			13	0-19-27				516	0-24-74
			13/1395	0-00-10				653	0-03-01
			17	0-01-44				515	0-00-28
			18	0-00-69				654	0-08-20
			24	0-08-17				657	0-00-24
			23	0-03-16				656	0-02-37
			20	0-03-67				655	0-08-05
			19	0-00-95				670	0-10-13
			21	0-02-06				671	0-02-90
			22	0-05-45				669	0-04-78
			25	0-14-77				666	0-12-73
			33	0-06-24				674	0-00-75
			32	0-01-31				675	0-04-37
			358	0-17-28				677	0-03-74
			357	0-22-30				678	0-00-79
			365	0-00-63				679	0-05-34
			356	0-03-18				666	0-09-75
			35	0-00-46				665	0-02-24
			41	0-00-61				682	0-07-77

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
राय बरेली	सालोन	अटवा	683	0-04-08	राय बरेली	सालोन	जगतपुर	131	0-08-54
			684	0-05-28				125	0-04-99
			685	0-10-85				(पक्की रोड़)	0-06-36
			686	0-08-24				सर्वे नं. 125	
			689	0-04-33				व 569 के बीच	
			690	0-03-26				569	0-53-20
			707	0-09-88				564	0-01-97
			708	0-01-10				562	0-34-94
			706	0-18-28				(जगतपुर रजवाहा कैनाल) सर्वे नं. 562	0-01-17
			705	0-00-78				537	0-11-97
			704	0-01-96				538	0-07-10
			703	0-16-55				539	0-04-81
			702	0-01-51				541	0-00-15
			698	0-04-53				537	0-04-35
			699	0-18-49				540	0-05-73
			700	0-03-65				542	0-05-17
			701	0-01-81				536	0-07-54
			714	0-06-74				534	0-18-48
			कुल	5-58-08				535	0-00-10
		साराउदौला	97	0-06-44				545	0-01-89
			98	0-17-32				524	0-34-30
			100	0-01-11				528	0-02-14
			103	0-11-46				कुल	3-32-86
			99	0-00-16			पदमपुर	71	0-10-46
			104	0-01-81				74	0-04-78
			105	0-11-30				73	0-04-86
			75	0-03-74				70	0-00-10
			58	0-05-16				72	0-04-75
			59	0-03-02				83	0-02-32
			60	0-02-75				68	0-00-19
			74	0-19-73				67	0-08-96
			73	0-01-13				97	0-36-89
			70	0-49-74				98	0-09-99
			133	0-03-98				99	0-06-68
			कुल	1-38-85				276	0-24-94
		जगतपुर	122	0-11-74				275	0-03-11
			123	0-67-60				277	0-06-34
			143	0-03-20				283	0-07-26
			137	0-13-13				280	0-00-18
			133	0-12-78				282	0-02-23
			132	0-06-06				281	0-00-10
			124	0-05-45				288	0-67-83
								272	0-02-19

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	
राय बरेली	सालोन	पदमपुर	271	0-10-50	राय बरेली	सालोन	बीरपुर	302	0-34-44	
			294	0-00-96				304	0-13-97	
			270	0-04-93				305	0-00-57	
			265	0-05-69				275	0-03-46	
			266	0-20-08				306	0-01-01	
			(कार्ट ट्रक)	0-02-43				270	0-03-16	
			सर्वे न. 266					271	0-00-45	
			व 216 के					272	0-14-60	
			बीच					273	0-09-41	
			216	0-06-81				274	0-07-49	
			222	0-02-11				358	0-01-10	
			223	0-02-94				356/57	0-04-77	
			225	0-21-69				355	0-07-79	
			224	0-18-25				356	0-05-86	
			231	0-01-03				374	0-00-49	
			232	0-21-28				375	0-09-46	
			233	0-04-04				376	0-02-37	
			234	0-07-97				379	0-05-10	
			कुल	3-34-87				378	0-05-66	
								378/396	0-00-61	
								377	0-02-34	
		बीरपुर	34	0-16-92				कुल	3-15-93	
			88	0-06-64				पाचुवाबारा	19	0-00-81
			89	0-21-05				86	0-15-23	
			90	0-00-84				88	0-15-42	
			91	0-07-60				89	0-04-26	
			93	0-00-53				90	0-05-61	
			103	0-01-82				91	0-04-95	
			105	0-17-92				92	0-11-80	
			97	0-01-80				93	0-21-67	
			98	0-00-51				94	0-01-92	
			99	0-06-04				95	0-00-24	
			100	0-02-57				159	0-00-54	
			101	0-29-68				161	0-21-88	
			116	0-02-08				160	0-04-44	
			108	0-00-10				177	0-02-72	
			114	0-01-45				199	0-01-96	
			113	0-03-35				198	0-18-21	
			115	0-12-35				196	0-24-54	
			279	0-11-50				197	0-02-53	
			284	0-02-70				195	0-04-69	
			285	0-00-10				192	0-25-26	
			278	0-00-34				189	0-01-37	
			280	0-03-48				186	0-28-49	
			277	0-22-31				185	0-09-01	
			297	0-05-84				209	0-00-18	
			299	0-01-49				कुल	2-27-73	
			298	0-00-81						

फा. सं. एल-14014/16/2004-जी.पी.

स्वामी सिंह, निदेशक

[फा. सं. एल-14014/16/2004-जी.पी.]

स्वामी सिंह, निदेशक

New Delhi, the 15th October, 2004

S.O. 2724.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of gas from Thulendi to Phoolpur pipeline project in the State of Uttar Pradesh, a pipeline should be laid by the GAIL (India) Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of the notification issued under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India are made available to the general public object in writing to the laying of the pipeline under the said Act to Shri B.M. Mishra, Competent Authority, GAIL (India) Limited, B-35 & 36, Sector-1, Noida-201 301 (Uttar Pradesh).

SCHEDULE

District	Tehsil	Village	Survey No.	Area to be acquired for ROU in/Hect./ Ac./Sq Metre
1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Maharaj Ganj	Thulendi	1552	0-02-45
			1551	0-04-65
			2323	0-04-02
			2307	0-01-88
			2311	0-15-93
			2310	0-04-33
			2312	0-01-28
			2313	0-08-27
			2350	0-04-23
			2352	0-13-21
			2351	0-01-93
			2353	0-00-10
			2987	0-07-54
			2905	0-00-61
			2386	0-00-86
			2393	0-05-34
			2991	0-08-02
			2995	0-00-19
			2994	0-04-99
			2992	0-06-17
			2339	0-04-08

1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Maharaj Ganj	Thulendi	3027	0-07-75
			3028	0-04-13
			3029	0-03-46
			3026	0-00-60
			3032	0-01-63
			3033	0-00-82
			3034	0-07-86
			3038	0-01-43
			3035	0-13-54
			3037	0-06-98
			3036	0-10-70
			3053	0-12-28
			3052	0-04-17
			3054	0-08-92
			3055	0-02-59
		Total	1-86-94	
Malik Pur		214	0-09-80	
		215	0-07-91	
		216	0-02-30	
		219	0-14-66	
		218	0-01-46	
		221	0-06-40	
		250	0-02-46	
		222	0-14-78	
		249	0-01-65	
		248	0-08-35	
		247	0-08-95	
		246	0-02-92	
	241	0-19-90		
		Total	1-01-56	
Hardoi		1625	0-00-49	
		1724	0-17-59	
		1725	0-09-20	
		1726	0-02-72	
		1727	0-02-88	
		1779	0-00-31	
		1777	0-04-09	
		1773	0-04-88	
		1778	0-02-06	
		1776	0-06-44	
		1775	0-14-83	
		1773	0-02-21	
	1774	0-12-92		
	1740	0-01-77		
	1772	0-05-42		

[illegible]

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Maharaj	Atra	854	0-06-20	Rai Bareilly	Maharaj	Hajipur	403	0-02-97
	Ganj		896	0-00-51		Ganj		401	0-07-19
			895	0-12-02				402	0-11-55
			894	0-00-87				504A	0-17-15
			890	0-02-22				504B	0-17-77
			887	0-13-00				505	0-01-74
			886	0-02-51				506B	0-21-93
			884	0-00-25				503	0-02-98
			891	0-00-75				519	0-03-72
			990	0-00-86				518	0-02-44
			987	0-01-67				515	0-00-71
			988	0-05-41				517	0-04-49
			989	0-00-70				516	0-07-85
			986	0-10-62				515	0-07-05
			984	0-05-50				534	0-01-05
			965	0-00-61				535	0-08-16
			963	0-01-12				536	0-26-15
			962	0-00-90				Total	2-28-45
			964	0-09-46			Balai Mau	38	0-19-64
			985	0-02-69				40	0-03-47
		In Bet Svy						41	0-03-45
		No. 985 &		0-01-17				42	0-03-85
		959						Total	0-30-41
		959		0-25-78			Pakhan Pur	309	0-29-00
		958		0-13-67				315	0-00-39
		953		0-00-67				316	0-05-02
		952		0-00-56				318	0-00-14
		950		0-16-99				329	0-59-90
		949		0-03-34				(Metalled	
		951		0-02-87				Road) In	0-88-15
		941		0-11-37				Svy No.	
		946		0-00-93				329	
		1028		0-02-35				329	0-28-25
		1024		0-14-44				337	0-45-84
		1035		0-01-10				(Canal) In	
		Total		3-48-77				Svy. No.	0-57-23
								337	
		Hajipur	364	0-24-09				337	0-11-39
			362	0-04-00				Total	3-25-31
			365	0-02-76					
			366	0-08-86			Barhuwa	28	0-04-48
			367	0-33-90				29	0-08-00
			369	0-00-68				30	0-00-13
			342	0-05-16				45	0-01-11
			398	0-01-77				37	0-37-65
			404	0-02-19				38	0-00-50
			491	0-00-14				43	0-00-85

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Maharaj	Barhuwa	42	0-05-31	Rai Bareilly	Maharaj	Barhuwa	286	0-01-13
	Ganj		41	0-04-30		Ganj		287	0-05-65
			40	0-09-14				279	0-00-85
			111	0-00-13				Total	2-80-80
			106	0-18-08			Benipur	48	0-08-92
			107	0-01-55				49	0-07-82
			108	0-07-72				50	0-00-68
			110	0-01-93				55	0-02-21
			109	0-03-22				58	0-00-95
			113	0-00-45				65	0-04-97
			107/1636	0-00-60				66	0-03-49
			121	0-00-59				67	0-14-33
			122	0-07-13				68	0-15-85
			123	0-05-45				69	0-17-39
			124	0-06-61				70	0-00-91
			125	0-08-23				77	0-02-24
			120	0-00-63				78	0-00-47
			128	0-01-43				80	0-00-10
			129	0-01-07				76	0-30-83
			127	0-05-32				99	0-00-38
			88	0-01-71				73	0-04-11
			131	0-09-52				75	0-12-12
			132	0-01-05				74	0-04-19
			164	0-05-20				40	0-38-83
			373	0-04-36				22	0-00-45
			374	0-14-88				39	0-01-01
			372	0-01-48				20	0-00-34
			368	0-00-40				34	0-23-54
			367	0-05-19				21	0-02-80
			375	0-08-60				33	0-00-94
			366	0-00-11				36	0-21-35
			377	0-02-62				37	0-03-42
			380	0-01-13				Total	2-30-64
			381	0-07-55			Indhora	84	0-39-00
			383	0-16-01				81	0-00-65
			379	0-04-59				82	0-00-72
			299	0-02-89				83	0-02-40
			298	0-10-84				80	0-18-31
			287	0-02-30				141	0-07-82
			297	0-00-74				140	0-02-89
			296	0-02-30				139	0-26-04
			378	0-01-05				138	0-00-21
			316	0-00-74				In Bet Svy.	
			295	0-01-88				No. 137 &	0-00-22
			294	0-01-04				132	
			283	0-23-38				132	0-00-40

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Maharaj	Indhora	142	0-00-84	Rai Bareilly	Rai Bareilly	Ghunawar	18	0-01-35
	Ganj		144	0-04-99				47	0-05-45
			146	0-09-84				212	0-15-90
			145	0-04-60				214	0-00-41
			152	0-07-56				228	0-05-34
			153	0-15-52				227	0-17-74
			154	0-02-32				218	0-09-78
			155	0-04-58				222	0-23-40
			157	0-00-40				222/1126	0-00-18
			156	0-02-49				220	0-02-40
			173	0-20-27				221	0-08-13
			In Bet Svy.					223	0-31-10
			No. 173 &	0-05-44				358	0-59-21
			168					(Mud	
			168	0-04-36				Road)	0-02-89
			175	0-01-12				In Svy.	
			164	0-00-61				No. 358	
			166	0-00-76				359	0-21-28
			167	0-02-70				362	0-04-40
			340	0-00-55				(In Bet	
			341	0-00-60				Svy. No.	0-04-99
			342	0-24-20				359 and 363)	
			469	0-32-30				363	0-24-09
			Total	2-44-71				364	0-00-40
								365	0-05-26
Rai Bareilly	Malikpur		349	0-02-82				366	0-14-03
	Banna		348	0-25-17				365	0-20-49
			346	0-13-24				383	0-00-83
			347	0-05-30				384	0-08-10
			345	0-13-62				173	0-02-50
			341	0-19-92				172	0-18-72
			340	0-19-54				170	0-03-11
			339	0-06-16				384	0-00-30
			332	0-13-07				168/1127	0-03-38
			338	0-02-02				388	0-27-21
			333	0-01-41				157	0-05-58
			331	0-04-31				156	0-11-20
			330	0-08-60				Total	4-17-92
			329	0-10-82				Bawan	1370
			326	0-03-19				Bugurg	1382
			Total	1-49-19				(Balla)	1372
									1375
	Ghunawar	23 (Road)	0-02-68						1373
		10	0-05-13						1380
		9	0-05-75						1379
		8	0-06-89						1442
		1	0-21-81						1443
		7	0-16-51						0-19-85

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rai Bareilly Rai Bareilly Thulwas			532	0-01-35	Rai Bareilly Rai Bareilly Thulwas			659	0-06-72
			530	0-09-92				660	0-34-57
			213	0-02-47				884	0-10-87
			527	0-15-34				885	0-00-10
			525	0-20-00				883	0-01-11
			526	0-02-76				882	0-00-10
			522	0-01-86				854	0-16-34
			521	0-50-60				855	0-24-03
			517	0-00-10				851	0-10-79
			516	0-00-49				858	0-15-23
			549	0-04-54				859	0-02-42
			506	0-13-50				859/1781	0-04-18
			495	0-11-53				861	0-03-33
			505	0-04-33				842	0-01-45
			496	0-03-56				836	0-00-51
			501	0-07-59				838	0-07-41
			504	0-07-55				863	0-11-01
			503	0-02-83				839	0-00-23
			502	0-02-58				837	0-09-68
			In Bet					(Cart	
			Svy. no.	0-03-25				Track)	0-01-51
			503 &					840	
			562					826/1678	0-03-09
			(Cart					825	0-07-50
			Track)	0-01-86				In Bet Svy.	
			562					No. 826/	0-00-10
			In Bet					1678 & 824	
			Svy. no.	0-00-37				In Bet Svy.	
			562 &					No. 826/	0-10-35
			597					1678 & 824	
			597	0-18-64				824	0-20-63
			594	0-01-80				823	0-08-31
			593	0-08-19				971	0-07-24
			592	0-03-29				980	0-07-94
			591	0-14-41				981	0-79-82
			585	0-09-89				Total	6-44-44
			590	0-05-11				Lodiwa	20
			586	0-03-19				Mau	24
			587	0-00-21					25
			584	0-06-82					40
			581	0-00-11					48
			582	0-01-35					47
			583	0-04-43					49
			658	0-13-72					50
			657	0-01-79					51
			656	0-05-83					52
			655	0-03-17					53
			643	0-07-03					

1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Rai Bareilly	Lodhwa	54	0-02-24
		Mau	63	0-00-10
			62	0-16-81
			65	0-02-57
			97	0-04-53
			98	0-09-81
			94	0-19-88
			91	0-03-70
			84	0-17-82
			83	0-00-44
			85	0-19-29
			224	0-05-49
			86	0-00-52
			430	0-11-27
			434	0-02-72
			433	0-07-11
			432	0-15-67
			447	0-14-45
			454	0-17-34
			455	0-16-65
			453	0-01-09
			456	0-04-53
			429	0-17-47
			463	0-01-39
			464	0-07-50
			465	0-00-57
			Total	3-24-23
	Pahadipuri-		86	0-03-66
	madanipur		438	0-01-41
			477	0-18-16
			479	0-22-34
			494	0-03-08
			493	0-12-61
			481	0-03-62
			484	0-01-41
			485	0-02-14
			492	0-00-69
			486	0-26-42
			487	0-00-13
			489	0-01-04
			490	0-29-70
			491	0-01-42
			535	0-01-69
			532	0-00-10
			536	0-24-66
			537	0-02-19

1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Rai Bareilly	Mardanpur	221	0-26-43
			223	0-01-52
			224	0-01-41
			In Bet Svy.	
			No. 224 & 231	0-13-79
			231	0-17-39
			232	0-02-07
			230	0-03-93
			229	0-03-73
			228	0-00-75
			227	0-22-15
			233	0-00-10
			402	0-00-15
			226	0-00-97
			404	0-15-36
			405	0-00-73
			403	0-14-37
			399	0-05-09
			397	0-02-79
			396	0-19-38
			Total	4-47-83
		Rasehetha	528	0-24-78
			525	0-21-60
			524	0-11-76
			523	0-03-98
			535	0-00-21
			520	0-02-93
			537	0-03-02
			536	0-02-25
			519	0-21-31
			492	0-15-34
			539	0-09-97
			481	0-03-69
			480	0-00-36
			540	0-14-73
			541	0-45-15
			546	0-00-28
			548	0-02-69
			476	0-04-23
			474	0-02-52
			475	0-26-21
			729	0-00-84
			730	0-16-80
			731	0-19-20
			732	0-00-64

1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Rai Bareilly	Rasehetha	733	0-02-21
			735	0-00-35
			777	0-15-72
			780	0-26-74
			784	0-10-05
			Total	3-09-56
		Chak Peera	1	0-17-08
		Shah	3	0-09-35
			2	0-02-01
			11	0-00-64
			12	0-00-48
			13	0-12-42
			14	0-12-77
			15	0-02-39
			16	0-05-41
			140	0-17-34
			141	0-05-40
			142	0-12-78
			138	0-05-99
			143	0-00-42
			144	0-00-44
			152	0-00-25
			153	0-02-21
			160	0-04-94
			161	0-28-57
			166	0-00-18
			167	0-24-88
			168	0-12-94
			169	0-13-81
			171	0-02-95
			170	0-16-29
			Total	2-11-94
		Sandhenagin	332	0-00-55
			331	0-19-42
			325	0-01-01
			330	0-11-63
			344	0-20-37
			345	0-12-29
			305	0-00-36
			In Bet Svy.	
			No. 305 & 346	0-01-32
			346	0-16-34
			347	0-24-96
			351	0-01-94

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	
Rai Bareilly	Rai Bareilly	Sandhera	348	0-06-86	Rai Bareilly	Rai Bareilly	Jalalpur	218	0-14-79	
			349	0-06-58				219	0-06-84	
			354	0-07-71				217	0-05-67	
			350	0-01-77				216	0-00-49	
			250	0-63-58				221	0-09-07	
			249	0-21-11				240	0-05-53	
			353	0-01-40				241	0-03-98	
			398	0-00-87				242	0-03-16	
		(Minor Canal)		0-02-03				247	0-01-12	
		In Svy.						248	0-04-54	
		No. 249						249	0-03-29	
		(Minor Canal)		0-00-78				250	0-04-56	
		In Svy.						288	0-09-70	
		No. 353						251	0-01-59	
		(Minor Canal)		0-00-86				253	0-06-55	
		In Svy.						254	0-09-96	
		No. 398						255	0-06-98	
		(Minor Canal)		0-04-00				287	0-03-10	
		In Svy.						256	0-11-98	
		No. 241						284	0-08-97	
		(Minor Canal)		0-01-80				283	0-05-22	
		In Svy.						260	0-00-17	
		No. 231						282	0-02-30	
		231		0-02-77				280	0-07-09	
		230		0-05-51				281	0-01-26	
		229		0-05-67				279	0-03-39	
		228		0-00-83				277	0-01-23	
		232		0-00-10				276	0-08-64	
		233		0-03-62				274	0-08-91	
		234		0-06-63				275	0-03-56	
		236		0-00-27				308	0-03-75	
		235		0-05-92				Total	1-80-31	
		238		0-20-50				Lalpur	92	0-00-47
		In Svy.						Chauhan	93	0-00-94
		No. 238		0-07-46					94	0-14-08
		(SH-34)							96	0-03-18
		458		0-16-67					91	0-04-10
		459		0-01-46					164	0-00-31
		457		0-08-15					165	0-07-46
		462		0-00-59					168	0-19-08
		463		0-16-92					172	0-01-10
		464		0-01-51					177	0-10-02
		465		0-09-19					176	0-01-46
		482		0-04-28					175	0-11-78
		480		0-00-10					173	0-05-76
		481		0-13-92					174	0-15-47
		Total		3-61-61						

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Rai Bareilly	Lalpur	186	0-01-12	Rai Bareilly	Rai Bareilly	Rajuapur	6	0-00-11
		Chauhan	188	0-37-47				11	0-25-59
			202	0-01-29				123	0-18-60
			208	0-17-18				127	0-03-65
			210/607	0-17-56				121	0-30-58
			245	0-03-16				119	0-17-89
			213	0-05-31				118	0-12-95
			214	0-06-85				117	0-00-22
			216	0-08-53				133	0-05-92
			243	0-01-14				In Svy Nos.	0-04-46
			242	0-01-25				133 & 284	
			227	0-06-70				(Road)	
			(Nala) In					284	0-09-93
			Svy. No.	0-01-04				277	0-02-96
			227					271	0-00-46
			228	0-10-03				278	0-02-90
			229	0-06-54				281	0-00-60
			230	0-02-69				279	0-04-30
			231	0-00-94				276	0-00-17
			232	0-03-84				272	0-11-16
			233	0-01-18				270	0-03-07
			234	0-16-57				269	0-11-11
			Total	2-45-69				259	0-04-44
		Buwapur	278	0-14-99				301	0-28-59
		Kalan	(Metalled					In Svy No.	0-03-73
			Road) In	0-02-83				301 (Road)	
			Svy No.					305	0-18-28
			278					In Svy Nos.	0-06-96
			278/409	0-28-22				305 & 303	
			281	0-01-78				(Minor	
			280	0-06-43				Canal)	
			390	0-04-79				303	0-02-83
			391	0-20-25				307	0-00-17
			396	0-09-78				304	0-12-29
			388	0-06-41				256	0-01-12
			387	0-29-35				338	0-20-45
			397	0-15-48				339	0-12-99
			383	0-01-84				337	0-04-26
			382	0-18-49				343	0-02-19
			381	0-12-17				344	0-30-68
			Total	1-72-81				342	0-04-37
		Rajuapur	1	0-10-17				349	0-35-70
			9	0-18-60				361	0-01-15
			8	0-36-97				362	0-08-40
			7	0-05-61				348	0-00-14
			10	0-00-10				363	0-03-48
								Total	4-40-30

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Salon	Pothal	2295	0-15-20	Rai Bareilly	Salon	Pothal	3074	0-33-61
			2314	0-16-15				3075	0-01-21
			2322	0-06-70				3250	0-31-84
			2324	0-00-76				3254	0-00-21
			2321	0-10-42				3252	0-18-96
			2320	0-02-64				3263	0-00-33
			2319	0-00-77				3262	0-06-98
			2317	0-01-52				3255	0-00-10
			2346	0-29-72				3272	0-20-35
			2348	0-11-98				3261	0-03-22
			2349	0-01-56				3274	0-18-01
			2276	0-04-87				Total	5-79-12
			2393	0-04-06			Bikapur	4	0-04-19
			2394	0-31-98				7	0-24-08
			2423	0-01-73				8	0-13-52
			2424	0-05-43				19	0-01-03
			2408	0-02-51				23	0-02-71
			2407	0-00-19				25	0-19-89
			2406	0-02-55				24	0-00-70
			2405	0-38-85				27	0-02-34
			2402	0-07-60				28	0-00-80
			2962	0-00-89				29	0-00-30
			2972	0-18-21				32	0-37-54
			2972/3303	0-01-04				31	0-00-10
			2974	0-35-99				Total	1-07-20
			2967	0-00-89			Branjilpur	2	0-68-34
			2975	0-05-57				67	0-29-48
			3026	0-18-99				68	0-17-28
			3120	0-01-20				69	0-10-85
			3029	0-00-10				Total	1-25-95
			3027	0-05-94			Ghatampur	5	0-05-59
			3028	0-02-29				6	0-02-09
			3030	0-03-37				8	0-05-72
			3032	0-00-61				7	0-00-10
			3117	0-40-08				9	0-36-14
			3116	0-03-04				77	0-00-56
			3131	0-00-43				78	0-07-82
			3115	0-18-67				75	0-08-72
			3111	0-01-75				69	0-01-18
			3101	0-00-73				70	0-06-77
			3100	0-43-53				71	0-00-80
			3098	0-11-88				72	0-02-87
			3083	0-03-93				64	0-10-73
			3249	0-02-79				61	0-06-87
			3077	0-22-55				62	0-02-20
			3076	0-02-64					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Rai Bareilly	Salon	Ghatampur	54	0-00-10	Rai Bareilly	Salon	Atawa	33	0-06-24
			53	0-00-68				32	0-01-31
			49	0-02-77				358	0-17-28
			48	0-01-03				357	0-22-30
			47	0-01-34				365	0-00-63
			46	0-00-83				356	0-03-18
			44	0-00-78				35	0-00-46
			13	0-44-38				41	0-00-61
			34	0-11-92				36	0-00-35
			33	0-16-01				355	0-09-00
			35	0-04-01				353	0-00-37
			396	0-01-78				354	0-03-52
			406	0-11-40				352	0-22-75
			405	0-00-10				351	0-09-13
			404	0-02-60				350	0-02-82
			403	0-02-41				378	0-03-00
			410	0-03-14				349	0-20-20
			402	0-06-17				(Road)	} 0-03-19 in Svy. No.
			414	0-25-08				349	
			412	0-05-47				386	0-07-15
			413	0-02-57				344	0-12-51
			416	0-02-08				387	0-35-91
			417	0-04-64				388	0-09-30
			415	0-00-10				485	0-09-95
			418	0-00-73				486	0-02-92
			419	0-01-12				487	0-03-68
			420	0-01-18				495	0-01-61
			421	0-04-61				490	0-00-62
			In Svy No.)	0-05-35				488	0-10-23
			421 (Minor Canal)	}				521	0-00-10
			428					489	0-05-53
			Total	2-62-83				520	0-01-47
		Atawa	10	0-07-26				512	0-21-27
			11	0-04-37				513	0-01-71
			13	0-19-27				514	0-00-92
			13/1395	0-00-10				516	0-24-74
			17	0-01-44				653	0-03-01
			18	0-00-69				515	0-00-28
			24	0-08-17				654	0-08-20
			23	0-03-16				657	0-00-24
			20	0-03-67				656	0-02-37
			19	0-00-95				655	0-08-05
			21	0-02-06				670	0-10-13
			22	0-05-45				671	0-02-90
			25	0-14-77				669	0-04-78
								666	0-12-73 Rai

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Bareilly	Salon	Atawa	674	0-00-75	Bareilly	Salon	Jagatpur	122	0-11-74
			675	0-04-37				123	0-67-60
			677	0-03-74				143	0-03-20
			678	0-00-79				137	0-13-13
			679	0-05-34				133	0-12-78
			666	0-09-75				132	0-06-06
			665	0-02-24				124	0-05-45
			682	0-07-77				131	0-08-54
			683	0-04-08				125	0-04-99
			684	0-05-28				(Metalled Road) In	0-06-36
			685	0-10-85				Bet Svy. Nos. 125 & 569	
			686	0-08-24					
			689	0-04-33				559	0-53-20
			690	0-03-26				564	0-01-97
			707	0-09-88				562	0-34-94
			708	0-03-10				(Jagatpur Minor Canal) in	0-01-17
			706	0-18-28				Svy. no. 562	
			705	0-00-78					
			704	0-01-96				537	0-11-97
			703	0-16-55				538	0-07-10
			702	0-01-51				539	0-04-81
			698	0-04-53				541	0-00-15
			699	0-18-49				537	0-04-35
			700	0-03-65				540	0-05-73
			701	0-01-81				542	0-03-17
			714	0-06-74				536	0-07-54
			Total	5-58-08				534	0-18-48
								535	0-00-10
		Saraudula	97	0-06-44				545	0-01-89
			98	0-17-32				524	0-34-30
			100	0-01-11				528	0-02-14
			103	0-11-46				Total	3-32-86
			99	0-00-16				71	0-10-46
			104	0-01-81			Padampur	74	0-04-78
			105	0-11-30				73	0-04-86
			75	0-03-74				70	0-00-10
			58	0-05-16				72	0-04-75
			59	0-03-02				83	0-02-32
			60	0-02-75				68	0-00-19
			74	0-19-73				67	0-08-96
			73	0-01-13				97	0-36-89
			70	0-49-74				98	0-09-99
			133	0-03-98				99	0-06-68
			Total	1-38-85				276	0-24-94

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Bareilly	Salon	Padampur	275	0-03-11	Bareilly	Salon	Beerpur	299	0-01-49
			277	0-06-34				298	0-00-81
			283	0-07-26				302	0-34-44
			280	0-00-18				304	0-13-97
			282	0-02-23				305	0-00-57
			281	0-00-10				275	0-03-46
			288	0-06-83				306	0-01-01
			272	0-02-19				270	0-03-16
			271	0-10-50				271	0-00-45
			294	0-03-06				272	0-14-60
			270	0-04-93				273	0-09-41
			265	0-05-69				274	0-07-49
			266	0-20-08				358	0-01-10
		(Cart	Track) in	0-02-43				356/57	0-04-77
		Bel. Svy. Nos.						355	0-07-79
		266 & 216						356	0-05-86
		216		0-06-81				374	0-00-49
		222		0-02-11				375	0-09-46
		223		0-02-04				376	0-02-37
		225		0-21-69				379	0-05-10
		224		0-18-25				378	0-05-66
		231		0-01-03				378/396	0-00-61
		232		0-21-28				377	0-02-34
		233		0-04-04				Total	3-15-93
		234		0-07-97				Pachuvabara	19
		Total		3-34-87				86	0-10-81
	Beerpur	34		0-16-92				88	0-15-23
		88		0-06-64				89	0-15-42
		89		0-21-05				90	0-04-26
		90		0-00-84				91	0-05-61
		91		0-07-60				92	0-04-95
		93		0-00-53				93	0-11-80
		103		0-01-82				94	0-21-67
		105		0-17-92				95	0-01-92
		97		0-01-80				95	0-00-24
		98		0-00-51				159	0-00-54
		99		0-06-04				161	0-21-88
		100		0-02-57				160	0-04-44
		101		0-29-68				177	0-02-72
		116		0-02-08				199	0-01-96
		108		0-00-10				198	0-18-21
		114		0-01-45				196	0-24-54
		113		0-03-35				197	0-02-53
		115		0-12-35				195	0-04-69
		279		0-11-50				192	0-25-26
		284		0-02-70				189	0-01-37
		285		0-00-10				186	0-28-49
		278		0-00-34				185	0-09-01
		280		0-03-48				209	0-00-18
		277		0-22-31				Total	2-27-73
		297		0-05-84				[F. No. L-14014/16/2004-G.P.]	
								SWAMI SINGH, Director	

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 2004

क्र. ऑ. 2725.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र राज्य में लोनी से पकनी तक हज़ारवाडी के रास्ते पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के ~~नए~~ पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री. एम. वी. चिटनिस, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई-पुणे पाइपलाइन विस्तार परियोजना (लोनी से पकनी तक हज़ारवाडी के रास्ते) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लोनी - टर्मिनल, कदमवाक वस्ती गाँव, हवेली तालुका, पुणे जिला, महाराष्ट्र - 412 201 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तालूका : सांगोला		जिला : सोलापुर			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	पाचेगाँव बुद्रुक		74		00	93	51
			73		00	07	96
			60		00	21	67
			56		00	17	75
			54		00	13	88
			52	1	00	05	58
			52	2	00	05	57
			49		00	21	70
			53		00	05	22
			48		00	18	65
			85		00	00	20
			47		00	08	91
			86		00	00	15
			87		00	17	41
			26		00	08	87
			88 से 100		00	26	01
			25		00	03	45
			गट नंबर 88 से 100				
			में नाला		00	23	43
			102		00	08	18
			104		00	07	12
			105		00	00	72
			206		00	05	57
			204		00	15	83
			गट नंबर 204 और				
			179 के बीच में		00	03	42
			मेटल्ड रास्ता				
			179		00	21	18
			178		00	16	77
			176		00	23	45
			135		00	12	34
			136		00	03	25
			137		00	10	85
			160		00	13	25
			159		00	15	68
			158		00	00	17
			154		00	17	09

तालूका : सांगोला		जिला : सोलापूर			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर वर्ग	मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	पाचेगाँव बुद्रुक (निर्गतर)		157		00	00	05
			156		00	03	03
			155		00	10	91
			गट नंबर 155 और				
			641 के बीच में		00	07	47
			नाला				
			641		00	04	23
			628		00	24	02
			626		00	00	83
			627		00	13	31
			625		00	23	12
			622		00	14	77
			621		00	05	03
			620		00	06	83
			619		00	12	85
			615		00	02	62
			613		00	11	39
			518		00	01	48
			517		00	21	14
			516		00	27	98
			514		00	03	57
			513		00	09	21
			गट नंबर 513 और				
			505/3 के बीच की		00	05	48
			भूमि				
			505	3	00	04	30
			507		00	04	12
			506		00	04	37
			505	2	00	03	16
			505	1	00	08	39
			504		00	21	63
			428		00	65	54
			गट नंबर 428 के बीच				
			में नेटवर्क रास्ता		00	03	08
			430		00	21	34
			440		00	54	91
			439		00	00	31

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल			
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर	
1	2	3	4	5	6	7	8	
1	पाचेगाँव बुद्रुक (निरंतर)		459		00	05	42	
			460		00	53	72	
			467		00	04	93	
		गट नंबर 460,467						
		और गाँव सीमा						
			कोंबडवाडी के बीच		00	17	47	
			में नाला					
					कुल :	09	56	80
2	कोंबडवाडी		सर्वे नंबर 266,267					
			और गाँव सीमा					
			पाचेगाँव बुद्रुक के पास		00	04	91	
			का नाला					
			266		00	00	10	
			267		00	07	32	
			268		00	04	41	
			269		00	06	13	
			270		00	06	91	
			272		00	16	42	
			271		00	06	52	
			274		00	17	63	
			275		00	14	03	
			276		00	25	93	
			286		00	28	72	
					कुल :	01	39	03
	कोले		2946		00	14	46	
			2947		00	48	43	
			2948		00	04	64	
			2949		00	11	28	
			2950		00	19	62	
			2951		00	24	24	
			2952		00	26	79	
			गट नंबर 2952 और					
			2931 के बीच का		00	04	41	
			प्रमुख जिला मार्ग 78					
			2931		00	20	32	
			2929		00	07	42	
			2926		00	19	55	
			2925		00	03	45	
			2924		00	05	07	

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर वर्ग	मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	कोले (निरंतर)		2922		00	10	50
			2921		00	17	21
			2918		00	14	27
			2917		00	12	34
			2916		00	07	29
			2915		00	07	25
			2914		00	05	43
			2913		00	01	92
			2910		00	21	10
			गट नंबर 2910 और 2706 के बीच में वरार		00	09	97
			देवी नाला				
			2706		00	06	31
			2705		00	04	91
			2704		00	06	13
			2703		00	07	07
			2702		00	81	62
			गट नंबर 2702 और 1957 के बीच में अस्फालटेड रास्ता		00	02	74
			1957		00	40	96
			गट नंबर 1957 और 1964 के बीच की भूमि		00	00	20
			गट नंबर 1957 और 1964 के बीचकी भूमि		00	11	50
			गट नंबर 1957 और 1964 के बीचकी भूमि		00	11	11
			1964		00	14	32
			1966		00	07	01
			1967		00	20	92
			गट नंबर 1967 के बीच में इन		00	00	83
			गट नंबर 1967 और 1794 के बीच का मेटल्ड रास्ता		00	02	22
			1794		00	01	02
			1793		00	02	28
			1790		00	07	92

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर वर्ग	मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	कोले (निरंतर)		सर्वे नंबर 1790 और 1789 के बीच का नाला		00	03	66
			1789		00	14	69
			1782		00	64	27
			1784		00	15	35
			1787		00	28	30
			1756		00	44	08
			1753		00	18	80
			1754		00	04	82
			गट नंबर 1754 और 1751 के बीच की भूमि		00	07	20
			1751		00	06	81
			1750		00	04	35
			1749		00	03	37
			1759		00	06	54
			1748		00	02	34
			1745		00	09	00
			1747		00	01	06
			1746		00	00	04
			1704		00	67	30
			गट नंबर 1704 और 1695 के बीच का मेटल्ड रास्ता		00	02	32
			1695		00	49	70
			1691		00	12	56
			1693		00	63	76
			1680		00	22	82
			1681		00	16	97
			1679		00	28	61
			1678		00	24	75
			गट नंबर 1678 और 1676 के बीच का प्रमुख जिला मार्ग		00	05	99

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर वर्ग	मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	कोले (निरंतर)		गट नंबर 1678 और 1676 के बीच में इन गट नंबर 1678 और 1676 के बीच की भूमि 1676		00	04	83
					00	03	27
					00	36	44
				कुल :	11	20	03
4	जुनोनी		21		00	43	51
			20		00	11	93
			17		00	53	23
			24		00	01	17
			25		00	00	71
			26		00	00	76
			27		00	22	38
			30		00	80	50
			34		00	28	28
			गट नंबर 34 और 31 के बीच की भूमि		00	00	24
			31		00	30	30
			32		00	20	50
			33		00	03	21
			44	3	01	35	84
			44	4	00	15	21
			132		00	40	72
			135		00	09	76
			134		00	20	87
			133		00	01	23
			142		00	17	51
			143		00	01	65
			गट नंबर 143 और 145 के बीच का मेटल्ड रास्ता		00	00	22
			गट नंबर 145 में मेटल्ड रास्ता		00	04	73
			145		00	11	45
			146		00	11	66
			147		00	03	59

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टर	एकर	मीटर
4	जुनोनी (मिहिर)		150		00	05	74
			151		00	10	28
			152		00	18	04
			153		00	23	31
			154		00	36	38
			गट नंबर 154 और				
			205 के बीच में		00	01	14
			नाला				
			205		00	46	99
			206		00	05	22
			207		00	04	60
			208		00	03	49
			209		00	06	85
			210		00	22	72
			215		00	10	65
			216		00	13	83
			217		00	17	07
			218		00	16	75
			219		00	01	80
			288		00	65	16
			289		00	13	78
			290		00	32	83
			295		00	20	14
			331		00	04	21
			300		00	23	13
			301		00	00	05
			गट नंबर 300 और				
			329 के बीच में		00	13	37
			नाला				
			329		00	24	58
			326		00	31	57
कुल :					10	44	84
5	करंढेवाडी		111		00	18	43
			गट नंबर 111 के				
			बीच में मेटल्ड सस्ता		00	03	30
			110		00	00	10
कुल :					00	21	83

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
6	हातीद		659		00	35	54
			658		00	21	44
			660		00	60	15
			665		00	02	03
			663		00	00	18
			गट नंबर 664 में				
			राज्य मार्ग 3		00	04	05
			664		00	38	37
			669		00	30	91
			674		00	07	14
			670		00	29	63
			671		00	63	93
			559		00	02	00
			558		00	08	77
			557		00	04	51
			556		00	03	87
			555		00	08	62
			113		00	54	63
			गट नंबर 113 और				
			441 के बीच की भूमि		00	00	30
			107		00	46	46
			106		00	26	62
			457		00	00	94
			458		00	00	99
			455		00	16	88
			गट नंबर 455 और				
			नाला के बीच की भूमि		00	09	74
			गट नंबर 358 में नाला		00	13	57
			358		00	11	48
			359		00	34	13
			366		00	05	64
			गट नंबर 366 और				
			212 के बीच का		00	03	64
			मेटल्ड रास्ता				
			212		00	03	60
			211		00	00	39
			207		00	24	01

तालूका : सांगोला		जिला : सोलापुर			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयरर वर्ग	मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
6	हातीद (मिहतर)		205		00	28	91
			204		00	07	61
			गट नंबर 204 और				
			24 के बीच का		00	04	69
			गाडी रास्ता				
			24		00	20	65
			25		00	23	59
			बट नंबर 25 और 56				
			के बीच का प्रमुख		00	06	47
			जिला मार्ग 62				
			56		00	10	52
			59		00	30	45
			61		00	15	39
			गट नंबर 61 और		00	09	30
			114 के बीचमें नाला				
			114		00	05	94
			गट नंबर 114 और		00	03	56
			113 के बीच की भूमि				
			113		00	22	64
			111		00	49	74
			109		00	09	57
			106		00	33	18
			107		00	03	07
			105		00	20	71
			गट नंबर 105 और गाँव				
			सीमा मिसलवाडी के बीच		00	03	51
			का गाडी रास्ता				
कुल :					09	10	69
7	मिसालवाडी		314		00	27	43
			315		00	55	00
			गट नंबर 315 और		00	20	62
			197 के बीच की भूमि				
			197		00	09	45
			198		00	03	26
			199		00	02	15
			200		00	02	59
			201		00	03	11

तालूका : सानोला		जिला : सोलापुर			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टर	एयर वर्ग मीटर	8
7	मिसालवाडी (निराहर)		202		00	08	00
			195		00	03	54
			194		00	05	55
			193		00	07	02
			192		00	05	26
			139		00	10	07
			138		00	10	34
			गट नंबर 138 और				
			137 के बीच की				
			भूमि				
			137		00	12	62
			136		00	14	51
			135		00	00	04
			140		00	05	12
			141		00	06	24
			142		00	03	41
			144		00	00	22
			145		00	03	60
			146		00	04	50
			147		00	02	80
			148		00	03	07
			149		00	01	68
			150		00	05	26
			18		00	24	31
			17		00	11	98
			कुल :				
					02	77	87
8	उधनवाडी		1139		00	24	52
			1140		00	32	27
			1141		00	04	70
			1143		00	08	13
			1146		00	21	90
			1150		00	08	58
			1148		00	10	19
			1151		00	21	74
			1147		00	14	44
			1104 से 1117		00	40	88
			1118		00	55	20
			कुल :				
					02	42	55

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
9	राजुरी		723		00	97	37
			810		00	13	07
			727		00	69	92
			805 से 809		00	06	24
			गट नंबर 805 से				
			809 और 729 के		00	10	11
			बीच का मेटल्ड रास्ता				
			729		00	13	23
			730		00	34	68
			736		00	51	16
			गट नंबर 736 और				
			739 के बीच की		00	03	95
			भूमि				
			734		00	10	29
			735		00	02	08
			737		00	18	70
			732		00	10	15
			736 से 738		00	12	14
			गट नंबर 736 से				
			738 और 400 से				
			406 के बीच में		00	06	42
			नाला				
			400 से 406		00	67	85
			गट नंबर 375 से		00	04	19
			399 में मेटल्ड रास्ता				
			375 से 399		00	11	41
			309		00	17	41
			318		00	14	39
			313		00	08	52
			315		00	10	68
			316		00	10	00
			317		00	06	08
			325		00	06	18
			326		00	05	79
			327		00	12	08
			328		00	12	69
			331		00	05	46
			329		00	03	39
			332		00	00	08

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर वर्ग	मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
9	राजुरी (निरंतर)		1257		00	14	85
			335		00	07	72
			336		00	06	38
			337		00	01	96
			338		00	02	39
			339		00	14	14
			340		00	17	52
			344		00	06	54
			345		00	00	12
			258		00	64	75
			253		00	12	98
			252		00	11	03
			249		00	14	47
			248		00	10	63
			247		00	05	26
			गट नंबर 247 और				
			225 के बीच में		00	08	73
			मेटल्ड रास्ता				
			225		00	09	90
			226		00	59	84
कुल :					08	24	92
10	वाटाबरे		626		00	11	91
			624		00	50	11
			623		00	39	81
कुल :					01	01	83
11	निजामपुर		487		00	01	46
			486		00	14	09
			489		00	21	22
			490		00	15	98
			491		00	26	82
			501		00	15	39
			500		00	27	90
			499		00	18	00
			496		00	10	47
			526		00	27	14
			529		00	09	09
			गट नंबर 529 और				
			553 के बीच में मेटल्ड		00	04	64
			रास्ता				

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र				
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल				
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर		
1	2	3	4	5	6	7	8		
11	निजामपुर (निरंतर)		553		00	18	31		
			544		00	14	29		
			543		00	11	54		
			541		00	40	50		
			540		00	02	73		
			533		00	14	53		
			538		00	02	80		
			537		00	02	69		
			534		00	02	32		
			84		00	01	56		
			91	2	00	06	47		
			92		00	09	06		
			95		00	12	30		
			96		00	22	88		
			97		00	16	25		
			98		00	11	42		
			99		00	00	10		
		कुल :					03	81	94
		12	अकोला		623		00	69	14
	619				00	17	99		
	618				00	75	35		
	604				00	13	40		
	605				00	18	32		
	602				00	31	33		
	588				00	44	23		
	गट नंबर 588 में								
	अस्फालटेड रास्ता								
	गट नंबर 588 में								
	रेल्वे लाइन								
	587				00	26	37		
	579				00	10	81		
	589				00	29	30		
	590				00	25	20		
	577				00	25	11		
	576				00	01	89		
	575				00	43	82		
	525				00	44	20		
	527				00	12	25		
	528				00	42	87		
	522				00	09	40		
	521				00	13	05		

तालूका : सांगोला		जिला : सोलापुर			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एकर	मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
12	अकोला (निरंतर)		520		00	15	12
			519		00	08	93
			516		00	07	92
			513		00	09	91
			512		00	02	87
			511		00	02	66
		गट नंबर 511 और 467 के बीच की भूमि			00	08	71
			467		00	33	82
			466		00	17	42
			465		00	04	92
			464 (रे)		00	02	03
			463		00	02	41
			462 (रे)		00	02	82
			461		00	06	81
			460		00	10	55
			457		00	04	13
			455		00	07	61
			452		00	01	46
			451		00	00	45
कुल :					07	14	40
13	कडलास		436		00	03	97
			437		00	25	41
			439		00	14	47
			440		00	07	39
			441		00	08	66
			442		00	07	66
			447		00	10	70
			448		00	07	39
			449		00	15	08
			455		00	09	89
			456		00	01	38
			454		00	00	30
			459		00	02	46
			457		00	00	10
			458		00	06	27
			602	1	00	61	79
			601		00	06	35
			598		00	19	71
			594		00	02	08
			599		00	00	10
			597		00	05	95

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर वर्ग	मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
13	कडलास (निरंतर)		596 595 पै		00 00	10 17	36 36
			गट नंबर 595 और 554 के बीच की भूमि 583		00	07	71
			गट नंबर 595 और 554 के बीच की भूमि 554 555		00 00	84 41	84 30 02
			गट नंबर 555 में मेटल्ड रास्ता		00	02	82
			गट नंबर 555 और 660 के बीच की भूमि 660 661 666 665 672 714 733 735 809		00 00 00 00 00 00 00 00 01	00 10 08 26 04 48 47 36 14 15	32 08 91 25 81 34 46 34 89 99
			गट नंबर 809 और 860 के बीच में राज्य मार्ग 71 860		00	02	40
			गट नंबर 860 और 867 के बीच में मेटल्ड रास्ता 867 861 862 866		00 00 00 00	02 00 30 16 18	01 37 24 86 99

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
13	कडलास (निरंतर)		865		00	17	37
			गट नंबर 865 और 884 के बीच में मेटल्ड		00	02	66
			रास्ता				
			884		00	21	09
			885		00	17	11
			890		00	15	92
			889		00	19	26
			888		00	21	22
			927		00	06	93
			900		00	04	82
			926		00	08	06
			925		00	05	63
			924		00	06	92
			923		00	01	96
			922		00	04	68
			921		00	06	28
			920		00	07	22
			919		00	12	47
			914		00	02	19
			915		00	15	89
			गट नंबर 915 और 1183 के बीच		00	06	89
			में नाला				
			1183		00	18	58
			1182		00	16	91
			1181		00	05	22
			1180		00	05	64
			गट नंबर 1180 और 1208 के बीच		00	43	59
			की भूमि				
			गट नंबर 1180 और 1208 के बीच		00	22	67
			की भूमि				
			गट नंबर 1208 में मेटल्ड रास्ता		00	03	17
			1208		00	22	29
			1209		00	16	58
			1210		00	10	89

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र					
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल					
					हेक्टर	एयर वर्ग	मीटर			
1	2	3	4	5	6	7	8			
13	कडलास (निरंतर)		1212		00	19	79			
			1213		00	24	25			
			1219	2	00	12	85			
			1221		00	11	78			
			1230		00	13	98			
			1231		00	11	36			
			1234		00	13	02			
			1235		00	07	06			
			1236		00	03	73			
			1239		00	15	89			
			1240		00	06	07			
			1241		00	21	31			
			1242		00	04	85			
			1243		00	17	14			
			1257		00	24	12			
			1256		00	47	67			
			1255		00	07	06			
			1254		00	07	73			
			1253		00	06	81			
			1250		00	09	17			
			1251		00	26	51			
			1252		00	00	48			
			गट नंबर 1251 और गाँव सीमा मेडशिंंगी के बीच में कोरडा नदी			00	09	78		
							कुल :	14	85	60
		14	मेडशिंंगी		गट नंबर 291 और गाँव सीमा कडलास के बीच में कोरडा नदी		00	09	84	
					291		00	08	61	
					गट नंबर 291 में मेटल्ड रास्ता		00	04	57	
	306			1	00	84	25			
	306			2	00	42	53			
	309				00	11	19			
	310				00	12	21			
	311				00	24	44			
	313				00	19	30			
	317				00	24	09			

तालूका : सांगोला		जिला : सोलापूर			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
14	मेडशिंंगी (जिरेंतर)		318		00	38	54
			328		00	15	04
			गट नंबर 328 और				
			375 के बीच में		00	08	36
			अपरुपा नदी				
			375		00	34	65
			374		00	11	54
			373		00	19	65
			372		00	07	74
			गट नंबर 372 और				
			411 के बीच में		00	03	79
			अस्फालटेड रास्ता				
			411		00	09	63
			412		00	06	90
			413		00	16	20
			414		00	17	97
			416		00	10	86
			417		00	10	86
			420		00	44	24
			423		00	27	32
			424		00	26	37
			425		00	11	17
			427		00	12	98
			428		00	07	53
कुल :					05	82	37
15	वाडेगाँव		614		00	21	19
			613/1, 613/2		00	40	51
			608		00	14	43
			607		00	15	19
			597, 600, 601, 602		00	22	86
			602		00	00	14
			599		00	18	50

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
15	वाडेगाँव (निरंतर)		गट नंबर 599 और 584 के बीच की भूमि		00	25	82
			584		00	07	98
			583		00	07	02
			584		00	09	84
			582		00	16	83
			581		00	17	39
			578		00	50	11
			568		00	06	32
			567		00	07	06
			566		00	09	81
			564		00	06	32
			गट नंबर 564 और 447 के बीच की भूमि		00	03	17
			गट नंबर 564 और 447 के बीच की भूमि		00	04	95
			447		00	03	37
			गट नंबर 447 और 556 के बीच की भूमि		00	13	91
			556		00	13	91
			555		00	07	56
			गट नंबर 555 और 496 के बीच की भूमि		00	06	41
			गट नंबर 555 और 496 के बीच की भूमि		00	07	84
			496		00	06	91

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर वर्ग	मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
15	वाडेगाँव (निरंतर)		गट नंबर 496 और 501 के बीच की भूमि		00	01	92
			गट नंबर 496 और 501 के बीच की भूमि		00	04	03
			गट नंबर 496 और 501 के बीच की भूमि		00	02	05
			501		00	05	85
			506		00	18	41
			गट नंबर 506 और 490 के बीच में राज्य मार्ग 3		00	05	87
			490		00	07	50
			491		00	04	82
			492		00	04	35
			493		00	06	32
			गट नंबर 493 और गाँव सीमा राजापुर के बीच की भूमि		00	10	49
कुल :					04	36	96
16	राजापुर		88		00	36	61
			89		00	49	99
			90		00	43	60
			गट नंबर 90 और 84 के बीच में मेटल्ड रास्ता		00	02	05
			84		00	48	94
			81		00	25	28
			80		00	18	13
			79		00	17	56

तालूका : सांगोला			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर वर्ग	मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
16	राजापुर (निरंतर)		82		00	00	71
			53		00	57	25
			54		00	59	26
कुल :					03	59	38

[फा. सं. आर-31015/19/2004-ओ.आर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 20th October, 2004

S. O. 2725.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Loni to Pakni via Hazarwadi in the State of Maharashtra, an extension pipeline should be laid by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M.V.Chitnis, Competent Authority, Mumbai-Pune Pipeline Extension Project (from Loni to Pakni via Hazarwadi), Hindustan Petroleum Corporation Ltd., Loni Terminal, Kadamwakwasti Village, Haveli Taluka, Pune District, Maharashtra-412 201

SCHEDULE

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	PACHEGAON		74		00	93	51
	BUDRUK		73		00	07	96
			60		00	21	67
			56		00	17	75
			54		00	13	88
			52	1	00	05	58
			52	2	00	05	57
			49		00	21	70
			53		00	05	22
			48		00	18	65
			85		00	00	20
			47		00	08	91
			86		00	00	15
			87		00	17	41
			26		00	08	87
			88 to 100		00	26	01
			25		00	03	45
			Nala in Gat No		00	23	43
			88 to 100		00	08	18
			102		00	07	12
			104		00	00	72
			105		00	05	57
			206		00	15	83
			204		00	03	42
			Metalled Road in between Gat No 204 & 179		00	21	18
			179		00	16	77
			178		00	23	45
			176		00	12	34
			135		00	03	25
			136		00	10	85
			137		00	13	25
			160		00	15	68
			159		00	00	17
			158		00	17	09
			154		00		

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	PACHEGAON		157		00	00	05
	BUDRUK		156		00	03	03
	(Contd.)		155		00	10	91
			Nala in between				
			Gat No		00	07	47
			155 & 641				
			641		00	04	23
			628		00	24	02
			626		00	00	83
			627		00	13	31
			625		00	23	12
			622		00	14	77
			621		00	05	03
			620		00	06	83
			619		00	12	85
			615		00	02	62
			613		00	11	39
			518		00	01	48
			517		00	21	14
			516		00	27	98
			514		00	03	57
			513		00	09	21
			Area in between				
			Gat No		00	05	48
			513 & 505/3				
			505	3	00	04	30
			507		00	04	12
			506		00	04	37
			505	2	00	03	16
			505	1	00	08	30
			504		00	21	3
			428		00	65	54
			Metalled Road in				
			Gat No 428		00	03	08
			430		00	21	34
			440		00	54	91
			439		00	00	31

Taluka : SANGOLA		District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	PACHEGAON		459		00	05	42
	BUDRUK		460		00	53	72
	(Contd.)		467		00	04	93
			Nala in between Gat No 460 & 467 & V.B of Kombadwadi		00	17	47
Total :					09	56	80
2	KOMBADWADI		Nala adjacent to V.B Pachegaon Budruk & Gat No 266 & 267		00	04	91
			266		00	00	10
			267		00	07	32
			268		00	04	41
			269		00	06	13
			270		00	06	91
			272		00	16	42
			271		00	06	52
			274		00	17	63
			275		00	14	03
			276		00	25	93
			286		00	28	72
Total :					01	39	03
3	KOLE		2946		00	14	46
			2947		00	48	43
			2948		00	04	64
			2949		00	11	28
			2950		00	19	62
			2951		00	24	24
			2952		00	26	79
			MDR - 78 in between Gat No 2952 & 2931		00	04	41
			2931		00	20	32
			2929		00	07	42
			2926		00	19	55
			2925		00	03	45
			2924		00	05	07

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
3	KOLE		2922		00	10	50
	(Contd.)		2921		00	17	21
			2918		00	14	27
			2917		00	12	34
			2916		00	07	29
			2915		00	07	25
			2914		00	05	43
			2913		00	01	92
			2910		00	21	10
			Warar Devi Nala in between Gat No 2910 & 2706		00	09	97
			2706		00	06	31
			2705		00	04	91
			2704		00	06	13
			2703		00	07	07
			2702		00	81	62
			Asphalted Road in between Gat No 2702 & 1957		00	02	74
			1957		00	40	96
			Area in between Gat No 1957 & 1964		00	00	20
			Area in between Gat No 1957 & 1964		00	11	50
			Area in between Gat No 1957 & 1964		00	11	11
			1964		00	14	32
			1966		00	07	01
			1967		00	20	92
			Drain in Gat No 1967		00	00	83
			Metalled Road in between Gat No 1967 & 1794		00	02	22
			1794		00	01	02
			1793		00	02	28
			1790		00	07	92

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
3	KOLE (Contd.)		Nala in between Gat No 1790 & 1789		00	03	66
			1789		00	14	69
			1782		00	64	27
			1784		00	15	35
			1787		00	28	30
			1756		00	44	08
			1753		00	18	80
			1754		00	04	82
			Area in between Gat No 1754 & 1751		00	07	20
			1751		00	06	81
			1750		00	04	35
			1749		00	03	37
			1759		00	06	54
			1748		00	02	34
			1745		00	09	00
			1747		00	01	06
			1746		00	00	04
			1704		00	67	30
			Metalled Road in between Gat No 1704 & 1695		00	02	32
			1695		00	49	70
			1691		00	12	56
			1693		00	63	76
			1680		00	22	82
			1681		00	16	97
			1679		00	28	61
			1678		00	24	75
			MDR - 78 in between Gat No 1678 & 1676		00	05	99

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
3	KOLE (Contd.)		Drain in between Gat No 1678 & 1676 Area in between Gat No 1678 & 1676 1676		00	04	83
					00	03	27
					00	36	44
Total :					11	20	03
4	JUNONI		21		00	43	51
			20		00	11	93
			17		00	53	23
			24		00	01	17
			25		00	00	71
			26		00	00	76
			27		00	22	38
			30		00	80	50
			34		00	28	28
			Area in between Gat No 34 & 31		00	00	24
			31		00	30	30
			32		00	20	50
			33		00	03	21
			44	3	01	35	84
			44	4	00	15	21
			132		00	40	72
			135		00	09	76
			134		00	20	87
			133		00	01	23
			142		00	17	51
			143		00	01	65
			Metalled Road in between Gat No 143 & 145		00	00	22
			Metalled Road in Gat No 145		00	04	73
			145		00	11	45
			146		00	11	66
			147		00	03	59

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area			
					Hectare	Are	Sq.mt	
1	2	3	4	5	6	7	8	
4	JUNONI (Contd.)		150		00	05	74	
			151		00	10	28	
			152		00	18	04	
			153		00	23	31	
			154		00	36	38	
			Nala in between					
			Gat No		00	01	14	
			154 & 205					
			205		00	46	99	
			206		00	05	22	
			207		00	04	60	
			208		00	03	49	
			209		00	06	85	
			210		00	22	72	
			215		00	10	65	
			216		00	13	83	
			217		00	17	07	
			218		00	16	75	
			219		00	01	80	
			288		00	65	16	
			289		00	13	78	
			290		00	32	83	
			295		00	20	14	
			331		00	04	21	
			300		00	23	13	
			301		00	00	05	
			Nala in between					
			Gat No		00	13	37	
			300 & 329					
			329		00	24	58	
			326		00	31	57	
Total :					10	44	84	
5	KARANDEWADI		111		00	18	43	
			Metalled Road in					
			Gat No 111		00	03	30	
			110		00	00	10	
Total :					00	21	83	

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
6	HATID		659		00	35	54
			658		00	21	44
			660		00	60	15
			665		00	02	03
			663		00	00	18
			SH - 3 in Gat No		00	04	05
			664		00	38	37
			664		00	30	91
			669		00	07	14
			674		00	29	63
			670		00	63	93
			671		00	02	00
			559		00	08	77
			558		00	04	51
			557		00	03	87
			556		00	08	62
			555		00	54	63
			113		00	00	30
			Area in between				
			Gat No		00	46	46
			113 & 441		00	26	62
			107		00	00	94
			106		00	00	99
			457		00	16	88
			458				
			455				
			Area in between				
			Gat No		00	09	74
			455 & Nala				
			Nala near Gat No		00	13	57
			358		00	11	48
			358		00	34	13
			359		00	05	64
			366				
			Metalled Road in				
			between Gat No		00	03	64
			366 & 212				
			212		00	03	60
			211		00	00	39
			207		00	24	01

Taluka : SANGOLA		District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
6	HATID (Contd.)		205		00	28	91
			204		00	07	61
			Cart Track in between Gat No 204 & 24		00	04	69
			24		00	20	65
			25		00	23	59
			MDR - 62 in between Gat No 25 & 56		00	06	47
			56		00	10	52
			59		00	30	45
			61		00	15	39
			Nala in between Gat No 61 & 114		00	09	30
			114		00	05	94
			Area in between Gat No 114 & 113		00	03	56
			113		00	22	64
			111		00	49	74
			109		00	09	57
			106		00	33	18
			107		00	03	07
			105		00	20	71
			Cart Track in between Gat No 105 & V.B of Misalwadi		00	03	51
Total:					09	10	69
7	MISALWADI		314		00	27	43
			315		00	55	00
			Area in between Gat No 315 & 197		00	20	62
			197		00	09	45
			198		00	03	26
			199		00	02	15
			200		00	02	59
			201		00	03	11

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area			
					Hectare	Are	Sq.mt	
1	2	3	4	5	6	7	8	
7	MISALWADI (Contd.)		202		00	08	00	
			195		00	03	54	
			194		00	05	55	
			193		00	07	02	
			192		00	05	26	
			139		00	10	07	
			138		00	10	34	
			Area in between Gat No 138 & 137			00	05	12
			137		00	12	62	
			136		00	14	51	
			135		00	00	04	
			140		00	05	12	
			141		00	06	24	
			142		00	03	41	
			144		00	00	22	
			145		00	03	60	
			146		00	04	50	
			147		00	02	80	
			148		00	03	07	
			149		00	01	68	
			150		00	05	26	
			18		00	24	31	
			17		00	11	98	
Total :					02	77	87	
8	UDHANWADI		1139		00	24	52	
			1141		00	04	70	
			1143		00	08	13	
			1146		00	21	90	
			1150		00	08	58	
			1148		00	10	19	
			1151		00	21	74	
			1147		00	14	44	
			1104 TO 1117		00	40	88	
			1118		00	55	20	
Total :					02	42	55	

Taluka : SANGOLA		District : SOLAPUR			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
9	RAJURI		723		00	97	37
			810		00	13	07
			727		00	69	92
			805 TO 809		00	06	24
			Metalled Road in between Gat No 805 to 809 & 729		00	10	11
			729		00	13	23
			730		00	34	68
			736		00	51	16
			Area in between Gat No 736 & 739		00	03	95
			734		00	10	29
			735		00	02	08
			737		00	18	70
			732		00	10	15
			736 to 738		00	12	14
			Nala in between Gat No 736 to 738 & 400 to 406		00	06	42
			400 to 406		00	67	85
			Metalled Road in Gat No 375 to 399		00	04	19
			375 to 399		00	11	41
			309		00	17	41
			318		00	14	39
			313		00	08	52
			315		00	10	68
			316		00	10	00
			317		00	06	08
			325		00	06	18
			326		00	05	79
			327		00	12	08
			328		00	12	69
			331		00	05	46
			329		00	03	39
			332		00	00	08

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA				
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area				
					Hectare	Acre	Sq.mt		
1	2	3	4	5	6	7	8		
9	RAJURI (Contd.)		1257		00	14	85		
			335		00	07	72		
			336		00	06	38		
			337		00	01	96		
			338		00	02	39		
			339		00	14	14		
			340		00	17	52		
			344		00	06	54		
			345		00	00	12		
			258		00	64	75		
			253		00	12	98		
			252		00	11	03		
			249		00	14	47		
			248		00	10	63		
			247		00	05	26		
			Metalled Road in between Gat No 247 & 225			00	08	73	
			225		00	09	90		
			226		00	59	84		
		Total :					08	24	92
		10	WATAMBRE		626		00	11	91
	624				00	50	11		
	623				00	39	81		
Total :					01	01	83		
11	NIJAMPUR		487		00	01	46		
			486		00	14	09		
			489		00	21	22		
			490		00	15	98		
			491		00	26	82		
			501		00	15	39		
			500		00	27	90		
			499		00	18	00		
			496		00	10	47		
			526		00	27	14		
			529		00	09	09		
			Metalled Road in between Gat No 529 & 553			00	04	64	

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area			
					Hectare	Are	Sq.mt	
1	2	3	4	5	6	7	8	
11	NIJAMPUR (Contd.)		553			00	18	31
			544			00	14	29
			543			00	11	54
			541			00	40	50
			540			00	02	73
			533			00	14	53
			538			00	02	80
			537			00	02	69
			534			00	02	32
			84			00	01	56
			91		2	00	06	47
			92			00	09	06
			95			00	12	30
			96			00	22	88
			97			00	16	25
			98			00	11	42
			99			00	00	10
Total :					03	81	94	
12	AKOLA		623			00	69	14
			619			00	17	99
			618			00	75	35
			604			00	13	40
			605			00	18	32
			602			00	31	33
			588			00	44	23
			Asphalted Road in Gat No 588			00	04	25
			Railway Line in Gat No 588			00	05	57
			587			00	26	37
			579			00	10	81
			589			00	29	30
			590			00	25	20
			577			00	25	11
			576			00	01	89
			575			00	43	82
			525			00	44	20
			527			00	12	25
			528			00	42	87
			522			00	09	40
			521			00	13	05

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
12	AKOLA (Contd.)		520		00	15	12
			519		00	08	93
			516		00	07	92
			513		00	09	91
			512		00	02	87
			511		00	02	66
			Area in between Gat No 511 & 467		00	08	71
			467		00	33	82
			466		00	17	42
			465		00	04	92
			464 (P)		00	02	03
			463		00	02	41
			462 (P)		00	02	82
			461		00	06	81
			460		00	10	55
			457		00	04	13
			455		00	07	61
			452		00	01	46
			451		00	00	45
			Total :		07	14	40
13	KADLAS		436		00	03	97
			437		00	25	41
			439		00	14	47
			440		00	07	39
			441		00	08	66
			442		00	07	66
			447		00	10	70
			448		00	07	39
			449		00	15	08
			455		00	09	89
			456		00	01	38
			454		00	00	30
			459		00	02	46
			457		00	00	10
			458		00	06	27
			602	1	00	61	79
			601		00	06	35
			598		00	19	71
			594		00	02	08
			599		00	00	10
			597		00	05	95

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
13	KADLAS (Contd.)		596		00	10	36
			595 (P)		00	17	36
			Area in between Gat No 595 & 554		00	06	80
			583		00	07	71
			Area in between Gat No 595 & 554		00	84	84
			554		00	01	30
			555		00	41	02
			Metalled Road in Gat No 555		00	02	82
			Area in between Gat No 555 & 660		00	00	32
			660		00	10	08
			661		00	08	91
			666		00	26	25
			685		00	04	81
			672		00	48	34
			714		00	47	46
			733		00	36	34
			735		00	14	89
			809		01	15	99
			SH - 71 in between Gat No 809 & 860		00	02	40
			860		00	19	50
			Metalled Road in between Gat No 860 & 867		00	02	01
			867		00	00	37
			861		00	30	24
			862		00	16	86
			866		00	18	99

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
13	KADLAS (Contd.)		865		00	17	37
			Metalled Road in between Gat No 865 & 884		00	02	66
			884		00	21	09
			885		00	17	11
			890		00	15	92
			889		00	19	26
			888		00	21	22
			927		00	06	93
			900		00	04	82
			926		00	08	06
			925		00	05	63
			924		00	06	92
			923		00	01	96
			922		00	04	68
			921		00	06	28
			920		00	07	22
			919		00	12	47
			914		00	02	19
			915		00	15	89
			Nala in between Gat No 915 & 1183		00	06	89
			1183		00	18	58
			1182		00	16	91
			1181		00	05	22
			1180		00	05	64
			Area in between Gat No 1180 & 1208		00	43	59
			Area in between Gat No 1180 & 1208		00	22	67
			Metalled Road in Gat No 1208		00	03	17
			1208		00	22	29
			1209		00	16	58
			1210		00	10	89

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area			
					Hectare	Are	Sq.mt	
1	2	3	4	5	6	7	8	
13	KADLAS (Contd.)		1212		00	19	79	
			1213		00	24	25	
			1219	2	00	12	85	
			1221		00	11	78	
			1230		00	13	98	
			1231		00	11	36	
			1234		00	13	02	
			1235		00	07	06	
			1236		00	03	73	
			1239		00	15	89	
			1240		00	06	07	
			1241		00	21	31	
			1242		00	04	85	
			1243		00	17	14	
			1257		00	24	12	
			1256		00	47	67	
			1255		00	07	06	
			1254		00	07	73	
			1253		00	06	81	
			1250		00	09	17	
			1251		00	26	51	
			1252		00	00	48	
			Korda River in between Gat No 1251 & V.B. of Medsingi			00	09	78
					Total :	14	85	60
14	MEDSINGI		Korda River in between V.B. of Kadlas & Gat No 291		00	09	84	
			291		00	08	61	
			Metalled Road in Gat No 291		00	04	57	
			306	1	00	84	25	
			306	2	00	42	53	
			309		00	11	19	
			310		00	12	21	
			311		00	24	44	
			313		00	19	30	
			317		00	24	09	

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Acre	Sq. mt
1	2	3	4	5	6	7	8
14	MEDSINGI		318		00	38	54
	(Contd.)		328		00	15	04
			Aprupa Nadi in between Gat No 328 & 375		00	08	36
			375		00	34	65
			374		00	11	54
			373		00	19	65
			372		00	07	74
			Asphalted Road in between Gat No 372 & 411		00	03	79
			411		00	09	63
			412		00	06	90
			413		00	16	20
			414		00	17	97
			416		00	10	86
			417		00	10	86
			420		00	44	24
			423		00	27	32
			424		00	26	37
			425		00	11	17
			427		00	12	98
			428		00	07	53
Total :					05	82	37
15	WADEGAON		614		00	21	19
			613/1, 613/2		00	40	51
			608		00	14	43
			607		00	15	19
			597, 600, 601, 602		00	22	86
			602		00	00	14
			599		00	18	50

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
15	WADEGAON (Contd.)		Area in between Gat No 599 & 584		00	25	82
			584		00	07	98
			583		00	07	02
			584		00	09	84
			582		00	16	83
			581		00	17	39
			578		00	50	11
			568		00	06	32
			567		00	07	06
			566		00	09	81
			564		00	06	32
			Area in between Gat No 564 & 447		00	03	17
			Area in between Gat No 564 & 447		00	04	95
			447		00	03	37
			Area in between Gat No 447 & 556		00	13	91
			556		00	13	91
			555		00	07	56
			Area in between Gat No 555 & 496		00	06	41
			Area in between Gat No 555 & 496		00	07	84
			496		00	06	91

Taluka : SANGOLA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
15	WADEGAON (Contd.)		Area in between Gat No 496 & 501		00	01	92
			Area in between Gat No 496 & 501		00	04	03
			Area in between Gat No 496 & 501		00	02	05
			501		00	05	85
			506		00	18	41
			SH - 3 in between Gat No 506 & 490		00	05	87
			490		00	07	50
			491		00	04	82
			492		00	04	35
			493		00	06	32
			Area in between Gat No 493 & V.B. of Rajapur		00	10	49
Total :					04	36	96
16	RAJAPUR		88		00	36	61
			89		00	49	99
			90		00	43	60
			Metalled Road in between Gat No 90 & 84		00	02	05
			84		00	48	94
			81		00	25	28
			80		00	18	13
			79		00	17	56

Taluka : SANGOLA		District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
16	RAJAPUR)		82		00	00	71
			53		00	57	25
			54		00	59	26
Total :					03	59	38

[No. R-31015/19/2004-O.R.-II]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2726.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र राज्य में लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के ~~यहाँ~~^{यहाँ} पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री. एम. वी. चिटनिस, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई-पुणे पाइपलाइन विस्तार परियोजना (लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लोनी - टर्मिनल, कदमवाक बस्ती गाँव, हवेली तालुका, पुणे जिला, महाराष्ट्र - 412 201 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तालूका : मंगळवेढा		जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	लक्ष्मी दहिवडी		1100		00	01	88
			1101		00	59	40
			1109		00	32	88
			1102		00	01	21
			गट नंबर 1102				
			और 1132 के बीच				
			की भूमि				
			1132		00	03	46
			1131		00	30	19
			1130		00	04	56
			1245		00	71	09
			1246		00	18	04
			1247		00	00	10
			1248		00	09	81
			1249		00	16	20
			1250		00	27	63
			1251		00	62	86
			1252		00	02	99
			1254		00	34	32
			1253		00	08	21
			गट नंबर 1254,				
			112 और 108 के				
			बीच का मेटल्ड				
			रास्ता				
			112		00	06	49
			108		00	35	87
			107		00	00	05
			106		00	35	37
			105		00	28	15
			231		00	51	30
			100		00	25	20
			234		00	55	61
			251		00	17	48
			252		00	30	24
			260		00	27	86

तालूका : मंगळवेढा		जिला : सोलापुर			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	लक्ष्मी दहिवडी (निरंतर)		257		00	15	72
			गट नंबर 257 से				
			279 के बीच का		00	03	13
			अस्फालटेड रास्ता				
			280		00	05	18
			279		00	10	34
			278		00	14	72
			277		00	10	08
			276		00	14	58
			274		00	25	47
			273		00	15	85
			271		00	03	32
			313		00	80	86
			314		00	00	55
			317		00	56	37
			316		00	46	08
			428		00	00	18
			429		00	35	58
कुल :					10	71	14
2	आंधळगाँव		112		00	01	52
			113		00	54	49
			गट नंबर 113 और				
			112 के बीच का		00	03	37
			मेटल्ड रास्ता				
			114		00	39	42
			115		00	25	94
			118		00	33	41
			130		00	72	83
			131		00	25	22
			गट नंबर 131 और				
			134 के बीच का		00	04	19
			मेटल्ड रास्ता				
			134		00	28	98
			136		00	29	71

तालूका : मंगलवेढा		जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
2	आंधळगाँव		गट नंबर 136 और 147 के बीच की भूमि 147 गट नंबर 136 , 147 में मेटल्ड रास्ता गट नंबर 150 में मेटल्ड रास्ता 150		00	02	58
					00	02	86
					00	00	27
					00	03	08
					00	00	74
				कुल :	03	28	61
3	सेलेवाडी		50 49 48 47 46 45 44 63 42 65 38 66 77 गट नंबर 77 और 197 के बीच का मेटल्ड रास्ता 197 196 195 193 191 190 189 187 186 185 184 167		00 00	01 13 88 09 08 02 01 00 18 27 01 48 37 03 15 04 08 10 09 10 15 25 21 05 12 41	05 22 64 40 91 74 80 76 62 19 78 09 75 25 18 42 42 05 98 82 81 98 89 33 16 56

तालूका : मंगलवेढा		जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	सेलेवाडी		गट नंबर 167 और 168 के बीच का गाड़ी रास्ता 168 158 157 गट नंबर 157 में उजनी दहिने तरफ की कनाल		00 00 00 00 00	04 56 00 43 18	40 92 11 25 40
कुल :					05	67	88
4	अकोले		10 11 12 गट नंबर 12 और 13 के बीच में खडकीरा नाला 13 गट नंबर 13 के पास की भूमि 14 15 16 गट नंबर 16 और 17 के बीच की भूमि 17 18 19 गट नंबर 19 और 23 के बीच की भूमि 23 24 25 26		00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	07 01 08 07 10 00 11 02 03 05 04 03 02 03 06 09 18	23 42 86 02 02 85 32 70 82 44 24 37 37 92 27 07 99 53

तालूका : मंगलवेक			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
4	अकोले (गिराह)		27		00	11	77
			28		00	18	02
			43		00	95	72
			गट नंबर 43 और				
			252 के बीच में		00	04	32
			मेटल्ड रास्ता				
			गट नंबर 252 के		00	01	58
			पास की कनाल				
			गट नंबर 252 और				
			115 के बीच की		00	68	18
			भूमि				
			गट नंबर 252 और				
			115 के बीच की		00	09	97
			भूमि				
			142		00	29	05
			185		00	69	78
			गट नंबर 185 और				
			176 के बीच की		00	00	57
			भूमि				
			176		00	34	63
			169		00	33	91
			168		00	38	72
			167		00	13	75
			166		00	08	26
			164		00	21	21
			163		00	06	03
			162		00	04	39
			161		00	03	14
			गट नंबर 161 और				
			160 के बीच		00	06	98
			की भूमि				
			160		00	08	76
			159		00	04	64
			158		00	05	26
			157		00	15	84
			154		00	04	89
			153		00	03	89
			152		00	06	57

तालुका : मंगळवेढा			जिला : सोलापूर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
4	अकाली (मिरह)		150		00	03	64
			149		00	03	18
			148		00	04	11
			147		00	04	02
			146		00	01	10
कुल :					05	64	32
5	मंगळवेढा		3874		00	00	48
			3875		00	36	11
			3876		00	10	03
			3893		00	32	34
			3892		00	03	45
			3897		00	27	86
			3899		00	12	21
			3900		00	26	67
			3902		00	08	21
			3906		00	44	64
			3927		00	13	49
			3928		00	09	56
			3930		00	06	16
			3931		00	04	93
			3932		00	09	19
			3933		00	19	87
			3934		00	18	00
			3959		00	14	04
			3960		00	06	45
			3961		00	16	81
			3962		00	06	04
			3963		00	05	66
			3964		00	06	68
			3965		00	07	77
			3968		00	10	98
			3966		00	17	72
		गट नंबर 3966 और					
		3958 के बीच का			00	03	41
		मेटल्ड रास्ता					
		3958			00	15	42
		3970			00	77	34
		गट नंबर 3970 और					
		3971 के बीच			00	06	63
		की भूमि					
		3971			00	03	32

तालूका : मंगळवेढा		जिला : सोलापुर			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गांव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
5	मंगळवेढा		3972		00	05	37
	(निरंतर)		3973		00	08	79
			3974		00	05	62
			3975		00	08	36
			3976		00	13	03
			3977		00	03	41
			3980		00	07	37
			3981		00	04	10
			3982		00	04	57
			3984		00	05	12
			3985		00	13	48
			4112		00	16	24
			गट नंबर 4112 और				
			4113 के बीच का				
			राज्य मार्ग 141				
			4113		00	12	68
			4117		00	14	94
			4118		00	17	55
			4119		00	28	24
			4120		00	10	84
			4121		00	05	35
			4122		00	11	14
			4123		00	13	84
			4124		00	26	13
			4127		00	26	11
			4128		00	23	97
			4136		00	04	37
			4135		00	04	29
			4134		00	05	33
			4130		00	12	46
			4133		00	26	97
			4554		00	03	33
			4555		00	13	47
			4556	1	00	10	86
			4556	2	00	10	57
			4556	3	00	08	14
			4556	4	00	08	87
			4562		00	19	68
			4563		00	13	48

तालूका : मंगळवेढा			जिला : सोलापूर		राज्य : महाराष्ट्र					
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	मट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल					
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर			
1	2	3	4	5	6	7	8			
5	मंगळवेढा (निरंतर)		4564			00	06	39		
			4569			00	09	16		
			4570			00	07	96		
			4571			00	18	52		
			4572			00	16	13		
			4573			00	02	62		
			मट नंबर 4573 और							
			4575 के बीच का				00	04	50	
			अस्फाल्टेड रास्ता							
			4575			00	16	13		
			4611			00	08	07		
			4612			00	09	15		
			4613			00	08	09		
			4614			00	18	29		
			4614		2	00	38	48		
			4618		1	00	26	79		
			4619			00	06	73		
			4620			00	05	47		
			4621			00	05	58		
			4622			00	17	93		
			4623			00	12	39		
			4624			00	23	40		
			4625			00	09	97		
			4627			00	05	30		
			4628			00	00	11		
					कुल :	11	87	19		
6	देवगाँव		99			00	30	03		
			98			00	29	47		
			146			00	02	51		
			97			00	11	72		
			96			00	20	11		
			87			00	05	04		
			86			00	01	81		
			83			00	15	20		
			142			00	06	67		
			143			00	10	73		
			144			00	29	19		
			79			00	05	38		
			78			00	03	72		
							कुल :	01	71	58

तालूका : मंगळवेढा		जिला : सोलापुर			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वगे मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
7	धरमगाँव		39		00	00	15
कुल :					00	00	15
8	ढवळस		255		00	16	31
			258		00	11	89
			259		00	01	50
			254		00	00	10
			253		00	26	01
			गट नंबर 253 में				
			सलग्न कनाल		00	04	58
			252		00	12	09
			251		00	12	45
			250		00	05	72
			249		00	06	58
			248		00	09	41
			247		00	15	46
			246		00	07	81
			245		00	08	98
			244		00	05	90
			243		00	12	78
			242		00	02	42
			241		00	00	03
			233		00	09	47
			232		00	08	94
			231		00	01	76
			230		00	02	06
			227		00	01	96
			226		00	03	54
			225		00	04	32
			224		00	06	67
			218		00	04	44
			217		00	36	00
कुल :					02	39	18
9	मुढवी		374		00	00	69
			375		00	06	93
			376		00	14	29
			377		00	09	64
			378		00	10	98
			379		00	00	43
			382		00	16	36
			381		00	33	37
			387		00	18	37

तालूका : मंगळवेढा		जिला : सोलापूर			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
9	मुढवी (जिंतर)		388		00	03	92
			389		00	16	43
			392		00	13	66
			393		00	04	13
			394		00	11	82
			395		00	35	89
			गट नंबर 401 में				
			नेटल रास्ता		00	03	83
			401		00	15	38
			429		00	16	57
			430		00	17	01
			463		00	07	80
			464		00	05	02
			465		00	04	92
			466		00	03	55
			467		00	03	63
			470		00	07	08
			471		00	02	59
			475		00	03	58
			476		00	03	45
			477		00	03	54
			480		00	02	98
			483		00	13	30
			485		00	04	88
			486		00	05	40
			488		00	03	99
			511		00	18	36
			510		00	02	10
			512		00	04	46
			513		00	06	30
			514		00	11	94
			515		00	19	69
			524		00	17	90
			523		00	08	44
			518		00	10	03
			312		00	07	34
			311		00	03	25
			309		00	00	99
			308		00	00	04
			307		00	00	72

तालूका : मंगलवेढा			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
9	मुढवी (निरंतर)		गट नंबर 306 और 309 के बीच की भूमि		00	10	34
			गट नंबर 284 के पास की भूमि		00	09	41
			284		00	15	38
			285		00	05	90
			272		00	10	37
			273		00	12	95
			274		00	08	53
			275		00	05	80
			276		00	03	16
			277		00	13	13
			237		00	04	89
			236		00	07	99
			235		00	08	56
			234		00	07	24
			233		00	04	65
			232		00	00	05
			230		00	10	38
			गट नंबर 230 और 162 के बीच का अस्फालटेड सस्ता		00	01	03
			162		00	23	50
			163		00	07	07
			164		00	11	65
			165		00	27	61
			178		00	18	72
			174		00	25	79
			172		00	09	31
			171		00	10	42
			170		00	06	53
			169		00	11	36
			168		00	06	21
			167		00	12	03
			166		00	09	21
			119		00	13	27
			118		00	10	37
			117		00	26	87
			94		00	10	25
			95		00	00	38
कुल :					08	17	28 *

तालूका : मंगळवेढा		जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एकर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
10	उचेठण		152		03	32	02
			गट नंबर 152 में		00	01	93
			मेटल्ड रास्ता				
			183		00	21	15
			184		00	00	65
			185		00	36	43
			गट नंबर 185 और				
			गाँव सीमा आंबेचिंचोली		00	28	68
			के बीच में भिमा नदी				
कुल :					04	20	86

[फा. सं. आर-31015/22/2004-ओ.आर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 20th October, 2004

S. O. 2726.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Loni to Pakni via Hazarwadi in the State of Maharashtra, an extension pipeline should be laid by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M.V.Chitnis, Competent Authority, Mumbai-Pune Pipeline Extension Project (from Loni to Pakni via Hazarwadi), Hindustan Petroleum Corporation Ltd., Loni Terminal, Kadamwakwasti Village, Haveli Taluka, Pune District, Maharashtra-412 201

SCHEDULE

Taluka : MANGALVEDHA		District : SOLAPUR			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Acre	Sq. mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	LAKSHMI DAHIVADI		1100		00	01	88
			1101		00	59	40
			1109		00	32	88
			1102		00	01	21
			Area in between Gat No 1102 & 1132		00	28	06
			1132		00	03	46
			1131		00	30	19
			1130		00	04	56
			1245		00	71	09
			1246		00	18	04
			1247		00	00	10
			1248		00	09	81
			1249		00	16	20
			1250		00	27	63
			1251		00	62	86
			1252		00	02	99
			1254		00	34	32
			1253		00	08	21
			Metalled Road in between Gat No 1254, 112 & 108		00	06	62
			112		00	06	49
			108		00	35	87
			107		00	00	05
			106		00	35	37
			105		00	28	15
			231		00	51	30
			100		00	25	20
			234		00	55	61
			251		00	17	48
			252		00	30	24
			260		00	27	86

Taluka : MANGALVEDHA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	LAKSHMI DAHIVADI (Contd.)		257		00	15	72
			Asphalted Road in between Gat No 257 & 279		00	03	13
			280		00	05	18
			279		00	10	34
			278		00	14	72
			277		00	10	08
			276		00	14	58
			274		00	25	47
			273		00	15	85
			271		00	03	32
			313		00	80	86
			314		00	00	55
			317		00	56	37
			316		00	46	08
			428		00	00	18
			429		00	35	58
Total :					10	71	14
2	ANDHALGAON		112		00	01	52
			113		00	54	49
			Metalled Road in between Gat No 113 & 112		00	03	37
			114		00	39	42
			115		00	25	94
			118		00	33	41
			130		00	72	83
			131		00	25	22
			Metalled Road in between Gat No 131 & 134		00	04	19
			134		00	28	98
			136		00	29	71

Taluka : MANGALVEDHA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt.
1	2	3	4	5	6	7	8
2	ANDHALGAON (Total)		Area in between Gat No 136 & 147 147 Metalled Road in Gat No 136, 147 Metalled Road in Gat No 150 150		00 00 00 00 00 00	02 02 00 03 00	58 86 27 08 74
Total :					03	28	61
3	SHELEVADI		50 49 48 47 46 45 44 63 42 65 38 66 77 Metalled Road in between Gat No 77 & 197 197 196 195 193 191 190 189 187 186 185 184 167		00 00	01 13 88 09 08 02 01 00 18 27 01 48 37 03 15 04 08 10 09 10 15 25 21 05 12 41	05 22 64 40 91 74 80 76 62 19 78 09 75 25 18 42 42 05 98 82 81 98 89 33 16 56

Taluka : MANGALVEDHA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
3	SHELEVADI (Contd.)		Cart Track in between Gat No 167 & 168		00	04	40
			168		00	56	92
			158		00	00	11
			157		00	43	25
			Ujani Right Bank Canal in Gat No 157		00	18	40
Total :					05	67	88
4	AKOLE		10		00	07	23
			11		00	01	42
			12		00	08	86
			Khadkira Nala in between Gat No 12 & 13		00	07	02
			13		00	10	02
			Area adjacent to Gat No 13		00	00	85
			14		00	11	32
			15		00	02	70
			16		00	03	82
			Area in between Gat No 16 & 17		00	01	44
			17		00	05	24
			18		00	04	37
			19		00	03	37
			Area in between Gat No 19 & 23		00	02	92
			23		00	03	27
			24		00	06	07
			25		00	09	99
			26		00	18	53

Taluka : MANGALVEDHA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
4	AKOLE		27		00	11	77
	(Contd.)		28		00	18	02
			43		00	05	72
			Metalled Road in between Gat No 43 & 252		00	04	32
			Canal adjacent to Gat No 252		00	01	58
			Area in between Gat No 252 & 115		00	68	18
			Area in between Gat No 252 & 115		00	09	97
			142		00	29	05
			185		00	69	78
			Area in between Gat No 185 & 176		00	00	57
			176		00	34	63
			169		00	33	91
			168		00	38	72
			167		00	13	75
			166		00	08	26
			164		00	21	21
			163		00	06	03
			162		00	04	39
			161		00	03	14
			Area in between Gat No 161 & 160		00	06	98
			160		00	08	76
			159		00	04	64
			158		00	05	26
			157		00	15	84
			154		00	04	89
			153		00	03	89
			152		00	06	57

Taluka :MANGALVEDHA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
4	AKOLE (Contd.)		150		00	03	64
			149		00	03	18
			148		00	04	11
			147		00	04	02
			146		00	01	10
Total :					05	64	32
5	MANGALVEDHA		3874		00	00	48
			3875		00	36	11
			3876		00	10	03
			3893		00	32	94
			3892		00	03	45
			3897		00	27	86
			3899		00	12	21
			3900		00	26	67
			3902		00	08	21
			3906		00	44	64
			3927		00	13	49
			3928		00	09	56
			3930		00	06	16
			3931		00	04	93
			3932		00	09	19
			3933		00	19	87
			3934		00	18	00
			3959		00	14	04
			3960		00	06	45
			3961		00	16	81
			3962		00	06	04
			3963		00	05	66
			3964		00	06	68
			3965		00	07	77
			3968		00	10	98
			3966		00	17	72
			Metalled Road in between Gat No 3966 & 3958		00	03	41
			3958		00	15	42
			3970		00	77	34
			Area in between Gat No 3970 & 3971		00	06	63
			3971		00	03	32

Taluka : MANGALVEDHA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
5	MANGALVEDHA (Contd.)		3972		00	05	37
			3973		00	03	79
			3974		00	05	62
			3975		00	08	36
			3976		00	13	03
			3977		00	03	41
			3980		00	07	37
			3981		00	04	10
			3982		00	04	57
			3984		00	05	12
			3985		00	13	48
			4112		00	16	24
			SH - 141 in between Gat No 4112 & 4113		00	04	89
			4113		00	12	68
			4117		00	14	94
			4118		00	17	55
			4119		00	28	24
			4120		00	10	84
			4121		00	05	35
			4122		00	11	14
			4123		00	13	84
			4124		00	26	13
			4127		00	26	11
			4128		00	23	97
			4136		00	04	37
			4135		00	04	29
			4134		00	05	33
			4130		00	12	46
			4133		00	26	97
			4554		00	03	33
			4555		00	13	47
			4556	1	00	10	86
			4556	2	00	10	57
			4556	3	00	08	14
			4556	4	00	08	87
			4562		00	19	68
			4563		00	13	48

Taluka :MANGALVEDHA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
5	MANGALVEDHA (Contd.)		4564		00	06	39
			4569		00	09	16
			4570		00	07	96
			4571		00	18	52
			4572		00	16	13
			4573		00	02	62
			Asphalted Road in between Gat No 4573 & 4575		00	04	50
			4575		00	16	13
			4611		00	08	07
			4612		00	09	15
			4613		00	08	09
			4614	2	00	18	29
			4614	1	00	38	48
			4618		00	26	79
			4619		00	06	73
			4620		00	05	47
			4621		00	05	58
			4622		00	17	93
			4623		00	12	39
			4624		00	23	40
			4625		00	09	97
			4627		00	05	30
			4628		00	00	11
Total :					11	87	19
6	DEGAON		99		00	30	03
			98		00	29	47
			146		00	02	51
			97		00	11	72
			96		00	20	11
			87		00	05	04
			86		00	01	81
			83		00	15	20
			142		00	06	67
			143		00	10	73
			144		00	29	19
			79		00	05	38
			78		00	03	72
Total :					01	71	58

Taluka : MANGALVEDHA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
7	DHARMGAON		39		00	00	15
Total :					00	00	15
8	DHAVLAS		255		00	16	31
			258		00	11	89
			259		00	01	50
			254		00	00	10
			253		00	26	01
			Unlined Canal in Gat No 253		00	04	58
			252		00	12	09
			251		00	12	45
			250		00	05	72
			249		00	06	58
			248		00	09	41
			247		00	15	46
			246		00	07	81
			245		00	08	98
			244		00	05	90
			243		00	12	78
			242		00	02	42
			241		00	00	03
			233		00	09	47
			232		00	08	94
			231		00	01	76
			230		00	02	06
			227		00	01	96
			226		00	03	54
			225		00	04	32
			224		00	06	67
			218		00	04	44
			217		00	36	00
Total :					02	39	18
9	MUDHVI		374		00	00	69
			375		00	06	93
			376		00	14	29
			377		00	09	64
			378		00	10	98
			379		00	00	43
			382		00	16	36
			381		00	33	37
			387		00	18	37

Taluka : MANGALVEDHA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
9	MUDHVI (Contd.)		388		00	03	92
			389		00	16	43
			392		00	13	66
			393		00	04	13
			394		00	11	82
			395		00	35	89
			Metalled Road in				
			Gat No 401				
			401		00	15	38
			429		00	16	57
			430		00	17	01
			463		00	07	80
			464		00	05	02
			465		00	04	92
			466		00	03	55
			467		00	03	63
			470		00	07	08
			471		00	02	59
			475		00	03	58
			476		00	03	45
			477		00	03	54
			480		00	02	98
			483		00	13	30
			485		00	04	88
			486		00	05	40
			488		00	03	99
			511		00	18	36
			510		00	02	10
			512		00	04	46
			513		00	06	30
			514		00	11	94
			515		00	19	69
			524		00	17	90
			523		00	08	44
			518		00	10	03
			312		00	07	34
			311		00	03	25
			309		00	00	99
			308		00	00	04
			307		00	00	72

Taluka : MANGALVEDHA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
9	MUDHVI (Contd.)		Area in between Gat No 306 & 309		00	10	34
			Area adjacent to Gat No 284		00	09	41
			284		00	15	38
			285		00	05	90
			272		00	10	37
			273		00	12	95
			274		00	08	53
			275		00	05	80
			276		00	03	16
			277		00	13	13
			237		00	04	89
			236		00	07	99
			235		00	08	56
			234		00	07	24
			233		00	04	65
			232		00	00	05
			230		00	10	38
			Asphalted Road in between Gat No 230 & 162		00	01	03
			162		00	23	50
			163		00	07	07
			164		00	11	65
			165		00	27	61
			178		00	18	72
			174		00	25	79
			172		00	09	31
			171		00	10	42
			170		00	06	53
			169		00	11	36
			168		00	06	21
			167		00	12	03
			166		00	09	21
			119		00	13	27
			118		00	10	37
			117		00	26	87
			94		00	10	25
			95		00	00	38
Total :					08	17	28

Taluka : MANGALVEDHA			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
10	UCHETHAN		152		03	32	02
			Metalled Road in				
			Gat No 152		00	01	93
			183		00	21	15
			184		00	00	65
			185		00	36	43
			Bhima River in				
			between Gat No				
			185 & V.B. Ambe		00	28	68
			Chincholi				
Total :					04	20	86

[No. R-31015/22/2004-O.R.-II]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2727.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र राज्य में लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के ~~अर्जन~~ पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री. एम. वी. चिटनिस, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई-पुणे पाइपलाइन विस्तार परियोजना (लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लोनी - टर्मिनल, कदमवाक वस्ती गाँव, हवेली तालुका, पुणे जिला, महाराष्ट्र - 412 201 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तालूका : फलटण		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कोरेगाँव		सरादा नाला के पास का कानाल		00	08	93
			25		00	14	81
			24		00	12	29
			23		00	18	22
			21		00	11	88
			20		00	00	35
			गट नंबर 11 में				
			मेटल्ड रोड		00	02	09
			11		00	19	94
			5		00	08	68
			6		00	09	80
			99		00	17	62
			100		00	10	69
			101		00	06	36
			102		00	11	22
			106		00	12	07
			105		00	10	84
			113		00	05	64
			112		00	01	13
			111		00	00	29
			110		00	12	73
			118		00	09	94
			123		00	03	09
			124		00	05	57
			125		00	06	44
			126		00	03	33
			131		00	04	39
			132		00	24	78
			143		00	07	65
			144		00	06	18
			145		00	04	57
			146		00	05	06
			155		00	04	95
			154		00	03	29

तालूका : फलटण			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कोरेगाँव (निरंतर)		153		00	06	39
			170		00	33	80
			171		00	00	20
			176		00	16	44
			178		00	03	97
			179		00	04	49
			180		00	06	88
			196		00	07	65
			197		00	01	58
			198		00	02	03
			199		00	01	58
			195		00	08	10
			200		00	04	28
			201		00	03	38
			202		00	03	60
			203		00	03	60
			204		00	12	15
			239		00	11	70
			240		00	07	65
			241		00	08	10
			242		00	06	53
			237		00	06	53
			243		00	03	96
कुल :					04	49	41
2	तरडगाँव		1498		00	21	20
			1497		00	59	24
		गट नंबर 1497 में					
		मेटल्ड रोड		00	03	10	
		गट नंबर 1497 और					
		गाँव सीमा चव्हाणवाडी					
		के बीच का राज्य		00	05	95	
		मार्ग 70					
			1189		00	41	77
			1184		00	07	41
	1183		00	18	24		
	1182		00	19	04		
	1181		00	10	59		

तालूका : फलटण			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-ग्रुप सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
2	तरडगाँव (निरंतर)		1179	ब	00	19	25
			1180	ब	00	26	61
			2243		00	00	05
			गट नंबर 2243 और				
			1121 के बीच		00	00	26
			की भूमि				
			1121		00	03	48
			1119		00	00	07
			1123		00	00	55
			1120		00	02	96
			1117		00	11	89
			1116		00	05	04
			1105		00	07	19
			1104		00	02	81
			1103		00	03	94
			1102		00	07	21
			1101		00	03	76
			1100		00	03	00
			1099		00	02	66
			1098		00	02	40
			1097		00	04	08
			1095		00	05	72
			गट नंबर 1095 और				
			933 के बीच		00	03	26
			का रास्ता				
			933		00	05	04
			932		00	08	45
			931		00	04	32
			930		00	03	98
			929		00	10	80
			927		00	05	84
			923		00	04	23
			922		00	06	35
			921		00	04	37
			914		00	07	98
			915		00	49	50
			916		00	15	28
			913		00	15	53

तालूका : फलटण			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
2	तरडगाँव (निरंतर)		गट नंबर 913 और 552 के बीच का रास्ता		00	03	21
			552		00	10	16
			553		00	06	53
			554		00	06	53
			556		00	15	41
			557		00	08	47
			560		00	04	28
			561		00	00	10
			558		00	05	43
			559		00	05	96
			568		00	06	83
			569		00	04	31
			572		00	00	70
			574		00	03	72
			573		00	00	42
			567		00	05	18
			575		00	13	44
			579		00	01	53
			578		00	05	06
			576		00	01	21
			577		00	05	29
			565		00	05	37
			631		00	04	78
			638		00	06	25
			637		00	07	03
			636		00	07	29
			671		00	00	56
			गट नंबर 636, 671 और 647 में नाला		00	04	47
			647		00	14	34
			670		00	03	77
			668		00	06	30
			666		00	01	10

तालिका : फसल			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र				
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल				
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर		
1	2	3	4	5	6	7	8		
2	सरङ्गाव (गिरह)		648		00	07	87		
			649		00	01	44		
			661		00	01	03		
			662		00	00	47		
			663		00	10	04		
			695		00	04	92		
			696		00	03	96		
			697		00	03	92		
			698		00	04	10		
			699		00	00	09		
			710		00	08	92		
			711		00	04	62		
			712		00	04	22		
			713		00	01	51		
			723		00	00	04		
			गट नंबर 710, 713, 723 और 714 में मेटल्ड रास्ता		00	02	75		
			714		00	04	81		
			717		00	04	03		
			716		00	10	74		
			715		00	13	62		
			782		00	00	08		
			गट नंबर 715 और 426 के बीच में अडुरकी नाला		00	22	90		
			426		00	40	32		
			गट नंबर 426 में मेटल्ड रास्ता		00	02	67		
			423		00	14	48		
		कुल :					07	92	75
		3	चव्हाणवाडी		100		00	28	12
					124		00	03	89
					126		00	05	09
					127		00	04	71

तालूका : फलटण			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	चव्हाणवाडी (जिरेतर)		128		00	11	47
			136		00	03	15
			137		00	03	17
			138		00	02	46
			139		00	02	30
			140		00	16	91
			396		00	00	04
कुल :					00	81	31
4	सासबड		1168		00	18	48
			1167		00	17	27
			1166		00	16	14
			1164		00	15	84
			1163		00	47	43
			1162		00	15	51
			1205		00	00	10
			1206		00	13	09
			1207		00	06	16
			1208		00	10	01
			1211		00	00	10
			1214		00	49	13
			1210		00	23	68
			1216		00	14	03
			1215		00	40	76
			गट नंबर 1215 में				
			सरकारी भूमि		00	16	92
			गाँव सीमा में नाला		00	27	31
			1247		00	01	25
			1249		00	07	03
			1248		00	00	68
			1250		00	03	80
			1251		00	21	52
			गाँव सीमा में नाला		00	13	14
			1383		00	13	26
			1296		00	02	69

तालूका : फलटण			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
4	सासवड (मिहतर)		1295		00	08	70
			1294		00	00	14
			1293		00	02	63
			1283		00	21	87
			1282	क	00	22	55
			गट नंबर 1282 और				
			1278 के बीच की भूमि		00	00	34
			1278		00	25	56
			1879		00	11	65
			1878		00	00	15
			गट नंबर 1878 और				
			2008 के बीच की प्रमुख		00	02	37
			जिला मार्ग 14				
			गट नंबर 1878 और				
			2008 के बीच गाड़ी		00	04	35
			रास्ता				
			2008		00	05	50
			2050		00	01	58
			2013		00	03	83
			2014		00	03	94
			2015	3	00	02	44
			2015	2	00	01	89
			2034		00	02	82
			2020		00	04	22
			2021		00	07	07
			2023		00	05	35
			2024		00	01	25
			2025		00	02	01
			गट नंबर 2025 और 1				
			के बीच मेटल्ड रास्ता		00	03	85
			1		00	06	09
			2		00	05	62
			4		00	12	01
			5 & 6		00	05	63
			7 & 8		00	06	85
			9 & 10		00	07	13
			11		00	05	29
			गट नंबर 11 और 203				
			के बीच गाड़ी रास्ता		00	03	24
			203		00	37	82
			206		00	22	76
			202		00	07	43
			207		00	11	70
			208		00	16	11

तालूका : फलटण			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल			
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर	
1	2	3	4	5	6	7	8	
4	सासवड (निरंतर)		210		00	23	61	
			211		00	07	04	
			213		00	16	11	
			214		00	14	96	
			215		00	13	01	
			224		00	20	48	
			222		00	16	68	
			220		00	08	42	
			219		00	14	00	
			217		00	00	48	
			233		00	44	05	
			234		00	13	39	
			243		00	23	57	
			गट नंबर 243 और					
			242 के बीच मेटल्ड		00	00	83	
			रास्ता					
			गट नंबर 243 और					
			242 के बीच मेटल्ड		00	00	62	
			रास्ता					
			गट नंबर 243 और					
			242 के बीच मेटल्ड		00	00	18	
			रास्ता					
			242		00	00	57	
			246		00	13	43	
			245		00	21	00	
			248	2	00	25	79	
					कुल :	09	67	29
5	घाडगेवाडी		292		00	24	32	
			293		00	70	27	
			294		00	00	53	
			296		00	07	20	
			गावठान की ओर गाँव		00	04	12	
			रास्ता					
			285		00	21	82	
			284		00	04	50	
			283		00	13	50	
			282		00	05	07	
			280		00	45	45	
			277		00	00	16	
			278		00	00	05	
			345		00	17	34	
			344		00	13	14	
			342		00	10	88	
			340		00	19	19	
			328		00	24	35	

तालुका : फलटण			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र				
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल				
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर		
1	2	3	4	5	6	7	8		
8	घाडगेवाडी (मिहतर)		गट नंबर 328 और 329 के बीच की भूमि		00	06	14		
			329		00	01	63		
			गॉव सीमा बिबी के पास का नाला		00	07	90		
			407		00	05	00		
			408		00	04	16		
			409		00	02	09		
			410		00	02	23		
			404		00	30	68		
			गट नंबर 404 के पास का नाला		00	03	51		
			421		00	10	84		
			422		00	15	47		
			425		00	10	56		
			424		00	01	71		
			427		00	07	52		
			426		00	00	07		
			428		00	07	93		
			गट नंबर 428 और 431 के बीच की भूमि		00	03	16		
			431		00	09	38		
			434		00	07	41		
			453		00	04	22		
			गट नंबर 453 और 454 के बीच अस्फालटेड रास्ता		00	04	06		
			454		00	00	96		
		कुल :					04	28	52
		8	बिबी		807		00	00	14
					809		00	26	86
					गट नंबर 809 में प्रमुख जिला		00	03	34
					मार्ग नं. 14				
					810		00	07	08
	813				00	19	32		
	812				00	05	33		
	814				00	01	03		
	44				00	00	08		
	52				00	03	80		

तालूका : फलटण			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
6	बिबी (निरंतर)		51		00	06	17
			53		00	06	96
			50		00	08	22
			49		00	10	11
			48		00	14	83
			78		00	00	10
			47		00	05	60
			80		00	26	96
			83		00	01	80
			84		00	02	34
			85		00	06	48
			38		00	04	14
			32		00	04	14
			31		00	06	12
			24		00	03	42
			23		00	05	40
			गट नंबर 23 और 87		00	03	46
			के बीच का नाला				
			87		00	10	15
			गट नंबर 87 और 15		00	06	07
			के बीच का नाला				
			15		00	02	65
			14		00	02	49
			13		00	16	83
			गट नंबर 13 और				
			128 के बीच		00	02	65
			का नाला				
			128		00	65	55
			गट नंबर 128 और				
			138 के बीच का रास्ता		00	03	29
			138		00	08	62
			139		00	01	57
			116		01	18	80
			गट नंबर 116 और				
			115 के बीच का		00	04	57
			मेटल्ड रोड				
			115		00	46	60
कुल :					04	72	85

तालूका : फलटण			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल			
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर	
1	2	3	4	5	6	7	8	
7	वडगाँव		62		00	09	59	
			51		00	12	14	
			60		00	62	13	
			61		00	06	56	
			58		00	18	65	
			57		00	17	45	
			56		00	17	14	
			55		00	21	62	
			34		00	19	11	
			33		00	16	13	
			32		00	12	26	
			80		00	10	77	
			94		00	24	62	
			93		00	10	15	
			92		00	01	23	
			91		00	09	43	
			90		00	03	20	
			88		00	31	19	
			81		00	02	32	
			188		00	24	37	
			176		00	10	75	
			185		00	13	80	
			184		00	03	63	
			147		00	06	57	
			149		00	13	74	
			150		00	01	58	
			151		00	14	78	
			152		00	02	87	
			गट नंबर 152, 149					
			और गाँव सीमा वाघोशी					
			के बीच का नाला					
					कुल :	04	01	57
8	वाघोशी		गाँव सीमा वाघोशी और					
			गट नंबर 6 के बीच का					
			नाला					
			6		00	10	27	
			1		00	11	38	

तालूका : फलटण		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
8	वाघोशी (निरंतर)		7		00	11	86
			20		00	25	50
			21		00	06	27
			23		00	00	06
			गट नंबर 23 और				
			54 के बीच में नेटवर्क		00	02	35
			रोड				
			54		00	25	25
			38		00	00	52
			39		00	07	78
			53		00	15	30
			51		00	21	13
			112		00	05	40
			125		00	09	59
			113		00	06	81
			114		00	02	79
			115		00	09	41
			116		00	05	54
			117		00	06	56
			118		00	13	11
			119		00	04	62
			161		00	10	43
			162		00	23	03
			183		00	28	07
			185		00	14	01
			179		00	05	57
			186		00	17	13
			187		00	06	45
			188		00	04	66
			189		00	08	26
			190		00	08	12
			191		00	04	11
			192		00	05	21
			193		00	02	54
			194		00	04	78
			195		00	08	68
			196		00	08	75
कुल :					03	65	56

तालूका : फलटण			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
9	ताथवडे		747	अ	00	50	65
			747	ब	00	12	36
			746		00	98	86
			745		00	01	55
			744		00	02	31
			743		00	26	02
			742		00	29	93
			741		00	48	54
			740		00	47	09
			739		00	56	17
कुल :					03	73	48

[फ. सं. आर-31015/20/2004-ओ.आर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 20th October, 2004

S.O. 2727.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Loni to Pakni via Hazarwadi in the State of Maharashtra, an extension pipeline should be laid by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M.V.Chitnis, Competent Authority, Mumbai-Pune Pipeline Extension Project (from Loni to Pakni via Hazarwadi), Hindustan Petroleum Corporation Ltd., Loni Terminal, Kadamwakwasti Village, Haveli Taluka, Pune District, Maharashtra-412 201

SCHEDULE

Taluka : PHALTAN		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	KOREGAON		Canal adjacent to Sarhadda Nala		00	08	93
			25		00	14	81
			24		00	12	29
			23		00	18	22
			21		00	11	88
			20		00	00	35
			Metalled Road in Gat No 11		00	02	09
			11		00	19	94
			5		00	08	68
			6		00	09	80
			99		00	17	62
			100		00	10	69
			101		00	06	36
			102		00	11	22
			106		00	12	07
			105		00	10	84
			113		00	05	64
			112		00	01	13
			111		00	00	29
			110		00	12	73
			118		00	09	94
			123		00	03	09
			124		00	05	57
			125		00	06	44
			126		00	03	33
			131		00	04	39
			132		00	24	78
			143		00	07	65
			144		00	06	18
			145		00	04	57
			146		00	05	06
			155		00	04	95
			154		00	03	29

Taluka : PHALTAN			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	KOREGAON (Contd.)		153		00	06	39
			170		00	33	80
			171		00	00	20
			176		00	16	44
			178		00	03	97
			179		00	04	49
			180		00	06	88
			196		00	07	65
			197		00	01	58
			198		00	02	03
			199		00	01	58
			195		00	08	10
			200		00	04	28
			201		00	03	38
			202		00	03	60
			203		00	03	60
			204		00	12	15
			239		00	11	70
			240		00	07	65
			241		00	08	10
			242		00	06	53
			237		00	06	53
			243		00	03	96
Total :					04	49	41
2	TARADGAON		1498		00	21	20
			1497		00	59	24
			Metalled Road in Gat No 1497		00	03	10
			SH - 70 in between Gat No 1497 & V. B. of Chauhanwadi		00	05	95
			1189		00	41	77
			1184		00	07	41
			1183		00	18	24
			1182		00	19	04
			1181		00	10	59

Taluka : PHALTAN			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
2	TARADGAON		1179	B	00	19	25
	(Contd.)		1180	B	00	26	61
			2243		00	00	05
			Area in between Gat No 2243 & 1121		00	00	26
			1121		00	03	48
			1119		00	00	07
			1123		00	00	55
			1120		00	02	96
			1117		00	11	89
			1116		00	05	04
			1105		00	07	19
			1104		00	02	81
			1103		00	03	94
			1102		00	07	21
			1101		00	03	76
			1100		00	03	00
			1099		00	02	66
			1098		00	02	40
			1097		00	04	08
			1095		00	05	72
			Road in between Gat No 1095 & 933		00	03	26
			933		00	05	04
			932		00	08	45
			931		00	04	32
			930		00	03	98
			929		00	10	80
			927		00	05	84
			923		00	04	23
			922		00	06	35
			921		00	04	37
			914		00	07	98
			915		00	49	50
			916		00	15	28
			913		00	15	53

Taluka : PHALTAN			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
2	TARADGAON (Contd.)		Road in between Gat No 913 & 552		00	03	21
			552		00	10	16
			553		00	06	53
			554		00	06	53
			556		00	15	41
			557		00	08	47
			560		00	04	28
			561		00	00	10
			558		00	05	43
			559		00	05	96
			568		00	06	83
			569		00	04	31
			572		00	00	70
			574		00	03	72
			573		00	00	42
			567		00	05	18
			575		00	13	44
			579		00	01	53
			578		00	05	06
			576		00	01	21
			577		00	05	29
			565		00	05	37
			631		00	04	78
			638		00	06	25
			637		00	07	03
			636		00	07	29
			671		00	00	56
			Nala in Gat No 636, 671 & 647		00	04	47
			647		00	14	34
			670		00	03	77
			668		00	06	30
			666		00	01	10

Taluka : PHALTAN			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq. mt
1	2	3	4	5	6	7	8
2	TARADGAON (Contd.)		648		00	07	87
			649		00	01	44
			661		00	01	03
			662		00	00	47
			663		00	10	04
			695		00	04	92
			696		00	03	96
			697		00	03	92
			698		00	04	10
			699		00	00	09
			710		00	08	92
			711		00	04	62
			712		00	04	22
			713		00	01	51
			723		00	00	04
			Metalled Road in Gat No 710, 713, 723 & 714.		00	02	75
			714		00	04	81
			717		00	04	03
			716		00	10	74
			715		00	13	62
			782		00	00	08
			Adur Ki Nala in between Gat No 715 & 426		00	22	90
			426		00	40	32
			Metalled Road in Gat No 426		00	02	67
			423		00	14	48
Total :					07	92	75
3	CHAUHANWADI		100		00	28	12
			124		00	03	89
			126		00	05	09
			127		00	04	71

Taluka : PHALTAN			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
3	CHAUHANWADI (Contd.)		128		00	11	47
			136		00	03	15
			137		00	03	17
			138		00	02	46
			139		00	02	30
			140		00	16	91
			396		00	00	04
		Total :					00
4	SASVAD		1168		00	18	48
			1167		00	17	27
			1166		00	16	14
			1164		00	15	84
			1163		00	47	43
			1162		00	15	51
			1205		00	00	10
			1206		00	13	09
			1207		00	06	16
			1208		00	10	01
			1211		00	00	10
			1214		00	49	13
			1210		00	23	68
			1216		00	14	03
			1215		00	40	76
			Govt. Land in Gat No 1215		00	16	92
			Nala in V.B.		00	27	31
			1247		00	01	25
			1249		00	07	03
			1248		00	00	68
			1250		00	03	80
			1251		00	21	52
			Nala in V.B.		00	13	14
			1383		00	13	26
			1296		00	02	69

Taluka : PHALTAN			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
4	SASVAD (Contd.)		1295		00	08	70
			1294		00	00	14
			1293		00	02	63
			1283		00	21	87
			1282	C	00	22	55
			Area in between Gat No 1282 & 1278		00	00	34
			1278		00	25	56
			1879		00	11	65
			1878		00	00	15
			MDR - 14 in between Gat No 1878 & 2008		00	02	37
			Cart Track in between Gat No 1878 & 2008		00	04	35
			2008		00	05	50
			2050		00	01	58
			2013		00	03	83
			2014		00	03	94
			2015	3	00	02	44
			2015	2	00	01	89
			2034		00	02	82
			2020		00	04	22
			2021		00	07	07
			2023		00	05	35
			2024		00	01	25
			2025		00	02	01
			Metalled Road in between Gat No 2025 & 1		00	03	85
			1		00	06	09
			2		00	05	62
			4		00	12	01
			5 & 6		00	05	63
			7 & 8		00	06	85
			9 & 10		00	07	13
			11		00	05	29
			Cart Track in between Gat No 11 & 203		00	03	24
			203		00	37	82
			206		00	22	76
			202		00	07	43
			207		00	11	70
			208		00	16	11

Taluka : PHALTAN		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
4	SASVAD (Contd.)		210		00	23	61
			211		00	07	04
			213		00	16	11
			214		00	14	96
			215		00	13	01
			224		00	20	48
			222		00	16	68
			220		00	08	42
			219		00	14	00
			217		00	00	48
			233		00	44	05
			234		00	13	39
			243		00	23	57
			Metalled Road in between Gat No 243 & 242		00	00	83
			Metalled Road in between Gat No 243 & 242		00	00	62
			Metalled Road in between Gat No 243 & 242		70	00	18
			242		00	00	57
			246		00	13	43
			245		00	21	00
			248	2	00	25	79
			Total :		09	67	29
5	GHADGEWADI		292		00	24	32
			293		00	70	27
			294		00	00	53
			296		00	07	20
			Village Road to Gavthan		00	04	12
			285		00	21	82
			284		00	04	50
			283		00	13	50
			282		00	05	07
			280		00	45	45
			277		00	00	16
			278		00	00	05
			345		00	17	34
			344		00	13	14
			342		00	10	88
			340		00	19	19
			328		00	24	35

Taluka : PHALTAN			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
5	GHADGEWADI (Contd.)		Area in between Gat No 328 & 329		00	06	14
			329		00	01	63
			Nala near V.B. of Bibi		00	07	90
			407		00	05	00
			408		00	04	16
			409		00	02	09
			410		00	02	23
			404		00	30	68
			Nala adjacent to Gat No. 404		00	03	51
			421		00	10	84
			422		00	15	47
			425		00	10	56
			424		00	01	71
			427		00	07	52
			426		00	00	07
			428		00	07	93
			Area in between Gat No 428 & 431		00	03	16
			431		00	09	38
			434		00	07	41
			453		00	04	22
			Asphalted Road in between Gat No 453 & 454		00	04	06
			454		00	00	96
Total :					04	28	52
6	BIBI		807		00	00	14
			809		00	26	86
			MDR - 14 in Gat No 809		00	03	34
			810		00	07	06
			813		00	19	32
			812		00	05	33
			814		00	01	03
			44		00	00	08
			52		00	03	60

Taluka : PHALTAN			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
6	BIBI		51		00	06	17
	(Contd.)		53		00	06	96
			50		00	08	22
			49		00	10	11
			48		00	14	83
			78		00	00	10
			47		00	05	60
			80		00	26	96
			83		00	01	80
			84		00	02	34
			85		00	06	48
			38		00	04	14
			32		00	04	14
			31		00	06	12
			24		00	03	42
			23		00	05	40
			Nala in between Gat No 23 & 87		00	03	46
			87		00	10	15
			Nala in between Gat No 87 & 15		00	06	07
			15		00	02	65
			14		00	02	49
			13		00	16	83
			Nala in between Gat No 13 & 128		00	02	65
			128		00	65	55
			Road in between Gat No 128 & 138		00	03	29
			138		00	08	62
			139		00	01	57
			116		01	18	80
			Metalled Road in between Gat No 116 & 115		00	04	57
			115		00	46	60
Total :					04	72	85

Taluka : PHALTAN			District : SATARA		State : MAHARASHTRA				
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area				
					Hectare	Are	Sq.mt		
1	2	3	4	5	6	7	8		
7	VADGAON		62		00	09	59		
			51		00	12	14		
			60		00	62	13		
			61		00	06	56		
			58		00	18	65		
			57		00	17	45		
			56		00	17	14		
			55		00	21	62		
			34		00	19	11		
			33		00	16	13		
			32		00	12	26		
			80		00	10	77		
			94		00	24	62		
			93		00	10	15		
			92		00	01	23		
			91		00	09	43		
			90		00	03	20		
			88		00	31	19		
			81		00	02	32		
			188		00	24	37		
			176		00	10	75		
			185		00	13	80		
			184		00	03	63		
			147		00	06	57		
			149		00	13	74		
			150		00	01	58		
			151		00	14	78		
			152		00	02	87		
					Nala in between Gat No 152, 149 & V.B of Waghoshi		00	03	79
		Total:					04	01	57
8	WAGHOSHI		Nala between V.B of Waghoshi & Gat No 6		00	04	26		
			6		00	10	27		
			1		00	11	38		

Taluka : PHALTAN			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
8	WAGHOSHI (Contd.)		7		00	11	86
			20		00	25	50
			21		00	06	27
			23		00	00	06
			Metalled Road in between Gat No 23 & 54		00	02	35
			54		00	25	25
			38		00	00	52
			39		00	07	78
			53		00	15	30
			51		00	21	13
			112		00	05	40
			125		00	09	59
			113		00	06	81
			114		00	02	79
			115		00	09	41
			116		00	05	54
			117		00	06	56
			118		00	13	11
			119		00	04	62
			161		00	10	43
			162		00	23	03
			183		00	28	07
			185		00	14	01
			179		00	05	57
			186		00	17	13
			187		00	06	45
			188		00	04	66
			189		00	08	26
			190		00	08	12
			191		00	04	11
			192		00	05	21
			193		00	02	54
			194		00	04	78
			195		00	08	68
			196		00	08	75
Total:					03	65	56

Taluka : PHALTAN		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
9	TATHA VADE		747	A	00	50	65
			747	B	00	12	36
			746		00	98	86
			745		00	01	55
			744		00	02	31
			743		00	26	02
			742		00	29	93
			741		00	48	54
			740		00	47	09
			739		00	56	17
Total:					03	73	48

[No. R-31015/20/2004-O.R.-II]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2728.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र राज्य में लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के भीतर पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री. एम. वी. चिटनिस, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई-पुणे पाइपलाइन विस्तार परियोजना (लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते), हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लोनी - दर्मिनल, कदमवाक वस्ती गाँव, हवेली तालुका, पुणे जिला, महाराष्ट्र - 412 201 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तालूका : मोहोळ		जिला : सोलापूर		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कोथाले		143		00	00	03
			146		00	04	15
			147		00	07	52
			148		00	14	01
			गट नंबर				
			148, 147, 146 और				
			143 के बीच में		00	00	69
			मेटल्ड रास्ता				
			149		00	37	80
			150		00	07	00
			151		00	11	53
			152		00	30	53
			गट नंबर 152 और				
			164 के बीच		00	02	02
			में सेवामार्ग				
			164		00	19	65
			गट नंबर 164 और				
			165 के बीच		00	01	94
			में रास्ता				
			165		00	13	73
			166		00	11	90
			167		00	07	33
			168		00	01	98
			169		00	05	30
			170		00	12	54
			171		00	07	60
			172		00	06	55
			173		00	06	50
			174		00	03	33
			गट नंबर				
			171, 172, 173 और				
			174 के बीच		00	02	06
			में नाला				
			175		00	09	45
			176		00	10	99
			177		00	16	42
			184		00	13	10
			185		00	05	23

तालूका : मोहोळ			जिला : सोलापूर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कोथाले (निरंतर)		187		00	01	72
			186		00	06	34
				कुल :	02	78	94
2	अंकोली		गट नंबर 368,367				
			और गाँव सीमा के				
			कोथाले बीच में		00	02	97
			मेटल्ड रास्ता				
			368		00	00	81
			367		00	22	36
			363		00	31	81
			365		00	18	00
			364		00	07	03
			362		00	12	86
			360		00	10	75
			359		00	26	49
			357		00	12	87
			356		00	11	94
			353		00	88	61
			गट नंबर 353				
			में नाला		00	03	19
			351		00	08	90
			352		00	05	63
			332		00	29	84
			404		00	31	08
			405		00	26	82
			406		00	15	10
			407		00	03	35
			325		00	40	84
			गट नंबर 325				
			में कनाल		00	04	91
			गट नंबर 325 में				
			नाला		00	01	60
			गट नंबर 325 और				
			324 के बीच में		00	02	25
			गाड़ी रास्ता				
			324		00	42	44
			323		00	08	39

तालूका : मोहीक			जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
2	अंकोली (निरंतर)		गट नंबर 323 और 270 के बीच में ड्रेन		00	02	13
			गट नंबर 323 और 270 के बीच में अस्फालटेड रास्ता		00	02	34
			270		00	20	56
			271		00	47	34
			272 से 282		00	62	34
			283		00	23	21
			284		00	23	21
			288		00	18	87
			गट नंबर 288 और 104 के बीच में मेटल्ड रास्ता		00	03	11
			104		00	12	49
			105		00	14	80
			109		00	08	48
			101		00	00	40
			110		00	06	97
			111		00	18	36
			112		00	03	40
			97		00	20	21
			115		00	11	26
			87		00	48	60
			59		00	13	20
			58		00	13	82
			57		00	33	21
			54		00	13	48
			56		00	00	46
			55		00	26	55
			48		00	00	05
			47		00	72	01
			कुल :		09	91	70
3	कुशल		860		00	34	62
			861		00	74	39
			862		00	12	39
			859		00	38	22

तालूका : मोहोळ		जिला : सोलापूर		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	कुठल (निरंतर)		858		00	11	10
			857		00	36	96
			845		00	55	20
			844		00	07	20
			गट नंबर 844 और				
			843 के बीच में		00	08	64
			गाड़ी रोस्ता				
			843		00	26	64
			842		00	12	24
			889		00	07	92
			888		00	06	34
			887		00	43	38
			गट नंबर 890 और				
			890 पै. में प्रमुख		00	05	76
			जिला मार्ग 87				
			890 पै		00	51	84
			892		00	00	20
			891		00	36	11
			गट नंबर 891 और				
			949 के बीच में		00	14	40
			गाड़ी रोस्ता				
			949		00	00	41
			947		00	73	42
			गट नंबर 947 और				
			943 के बीच में		00	05	50
			संलग्न कनाल				
			943		00	05	92
			गट नंबर 943 और				
			942 के बीच में		00	07	52
			संलग्न कनाल				
			942		00	18	40
			1082		00	00	45
			1083		00	04	84
			1084		00	12	18
			1085		00	21	30
			1088		00	06	07
			1091 पै		00	10	84
			1089		00	00	61
			1090		00	32	67

तालुका : मोहोत		जिला : सोलापुर			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाह का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	बुल्ल (निरंतर)		गट नंबर 1090 और 21 के बीच में राज्य मार्ग 149 21 22 गट नंबर 22 और 24 के बीच में नाला 24 25 31 32 गट नंबर 32 और 127 के बीच की भूमि 127 126 123 122 120 119 137 140 138 139 116 115 142 141 गट नंबर 141 और 142 के बीच में अस्फालटेड रास्ता 144 148 151 150 149				
					00	03	61
					00	21	20
					00	05	24
					00	05	96
					00	23	93
					00	49	88
					00	61	93
					00	07	05
					00	12	89
					00	03	84
					00	50	24
					00	00	36
					00	32	47
					00	17	81
					00	15	25
					00	01	58
					00	21	96
					00	05	16
					00	11	05
					00	11	13
					00	01	68
					00	15	37
					00	09	02
					00	03	01
					00	41	92
					00	49	95
					00	20	39
					00	48	42
					00	00	10
कुल:					12	31	74

तालूका : मोहीक		जिला : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-अण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
4	काटेवाडी		237		00	53	34
			238		00	06	51
			236		00	19	64
			233		00	24	52
			232		00	19	44
			231		00	15	48
			229		00	28	69
			228		00	20	50
			227		00	27	78
			212		00	00	52
			226		00	51	49
			225		00	30	32
			224		00	19	47
				कुल :	03	17	70
5	विरवडे बुद्रुक		385		00	01	84
			386		00	24	06
			387		00	15	07
			388		00	06	05
			381		00	07	60
			392		00	04	31
			393		00	04	47
			394		00	03	54
			गट नंबर				
			388, 381, 392, 393,				
			394, 395 और 396		00	01	86
			के बीच में मेटल्ड रास्ता				
			395		00	12	33
			396		00	15	40
			397		00	15	45
			399		00	12	38
			400		00	14	99
			404		00	25	29
			406		00	34	29
			420		00	27	30
			421		00	08	61
			419		00	06	96
			422		00	37	17
			423		00	08	43
			424		00	11	81

तालिका : सीहीक			जिला : सीलापुर		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल			
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर	
1	2	3	4	5	6	7	8	
5	विरवडे बुद्रुक (निरंतर)		425		00	08	36	
			426		00	13	41	
			427		00	27	02	
			442		00	06	24	
			गट नंबर 442 और गाँव सीमा पोफली के बीच में सिना नदी		00	10	56	
					कुल :	03	65	40
6	पोफली		गट नंबर 151 और गाँव सीमा विरवडे बु. के बीच में सिना नदी		00	14	37	
			151		00	19	02	
			150		00	19	51	
			149		00	19	44	
			148		00	06	29	
			147		00	09	48	
			145		00	11	76	
			143		00	14	00	
			142		00	16	42	
			141		00	15	84	
			138		00	01	86	
			140		00	02	14	
			139		00	53	07	
			135		00	12	90	
			134		00	49	99	
			133		00	00	24	
			131		00	54	71	
			127		00	14	52	
			117		00	22	03	
			गट नंबर 117, 118 और 119 के बीच में नाला		00	00	91	
			118		00	08	85	
			119		00	08	14	
			120		00	10	80	
			121		00	30	24	
			123		00	17	64	
			122		00	03	38	
			गट नंबर 123 और 122 के बीच की जलबटवारा नलीका		00	04	67	

तालूका : मोहीठ			जिला : सीतापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
6	पोफली (निरंतर)		गट नंबर 122 और 98 में द. मध्य रेल लाईन 98		00	07	95
					00	23	40
					04	73	57
7	विरवडे खुर्द		गट नंबर 28 और गॉव सीमा पोफली के बीच में बाला 28 29 गट नंबर 29 में जलबटवारा नलीका 30 43 गट नंबर 43 में प्रमुख जलबटवारा नलीका गट नंबर 43 में दरी गट नंबर 35 में दरी 35 42 41 40 39 88 89 90 91 गट नंबर 92 में प्रमुख जिला मार्ग 33 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102		00	02	81
					00	25	78
					00	21	75
					00	01	50
					00	01	37
					01	07	70
					00	02	82
					00	05	74
					00	04	76
					00	11	15
					00	01	10
					00	07	45
					00	08	22
					00	25	10
					00	14	30
					00	16	79
					00	10	63
					00	10	57
					00	02	95
					00	05	61
					00	01	81
					00	03	45
					00	04	97
					00	06	31
					00	11	52
					00	04	33
					00	04	23
					00	09	94
					00	13	13
					00	05	20

तालूका : मीहोळ			जिला : सोलापूर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
7	विरवडे खुर्द (निरीतर)		103		00	04	95
			104		00	07	01
			105		00	05	83
			106		00	07	83
			107		00	06	74
			108		00	07	39
			109		00	04	36
			110		00	05	14
			111		00	07	34
			114		00	04	92
			112		00	34	67
कुल :					04	49	17

[फ. सं. आर-31015/23/2004-ओ.आर-II]

हरीश कुमार, अपर सचिव

New Delhi, the 20th October, 2004

S.O. 2728.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Loni to Pakni via Hazarwadi in the State of Maharashtra, an extension pipeline should be laid by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within twentyone days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M.V.Chitnis, Competent Authority, Mumbai-Pune Pipeline Extension Project (from Loni to Pakni via Hazarwadi), Hindustan Petroleum Corporation Ltd., Loni Terminal, Kadamwakwasti Village, Haveli Taluka, Pune District, Maharashtra-412 201

SCHEDULE

Taluka : MOHOL		District : SOLAPUR			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	KOTHALE		143		00	00	03
			146		00	04	15
			147		00	07	52
			148		00	14	01
			Metalled Road in between Gat No 148, 147, 146 and		00	00	69
			143				
			149		00	37	80
			150		00	07	00
			151		00	11	53
			152		00	30	53
			Service Road in between Gat No 152 & 164		00	02	02
			164		00	19	65
			Road in between Gat No 164 & 165		00	01	94
			165		00	13	73
			166		00	11	90
			167		00	07	33
			168		00	01	98
			169		00	05	30
			170		00	12	54
			171		00	07	60
			172		00	06	55
			173		00	06	50
			174		00	03	33
			Nala in between Gat No 171, 172, 173 & 174		00	02	06
			175		00	09	45
			176		00	10	99
			177		00	16	42
			184		00	13	10
			185		00	05	23

Taluka : MOHOL		District : SOLAPUR			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	KOTHALE		187		00	01	72
			186		00	06	34
Total :					02	78	94
2	ANKOLI						
			Metalled Road in between V.B. & Gat No 368,367		00	02	97
			368		00	00	81
			367		00	22	36
			363		00	31	81
			365		00	18	00
			364		00	07	03
			362		00	12	86
			360		00	10	75
			359		00	26	49
			357		00	12	87
			356		00	11	94
			353		00	88	61
			Nala in Gat No 353		00	03	19
			351		00	08	90
			352		00	05	63
			332		00	29	84
			404		00	31	08
			405		00	26	82
			406		00	15	10
			407		00	03	35
			325		00	40	84
			Canal in Gat No 325		00	04	91
			Nala in Gat No 325		00	01	60
			Cart Track in between Gat No 325 & 324		00	02	25
			324		00	42	44
			323		00	08	39

Taluka : MOHOL		District : SOLAPUR			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
2	ANKOLI (Contd.)		Drain in between Gat No 323 & 270		00	02	13
			Asphalted Road in between Gat No 323 & 270		00	02	34
			270		00	20	56
			271		00	47	34
			272 to 282		00	62	34
			283		00	23	21
			284		00	23	21
			288		00	18	87
			Metalled Road in between Gat No 288 & 104		00	03	11
			104		00	12	49
			105		00	14	80
			109		00	08	48
			101		00	00	40
			110		00	06	97
			111		00	18	36
			112		00	03	40
			97		00	20	21
			115		00	11	26
			87		00	48	60
			59		00	13	20
			58		00	13	82
			57		00	33	21
			54		00	13	48
			56		00	00	46
			55		00	26	55
			48		00	00	05
			47		00	72	01
Total :					09	91	70
3	KURUL		860		00	34	62
			861		00	74	39
			862		00	12	39
			859		00	38	22

Taluka : MOHOL		District : SOLAPUR			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
3	KURUL		558		00	11	10
	(Contd.)		857		00	36	96
			845		00	55	20
			844		00	07	20
			Cart Track in between Gat No 844 & 843		00	08	64
			843		00	26	64
			842		00	12	24
			889		00	07	92
			888		00	06	34
			887		00	43	38
			MDR - 57 in between Gat No 890 & 890(P)		00	05	76
			890 (P)		00	51	84
			892		00	00	20
			891		00	36	11
			Cart Track in between Gat No 891 & 949		00	14	40
			949		00	00	41
			947		00	73	43
			Unlined Canal in between Gat No 947 & 943		00	05	50
			943		00	05	92
			Unlined Canal in between Gat No 943 & 942		00	07	52
			942		00	18	40
			1082		00	00	45
			1083		00	04	84
			1084		00	12	18
			1085		00	21	30
			1088		00	06	07
			1091 (P)		00	10	84
			1089		00	00	61
			1090		00	32	67

Taluka : MOHOL		District : SOLAPUR			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
3	KURUL (Contd.)		SH - 149 in between Gat No 1090 & 21		00	03	61
			21		00	21	20
			22		00	05	24
			Nala in between Gat No 22 & 24		00	05	96
			24		00	23	93
			25		00	49	88
			31		00	61	93
			32		00	07	05
			Area in between Gat No 32 & 127		00	12	89
			127		00	03	84
			126		00	50	24
			123		00	00	36
			122		00	32	47
			120		00	17	81
			119		00	15	25
			137		00	01	58
			140		00	21	96
			138		00	05	16
			139		00	11	05
			116		00	11	13
			115		00	01	68
			142		00	15	37
			141		00	09	02
			Asphalted Road in between Gat No 141 & 142		00	03	01
			144		00	41	92
			148		00	49	95
			151		00	20	39
			150		00	48	42
			149		00	00	10
Total:					12	31	74

Taluka : MOHOL		District : SOLAPUR			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
4	KATEVADI		237		00	53	34
			238		00	06	51
			236		00	19	64
			233		00	24	52
			232		00	19	44
			231		00	15	48
			229		00	28	69
			228		00	20	50
			227		00	27	78
			212		00	00	52
			226		00	51	49
			225		00	30	32
			224		00	19	47
Total :					03	17	70
5	VIRVADE BUDRUKH		385		00	01	84
			386		00	24	06
			387		00	15	07
			388		00	06	05
			381		00	07	60
			392		00	04	91
			393		00	04	47
			394		00	03	54
			Metalled Road in between Gat No 388,381,392,393, 394,395 & 396		00	01	86
			395		00	12	33
			396		00	15	40
			397		00	15	45
			399		00	12	38
			400		00	14	99
			404		00	25	29
			406		00	34	29
			420		00	27	30
			421		00	08	61
			419		00	06	96
			422		00	37	17
			423		00	08	43
			424		00	11	81

Taluka : MOHOL		District : SOLAPUR			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
5	VIRVADE BUDRUKH (Contd.)		425		00	08	36
			426		00	13	41
			427		00	27	02
			442		00	06	24
			Sina River in between Gat No 442 & V.B. of Pophli		00	10	56
Total :					03	65	40
6	POPHLI		Sina River in between Gat No 151 & V.B. of Virvade Bk.		00	14	37
			151		00	19	02
			150		00	19	51
			149		00	19	44
			148		00	06	29
			147		00	09	48
			145		00	11	76
			143		00	14	00
			142		00	16	42
			141		00	15	84
			138		00	01	86
			140		00	02	14
			139		00	53	07
			135		00	12	90
			134		00	49	99
			133		00	00	24
			131		00	54	71
			127		00	14	52
			117		00	22	03
			Nala in between Gat No 117,118 & 119		00	00	91
			118		00	08	85
			119		00	08	14
			120		00	10	80
			121		00	30	24
			123		00	17	64

Taluka : MOHOL			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
6	POPHLI (Contd.)		122		00	03	38
			Distributary in between Gat No 123 & 122		00	04	67
			(SCR)Railway Line in between Gat No 122 & 98		00	07	95
			98		00	23	40
Total:					04	73	57
7	VIRVADE KHURD		Nala in between V.B. of Pophli & Gat No 28		00	02	81
			28		00	25	78
			29		00	21	75
			Distributary in Gat No 29		00	01	50
			30		00	01	37
			43		01	07	70
			Major Lined Distributary in Gat No 43		00	02	82
			Valley in Gat No 43		00	05	74
			Valley in Gat No 35		00	04	76
			35		00	11	15
			42		00	01	10
			41		00	07	45
			40		00	08	22
			39		00	25	10
			88		00	14	30
			89		00	16	79
			90		00	10	63
			91		00	10	57
			MDR - 33 in Gat No 92		00	02	95
			92		00	05	61
			93		00	01	81
			94		00	03	45
			95		00	04	97
			96		00	06	31

Taluka : MOHOL		District : SOLAPUR			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
7	VIRVADE KHURD		97		00	11	52
	(Contd.)		98		00	04	33
			99		00	04	23
			100		00	09	94
			101		00	13	13
			102		00	05	20
			103		00	04	95
			104		00	07	01
			105		00	05	83
			106		00	07	83
			107		00	06	74
			108		00	07	39
			109		00	04	36
			110		00	05	14
			111		00	07	34
			114		00	04	92
			112		00	34	67
Total :					04	49	17

[No. R-31015/23/2004-O.R.-II]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2729.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि मुन्द्रा (गुजरात) से दिल्ली तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के सम्बन्ध में श्री आर. वी. सरवैया, सक्षम प्राधिकारी, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जैमखाना बिल्डिंग, आदिपुर रोड, अन्जार, कच्छ - 370110 (गुजरात) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तालूका : दीसा		जिला: बनासकांठ	राज्य : गुजरात		
गाँव का नाम	खसरा सं.	उप खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1. समोव नानावास	139	P1	0	00	20
	176	-	0	23	00
	187	3	0	19	24
	185	P2	0	13	54
	186+188	P1	0	26	34
	186+188	P2	0	00	39
	201	2P2	0	11	04
	201	2P3	0	12	11
रास्ता खसरा संख्या 201/2P3 और		-	0	02	85
245/P2 के बीच में					
	245	P2	0	07	84
	245	P1	0	05	70
	244	-	0	13	18
	247	2	0	12	11
	248	-	0	06	05
	249	-	0	08	19
	314+315+316+317	P1	0	22	09
	313	P1	0	01	09
	313	P2	0	21	36
	310	P1	0	14	61
	310	P2	0	11	40
	335+359	1P3	0	18	53
	335+359	1P1	0	36	86
नहर खसरा संख्या 335+359/1P1 में		-	0	02	13
	335+359	1P2	0	09	98
	365+366	P1	0	78	39
	445+446	1P1	0	16	39
नहर खसरा संख्या 445+446/1P1		-	0	04	27
और 445+446/1P2 के बीच में					
	445+446	1P2	0	14	25
	445+446	1P3	0	10	69
	443	2P1	0	09	72
	443	2P3	0	10	07
	443	2P2	0	13	64
	442	-	0	22	80
	441	-	0	28	51
	440	P1	0	12	11

तालूका : दीसा		जिला: बनासकांठ		राज्य : गुजरात		
गाँव का नाम	खसरा सं.	उप खण्ड सं.	क्षेत्रफल			
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर	
समोव नानावास	438	1	0	29	58	
(जारी....)	रास्ता खसरा संख्या 438/1 और					
	समोव मोटावास ग्राम सीमा के बीच		0	02	85	
1. समोव मोटावास	803	P1	0	00	59	
	802	P1	0	13	54	
	801	-	0	07	84	
	800	-	0	08	20	
	761	P1	0	16	39	
	नहर खसरा संख्या 761/ P2 में	-	0	02	85	
	759	3	0	03	26	
	762	-	0	09	62	
	763	-	0	11	40	
	758	-	0	00	99	
	764	1	0	14	25	
	रास्ता खसरा संख्या 764/1 और					
	सादीयाना ग्राम सीमा के बीच में	-	0	01	44	
3. सादीयाना	383	P1	0	29	93	
	385	P1	0	19	95	
	386+387+388+ 389+391	P9	0	01	88	
	नहर खसरा संख्या					
	386+387+388+389+391 में	-	0	14	27	
	386+387+388 + 389+391	P7	0	09	26	
	369	P6	0	07	12	
	369	P11	0	28	51	
	368	-	0	22	00	
	366	P1	0	00	20	
	367	-	0	22	80	
	रास्ता खसरा संख्या 367 और					
	343/P1 के बीच में	-	0	04	27	
	343	P1	0	04	02	
	344	-	0	29	22	
	350	-	0	62	72	
	356	P3	0	39	91	
	रास्ता खसरा संख्या 356/P3 और					
	वेलवापूरा ग्राम सीमा के बीच में	-	0	03	56	

तालूका : दीसा		जिला: बनासकांठ		राज्य : गुजरात		
गाँव का नाम	खसरा सं.	उप खण्ड सं.	क्षेत्रफल			
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर	
4. वेलवापूरा	502	-	0	03	75	
	501	P2	0	33	15	
	501	P3	0	02	46	
	501	P1	0	06	78	
	500	P2	0	19	06	
	499	P2	0	00	50	
	500	P3	0	12	50	
	487	-	0	07	12	
	488	-	0	07	84	
	489	-	0	07	20	
	490	P3	0	08	19	
	473	-	0	15	68	
	468	-	0	03	87	
	469	-	0	17	35	
	470	P1	0	07	35	
	466	P1	0	17	52	
नहर खसरा संख्या	466/P2 मे	-	0	00	85	
	465	-	0	02	74	

[फा. सं. 31015/18/2004-ओ.आर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 21st October, 2004

S.O. 2729 .—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for transportation of petroleum product from Mundra (Gujarat) to Delhi a pipeline should be laid by the Hindustan Petroleum Corporation Limited.

And, whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty one days from the date on which the copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipe line under the land to Shri R. V. Sarvaiya Competent Authority, Mundra-Delhi petroleum product pipeline Hindustan Petroleum Corporation Limited, Gymkhana Building, Adipur Road, Anjar, Kutch, Pin-370110(Gujarat).

SCHEDULE

Taluk : DEESA		District : BANASKANTHA		State : GUJARAT		
Name of Village	Survey no.	Sub- Division No.	Area			
			Hectare	Are	Square Metre	
1. SAMOU NANAWAS	139	P1	0	00	20	
	176	-	0	23	00	
	187	3	0	19	24	
	185	P2	0	13	54	
	186+188	P1	0	26	34	
	186+188	P2	0	00	39	
	201	2P2	0	11	04	
	201	2P3	0	12	11	
	Cart track in between Survey No.201/2P3 and 245/P2	-	0	02	85	
	245	P2	0	07	84	
	245	P1	0	05	70	
	244	-	0	13	18	
	247	2	0	12	11	
	248	-	0	06	05	
	249	-	0	08	19	
	314+315+316+317	P1	0	22	09	
	313	P1	0	01	09	
	313	P2	0	21	36	
	310	P1	0	14	61	
	310	P2	0	11	40	
	335+359	1P3	0	18	53	
	335+359	1P1	0	36	86	
	Canal in Survey No(335+359)/1P1	-	0	02	13	
	335+359	1P2	0	09	98	
	365+366	P1	0	78	39	
	445+446	1P1	0	16	39	
	Canal in between Survey No. (445 + 446/1P1) and (445+446/1P2)	-	0	04	27	
	445+446	1P2	0	14	25	
	445+446	1P3	0	10	69	
	443	2P1	0	09	72	
	443	2P3	0	10	07	
	443	2P2	0	13	64	
	442	-	0	22	80	
	441	-	0	28	51	
	440	P1	0	12	11	

Taluk : DEESA		District : BANASKANTHA		State : GUJARAT	
Name of Village	Survey no.	Sub-Division No.	Area		
			Hectare	Are	Square Metre
SAMOU NANAWAS	438	1	0	29	58
(Contd..)	Cart track in between Survey Number.438/1 and village boundry of Samou Motawas	-	0	02	85
2. SAMOU MOTAWAS	803	P1	0	00	59
	802	P1	0	13	54
	801	-	0	07	84
	800	-	0	08	20
	761	P1	0	16	39
	Canal in Survey No 761/P2	-	0	02	85
	759	3	0	03	26
	762	-	0	09	62
	763	-	0	11	40
	758	-	0	00	99
	764	1	0	14	25
	Cart track in Between Survey No.764/1 and Village boundry of Saviyana	-	0	01	44
3. SAVIYANA	383	P1	0	29	93
	385	P1	0	19	95
	386+387+388+ 389+391	P9	0	01	88
	Canal in Survey No 386+387+388+389+ 391	-	0	14	27
	386+387+388+ 389+391	P7	0	09	26
	369	P6	0	07	12
	369	P11	0	28	51
	368	-	0	22	00
	366	P1	0	00	20
	367	-	0	22	80
	Cart track in between Survey Number.367 and 343/P1	-	0	04	27
	343	P1	0	04	02
	344	-	0	29	22
	350	-	0	62	72
	356	P3	0	39	91
	Cart track in between Survey Number 356/P3 and Village boundry of Velavapura	-	0	03	56

Taluk : DEESA		District : BANASKANTHA		State : GUJARAT		
Name of Village	Survey no.	Sub-Division No.	Area			
			Hectare	Are	Square Metre	
4. VELAVAPURA	502	-	0	03	75	
	501	P2	0	33	15	
	501	P3	0	02	46	
	501	P1	0	06	78	
	500	P2	0	19	06	
	499	P2	0	00	50	
	500	P3	0	12	50	
	487	-	0	07	12	
	488	-	0	07	84	
	489	-	0	07	20	
	490	P3	0	08	19	
	473	-	0	15	68	
	468	-	0	03	87	
	469	-	0	17	35	
	470	P1	0	07	35	
	466	P1	0	17	52	
	Canal in Survey No 466/P2	-	0	00	85	
	465	-	0	02	74	

[No. R-31015/18/2004-O.R.-III]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 2004

को. आ. 2730.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि राजस्थान राज्य में सेमकोर से श्रीराम फर्टीलाइजर पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से पेट्रोलियम गैस के परिवहन के लिए गेल (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा, एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में, श्री अन्तर सिंह नेहरा, सक्षम प्राधिकारी, गेल (इण्डिया) लिमिटेड, सी-6, 107, कमल अपार्टमेंट, सवाई जयसिंह एन.एच., बनी पार्क, जयपुर, राजस्थान को लिखित रूप में आपेक्ष भेज सकेगा।

अनुसूची

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा न.	आर.ओ.यू. अर्जित कर के लिए रेफ़फ़्ट (हेक्टेर्स में)
कोटा	लाडपुरा	नया नोहरा	84	0.2760
			78	0.7320
			79	0.0720
			योग	1.0800
कोटा	लाडपुरा	राजनगर	1	0.1300
			159/534	0.1800
			160	0.0240
			161	0.0600
			165	0.1320
			166	0.1440
			167	0.1320
			144	0.0480
			168	0.0540
			229	0.0240
			320	0.4680
			318	0.1740
			315	0.1560
			310	0.1200
			311	0.0360
			305	0.0840
			306	0.0240
			307	0.2880
			357	0.0440
			400	0.4920
			398	0.0960
			399	0.0240
			389	0.0960
			453	0.0780
			452	0.4860
			451	0.0320
			450	0.0460
			458	0.0240
			466	0.0300
			469	0.7860
			468	0.0720
			योग	4.5840

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा न.	आर.ओ.यू. आर्किटेक्चर के लिए सिम्रफ्ट (हेक्टर में)
कोटा	लाडपुरा	सुखपुरा	8	0.3720
			9	0.0360
			22	0.1080
			23	0.1680
			24	0.1800
			27	0.0240
			36	1.0920
			38	0.0210
			39	0.0240
			40	0.0210
			43	0.0840
			67	0.0380
			68	0.0380
			69	0.0380
			72	0.1560
			योग	2.4000
कोटा	लाडपुरा	रायपुरा	312	0.6980
			311	0.0100
			313	0.0290
			314	0.0250
			409	0.0420
			योग	0.8040
कोटा	लाडपुरा	धाकड़खेडी	174	0.4500
			173	0.0120
			172	0.2160
			170	0.1250
			171	0.2140
			168	0.0330
			167	0.1680
			166	0.0600
			165	0.0080
			164	0.0220
			161	0.0240
			160	0.0380
			134	0.1200
			135	0.1560
			156	0.0100
			153	0.2040
			155	0.0480

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा न.	आर.ओ.यू. अतिरिक्त क्षेत्र (हेक्टर में)
कोटा	लाडपुरा	धाकड़खेड़ी	154	0.0600
			149	0.0200
			140/1016	0.0040
			144	0.2650
			147	0.0220
			143	0.0100
			142	0.0030
		योग	2.2920	
		सम्मेदगंज	79/656	0.0040
			122	0.4880
			87/584	
			79/587	
			79	0.5760
			78	0.0420
			77	0.0240
			76	0.0240
			114	0.6840
			115	0.0120
			117	0.0180
			68	0.0660
			67	0.1920
68	0.0840			
64	0.0240			
63	0.1140			
योग	2.3520			
कोटा	लाडपुरा	देवली अरब	321	0.1200
			324	0.1080
			401	0.0480
			412	0.4740
			414	0.0540
			411	0.0070
			415	0.2700
			416	0.0240
			427	0.0360
			489	0.0480
			490	0.3420
			487	0.0420
			477	0.0780
			475	0.1380

जिला	तहसील	गाँव	सर्वे न.	आर.ओ.यू. अर्जित करने के लिए क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
कोटा	लाडपुरा	देयली अराब	478	0.0120
			474	0.0120
			473	0.0180
			470	0.0250
			469	0.0240
			463	0.0780
			462	0.0060
			461	0.0040
			464	0.0900
			460	0.0060
			465	0.0840
			कुल	2.1480

[फा. सं. एल-14014/9/2004-जी.पी.]

एस. बी. मंडल, अपर सचिव

New Delhi, the 25th October, 2004

S. O. 2730.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum gas through Samcore to Sriram Fertilizer pipeline project in the State of Rajasthan, a pipeline should be laid by the GAIL (India) Limited;

And, whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may, within twenty-one-days from the date on which the copies of the notification issued under sub-section (1) of section 3 of the said Act, as published in the Gazette of India are made available to the general public, object in writing to the laying of the pipeline under the land to Sh. Antar Singh Nehra, Competent Authority, GAIL (India) Limited, C-6, 107, Kamal Apartment, Sawai Jai Singh N.H., Banipark, Jaipur, Rajasthan.

SCHEDULE

District	Tehsil	Village	Survey No.	Land to be Acquired for R.O.U in Hectares
Kota	Ladpura	Naya Nohara	84	0.2760
			78	0.7320
			79	0.0720
			TOTAL	1.0800
Kota	Ladpura	Rajnagar	1	0.1300
			159/534	0.1800
			160	0.0240
			161	0.0600
			165	0.1320
			166	0.1440
			167	0.1320
			144	0.0480
			168	0.0540
			229	0.0240
			320	0.4680
			318	0.1740
			315	0.1560
			310	0.1200
			311	0.0360
			305	0.0840
			306	0.0240
			307	0.2880
			357	0.0440
			400	0.4920
			398	0.0960
			399	0.0240
			389	0.0960
			453	0.0780
			452	0.4860
			451	0.0320
			450	0.0460
			456	0.0240
			466	0.0300
			469	0.7860
			468	0.0720
			TOTAL	4.5840

District	Tehsil	Village	Survey No.	Land to be Acquired for R.O.U in Hectares
Kota	Ladpura	Sukhpura	8	0.3720
			9	0.0360
			22	0.1080
			23	0.1680
			24	0.1800
			27	0.0240
			36	1.0920
			38	0.0210
			39	0.0240
			40	0.0210
			43	0.0840
			67	0.0380
			68	0.0380
			69	0.0380
			72	0.1560
TOTAL			2.4000	
Kota	Ladpura	Raipura	312	0.6980
			311	0.0100
			313	0.0290
			314	0.0250
			409	0.0420
TOTAL			0.8040	
Kota	Ladpura	Dhakar kheri	174	0.4500
			173	0.0120
			172	0.2160
			170	0.1250
			171	0.2140
			168	0.0330
			167	0.1680
			166	0.0600
			165	0.0080
			164	0.0220
			161	0.0240
			160	0.0380
			134	0.1200
			135	0.1560
			156	0.0100
			153	0.2040
			155	0.0480
			154	0.0600
			149	0.0200
140/1016			0.0040	
144			0.2650	

District	Tehsil	Village	Survey No.	Land to be Acquired for R.O.U in Hectares
Kota	Ladpura	Dhakar kheri	147	0.0220
			143	0.0100
			142	0.0030
		Ummedgang	TOTAL	2.2920
			79/656	0.0040
			122	0.4880
			87/584	
			79/587	
			79	0.5760
			78	0.0420
			77	0.0240
			76	0.0240
			114	0.6840
			115	0.0120
			117	0.0180
Kota	Ladpura	Dewali Arab	68	0.0660
			67	0.1920
			66	0.0840
			64	0.0240
			63	0.1140
			TOTAL	2.3520
			321	0.1200
			324	0.1080
			401	0.0480
			412	0.4740
			414	0.0540
			411	0.0070
			415	0.2700
			416	0.0240
			427	0.0360
			489	0.0480
			490	0.3420
			487	0.0420
			477	0.0780
			475	0.1380
			476	0.0120
			474	0.0120
			473	0.0180
			470	0.0250
			469	0.0240
			463	0.0780
			462	0.0060
			461	0.0040
			464	0.0700

DISTRICT	TEHSIL	VILLAGE	SURVEY NO.	AREA TO BE ACQUIRED FOR ROU (IN HECTARE)
Kota	Ladpura	Dewali Arab	460	0.0060
			465	0.0840
			Total	----- 2.1480

[No. L-14014/9/2004-G.P.]
S. B. MANDAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2731.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र राज्य में लोनी से पकनी तक हज़ारवाडी के रास्ते पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री. एम. वी. चिटनिस, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई-पुणे पाइपलाइन विस्तार परियोजना (लोनी से पकनी तक हज़ारवाडी के रास्ते), हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लोनी - टर्मिनल, कदमवाक वस्ती गाँव, हवेली तालुका, पुणे जिला, महाराष्ट्र - 412 201 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तालूका : उ. सोलापुर			जिल्हा : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	पकणी		गट नंबर 53 और गाँव सीमा विरवडे खुर्द के बीच में गाडी रास्ता 53 54 55 56 57 58		00 00 00 00 00 00	00 26 06 07 08 16 00	40 82 48 12 79 02 13
			गट नंबर 57 और 32 के बीच में मंनज नाला 32 46 52 51 50 46 47 45		00 00 00 00 00 00 00 00	11 10 27 20 15 00 00 29 20	36 32 70 66 63 37 63 33 06
			गट नंबर 45 और 102 के बीच की भूमि 102 103 104 106 108 107 133		00 00 00 00 00 00 00	04 11 08 03 06 34 09 09	57 43 73 30 25 08 78 01
			गट नंबर 133 और 134 के बीच की भूमि 134 135		00 00 00	04 09 04	46 65 40

तालूका : उ. सोलापुर		जिल्हा : सोलापुर		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	पकणी (निरंतर)		136		00	07	85
			137		00	16	04
			गट नंबर 137 और 153 के बीच की भूमि		00	06	74
			141		00	00	51
			142		00	02	36
			153		00	00	93
			144		00	11	45
			145		00	21	07
			146		00	10	14
			157		00	17	02
			158		00	20	59
			162		00	14	55
			गट नंबर 162 के बीच में अस्फालटेड रास्ता		00	02	55
			268		00	01	31
योग					04	40	59

[फा. सं. आर-31015/33/2004-ओ.आर.-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 26th October, 2004

S. O. 2731.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Loni to Pakni via Hazarwadi in the State of Maharashtra, an extension pipeline should be laid by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M.V.Chitnis, Competent Authority, Mumbai-Pune Pipeline Extension Project (from Loni to Pakni via Hazarwadi), Hindustan Petroleum Corporation Ltd., Loni Terminal, Kadamwakwasti Village, Haveli Taluka, Pune District, Maharashtra-412 201

SCHEDULE

Taluka : N. SOLAPUR			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	PAKNI		Cart Track in between V.B. of Virvade Khurd & Gat No 53		00	00	40
			53		00	26	82
			54		00	06	48
			55		00	07	12
			56		00	08	79
			57		00	16	02
			58		00	00	13
			Nannaj Nala in Gat No 57 & 32		00	11	36
			32		00	10	32
			46		00	27	70
			52		00	20	66
			51		00	15	63
			50		00	00	37
			46		00	00	63
			47		00	29	33
			45		00	20	06
			Area in between Gat No 45 & 102		00	04	57
			102		00	11	43
			103		00	08	73
			104		00	03	30
			106		00	06	25

Taluka : N. SOLAPUR			District : SOLAPUR		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	PAKNI (Contd.)		108		00	34	08
			107		00	09	78
			133		00	09	01
			Area in between Gat No 133 & 134		00	04	46
			134		00	09	65
			135		00	04	40
			136		00	07	85
			137		00	16	04
			Area in between Gat No 137 & 153		00	06	74
			141		00	00	51
			142		00	02	36
			153		00	00	93
			144		00	11	45
			145		00	21	07
			146		00	10	14
			157		00	17	02
			158		00	20	59
			162		00	14	55
			Asphalted Road in Gat No 162		00	02	55
			268		00	01	31
Total					04	40	59

[No. R-31015/33/2004-O.R.-II]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2732.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र राज्य में लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री. एम. वी. चिटनिस, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई-पुणे पाइपलाइन विस्तार परियोजना (लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते), हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लोनी - टर्मिनल, कदमवाक वस्ती गाँव, हवेली तालुका, पुणे जिला, महाराष्ट्र - 412 201 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तालूका : कवठे महाकाठ			जिला : सांगली		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	तिसंगी		461		00	19	34
			470		00	20	69
			468		00	00	15
			469		00	12	35
			471		00	10	11
			482		00	32	86
			483		00	23	54
			484		00	22	77
			489		00	21	49
			490		00	43	98
			492		00	07	12
			493		00	23	55
			494		00	35	24
			502		00	26	91
			501		00	02	32
			गट नंबर 501 और				
			502 के बीच का रास्ता		00	02	28
			500	ब	00	05	29
			645		00	02	59
			646		00	16	30
			647		00	00	33
			648		00	25	15
			649		00	12	19

तालूका : कवटे महाकाल			जिला : सांगली		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	तिरुंगी		673		00	28	08
			672		00	12	66
			674		00	04	83
			670		00	24	54
			669		00	03	96
			678		00	02	46
			668		00	20	16
			667		00	07	87
			665		00	00	26
			666		00	12	31
			679		00	00	10
				योग	04	83	78
2	घाटनांदे		79		00	17	50
			78		00	00	07
			100		00	11	32
			99		00	08	27
			98		00	18	27
			97		00	05	00
			81		00	02	27
			96		00	01	21
			95		00	26	09
			94		00	09	95
			182		00	10	20
			181		00	00	08
			179		00	09	37
			183		00	20	28
			193		00	06	03
			192		00	00	35
			191		00	19	27
			246		00	00	74
			247		00	00	08
			250		00	12	84
			248		00	00	98
			251		00	07	92
			254		00	09	30
			263		00	02	27
			262		00	04	86
			261		00	07	62
			260		00	03	02

तालूका : कवठे महाकाठ			जिल्हा : सांगली		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
	2 घाटनांदे (निरंतर)		258		00	02	61
			257		00	06	83
			284		00	06	28
			282		00	06	20
			285		00	00	51
			गट नंबर 285 और 592				
			के बीच का नाला		00	02	99
			592		00	02	55
			598		00	00	02
			595		00	04	20
			594		00	05	59
			593		00	10	27
			589		00	05	61
			588		00	07	08
			587		00	10	17
			586		00	10	02
			585		00	02	72
			गट नंबर 585 और				
			578 के बीच का नाला		00	04	42
			578		00	41	74
			गट नंबर 578 और				
			817 के बीच का		00	03	26
			राज्य मार्ग 78				
			817		00	17	33
			818		00	31	50
			819		00	22	44
			821		00	42	13
			822		00	44	77
			823		00	52	86
			गट नंबर 823 के बीच				
			का रास्ता		00	02	05
			824		00	33	48
योग					05	94	79

[फा. सं. आर-31015/30/2004-ओ.आर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 26th October, 2004

S. O. 2732.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Loni to Pakni via Hazarwadi in the State of Maharashtra, an extension pipeline should be laid by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M.V.Chitnis, Competent Authority, Mumbai-Pune Pipeline Extension Project (from Loni to Pakni via Hazarwadi), Hindustan Petroleum Corporation Ltd., Loni Terminal, Kadamwakwasti Village, Haveli Taluka, Pune District, Maharashtra-412 201

SCHEDULE

Taluka : KAVTHE MAHANKAL			District : SANGLI		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.m t
1	2	3	4	5	6	7	8
1	TISANGI		461		00	19	34
			470		00	20	69
			468		00	00	15
			469		00	12	35
			471		00	10	11
			482		00	32	86
			483		00	23	54
			484		00	22	77
			489		00	21	49

1	2	3	4	5	6	7	8
1	TISANGI		490		00	43	98
			492		00	07	12
			493		00	23	55
			494		00	35	24
			502		00	26	91
			501		00	02	32
			Road in between Gat No. 502 & 501		00	02	28
			500	B	00	05	29
			645		00	02	59
			646		00	16	30
			647		00	00	33
			648		00	25	15
			649		00	12	19
			673		00	28	08
			672		00	12	66
			674		00	04	83
			670		00	24	54
			669		00	03	96
			678		00	02	46
			668		00	20	16
			667		00	07	87
			665		00	00	26
			666		00	12	31
			679		00	00	10
			Total		04	83	78
2	GHATNANDRE		79		00	17	50
			78		00	00	07
			100		00	11	32
			99		00	08	27
			98		00	18	27
			97		00	05	00
			81		00	02	27
			96		00	01	21
			95		00	26	09
			94		00	09	95
			182		00	10	20
			181		00	00	08
			179		00	09	37
			183		00	20	28
			193		00	06	03
			192		00	00	35
			191		00	19	27
			246		00	00	74
			247		00	00	08
			250		00	12	84
			248		00	00	98

Taluka : KAVTHE MAHANKAL			District : SANGLI		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.m t
1	2	3	4	5	6	7	8
2	GHATNANDRE		251		00	07	92
	(Contd.)		254		00	09	30
			263		00	02	27
			262		00	04	86
			261		00	07	62
			260		00	03	02
			258		00	02	61
			257		00	06	83
			284		00	06	28
			282		00	06	20
			285		00	00	51
			Nala in between Gat No 285 & 592		00	02	99
			592		00	02	55
			598		00	00	02
			595		00	04	20
			594		00	05	59
			593		00	10	27
			589		00	05	61
			588		00	07	08
			587		00	10	17
			586		00	10	02
			585		00	02	72
			Stream in between Gat No. 585 & 578		00	04	42
			578		00	41	74
			SH - 78 in between Gat No 578 & 817		00	03	26
			817		00	17	33
			818		00	31	50
			819		00	22	44
			821		00	42	13
			822		00	44	77
			823		00	52	86
			Road in between Gat No. 823		00	02	05
			824		00	33	48
Total					05	94	79

[No. R-31015/30/2004-O.R.-II]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2733.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र राज्य में लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री. एम. वी. चिटनिस, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई-पुणे पाइपलाइन विस्तार परियोजना (लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते), हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लोनी - टर्मिनल, कदमवाक वस्ती गाँव, हवेली तालुका, पुणे जिला, महाराष्ट्र - 412 201 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तालूका : खंडाला			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	पिंपरे बु.		गट नंबर 530 में				
			निरा नदी		00	20	51
			531		00	11	96
			529		00	22	05
			527		00	07	08
			526		00	07	44
			525		00	02	90
			524		00	02	05

तालूका : खंडाला		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	पिंपरे बु. (जारी)		523		00	02	49
			522		00	07	63
			521		00	07	67
			520		00	07	06
			519		00	10	74
			गट नंबर 519 और				
			गाँव सीमा पिंपरे बु. के				
			बीच में दहिने और की			00	19 68
			निरा कनाल				
योग					01	29	26
2	बावकळवाडी		गाँव सीमा पिंपरे बु. और बावकळवाडी के बीच की भूमि		00	02	80
			473		00	03	02
			472		00	03	44
			471		00	02	74
			470		00	04	78
			469		00	04	97
			468		00	02	14
			547		00	17	73
			549		00	02	62
			548		00	02	99
			498		00	05	63
			499		00	03	52
			500		00	04	21
			546		00	28	20
			545		00	18	10
			544		00	03	46
			543		00	02	22
			542		00	03	21
			541		00	09	12
			540		00	08	86
			गट नंबर 539 में				
			अस्फालटेड रस्ता			00	03 22
			538		00	06	29
			537		00	04	96
			531		00	21	21
			532		00	09	69
			529		00	07	25
			गट नंबर 529 और				
			62 के बीच में			00	03 46
			अस्फालटेड रस्ता				
			62		00	04	65
			63		00	08	05
			74		00	11	04

तालूका : खंडाला		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
2	बापकठवाडी (नगरी)		73		00	15	90
			124		00	10	18
			68		00	00	09
			125		00	02	11
			123		00	02	04
			128		00	01	21
			129		00	00	96
			130		00	02	06
			132		00	01	46
			133		00	04	48
			136		00	01	19
			137		00	03	05
			138		00	05	28
			139		00	05	14
			140		00	09	06
			141		00	08	80
			142		00	01	55
			278		00	08	07
			149		00	22	20
			150		00	04	30
			208		00	05	05
			225		00	11	18
			226		00	11	91
			227		00	07	36
योग					03	58	21
3	मरीआईची वाडी		87		00	16	58
			88		00	06	21
			86		00	03	81
			71		00	09	15
			70		00	04	35
			69		00	09	42
			68		00	08	88
			67		00	12	08
			66		00	08	05
			93		00	16	85
			194		00	03	56
			113		00	53	57
			गट नंबर 113 में				
			मेटल्ड रस्ता		00	01	95
			117		00	15	80
			118		00	35	55
			119		00	17	35

तालूका : खंडाला			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	मरीआईची वाडी (जारी)		गट नंबर 175 में गाडी रास्ता		00	03	81
			175		00	23	43
			172		00	08	00
			171		00	07	91
			169		00	19	40
			गट नंबर 169 और 167 के बीच में मेटल्ड रास्ता		00	02	35
			180		00	03	85
			167		00	14	71
			168		00	20	42
			गट नंबर 168 और 160 के बीच में मेटल्ड रास्ता		00	04	88
			158		00	00	33
			159		00	02	37
			160		00	17	70
			161		00	08	18
			162		00	05	07
			163		00	08	71
			164		00	38	87
			गाँव सीमा मरीआईचीवाडी के पास का नाला		00	08	62
योग					04	21	77
4	लोणंद	गाँव सीमा मरीआईची वाडी और सर्वे नंबर 321 के बीच में नाला			00	12	96
		321			00	42	48
		322			00	10	08
		323			00	41	76
		सर्वे नंबर 323 और गाँव सीमा बाकुपाटलाची वाडी के बीच में नदीपुडी नाला			00	10	80
		326			00	13	68
		329			00	51	84
		सर्वे नंबर 329 में मेटल्ड रोड			00	02	88

तालूका : खडाला			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
4	लोणंद (गारी)	सर्वे नंबर 329 और 328 के बीच में रेलवेलाइन			00	02	88
		328			00	23	76
		सर्वे नंबर 328 और 344 के बीच में			00	04	32
		राज्य मार्ग 68					
		341			00	36	72
		334			00	14	40
		337			00	27	36
		338			00	10	80
		339			00	09	22
		340			00	09	79
		345			00	32	40
		346			00	30	96
		347			00	56	16
		सर्वे नंबर 347 और गाँव सीमा कोरेगाँव के बीच में नाला			00	07	49
योग					04	52	74
5	बाकूपाटलाची वाडी	गाँव सीमा लोणंद और बाकूपाटलाची वाडी के बीच में नदीपुडी नाला					
		166			00	05	65
		167			00	01	45
		165			00	15	97
		158			00	12	68
		157			00	06	99
		160			00	00	20
योग					00	47	60

New Delhi, the 2nd October, 2004

S. O. 2733.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Loni to Pakni via Hazarwadi in the State of Maharashtra, an extension pipeline should be laid by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M.V.Chitnis, Competent Authority, Mumbai-Pune Pipeline Extension Project (from Loni to Pakni via Hazarwadi), Hindustan Petroleum Corporation Ltd., Loni Terminal, Kadamwakwasti Village, Haveli Taluka, Pune District, Maharashtra-412 201

SCHEDULE

Taluka : KHANDALA			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	PIMPRI BK.		Nira River in Gat No. 530		00	20	51
			531		00	11	96
			529		00	22	05
			527		00	07	08
			526		00	07	44
			525		00	02	90
			524		00	02	05
			523		00	02	49
			522		00	07	63

Taluka : KHANDALA			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Acre	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	PIMPRE BK.		521		00	07	67
			520		00	07	06
			519		00	10	74
			Nira Right Bank Canal in between Gat No 519 & V.B. Pimpre Bk.		00	19	68
		Total				01	29
2	BAVKALWADI		Area between V.B. Pimpre Bk. & Bavkalwadi		00	02	80
			473		00	03	02
			472		00	03	44
			471		00	02	74
			470		00	04	78
			469		00	04	97
			468		00	02	14
			547		00	17	73
			549		00	02	62
			548		00	02	99
			498		00	05	63
			499		00	03	52
			500		00	04	21
			546		00	28	20
			545		00	18	10
			544		00	03	46
			543		00	02	22
			542		00	03	21
			541		00	09	12
			540		00	08	86
			Asphalted Road in Gat No 539		00	03	22
			538		00	06	29
			537		00	04	96
			531		00	21	21
			532		00	09	69
			529		00	07	25
			Asphalted Road in between Gat No 529 & 62		00	03	46
			62		00	04	65
			63		00	08	05
			74		00	11	04
			73		00	15	90
			124		00	10	18

Taluka : KHANDALA		District : SATARA			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
2	BAVKALWADI		68		00	00	09
	(Contd.)		125		00	02	11
			123		00	02	04
			128		00	01	21
			129		00	00	96
			130		00	02	06
			132		00	01	46
			133		00	04	48
			136		00	01	19
			137		00	03	05
			138		00	05	28
			139		00	05	14
			140		00	09	06
			141		00	08	80
			142		00	01	55
			278		00	08	07
			149		00	22	20
			150		00	04	30
			208		00	05	05
			225		00	11	18
			226		00	11	91
			227		00	07	36
Total					03	58	21
3	MARIAICHIWADI		87		00	16	58
			88		00	06	21
			86		00	03	81
			71		00	09	15
			70		00	04	35
			69		00	09	42
			68		00	08	88
			67		00	12	08
			66		00	08	05
			93		00	16	85
			194		00	03	56
			113		00	53	57
			Metalled Road in Gat No 113		00	01	95
			117		00	15	80
			118		00	35	55
			119		00	17	35
			Cart Track in Gat No 175		00	03	81
			175		00	23	43

Taluka : KHANDALA			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Acre	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
3	MARIAICHIWADI (Contd.)		172		00	08	00
			171		00	07	91
			169		00	19	40
			Metalled Road in between Gat No 169 & 167		00	02	35
			180		00	03	65
			167		00	14	71
			168		00	20	42
			Metalled Road in between Gat No 166 & 160		00	04	88
			158		00	00	33
			159		00	02	37
			160		00	17	70
			161		00	08	18
			162		00	05	07
			163		00	06	71
			164		00	38	87
			Nala adjacent to V.B. of Meriaichiwadi		00	06	62
					Total	04	21
						77	
4	LONAND		Nala in between V.B. of Meriaichiwadi & Survey No 321		00	12	96
			321		00	42	48
			322		00	10	08
			323		00	41	76
			Nadipudi Odha in between Survey No 323 & V.B. of Balupatichiwadi		00	10	10
			326		00	13	68
			329		00	51	84

Taluka : KHANDALA		District : SATARA			State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
1	2	3	4	5	Hectare	Acre	Sq.mt
4	LONAND (Contd.)	Metalled Road in Survey No 329			00	02	88
		Railway Line in between Survey No 329 & 328			00	02	88
		328			00	23	76
		SH - 81 in between Survey No 328 & 341			00	04	32
		341			00	36	72
		334			00	14	40
		337			00	27	36
		338			00	10	80
		339			00	09	22
		340			00	09	79
		345			00	32	40
		346			00	30	96
		347			00	56	16
		Nala in between Survey No 347 & V.B. Koregaon			00	07	49
Total					04	52	74
5	BALUPATLACHI WADI	Nadipudi Nala in between V.B. Lonand & Balupatlachiwadi			00	04	66
		166			00	05	65
		167			00	01	45
		165			00	15	97
		158			00	12	68
		157			00	06	99
		180			00	00	20
Total					00	47	60

[No. R-31015/31/2004-O.R.-II]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2734.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र राज्य में लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में जो इस से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री. एम. वी. चिटनिस, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई-पुणे पाइपलाइन विस्तार परियोजना (लोनी से पकनी तक हजारवाडी के रास्ते), हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लोनी - टर्मिनल, कदमवाक वस्ती गाँव, हवेली तालुका, पुणे जिला, महाराष्ट्र - 412 201 को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	मोळ		148		00	37	16
			गट नंबर 148 में				
			प्रमुख जिला मार्ग 20		00	01	94
			159		00	14	47
			160		00	48	58
			206		00	19	06
			205		00	52	11
			200		00	00	12
			224		00	03	25
			199		00	44	08
			225		00	55	88
			243		00	07	41
			242		00	60	68
			269		00	12	27
			274		00	04	82
			273		00	21	54
			280		00	08	42
			279		00	00	02
			276		00	15	89
			278		00	01	62
			277		00	06	07
			357		00	15	24
			358		00	36	94
			435		00	04	00
			434		00	03	20
			433		00	02	29
			432		00	01	84
			431		00	00	17
			427		00	00	05
			426		00	00	10
			429		00	00	05
			424		00	06	86

तालुका : खटाव			जिला : जालावा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एकर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	मोठ (जारी)		389-390, 395-419		00	50	94
			386 पै		00	00	10
			389 पै		00	07	15
			गट नंबर 388,				
			532, 533, 534, 535,				
			536, 537 और 544		00	04	67
			में प्रमुख जिला				
			मार्ग 20				
			388 पै		00	12	31
			532 पै		00	05	22
			533		00	01	62
			534		00	00	86
			536		00	01	58
			538		00	01	80
			539		00	01	85
			540 पै		00	01	85
			544 पै		00	03	29
			545 पै		00	01	75
			546 पै		00	01	99
			547 पै		00	02	58
			548 पै		00	02	51
			550 पै		00	04	43
			551 पै		00	04	37
			553		00	01	41
			554		00	01	10
			555		00	01	00
			556		00	00	90
			557		00	00	86
			558		00	00	77
			559		00	00	81
			564		00	03	69
			565		00	01	24
			566		00	01	36
			568 पै		00	03	93
			572		00	02	03

तालूका : खटाव			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	मोकु (जारी)		573 पै		00	01	98
			574		00	01	24
			575		00	01	30
			576		00	01	46
			579		00	02	22
			580		00	02	87
			581		00	02	16
			582		00	02	51
			597		00	10	56
			गट नंबर 581, 582				
			और 597 के बीच का		00	01	92
			नाला				
			605 पै		00	04	45
			607		00	04	95
			608		00	03	12
			598		00	04	77
			610		00	06	21
			611		00	03	60
			613		00	19	77
			612		00	12	98
			गट नंबर 614 के पास				
			का नाला		00	02	36
			614		00	02	82
			गट नंबर 614 में				
			नाला		00	02	52
			615		00	12	80
			641		00	00	09
			639		00	11	27
			638		00	04	83
			637		00	07	50
			646		00	00	10
			647		00	17	33
			658		00	12	07
			657		00	11	31
			656		00	06	44
			655		00	01	59

तालूका : खटाव			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
1	मोक (जारी)		685		00	13	80
			684		00	26	19
योग					08	36	99
2	डिस्क		3365		00	19	83
			3373		00	10	85
			गट नंबर				
			3365, 3374 और				
			3373 के बीच में		00	03	20
			नाला				
			3374		00	02	30
			3375		00	05	97
			3377		00	06	81
			3371		00	07	16
			3380	2	00	12	44
			3380	1	00	00	05
			3380	3	00	29	53
			3380	4	00	00	44
			गट नंबर				
			3380/4, 1885 और				
			3380/3 के बीच		00	04	27
			में नाला				
			1885		00	55	70
			गट नंबर 1886 और				
			1250 के बीच में		00	03	33
			नाला				
			1886		00	01	78
			1250		00	03	83
			1249		00	08	52
			1251		00	00	93
			1256		00	00	40
			1248		00	06	50
			1247		00	05	69
			1241		00	11	22
			1240		00	19	23
			1239		00	12	11

तालूका : अटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8

2

डिस्कल

(जारी)

गट नंबर 1139, 1129

और 1133 के बीच

में माला

00 03 62

1129

00 03 89

1133

00 01 05

गट नंबर 1133 और

1134 के पास

की भूमि

00 21 00

गट नंबर 1134 और

1135 के बीच का नेटवर्क

रोड

00 03 92

1134

00 06 68

1135

00 08 47

1136

00 05 73

1137

00 06 15

1138

00 01 71

1142

00 04 54

1143

00 05 08

1144

00 05 64

1145

00 08 36

1146

00 02 97

1147

00 02 72

1148

00 02 75

1149

00 05 81

1150

00 07 80

1151

00 03 35

1152

00 01 42

1153

00 02 85

1154

00 36 82

गट नंबर 1154 और

419/6 के बीच में

माला

00 02 64

419

6

00 23 76

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाय का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
2	डिस्कड (नारी)		411	1	00	04	41
			411	5	00	00	58
			411	6	00	23	31
			411	2	00	10	23
			411	11	00	00	21
			411	12	00	00	09
			412		00	40	23
			413	2(1)	00	03	94
			413	2(2)	00	04	46
			413	2(3)	00	05	84
			413	2(5)	00	06	68
			413	2(6)	00	05	78
			413	2(7)	00	04	43
			413	2(8)	00	05	89
			413	2(9)	00	03	21
			413	5	00	00	15
				योग	05	30	26
3	ललगुण		321		00	13	09
			320		00	05	04
			319		00	30	74
			326	1	00	05	58
			325		00	00	04
			326	2	00	03	88
			327		00	03	23
			329		00	07	60
			330		00	01	24
			331		00	02	89
			332		00	01	98
			333		00	05	27
			334		00	10	65
			335		00	10	99
			338		00	07	78
			369		00	08	83

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	ललगुण (जारी)		गट नंबर 369 और 374 के बीच में नाला 373 372 गट नंबर 383 में मेटल्ड रास्ता 383 385 386 387 391 396 835 411 409 और 410 422 423 गट नंबर 423 और 114 के बीच में येरला नदी 114 103 100 39 39 39 39 गट नंबर 41 में अस्फालटेड रास्ता 41 39 1158 140 802 801 1142 1190				
					00	02	73
					00	14	42
					00	12	62
					00	02	27
					00	16	12
					00	05	55
					00	04	35
					00	07	65
					00	05	90
					00	29	17
					00	18	49
					00	05	61
					00	13	01
					00	13	05
					00	02	96
					00	09	10
					00	20	42
					00	20	40
					00	06	23
				9	00	06	10
				8	00	14	01
				7	00	14	39
				6	00	25	18
					00	01	60
					00	13	41
				1	00	10	45
					00	05	41
					00	23	82
					00	27	05
					00	00	59
					00	16	14
					00	00	05

तालूका : खटाव			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
3	ललगुण (जारी)		1191		00	24	91
			1192		00	23	90
			1208		00	02	78
			1206		00	22	57
			गट नंबर 1206				
			में नाला		00	01	96
			1205		00	06	57
			1203		00	00	87
			1204		00	08	37
			1256		00	13	71
			1257		00	04	56
			1260		00	04	27
			गट नंबर 1260 और				
			1252 के बीच		00	10	07
			की भूमि				
			1372		00	29	87
			1371		00	10	67
			1368	ब	00	26	29
			1366		00	17	46
			1367		00	01	13
			1365		00	06	29
			1364		00	04	95
			1363		00	29	23
			1362	2	00	63	56
			1385		00	00	12
			1387		00	02	09
			1386		00	23	46
			1389		00	09	78
			1433		00	27	51
			1432		00	11	80
			गट नंबर 1445				
			में नाला		00	01	03
			1445		00	09	96
			1471		00	04	09
			1454		00	21	12
			1452		00	18	37
			1453		00	03	59
			1462		00	08	07
			1480		00	33	45
					योग	09	75
							51

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
4	पवारवाडी		338		00	68	49
			335		00	10	78
			336		00	04	47
			356		00	12	12
			361		00	00	22
			360		00	08	49
			359		00	06	02
			358		00	09	97
			351		00	11	59
			गट नंबर 351, 391				
			और 393 के बीच का		00	01	89
			रास्ता				
			393		00	08	83
			391		00	02	39
			392		00	38	84
			394		00	26	35
			417		00	25	98
			396		00	38	34
			416		00	21	73
			गट नंबर 416 और				
			412 के बीच का गाडी		00	01	69
			रास्ता				
			412		00	02	30
			413		00	00	32
			415		00	17	51
			453		00	19	20
			471		00	26	24
			470		00	40	09
			472		00	02	88
			468		00	06	72
			467		00	12	15
			525		00	32	67
			533		00	08	31
			584		00	04	97

तालूका : सटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
4	पवारवाडी (जारी)		534		00	28	39
			535		00	26	23
			548		00	04	53
			546		00	05	86
			545		00	01	54
			547		00	12	84
				योग	05	50	92
5	वर्धनगड		194		00	00	48
			195		00	02	55
			193		00	26	76
			220		00	19	38
			218		00	23	41
			गट नंबर 218, 217				
			और 216 के बीच में		00	04	00
			अस्फालटेड रास्ता				
			217		00	13	44
			216		00	01	87
			215		00	26	11
			315		00	42	31
			316		00	03	19
			337		00	07	91
			336		00	04	27
			334		00	00	20
			338		00	16	48
			गट नंबर 338, 336				
			और 334 के बीच में		00	05	26
			राज्य मार्ग 74				
			339		00	35	69
			340		00	13	41
			341		00	10	89
			329		00	04	57
				योग	02	62	18
6	पुसेगांव		1124		00	29	84
			1126		00	15	73

तालूका : अटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
6	पुसेगाँव (जारी)		1125		00	05	02
			1129		00	20	38
			1130		00	11	23
			1136		00	10	33
			1137		00	16	67
			994		00	03	99
			993		00	27	48
			1016		00	02	39
			1017		00	18	59
			1018		00	05	29
			1019		00	03	33
			1020		00	01	47
			987		00	05	05
			986		00	15	64
			983		00	00	05
			984		00	08	54
			985		00	06	12
			975		00	18	17
			974		00	00	05
			976		00	05	07
			977		00	37	44
			797		00	00	64
			774		00	38	53
			गट नंबर 774 में प्रमुख जिला मार्ग 20		00	06	01
			778		00	04	01
			776		00	12	84
			765		00	09	93
			764		00	07	03
			763		00	02	07
			761		00	01	78
			760		00	15	80
			759		00	38	50
				योग	04	05	01
7	विसापुर		777		00	08	10
			778		00	09	72
			779		00	21	60
			785		00	08	10
			786		00	15	75
			787		00	13	14

तालूका : खटाव			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
7	विसापुर (जारी)		894		00	09	09
			893		00	09	90
			892		00	06	75
			891		00	03	30
			890		00	07	31
			880		00	31	59
			858		00	15	30
			गट नंबर 858 और				
			1112 के बीच में		00	07	44
			नाला				
			1112		00	01	56
			1115		00	15	93
			1110		00	09	84
			1117		00	15	45
			1103		00	00	46
			1116		00	12	37
			1134		00	09	71
			1135		00	06	09
			1139		00	04	64
			गट नंबर 1139 के				
			पास का नाला		00	04	44
			1158		00	15	84
			1159		00	09	56
			1160		00	12	37
			1161		00	02	62
					योग	02	87
8	आतगुण		952		00	10	61
			950		00	03	86
			947		00	22	46
			946		00	00	24
			943		00	04	28
			942		00	04	55

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
8	खातगुण (जारी)		गट नंबर 942 और 801 के बीच की भूमि		00	10	64
			801		00	06	52
			827		00	00	80
			828		00	10	08
			829		00	10	00
			830		00	12	48
			842		00	12	99
			843		00	02	09
			841		00	05	23
			845		00	08	20
			847		00	10	84
			856		00	07	23
			861		00	01	53
			853		00	04	54
			854		00	05	10
			855		00	05	77
			865		00	07	40
			866		00	12	53
			867		00	04	00
			868		00	07	59
			871		00	31	68
			787		00	04	27
			533		00	37	82
			788		00	00	31
			786		00	48	39
			783		00	12	62
			700		00	12	01
			गट नंबर 700 में				
			नाला		00	02	39
			711		00	00	50
			710		00	05	30
			709		00	14	62
			707		00	10	78
			706		00	05	71
			705		00	05	07
			702		00	10	41
			704		00	08	51

तालूका : अछव			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल			
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर	
1	2	3	4	5	6	7	8	
8	खातगुण (जादी)		703		00	09	39	
			683		00	00	16	
			664		00	02	85	
			665		00	34	67	
			666		00	00	07	
			589		00	32	68	
			582		00	07	23	
			588		00	08	88	
			583		00	04	22	
			584		00	03	68	
			585		00	01	71	
			586		00	02	86	
			580		00	16	40	
			587		00	00	84	
योग					05	27	59	
9	जखणगाँव		344		00	29	04	
			345		00	07	13	
			348		00	22	54	
			346		00	00	10	
			10		00	11	40	
			9		00	45	82	
			8		00	01	25	
			7		00	00	15	
		गट नंबर 9 से 7 और						
		355 के बीच में				00	06	00
		अस्फालटेड रोस्ता						
			355		00	24	44	
			356		00	07	43	
			511		00	03	47	
			510		00	15	92	
			509		00	00	56	
			512		00	05	82	
		गट नंबर 513 में						
		अस्फालटेड रोस्ता				00	03	76
			514		00	07	63	
			516		00	06	44	
			515		00	00	01	
			533		00	00	95	
			517		00	02	11	

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
9	जखणगाव (जारी)		518		00	01	26
			532		00	12	12
			गट नंबर 532 और 538 के बीच में गाड़ी रस्ता		00	02	94
			538		00	10	55
			539		00	00	06
			544		00	07	64
			गट नंबर 544 और 569 के बीच में नाला		00	03	43
			569		00	04	27
			568		00	08	85
			567		00	04	14
			571		00	00	11
			731		00	15	24
			570		00	02	18
			732		00	02	72
			729		00	17	82
			728		00	11	79
			727		00	06	40
			696		00	13	10
			697		00	00	05
			693		00	08	50
			692		00	06	17
			691		00	04	75
			689		00	12	30
			698		00	68	86
			699		00	04	43
			700		00	00	05
			701		00	18	91
			1185		00	07	37
			1186		00	04	57
			1184		00	36	92
			1183		00	08	32
				योग	05	07	82
10	वडखल		130		00	85	14
			126		00	10	76
			113		00	00	92
			112		00	16	32

तालूका : खटाव			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8

10	वडखल (जारी)		111		00	00	57
			110		00	22	32
			109		00	03	68
			108		00	00	78
			104		00	19	81
			99		00	00	15
			100		00	16	11
			101		00	20	70
			95		00	17	09
			94		00	11	81
			93		00	17	70
			91		00	16	28
			92		00	03	88
			12		00	24	77
			13		00	22	78
			14		00	15	74
			16		00	39	90
			17		00	20	86
			56		00	00	42
			18		00	15	29
			19		00	00	57

गट नंबर 19 के आगे
और गाँव वडखल, भोसरे
की सीमा पर
भूमि

00 02 65

			योग	04	07	00
11	भोसरे	गाँव सीमा भोसरे और गट नंबर 1147 और 1130 के बीच में नाला		00	02	54
		1147		00	07	14
		1130		00	11	00
		1144		00	00	10
		1143		00	03	84
		1142		00	21	61
		1141		00	11	94
		1150		00	08	63

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
11	भोसरे (जमी)		1151		00	03	23
			गट नंबर 1151 और नाला के बीच में मेटल्ड रस्ता		00	02	53
			गट नंबर 1151, 1150, 1277 और 1278 के बीच में नाला		00	08	27
			1277		00	01	83
			1278		00	07	45
			1279		00	04	69
			1285		00	03	40
			गट नंबर 1285 और 1299 के बीच की भूमि		00	01	30
			1299		00	00	80
			1291		00	02	10
			1293		00	01	54
			1294		00	01	87
			1295 से 1308		00	01	18
			गट नंबर 1295 से 1308 के बीच में नाला		00	04	11
			1284		00	08	23
			गट नंबर 1311 के बीच में नाला		00	00	27
			1310		00	04	11
			1254		00	26	53
			गट नंबर 1254 और 30 के बीच में मेटल्ड रस्ता		00	00	95
			गट नंबर 29 और 30 के बीच की भूमि		00	00	36

तालूका : खटाव		जिला : सातारा			राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
11	भोसरे (जमी)		30		00	07	24
			31		00	02	92
			25		00	21	99
			69		00	13	78
			70		00	06	49
			71		00	00	90
			72		00	06	26
			67		00	09	71
			65		00	19	10
			64		00	00	76
			गट नंबर 64 और				
			146 के बीच में प्रमुख		00	04	72
			जिला मार्ग 44				
			146		00	44	95
			गट नंबर 146 और				
			153 के बीच में		00	04	11
			रास्ता				
			153		00	03	17
			152		00	05	20
			150		00	02	39
			151		00	10	16
			154		00	23	44
			172		00	06	75
			176		00	05	31
			175		00	15	11
			174		00	18	05
			180		00	11	62
			182		00	20	67
			183		00	27	90
			185		00	04	51
					योग	04	48
							76
12	लोणी		458		00	07	74
			457		00	16	79
			455		00	03	64
			450		00	22	49
			449		00	04	53
			448		00	06	10

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
12	लोणी (जारी)		447		00	26	33
			445		00	43	26
				योग	01	30	88
13	वरुड		1254		00	37	78
			1251		00	13	48
			1250		00	16	25
			1247		00	60	74
			1246		00	07	50
			1245		00	01	86
			1187		00	07	88
			1220		00	03	77
			1221		00	02	01
			1222		00	02	02
			1223		00	06	90
			1227		00	07	21
			1228		00	13	12
			1234		00	17	62
			1178		00	12	44
			गट नंबर 1176 और				
			852 के बीच में नाला		00	02	31
			852		00	21	11
			851		00	35	40
			840		00	22	86
			839		00	14	69
			756	अ	00	14	64
			गट नंबर 756 अ में				
			नाला		00	02	64
			758		00	08	73
			759		00	22	25
					00	13	16
			747		00	03	84
			746		00	03	87
			747		00	06	51
			715		00	69	72
			718		00	18	57
			717		00	36	99

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
13	वरुड (जारी)		गट नंबर 717 में नाला		00	01	07
			723		00	57	74
			गट नंबर 723 और 724 के बीच में जिला मार्ग		00	02	32
			724		00	10	54
				योग	05	79	52
14	औंध	21			00	15	22
		18			00	21	53
		57			00	37	68
		58			00	42	37
		59			00	49	15
		52			00	90	51
		50			00	25	06
		45			00	44	70
		60			00	18	00
		61			00	73	46
		सर्वे नंबर 61 और 125 के बीच में मेटललड रस्ता			00	03	60
		126			00	10	53
		127			00	01	31
		125			00	58	05
		124			00	30	96
		132			00	18	96
		133			00	18	08
		134			00	18	23
		सर्वे नंबर 134 और 167 के बीच में अस्फालटेड रस्ता			00	01	93
		167			00	34	64
		166			00	24	87
		सर्वे नंबर 166 में नाला			00	04	08
		137			00	08	61
		165			00	36	32
		163			00	31	89

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
1	2	3	4	5	हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
14	औध (जारी)				6	7	8
		162			00	41	03
		184			00	01	97
		185			00	37	86
		186			00	29	10
		187			00	11	01
		188			00	09	99
		189			00	18	94
		190			00	23	10
		192			00	21	21
		193			00	12	69
		194			00	56	02
				योग	09	82	66
15	खरशिंगे		338		00	13	00
			335		00	10	93
			334		00	00	60
			333		00	15	84
			332		00	22	21
			331		00	00	89
			104		00	51	92
			106		00	24	87
			119		00	06	65
			120		00	00	09
			121		00	07	62
		गट नंबर 121 में					
		मेटल्ड रास्ता			00	02	29
			122		00	02	29
			123		00	03	21
			124		00	01	83
			126		00	02	19
			125		00	09	41
			154		00	00	05
			153		00	09	11
			165		00	02	70
			152		00	00	37
			164		00	11	08
		गट नंबर 164 और					
		176 के बीच में नाला			00	05	43
		↓					
			178		00	00	18

तालूका : खटाव			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
15	खरशिगे (जारी)		176		00	15	18
			764		00	19	10
			गट नंबर 764 और				
			776 से 799 के		00	05	18
			बीच में मेवल्ड रोड				
			776 से 799		00	37	74
			814	ब	00	11	42
			817		00	08	07
			816		00	20	60
			823		00	29	67
योग					03	51	72
16	येलीघ		252		00	12	95
			253		00	11	07
			254		00	07	68
			255		00	11	60
			827		00	06	39
योग					00	49	69
17	पळशी		925		00	00	10
			924		00	02	68
			922		00	22	41
			921		00	09	81
			951		00	12	43
			920		00	09	32
			919		00	09	59
			870		00	03	72
			872		00	17	32
			873		00	17	38
			गट नंबर 873 में				
			राज्य मार्ग 69		00	04	26
			874		00	02	24
			834		00	01	67
			835		00	09	42
			860		00	06	75
			861		00	13	30
			862		00	11	28
			849		00	11	14

तालुका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
17	पळशी (जारी)		846		00	08	27
			847		00	15	75
			845		00	08	66
			गट नंबर 845 और 844 के बीच में कनाल		00	08	33
			844		00	06	99
			843		00	02	48
योग					02	15	30
18	लाडेगाँव		33		00	00	59
			122		00	41	43
			114		00	01	78
			113		00	01	74
			115		00	00	05
			112		00	02	18
			107		00	02	16
			106		00	02	16
			गट नंबर 106 और 98 के बीच की भूमि		00	05	26
			98		00	02	96
			90		00	01	37
			89		00	02	24
			88		00	02	80
			85		00	00	11
			87		00	01	42
			86		00	03	33
			83		00	01	63
			82		00	03	68
			77		00	25	92
			80		00	00	05
			75		00	01	71
			74		00	01	65
			गट नंबर 74 और 149 के बीच में नाला		00	06	69
			148		00	00	05
			149		00	29	17

तालूका : खटाव			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
18	लाडेगाव (जारी)		167		00	01	16
			160		00	00	28
			162		00	05	79
			161		00	04	51
			163		00	10	81
			164		00	06	26
			245		00	05	81
			247		00	13	43
			245		00	16	63
			गट नंबर 245 और				
			305 के बीच मेंटल्ड		00	03	02
			रास्ता ↓				
			305		00	09	39
			306		00	03	17
			307		00	00	05
			304		00	09	29
			302		00	07	93
			311		00	08	28
			312		00	19	03
			333		00	02	30
			332		00	00	80
			331		00	01	09
			330		00	01	80
			329		00	02	19
			312		00	01	09
			328		00	04	01
			327		00	00	04
			324		00	28	71
			323		00	11	72
			322		00	16	45
			382		00	00	63
			378		00	11	81
			389		00	00	05
			388		00	30	02
			394		00	02	35
			395		00	04	29
			396		00	08	01
			393		00	01	07
			397		00	02	64
			399		00	00	03
योग					03	98	07

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
19	वांझोली		326		00	07	14
			327		00	03	15
			328		00	06	02
			342		00	22	99
			344		00	34	69
			345		00	09	54
			346		00	16	61
			गट नंबर 346 और				
			347 के बीच में		00	04	02
			रास्ता				
			347		00	15	81
			348		00	29	79
			गट नंबर 348 और				
			349 के बीच में		00	05	69
			नाला				
			349		00	68	25
			350		00	22	06
			351		00	28	90
				योग	02	74	66
20	रहाटणी		613		01	00	25
			612		00	81	45
			गट नंबर				
			612, 651, 650 और				
			610 के बीच में		00	03	13
			अस्पगलटेड रस्ता				
			610		00	06	88
			588		00	14	79
			589		00	30	10
			580		00	40	35
			590		00	23	48
			591		00	07	44
			गट नंबर 591 और				
			580 के बीच में नाला		00	05	74
			579		00	00	10
			561		00	24	23

तालूका : खटाव			जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र		
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
20	रहाटणी (जारी)		गट नंबर 579, 580 और 561 के बीच में अस्पलटेड रस्ता		00	01	83
			572		00	38	06
			568		00	00	25
			567		00	07	87
			566		00	01	19
			565		00	14	93
			562		00	04	09
			563		00	24	09
				योग	04	30	25
21	चोराडे		1410		00	12	79
			1409		00	12	81
			1399		00	10	52
			गट नंबर 1399				
			और 1398 में		00	02	78
			राज्य मार्ग 73				
			1398		00	07	81
			1397	1	00	66	33
			1395		00	16	29
			1396		00	05	64
			1394		00	01	84
			1391		00	14	38
			1392		00	12	15
			1372		00	10	80
			1364		00	00	15
			1366		00	08	55
			1367		00	01	56
			1371		00	23	49
			1370		00	00	15
			1369		00	07	99
			1313	1 अ	00	01	25
			1313	2	00	00	05

तालूका : अटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
21	चोराडे (जारी)		गट नंबर 1369 और 1315 के बीच में नाला		00	08	78
			1315		00	01	83
			1314		00	23	60
			970		00	10	09
			969		00	04	73
			967		00	04	47
			964		00	00	50
			963		00	02	87
			962		00	04	73
			गट नंबर 962 और 931 के बीच का मेटल्ड रास्ता		00	03	44
			931		00	42	58
			गट नंबर 931 में मेटल्ड रास्ता		00	02	15
			743		00	16	09
			779		00	05	63
			767	1	00	07	99
			766		00	03	44
			763		00	08	08
			761		00	01	22
			760		00	00	34
			762		00	01	01
			759		00	03	76
			747	1	00	15	16
			747	2	00	00	94
			गट नंबर 747/1 और 747/2 के बीच में नाला		00	03	07
			748		00	12	71
			750		00	08	33
			751		00	09	45
			754		00	05	03
			755		00	10	24
			789		00	02	81
			791		00	00	10
			795	1	00	20	93
			795	2	00	04	27

तालूका : खटाव		जिला : सातारा		राज्य : महाराष्ट्र			
क्रम सं.	गाव का नाम	सर्वे नंबर	गट नंबर	उप-खण्ड सं.	क्षेत्रफल		
					हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
21	चोराडे (मारी)		796		00	07	34
			800		00	30	12
			705		00	07	01
					कुल	05	11
						17	

[फा. सं. आर-31015/32/2004-ओ.आर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 29th October, 2004

S. O. 2734.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Loni to Pakni via Hazarwadi in the State of Maharashtra, an extension pipeline should be laid by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri M.V.Chitnis, Competent Authority, Mumbai-Pune Pipeline Extension Project (from Loni to Pakni via Hazarwadi), Hindustan Petroleum Corporation Ltd., Loni Terminal, Kadamwakwasti Village, Haveli Taluka, Pune District, Maharashtra-412 201

SCHEDULE

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	MOL		148		00	37	16
			MDR - 20 in Gat No				
			148		00	01	94
			159		00	14	47
			160		00	48	58
			206		00	19	06
			205		00	52	11
			200		00	00	12
			224		00	03	25
			199		00	44	08
			225		00	55	88
			243		00	07	41
			242		00	60	68
			269		00	12	27
			274		00	04	82
			273		00	21	54
			280		00	08	42
			279		00	00	02
			276		00	15	89
			278		00	01	62
			277		00	06	07
			357		00	15	24
			358		00	36	94
			435		00	04	00
			434		00	03	20
			433		00	02	29
			432		00	01	84
			431		00	00	17
			427		00	00	05
			428		00	00	10
			429		00	00	05
			424		00	06	86

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hasani	Area	Survey
1	2	3	4	5	6	7	8
1	MOL (Contd.)		389-390, 395-419		00	50	94
			386(P)		00	00	10
			389 (P)		00	07	15
			MDR - 20 in Gat No.				
			388, 532, 533,		00	04	67
			534, 535, 536,				
			537 & 544				
			388(P)		00	12	31
			532(P)		00	05	22
			533		00	01	62
			534		00	00	86
			536		00	01	58
			538		00	01	60
			539		00	01	85
			540(P)		00	01	85
			544(P)		00	03	29
			545(P)		00	01	75
			546(P)		00	01	99
			547(P)		00	02	58
			548(P)		00	02	51
			550(P)		00	04	43
			551(P)		00	04	37
			553		00	01	41
			554		00	01	10
			555		00	01	00
			556		00	00	90
			557		00	00	86
			558		00	00	77
			559		00	00	81
			564		00	03	69
			565		00	01	24
			566		00	01	36
			568(P)		00	03	93
			572		00	02	03

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	MOL (Contd.)		573(P)		00	01	98
			574		00	01	24
			575		00	01	30
			576		00	01	46
			579		00	02	22
			580		00	02	87
			581		00	02	16
			582		00	02	51
			597		00	10	56
			Nala in between Gat No 581, 582 & 597		00	01	92
			605(P)		00	04	45
			607		00	04	95
			608		00	03	12
			598		00	04	77
			610		00	06	21
			611		00	03	60
			613		00	19	77
			612		00	12	98
			Nala near Gat No 614		00	02	36
			614		00	02	82
			Nala in Gat No 614		00	02	52
			615		00	12	80
			641		00	00	09
			639		00	11	27
			638		00	04	83
			637		00	07	50
			646		00	00	10
			647		00	17	33
			658		00	12	07
			657		00	11	31
			656		00	06	44
			655		00	01	59

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
1	MOL (Conda)		685		00	13	80
			684		00	26	19
Total					08	36	99
2	DISKAL		3365		00	19	83
			3373		00	10	85
			Nala in between Gat No 3365, 3374 & 3373		00	03	20
			3374		00	02	30
			3375		00	05	97
			3377		00	06	81
			3371		00	07	16
			3380	2	00	12	44
			3380	1	00	00	05
			3380	3	00	29	53
			3380	4	00	00	44
			Nala in between GatNo 3380/4, 1885 & 3380/3		00	04	27
			1885		00	55	70
			Nala in between Gat No 1886 & 1250		00	03	33
			1886		00	01	78
			1250		00	03	83
			1249		00	08	52
			1251		00	00	93
			1256		00	00	40
			1248		00	06	50
			1247		00	05	69
			1241		00	11	22
			1240		00	19	23
			1239		00	12	11

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
2	DISKAL (Contd.)						
			Nala in between Gat No 1139, 1129 & 1133		00	03	62
			1129		00	03	89
			1133		00	01	05
			Area between Gat No 1133 & 1134		00	21	00
			Metalled road in Gat No 1134 & 1135		00	03	92
			1134		00	06	68
			1135		00	08	47
			1136		00	05	73
			1137		00	06	15
			1138		00	01	71
			1142		00	04	54
			1143		00	05	08
			1144		00	05	64
			1145		00	08	36
			1146		00	02	97
			1147		00	02	72
			1148		00	02	75
			1149		00	05	81
			1150		00	07	80
			1151		00	03	35
			1152		00	01	42
			1153		00	02	85
			1154		00	36	82
			Nala in between Gat No 1154 & 419/6		00	02	64
			419	6	00	23	76

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
2	DISKAL (Contd.)		411	1	00	04	41
			411	5	00	00	58
			411	6	00	23	31
			411	2	00	10	23
			411	11	00	00	21
			411	12	00	00	09
			412		00	40	23
			413	2(1)	00	03	94
			413	2(2)	00	04	46
			413	2(3)	00	05	84
			413	2(5)	00	06	68
			413	2(6)	00	05	78
			413	2(7)	00	04	43
			413	2(8)	00	05	89
			413	2(9)	00	03	21
			413	5	00	00	15
Total					05	30	26
3	LALGUN		321		00	13	09
			320		00	05	04
			319		00	30	74
			326	1	00	05	58
			325		00	00	04
			326	2	00	03	88
			327		00	03	23
			329		00	07	60
			330		00	01	24
			331		00	02	89
			332		00	01	98
			333		00	05	27
			334		00	10	65
			335		00	10	99
			338		00	07	78
			369		00	08	83

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
3	LALGUN (Contd.)		Stream in between Gat No 389 & 374		00	02	73
			373		00	14	42
			372		00	12	62
			Metalled Road in Gat No 383		00	02	27
			383		00	16	12
			385		00	05	55
			386		00	04	35
			387		00	07	65
			391		00	05	90
			396		00	29	17
			835		00	18	49
			411		00	05	61
			409 & 410		00	13	01
			422		00	13	05
			423		00	02	96
			Yerla River in between Gat No 423 & 114		00	09	10
			114		00	20	42
			103		00	20	40
			100		00	06	23
			39	9	00	06	10
			39	8	00	14	31
			39	7	00	14	39
			39	6	00	25	18
			Asphalted Road In Gat No 41		00	01	60
			41		00	13	41
			39	1	00	10	45
			1158		00	05	41
			140		00	23	82
			802		00	27	05
			801		00	00	59
			1142		00	16	14
			1190		00	00	05

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
3	LALGUN (Contd.)		1191		00	24	91
			1192		00	23	90
			1208		00	02	78
			1206		00	22	57
			Nala in Gat No 1206		00	01	96
			1205		00	06	57
			1203		00	00	87
			1204		00	08	37
			1256		00	13	71
			1257		00	04	56
			1260		00	04	27
			Area in between Gat No 1260 & 1252		00	10	07
			1372		00	29	87
			1371		00	10	67
			1368	B	00	26	29
			1366		00	17	46
			1367		00	01	13
			1365		00	06	29
			1364		00	04	95
			1363		00	29	23
			1362	2	00	63	56
			1385		00	00	12
			1387		00	02	09
			1386		00	23	46
			1389		00	09	78
			1433		00	27	51
			1432		00	11	80
			Stream in Gat No 1445		00	01	03
			1445		00	09	96
			1471		00	04	09
			1454		00	21	12
			1452		00	18	37
			1453		00	03	59
			1462		00	08	07
			1480		00	33	45
Total					09	75	51

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
4	PAWARWADI		338		00	68	49
			335		00	10	78
			336		00	04	47
			356		00	12	12
			361		00	00	22
			360		00	08	49
			359		00	06	02
			358		00	09	97
			351		00	11	59
			Road in between Gat Nos 351, 391 & 393		00	01	89
			393		00	08	83
			391		00	02	39
			392		00	38	84
			394		00	26	35
			417		00	25	98
			396		00	38	34
			416		00	21	73
			Cart Track in between Gat No 416 & 412		00	01	69
			412		00	02	30
			413		00	00	32
			415		00	17	51
			453		00	19	20
			471		00	26	24
			470		00	40	09
			472		00	02	88
			468		00	06	72
			467		00	12	15
			525		00	32	67
			533		00	08	31
			584		00	04	97

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Acre	Sq.mt.
1	2	3	4	5	6	7	8
4	PAWARWADI (Contd.)		534		00	28	39
			535		00	26	23
			548		00	04	53
			546		00	05	86
			545		00	01	54
			547		00	12	84
				Total	05	90	90
5	VARDHANGAD		194		00	00	48
			195		00	02	55
			193		00	26	76
			220		00	19	38
			218		00	23	41
			Asphalted road in between Gat No 218, 217 & 216		00	04	00
			217		00	13	44
			216		00	01	87
			215		00	26	11
			315		00	42	31
			316		00	03	19
			337		00	07	91
			336		00	04	27
			334		00	00	20
			338		00	16	48
6	PUSEGAON		SH - 74 in between Gat No 338, 336 & 334		00	05	26
			339		00	35	69
			340		00	13	41
			341		00	10	89
			329		00	04	57
				Total	02	62	18
			1124		00	29	84
			1126		00	15	73

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
1	2	3	4	5	Hectare	Are	Sq.mt
6	PUSEGAON (Contd.)		1125		00	05	02
			1129		00	20	38
			1130		00	11	23
			1136		00	10	33
			1137		00	16	67
			994		00	03	99
			993		00	27	48
			1016		00	02	39
			1017		00	18	59
			1018		00	05	29
			1019		00	03	33
			1020		00	01	47
			987		00	05	05
			986		00	15	64
			983		00	00	05
			984		00	08	54
			985		00	06	12
			975		00	18	17
			974		00	00	05
			976		00	05	07
			977		00	37	44
			797		00	00	64
			774		00	38	53
			MDR - 20 in Gat No 774		00	06	01
			778		00	04	01
			776		00	12	84
			765		00	09	93
			764		00	07	03
			763		00	02	07
			761		00	01	78
			760		00	15	80
			759		00	38	50
			Total		04	05	01
7	VISAPUR		777		00	08	10
			778		00	09	72
			779		00	21	60
			785		00	08	10
			786		00	15	75
			787		00	13	14

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area			
					Hectare	Are	Sq.mt	
1	2	3	4	5	6	7	8	
7	VISAPUR (Contd.)		894		00	09	09	
			893		00	09	90	
			892		00	06	75	
			891		00	03	30	
			890		00	07	31	
			880		00	31	59	
			858		00	15	30	
			Nala in between Gat No 858 & 1112			00	07	44
			1112		00	01	56	
			1115		00	15	93	
			1110		00	09	84	
			1117		00	15	45	
			1103		00	00	46	
			1116		00	12	37	
			1134		00	09	71	
			1135		00	06	09	
			1139		00	04	64	
			Nala adjacent to Gat No 1139			00	04	44
			1158		00	15	84	
			1159		00	09	56	
			1160		00	12	37	
			1161		00	02	62	
Total					02	87	97	
8	KHATGUN		952		00	10	61	
			950		00	03	86	
			947		00	22	46	
			946		00	00	24	
			943		00	04	28	
			942		00	04	55	

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
8	KHATGUN (Contd.)						
			Area between Gat No 942 & 801		00	10	64
			801		00	06	52
			827		00	00	80
			828		00	10	08
			829		00	10	00
			830		00	12	48
			842		00	12	99
			843		00	02	09
			841		00	05	23
			845		00	08	20
			847		00	10	84
			856		00	07	23
			861		00	01	53
			853		00	04	54
			854		00	05	10
			855		00	05	77
			865		00	07	40
			866		00	12	53
			867		00	04	00
			868		00	07	59
			871		00	31	68
			787		00	04	27
			533		00	37	82
			788		00	00	31
			786		00	48	39
			783		00	12	62
			700		00	12	01
			Nala in Gat No 700		00	02	39
			711		00	00	50
			710		00	05	30
			709		00	14	62
			707		00	10	78
			706		00	05	71
			705		00	05	07
			702		00	10	41
			704		00	08	51

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
8	KHATGUN (Contd.)		703		00	09	39
			683		00	00	16
			664		00	02	85
			665		00	34	67
			666		00	00	07
			589		00	32	68
			582		00	07	23
			588		00	08	88
			583		00	04	22
			584		00	03	68
			585		00	01	71
			586		00	02	86
			580		00	16	40
			587		00	00	84
Total					05	27	59
9	JAKHANGAON		344		00	29	04
			345		00	07	13
			348		00	22	54
			346		00	00	10
			10		00	11	40
			9		00	45	82
			8		00	01	25
			7		00	00	15
			Asphalted Road in between Gat No 9 to 7 & 355		00	06	00
			355		00	24	44
			356		00	07	43
			511		00	03	47
			510		00	15	92
			509		00	00	56
			512		00	05	82
			Asphalted Road in Gat No 513		00	03	76
			514		00	07	63
			516		00	06	44
			515		00	00	01
	533		00	00	95		
	517		00	02	11		

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
9	JAKHANGAON (Contd.)		518		00	01	26
			532		00	12	12
			Cart-Track in between Gat No 532 & 538		00	02	94
			538		00	10	55
			539		00	00	06
			544		00	07	64
			Nala in between Gat No 544 & 569		00	03	43
			569		00	04	27
			568		00	08	85
			567		00	04	14
			571		00	00	11
			731		00	15	24
			570		00	02	18
			732		00	02	72
			729		00	17	82
			728		00	11	79
			727		00	06	40
			696		00	13	10
			697		00	00	05
			693		00	08	50
			692		00	06	17
			691		00	04	75
			689		00	12	30
			698		00	68	86
			699		00	04	43
			700		00	00	05
			701		00	18	91
			1185		00	07	37
			1186		00	04	57
			1184		00	36	92
			1183		00	08	35
<i>Total</i>					05	07	82
10	VADKHAL		130		00	85	14
			126		00	10	76
			113		00	00	92
			112		00	16	32

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area			
					Hectare	Are	Sq.mt	
1	2	3	4	5	6	7	8	
10	VADKHAL (Contd.)		111		00	00	57	
			110		00	22	32	
			109		00	03	68	
			108		00	00	78	
			104		00	19	81	
			99		00	00	15	
			100		00	16	11	
			101		00	20	70	
			95		00	17	09	
			94		00	11	81	
			93		00	17	70	
			91		00	16	28	
			92		00	03	88	
			12		00	24	77	
			13		00	22	78	
			14		00	15	74	
			16		00	39	90	
			17		00	20	36	
			56		00	00	42	
			18		00	15	29	
			19		00	00	57	
			Area next to Gat No 19 & VB of Bhosre				00	02
					Total	04	07	00
11	BHOSRE		Nala on V.B. of Bhosre village & Gat No 1147 & 1130					
					00	02	54	
			1147		00	07	14	
			1130		00	11	00	
			1144		00	00	10	
			1143		00	03	84	
			1142		00	21	61	
			1141		00	11	94	
			1150		00	08	63	

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
11	BHOSRE (Contd.)		1151		00	03	23
			Metalled Road between Gat No 1151 & Nala		00	02	53
			Nala between Gat No 1151, 1150, 1277 & 1278		00	08	27
			1277		00	01	83
			1278		00	07	45
			1279		00	04	69
			1285		00	03	40
			Area between Gat No 1285 & 1299		00	01	30
			1299		00	00	80
			1291		00	02	10
			1293		00	01	54
			1294		00	01	87
			1295 To 1308		00	01	18
			Stream in Gat No 1295 To 1308		00	04	11
			1284		00	08	23
			Stream in Gat No 1311		00	00	27
			1310		00	04	11
			1254		00	26	53
			Metalled Road in between Gat No 1254 & 30		00	00	95
			Area in between Gat No 29 & 30		00	00	36

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA				
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area			
					Hectare	Are	Sq.mt	
1	2	3	4	5	6	7	8	
11	BHOSRE (Contd.)		30		00	07	24	
			31		00	02	92	
			25		00	21	99	
			69		00	13	78	
			70		00	06	49	
			71		00	00	90	
			72		00	06	26	
			67		00	09	71	
			65		00	19	10	
			64		00	00	76	
			MDR - 44 in between Gat No 64 & 146			00	04	72
			146		00	44	95	
			Road in between Gat No 146 & 153			00	04	11
			153		00	03	17	
			152		00	05	20	
			150		00	02	39	
			151		00	10	16	
			154		00	23	44	
			172		00	06	75	
			176		00	05	31	
			175		00	15	11	
			174		00	18	05	
			180		00	11	62	
			182		00	20	67	
			183		00	27	90	
			185		00	04	51	
Total					04	48	76	
12	LONI		458		00	07	74	
			457		00	16	79	
			455		00	03	64	
			450		00	22	49	
			449		00	04	53	
			448		00	06	10	

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
12	LONI (Contd.)		447		00	26	33
			445		00	43	26
				Total	01	30	88
13	VARUD		1254		00	37	78
			1251		00	13	48
			1250		00	16	25
			1247		00	60	74
			1246		00	07	50
			1245		00	01	86
			1187		00	07	86
			1220		00	03	77
			1221		00	02	01
			1222		00	02	02
			1223		00	06	90
			1227		00	07	21
			1228		00	13	12
			1234		00	17	62
			1178		00	12	44
			Nala in between Gat No 1176 & 852		00	02	31
			852		00	21	11
			851		00	35	40
			840		00	22	86
			839		00	14	69
			756	A	00	14	64
			Nala in Gat No 756/A		00	02	64
			758		00	08	73
			759		00	22	25
			748		00	13	16
			747		00	03	84
			746		00	03	87
			747		00	06	51
			715		00	69	72
			718		00	18	57
			717		00	36	99

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
13	VARUD (Contd.)		Stream in Gat No		00	01	07
			717				
			723		00	57	74
			ODR in between Gat 723 & 724		00	02	32
			724		00	10	54
Total					05	79	52
14	AUNDH	21			00	15	22
		18			00	21	53
		57			00	37	68
		58			00	42	37
		59			00	49	15
		52			00	90	51
		50			00	25	06
		45			00	44	70
		60			00	18	00
		61			00	73	46
		Metalled Road in between Survey No 61 & 125			00	03	60
		126			00	10	53
		127			00	01	31
		125			00	58	05
		124			00	30	96
		132			00	18	96
		133			00	18	08
		134			00	18	23
		Asphalted Road in between Survey No 134 & 167			00	01	93
		167			00	34	64
		166			00	24	87
		Nala in Survey No			00	04	08
		166					
		137			00	08	61
		165			00	36	32
		163			00	31	89

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
14	AUNDH (Contd.)	162			00	41	03
		184			00	01	97
		185			00	37	86
		186			00	29	10
		187			00	11	01
		188			00	09	99
		189			00	18	94
		190			00	23	10
		192			00	21	21
		193			00	12	69
		194			00	56	02
Total					09	82	66
15	KHARSHINGE		338		00	13	00
			335		00	10	93
			334		00	00	60
			333		00	15	84
			332		00	22	21
			331		00	00	89
			104		00	51	92
			106		00	24	87
			119		00	06	65
			120		00	00	09
			121		00	07	62
			Metalled Road in				
			Gat No 121		00	02	29
			122		00	02	29
			123		00	03	21
			124		00	01	83
			126		00	02	19
			125		00	09	41
			154		00	00	05
			153		00	09	11
			165		00	02	70
			152		00	00	37
			164		00	11	08
			Stream between				
			Gat No 164 & 176		00	05	43
			178		00	00	18

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq. mt
1	2	3	4	5	6	7	8
15	KHARSHINGE (Contd.)		176		00	15	18
			764		00	19	10
			Metalled Road in between Gat No 764 & 776 to 799		00	05	18
			776 To 799		00	37	74
			814	B	00	11	42
			817		00	08	07
			816		00	20	60
			823		00	29	67
			Total		03	51	72
			252		00	12	95
16	YELEEV		253		00	11	07
			254		00	07	68
			255		00	11	60
			827		00	06	39
			Total		00	49	69
17	PALSHI		925		00	00	10
			924		00	02	68
			922		00	22	41
			921		00	09	81
			951		00	12	43
			920		00	09	32
			919		00	09	59
			870		00	03	72
			872		00	17	32
			873		00	17	38
			SH - 69 in Gat No 873		00	04	26
			874		00	02	24
			834		00	01	67
			835		00	09	42
			860		00	06	75
			861		00	13	30
			862		00	11	28
			849		00	11	14

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
1	2	3	4	5	Hectare	Are	Sq.mt
17	PAL-SHI (Contd.)		846		00	08	27
			847		00	15	75
			845		00	08	66
			Canal in between Gat No 845 & 844		00	08	33
			844		00	06	99
			843		00	02	48
Total					02	15	30
18	LADEGAON		33		00	00	59
			122		00	41	43
			114		00	01	78
			113		00	01	74
			115		00	00	05
			112		00	02	18
			107		00	02	16
			106		00	02	16
			Area in between Gat No 106 & 98		00	05	26
			98		00	02	96
			90		00	01	37
			89		00	02	24
			88		00	02	80
			85		00	00	11
			87		00	01	42
			86		00	03	33
			83		00	01	63
			82		00	03	68
			77		00	25	92
			80		00	00	05
			75		00	01	71
			74		00	01	65
			Nala in between Gat No 74 & 149		00	06	69
			148		00	00	05
			146		00	29	17

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
18	LADEGAON (Contd.)		167		00	01	16
			160		00	00	28
			162		00	05	79
			161		00	04	51
			163		00	10	81
			164		00	06	26
			245		00	05	81
			247		00	13	43
			245		00	16	63
			Metalled Road in between Gat No 245 & 305		00	03	02
			305		00	09	39
			306		00	03	17
			307		00	00	05
			304		00	09	29
			302		00	07	93
			311		00	08	28
			312		00	19	03
			333		00	02	30
			332		00	00	80
			331		00	01	09
			330		00	01	80
			329		00	02	19
			312		00	01	09
			328		00	04	01
			327		00	00	04
			324		00	28	71
			323		00	11	72
			322		00	16	45
			382		00	00	63
			378		00	11	81
			389		00	00	05
			388		00	30	02
			394		00	02	35
			395		00	04	29
			396		00	08	01
			393		00	01	07
			397		00	02	64
			399		00	00	03
Total					03	98	07

Taluka : KHATAV		District : SATARA		State : MAHARASHTRA			
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
19	VANJHOLI		326		00	07	14
			327		00	03	15
			328		00	06	02
			342		00	22	99
			344		00	34	69
			345		00	09	54
			346		00	16	61
			Metalled Road in between Gat No 346 & 347		00	04	02
			347		00	15	81
			348		00	29	79
			Nala in between Gat No 348 & 349		00	05	69
			349		00	68	25
			350		00	22	06
			351		00	28	90
Total					02	74	66
20	RAHATNI		613		01	00	25
			612		00	81	45
			Asphalted Road in between Gat No 612, 651, 650 & 610		00	03	13
			610		00	06	88
			588		00	14	79
			589		00	30	10
			580		00	40	35
			590		00	23	48
			591		00	07	44
			Nala in between Gat No 591 & 580		00	05	74
			579		00	00	10
			561		00	24	23
			Asphalted Road in between Gat No 579, 580 & 561		00	01	83
			572		00	38	06

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
					Hectare	Are	Sq.mt
1	2	3	4	5	6	7	8
20	RAHATNI (Contd.)		568		00	00	25
			567		00	07	87
			566		00	01	19
			565		00	14	93
			562		00	04	09
			563		00	24	09
Total					04	30	25
21	CHORADE		1410		00	12	79
			1409		00	12	81
			1399		00	10	52
			SH - 73 between Gat No 1399 & 1398		00	02	78
			1398		00	07	81
			1397	1	00	66	33
			1395		00	16	29
			1396		00	05	64
			1394		00	01	84
			1391		00	14	38
			1392		00	12	15
			1372		00	10	80
			1364		00	00	15
			1366		00	08	55
			1367		00	01	56
			1371		00	23	49
			1370		00	00	15
			1369		00	07	99
			1313	1A	00	01	25
			1313	2	00	00	05
			Nala in between Gat No 1369 & 1315		00	08	78
			1315		00	01	83
			1314		00	23	60
			970		00	10	09

Taluka : KHATAV			District : SATARA		State : MAHARASHTRA		
Sr. No.	Name of the Village	Survey No.	Gat No.	Sub-Division No.	Area		
1	2	3	4	5	Hectare	Acre	Sq.mt
21	CHORADE (Contd.)						
			969		00	04	73
			967		00	04	47
			964		00	00	50
			963		00	02	87
			962		00	04	73
			Metalled Road in between Gat No 962 & 931		00	03	44
			931		00	42	58
			Metalled Road in Gat No 931		00	02	15
			743		00	16	09
			779		00	05	63
			767	1	00	07	99
			766		00	03	44
			763		00	06	08
			761		00	01	22
			760		00	00	34
			762		00	01	01
			759		00	03	76
			747	1	00	15	16
			747	2	00	00	04
			Nala in between Gat No 747/1 & 747/2		00	03	07
			748		00	12	71
			750		00	08	33
			751		00	09	45
			754		00	06	03
			755		00	10	24
			789		00	02	81
			791		00	00	10
			795	1	00	20	93
			795	2	00	04	27
			796		00	07	34
			800		00	30	12
			705		00	07	01
Total					05	11	17

[No. R-31015/32/2004-O.R.-II]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नव मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2004

का. आ. 2735.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एफ. सी. आई. प्रबंधन के संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, पटना (संदर्भ संख्या 50/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-09-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/41/99-आई.आर. (सीएम-II)]

एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 30th September, 2004

S.O. 2735.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. 50/2000) of the Industrial Tribunal, Patna as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, received by the Central Government on 30-09-2004.

[No. L-22012/41/99-IR(CM-II)]
N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER,
INDUSTRIAL TRIBUNAL, PATNA

Reference Case No. 5C of 2000

Management of Food Corporation of India, 12, Purulia Road, Ranchi-I and their workmen represented by the State Joint Secretary (Welfare), F. C. I. Executive Staff Union, C/o F. C. I. Arunachal Building, Exhibition Road, Patna

For the Management : Sri S. K. Gangopadhyay,
District Manager, F. C. I. &
Others.

For the Workmen : Sri Vijayendra Kumar,
Regional Secretary, F. C. I.,
Executive Staff Union.

PRESENT :

Priya Saran, Presiding Officer, Industrial Tribunal,
Patna.

AWARD

Patna, dated the 23rd September, 2004

By the adjudication order No. L-22012/41/99-IR (CM-II) dated 20/28-06-2000, the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi has referred, under

Clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter to be referred to as 'the Act'), the following dispute between the management of Food Corporation of India, 12, Purulia Road, Ranchi and their workmen represented by the State Joint Secretary, FCI Executive Staff Union, C/o FCI Arunachal Building, Exhibition Road, Patna for adjudication to this Tribunal :

"Whether the demand of the union to regularise Smt. Balo Devi and 27 others in service by the FCI, Ranchi is justified and correct? If so, to what relief these workmen are entitled?"

2. Both the parties have filed written statement and contested the reference. They have adduced oral and documentary evidence as well. This reference has come up for decision pursuant to dispute espoused by Food Corporation of India, Executive Staff Union (for short 'Union') against the management of Food Corporation of India (for short 'Management') with claim to regularise Smt. Balo Devi and 27 other workers in service by the FCI, Ranchi.

3. In short, Union's case is that the concerned workers were employed since 1978 at the Railway Siding, Tatisilwai under management's control after establishment of FCI Godown to clean and sweep foodgrains, and packup loose grains in bags at the Railway Siding and Godown both. For a short time, Food Corporation of India had appointed Handling and Transport Contractor with a view to deprive workers of their legal rights, when they received their wages through the said contractor. This system was discontinued after protest and the management started direct payment from 1986. It is further stated in written statement that about 200 other labourers were also working there, who were members of FCI Worker's Union and 189 of them have already been regularised w.e.f. 1-6-1993. The management did not consider the case of present workmen inspite of repeated representations as they were not the members of the said union. Management's discriminatory attitude against similarly situated workmen, while 1000 others have been regularised in service by the FCI, is an unfair labour practice. Concerned workers are still discharging their duties but payment to them has stopped on the plea to consider the same after present decision. The union has accordingly prayed for regularisation of services of concerned workers namely Smt. Balo Devi and 27 others from the date other 189 workers of Tatisilwai Godown were regularised.

4. The management on the other hand has denied union's claim by stating in their written statement/rejoinder that the address and other particulars of workers are not mentioned in the reference, that the reference is much belated, that there was neither any demand by the workers nor any refusal by the management, that the union does not exist in the eye of law and the reference is not

maintainable. The management's further case is that a contractor was appointed by the FCI for handling and transport work from 16-9-1985 for two years, but he abandoned the job w.e.f. 30-3-1986. The management thereafter made an ad hoc arrangement from 18-4-1986 by introducing 'MATE SYSTEM' whereunder casual labourers were engaged from open market, one of them was picked up as their leader and payment to them was made through him. In due course of time, there arose some labour unrest subject matter being discontinuance of D. P. S. followed by Industrial Dispute and reference case No. 103 of 1989 at the behest of another union named as FCI Worker's Union, and during its pendency, a settlement was arrived at between the parties and 189 workers were absorbed and regularised in service. The names of Balo Devi and other 27 workers on hand were not there in the list of FCI Worker's Union and hence, their claim is alleged to be false by the management. It is alleged that concerned workers were not in service but seeking back door entry into FCI. Hence, prayed by the management, for a decision that they are not entitled to any relief whatsoever.

5. It would be pertinent to note at the outset that the names of concerned 28 workers with their particulars and address are not enclosed with the notification/reference. The management accordingly took a plea that the reference is vague and no relief can be given to a person of undisclosed identity. The matter was referred to the Govt. of India, in Labour Ministry for disclosure of the names etc. of concerned workers. The union, however, presented the list of all 28 workmen filed before Assistant Labour Commissioner (Central), Ranchi along with authenticated list prepared by the management under Assistant Manager's signature with their address and other details and so, the problem stood shelved. This document has been marked as Ext. W/4.

6. The management has also contended that this Tribunal has no jurisdiction over present reference as the situs of employment is allegedly Ranchi. Industrial Disputes Act is silent on this issue. Provisions of Civil Procedure Code are not specifically applicable in a proceeding under Act. Yet, it is settled law that general principles under lying jurisdiction of Civil Court would be relevant for this purpose. Well known test of jurisdiction of a Court is that residence of parties and the subject matter of dispute substantially arising therein. Concerned workers were allegedly performing work in FCI at Tatisilwai, Ranchi. Regional Office whereof is admittedly at Patna, which controls and administers the former. This fact is very much evident from Ext. W/6, a letter to Deputy Manager, Regional Office, Patna from District Manager, FCI, Ranchi seeking instructions in dealing with some local labour problems. This fact alone is sufficient to settle any controversy as regards jurisdiction of this Tribunal.

7. Apart from above, management's written statement clearly speaks in para 15 that reference no. 103 of 1989 relating to some other workmen had been before this Tribunal, whose services were regularised pursuant of a settlement. Management's above contention is thus entirely misconceived and against fact.

8. Other Technical objections noted in written statement are all flimsy and not tenable. Moreover, those were neither raised during hearing nor any material has been placed in support thereof.

9. Coming now to the principal issue involved in the case, it would be necessary to carefully examine and look to the evidence on record. The issue is as regards the demand of concerned workers for their regularisation in service. As per union, they have been working since 1978 at the Railway Siding, Tatisilwai under control and supervision of FCI to clean foodgrains from Railway Wagons, put in loose grains in bags, sweep the wagons and the Platform and so on, besides performing similar duties at godown. Some other 200 Handling/Ancillary Labourers who were members of FCI Worker's Union, had also been working there and 189 of those, when dispute was raked up by their union, were regularised by the management. The case of concerned workmen being identical, they are claiming for their regularisation as those of above 189 workers.

10. On the contrary, the management has disputed workers' claim saying that they are fake persons seeking back door entries and they have never been in service with FCI.

11. Basic point in issue is thus whether concerned workers were serving the FCI as those of others who have been happily regularised by the management. The union has examined four witnesses namely WW1—Gyatri Devi, WW2—Balo Devi, WW3—Birendra Singh, and WW4—Shyam Nandan Upadhyay. It has also filed certain documents (Exts. W/1 to W/6) to lay support to workers' claim. The management has produced three witnesses from their side, who are MW1—Kaushal Kishore Nirala, MW2—Mani Prasad and MW3—Vinod Shankar Prasad. They are all FCI's Officers placed at Tatisilwai.

12. WW1, WW2 and WW3 all three are from amongst 28 workers. They have stated in a row that they have been working with F.C.I. at Tatisilwai since 1978. Their job is to sweep and lift food grains, fill in these in bags and so on. Labourers attached with other union have been regularised by the F.C.I., while they were left out since they were not the members of said union. They all attempted for their absorption but in vain. Hence this case. The management have stopped them payment awaiting Court's verdict although they still work for the F.C.I.

13. WW4 is a regular and ancillary worker in the service of F.C.I. His evidence is ex-parte. The management

did not cross-examine him. He has emphatically stated in support of total claim of concerned 28 workers that they all have been working till date alongwith him since 1978 and the services of 189 workers including him were regularised in 1994. He further states that concerned workers were not regularised since not being members of their union and their payment has been stopped since February, 1995. The witness has proved Ext. W/2 (attendance sheet from 1986 to 1995) and Ext. W/3 (Wage payment charts of various workers) very much showing the names of concerned workers at places. He has also proved Ext. W/4 showing the names of all 28 workers of this case with address and other particulars under the signature of Asstt. Manager of F. C. I., which sufficiently establishes their identity. The evidence of an independent and disinterested person like him coupled with Exts. he has proved is thoroughly sufficient to establish Union's claim.

14. Apart from above, the representation of worker's (Ext. W/1) submitted by them in January, 1995 bearing notes of different officers on the margin does very well show that their case was genuine even in the eyes of F. C. I. officials. By Ext. W/5 and Ext. W/6 one could gather that the workers since their names not in the list of F. C. I. Worker's Union, were agitating and not allowing work at the Railway Siding.

15. MW1 and MW2 though have stated to the effect that concerned workers do not work with F. C. I. and their claim is false and baseless but they identified, when pointed, worker Birendra Singh in Court. MW2 goes a step ahead in admitting that said Birendra Singh worked for F. C. I. during 'MATE SYSTEM'. And, MW3 sets at rest every controversy when he clearly admits during cross-examination that the workers of this case worked at Railway Siding during his tenure from 1984 to 1989 and concerned 28 workers were left to be regularised as their names were not submitted by F. C. I. Worker's Union on account of its bad role. He also admits in evidence that the workers on hand were similarly performing the work as those of others who were regularised. It is also said by this witness that Ext. W/5 and Ext. W/6 relate to the present workers.

16. The evidence led by the parties pointedly suggest that Balo Devi and 27 other workers of this case have been working since 1978 at Railway Siding Godown of F. C. I. at Tatisilwai, but they could not be regularised alongwith 189 co-workers for non-submission of their names by F. C. I. Worker's Union, since they were not its members. Although they presented their claim before the management and agitated as well for their absorption but all in vein. The evidence further suggests that they are still working for F. C. I. with no payment as the management is waiting for Court's order. Needless to say, that the management has resorted to unwarranted

discrimination in not regularising these 28 workers for the simple reason of their not being members of a particular union at whose behest similarly situated 189 workmen were absorbed. It is further agonising that they are engaged even this day but wages stand deferred waiting for the result of this case. Management's action is quite arbitrary, discriminatory and unjustified which should not be permitted to continue any more.

17. Pointing towards age of WW1 Gyatri Devi it was urged on behalf of the management that she presently being of 35 years would have been below 10 years in 1978 when she was not capable being in employment and so, worker's claim should be brushed aside. One should not forget that WW1 is a rustic and illiterate lady from labour class and can not be expected to give a correct age and thus discard her case on the ground of her such ignorance. This argument taken by the management can be of no help to them, more so, in view of clinching and onesided evidence establishing their discrimination and arbitrariness as regards worker's claim.

18. To sum up, I would say in view of materials on record and discussions above, that there can be no alternative conclusion in the case on hand but for that the union has firmly established its claim and concerned workers namely Smt. Balo Devi and 27 other shown in the list i.e. Ext. W/4 are entitled to be regularised in the service of the F. C. I., Ranchi with back wages for the work done by them with no payment. The management is accordingly directed to regularise their services without any further delay as those of 189 co-workers from the date they have been regularised in service by the F. C. I. management. The management is further directed to pay them all back dues and wages for the work they have done for the F. C. I. without payment in a lump sum within two months of notification.

19. Award accordingly.

PRIYA SARAN, Presiding Officer

टाटी सिलवे एफ. सी. आई. रेलवे साईडिंग असलरी का नाम और
स्थाई पता

नाम	पति/पिता का नाम	स्थाई पता	वर्तमान पता
(1)	(2)	(3)	(4)
1. श्रीमती बालो देवी	पति स्वर्गीय बलरतु महतो	ग्राम-चिलदाग पो.-अनगड़ा धाना-बही जिला-रांची (झारखण्ड)	ग्राम-सैयदेली पो.-महिलौगं धाना- टाटीसिलवे जिला-रांची (झारखण्ड)
2. श्रीमती ललीता देवी	पति गोपाल महतो	ग्राम-सैयदेली पो.-महिलौगं धाना-टाटीसिलवे जिला-रांची (झारखण्ड)	वही

(1)	(2)	(3)	(4)
3. श्रीमती पूसो देवी	पति श्री शिव- दयाल महतो	ग्राम-सरैयटोली पो.-महिलौगं थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)	ग्राम-सरैयटोली पो.-महिलौगं थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)
4. श्रीमती राजो देवी	पति स्वर्गीय जगन्नाथ महतो	वही	वही
5. श्रीमती सीता देवी	पति श्री हरि- नन्दन महतो	वही	वही
6. श्रीमती पूनम देवी	पति श्री कृष्णा महतो	वही	वही
7. श्रीमती नूतन देवी	पति स्वर्गीय बाबुलाल महतो	वही	वही
8. श्रीमती सोहरी देवी	पिता श्री सहदेव विन्द	ग्राम-जलालाबाद पो.-असरगंज थाना-असरगंज जिला-मुंगेर (बिहार)	ग्राम-टाटीसिलवे पो.-वही- थाना-वही जिला-राँची (झारखण्ड)
9. श्रीमती कालो देवी	पिता श्री राजेन्द्र विन्द	ग्राम-मधुवन दरियापुर पो.-हवेली खरगपुर जिला-मुंगेर	ग्राम-चतरा पो.-अनगड़ा थाना-वही जिला-राँची (झारखण्ड)
10. श्रीमती कलावति देवी	पति श्री बच्ची महतो	ग्राम-सरैयटोली पो.-महिलौगं थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)	ग्राम-सरैयटोली पो.-महिलौगं थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)
11. श्रीमती फुल मनि देवी	पिता श्री रामेश्वर विन्द	ग्राम-मधुवन दरियापुर पो. हवेली खरगपुर थाना-वही जिला-मुंगेर (बिहार)	ग्राम-टाटी पो. टाटी सिलवे थाना-वही- जिला-राँची (झारखण्ड)
12. श्रीमती पोकलो देवी	पति श्री दुर्गा महतो	ग्राम-नौका सिमरा पो.-गोपाल गंज थाना-वही- जिला-वही- (बिहार)	ग्राम-सरैयटोली पो.-महिलौगं थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)
13. श्रीमती रोखी देवी	पति श्री नागेश्वर महतो	ग्राम-सरैयटोली पो.-महिलौगं थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)	ग्राम-सरैयटोली पो.-महिलौगं थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)

(1)	(2)	(3)	(4)
14. श्रीमती कोशिला देवी	पति श्री गोपाल मिर्धा	ग्राम-महिलौगं पो.-वही- थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)	ग्राम-महिलौगं पो.-वही- थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)
15. श्रीमती शुशीला	श्री चैतु महतो	ग्राम-सरैयटोली पो.-महिलौगं थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)	ग्राम-सरैयटोली पो.-महिलौगं थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)
16. श्रीमती दुलैयर देवी	पति श्री कबिराज महतो	ग्राम-चतरा पो.-टाटीसिलवे थाना-अनगड़ा जिला-राँची (झारखण्ड)	ग्राम-चतरा पो.-टाटीसिलवे थाना-अनगड़ा जिला-राँची (झारखण्ड)
17. श्रीमती डूभन देवी	पति श्री पूसबा महतो	-वही-	-वही-
18. श्रीमती महेश्वरी देवी	पति श्री बासुदेव महतो	ग्राम-हेसल पो.-वही- थाना-अनगड़ा जिला-राँची (झारखण्ड)	ग्राम-हेसल पो.-वही- थाना-अनगड़ा जिला-राँची (झारखण्ड)
19. श्रीमती निरास देवी	पति श्री जितराम कुम्हार	ग्राम-बिकाश पो.-ओरमाझी थाना-वही- जिला-राँची (झारखण्ड)	ग्राम-टाटी पो.-टाटीसिलवे थाना-वही- जिला-राँची (झारखण्ड)
20. श्रीमती सुषम देवी	पिता श्री जादो विन्द	ग्राम-लखना पो.-कजरा थाना-सूर्यगढ़ा जिला-मुंगेर (बिहार)	ही-
21. श्रीमती मंजु देवी	पति श्री जरका कुम्हार	ग्राम-टाटी पो.-टाटीसिलवे थाना-वही जिला-राँची (झारखण्ड)	-वही-
22. श्रीमती पातो देवी	पति श्री जगन्नाथ कुम्हार	-वही-	-वही-
23. श्रीमती पिआसो देवी	पति श्री ननका कुम्हार	-वही-	-वही-
24. श्रीमती सोनमय देवी	पति श्री धरमु महतो	ग्राम-सुपाराजाडेरा पो.-राजाडेरा थाना-अनगड़ा जिला-राँची (झारखण्ड)	

(1)	(2)	(3)	(4)
25. श्री बिरेन्द्र सिंह	पिता स्वर्गीय पचकौरी सिंह	ग्राम-चाँदपरा पो.-सुरैया भाया सिदवलियों थाना-सिदवलियों जिला-गोपालगंज (बिहार)	ग्राम-टाटी पो.-टाटीसिलवे थाना-वही- जिला-राँची (झारखण्ड)
26. श्रीमती गायत्री देवी	पति श्री चणकु बैठा	ग्राम-टाटी- सिलवे पो.-वही- थाना-वही- जिला-राँची (झारखण्ड)	ग्राम-टाटीसिलवे पो.-वही- थाना-वही- जिला-राँची (झारखण्ड)
27. श्रीमती सुनिता देवी	पति श्री नकुल महतो	ग्राम-सौरयटोली पो.-महिलौगं थाना-टाटी- सिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)	ग्राम-सौरयटोली पो.-महिलौगं थाना-टाटीसिलवे जिला-राँची (झारखण्ड)
28. श्रीमती पूर्णा देवी	पति श्री महेन्द्र महतो	-वही- महतो	-वही-

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2004

का. अ. 2736.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, ई. सी. एल. प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसनसोल (संदर्भ संख्या 43/1997) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-09-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/573/95-आई.आर. (सीएम-II)]
एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th September, 2004

S.O. 2736.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. 43/1997) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Asansol as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of ECL and their workmen, which was received by the Central Government on 30-09-2004.

[No. L-22012/573/95-IR(CM-II)]
N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ASANSOL

PRESENT :

Sri Md. Sarfaraz Khan, Presiding Officer

Reference No. 43 of 1997

PARTIES :

The Agent, J. K. Ropeway of M/s. Eastern Coalfield
Ltd., P. O. Kajoragram, Distt. Burdwan, (W. B.).
... Management

Versus

Sri Dharma Bhuiyan, Ex-Bucket Man of J. K.
Ropeway, represented by General Secretary, Colliery
Mazdoor Sabha, Asansol, Distt. Burdwan (W. B.).
... Workman

REPRESENTATIVES :

For the Management : Sri P. K. Das, Advocate.

For the Workman : Sri Nirmalendu Ganguly,
Advocate.

Industry : Coal

State : West Bengal

Dated 25th August, 2004

AWARD

In exercise of powers conferred by clause (d) of Sub-section (1) and Sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), Government of India through the Ministry of Labour vide its Order No. L-22012/573/95-IR (C-II) dated 27-6-97/11-7-97 has been pleased to refer the following dispute for adjudication by the Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of J. K. Ropeways of M/s. ECL in dismissing Sh. Dharma Bhuiyan, Ex-Bucket Man from services w.e.f. 21-5-92 is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled and from which date?"

After receipt of the aforesaid order of reference, summons were issued to the respective parties through the Registered Post. In pursuance to the summons both the parties appeared through their representatives and filed their respective written statement in support of their claims.

2. The case of the workman in short as per the written statements is that the workman Dharma Bhuiyan, Ex-Bucket Man of J. K. Ropeway had gone to his relative's house at Sripur after seeking permission from the competent authority but unfortunately he fell ill and was under the treatment at Sripur Colliery Hospital w.e.f. 2-3-1992 to 7-3-1992. An intimation to this effect was sent to the management by post as there was none in his family to report the facts to the management company at J. K. Ropeway.

3. The further case of the workman is that after having been declared fit he come to join his duties on

10-3-1992 but without any rhyme and reason he was not allowed to join his duty inspite of the fact that he was neither suspended nor dismissed from his service. After 13 days, the management issued a chargesheet against the concerned workman vide its letter dated 23-3-1992 under Section 17(1)(a), 17(1)(d) and 17(1)(n) of the Model Standing Order of the establishment calling for an explanation of the alleged charges within 48 hours. This act of the management is claimed to be arbitrary, oppressive and victimising. The allegation of charges were denied and the management turned down the request to allow to join his service.

4. It is also the case of the workman that subsequently the enquiry proceeding was started against him violating all the principles of natural justice and the Enquiry Officer submitted its report at the dictate of the management, which is itself bad in law. The fairness and validity of the Enquiry proceeding has also been challenged as the Medical Certificate submitted by the workman does not find any place in the report and the copy of the document of which has been relied upon by the Enquiry Officer, was not served upon the delinquent, which goes to show something fishy behind it. The workman has further claimed that no second show cause notice was ever served upon the workman before issuing the dismissal order, which is the direct and deliberate violation of the mandate of the Apex Court. The punishment awarded against the workman is also claimed to be extremely disproportionate to the notice of the alleged misconduct which is fit to be set aside and a lenient view after reinstating may kindly be taken.

5. Like-wise the case of the management according to its written statement in short is that the present reference is bad in the eye of law and misconceived one. The reference is also claimed to be not maintainable in the Law and the dispute referred does not come under the purview of the definition of Industrial Dispute.

6. The man defence case of the management is that due to the unauthorised absence from duty w.e.f. 23-2-1992 of the workman he was chargesheeted U/S 17(1)(a), 17(1)(d) and 17(1)(n) of the Model Standing Order applicable to the establishment. The reply by way of explanation of chargesheet submitted by the delinquent workman was found to be totally unsatisfactory, so an independent enquiry officer was appointed for holding domestic enquiry into the charges framed against the workman concerned and accordingly the enquiry was conducted in presence of the workman affording all the opportunities to defend his case keeping in view of the principles of natural justice. After holding the workman guilty, the report was submitted to the disciplinary authority by the Enquiry Officer. Thereafter considering all the material facts, documents along with the Enquiry report the concerned competent authority having regard

to the gravity of misconduct proved passed the order of dismissal of the concerned workman which is according to the spirit of the Model Standing Order applicable to the establishment.

7. It is denied by the management that the concerned workman left to his relatives house at Sripur after availing leave from the management and that he fell ill there and he had been treated at Sripur Colliery Hospital from 23-2-1992 to 7-3-1992. It is further denied that the delinquent had ever intimated his sickness to the management by post. It is lastly prayed that the workman is not entitled to any relief and it may be declared that the action of the management is totally justified according to law.

8. The perusal of the record goes to show that a hearing on the preliminary point was made on 30-6-1998 before then Presiding Officer who having heard both the parties held that no invalidity in the enquiry proceeding was noticed and there was due participation of the delinquent in the enquiry and thereafter the case was fixed for the final hearing on merit, which was accordingly taken up by me on 25-8-2004. The final argument was concluded on the same day and the award was reserved.

9. Before entering into the discussion of the merit of the case it is necessary to mention the facts admitted by the respective parties.

10. It is the admitted fact that the concerned workman Dharma Bhuiyan was employed under the management as a Bucket Man of J. K. Ropeway and he was issued a chargesheet for being absent from his duty from 23-2-1992 to 7-3-1992, vide letter dated 23-3-1992 alleging charges under Section 17(1)(a), 17(1)(d) and 17(1)(n).

11. It is the further admitted case of the parties that an enquiry proceeding was started against the workman and to that effect an explanation was also submitted by the delinquent and thereby he duly participated in that proceeding.

12. It is also the admitted fact that a medical certificate was submitted by the delinquent to show the reason of his absence during the relevant period which was issued by the Sripur Colliery Hospital.

13. It is also the admitted fact that the fairness, validity and propriety of the enquiry proceeding has not been challenged and the same has been held to be fair and valid.

14. According to the settled principles of law the facts admitted need not be proved. So in view of the said principles I do not think proper to discuss these all facts.

15. At the very outset I would like to mention here that the management has taken the plea in para 1 of its written statement that the instant reference is bad in the

eye of Law and the same does not come under the scope of the Industrial Dispute. But the aforesaid issue was not raised and pressed by the management side during the course of hearing of the dispute nor the same has been proved. I do not find any defect in the maintainability of the reference and the facts of the dispute very well comes under the scope of the Industrial Dispute Act which has been rightly referred to this Tribunal by the Government of India, Ministry of Labour for the adjudication of the same and as such the said points in issue is decided against the management.

16. It transpires from the record that none of the parties has examined any person as oral evidence rather same Xerox Copy of the documents have been filed by the respective parties in support of their case. The workman has filed the Xerox Copy of the receipt of the letter of under certificate of posting dated 24-2-1992 sent to the management. The original of which was produced before the enquiry officer. This documents goes to show that the concerned workman had sent the sick information to the management in time. The enquiry officer had kept the original copy of the sick information produced by the delinquent during the enquiry proceeding. The enquiry officer has not whispered a word in his report that the delinquent was absent without any satisfactory reason, rather the reason of the absence of the workman appears to have been found satisfactory. Xerox copy of the application filed by the delinquent to the General Manager about the joining report. Xerox copy of the chargesheet, Xerox copy of the explanation called for by the management in respect of the chargesheet has been filed where the reason of his absence during the period was been explained and information to that effect has been claimed to have been sent by post. Xerox copy of the application addressed to the Medical Superintendent Sripur Area Colliery Hospital requesting to issue confirmation about the sick report of the workman and genuineness of the Medical Certificate issued to the workman has been filed where the Dy. Medical Superintendent, Sripur Area Hospital has given a certificate that i.e. on verification of record it is found that now there is an entry of sick report of Sri Dharmia Bhuiyan on 24-2-1992 on the serial No. 305 in the outside sick register. Xerox copy of the enquiry proceeding and the copy of the enquiry report have also been filed by the workman.

17. Similarly the management has also filed the Xerox copy of the confidential letter sent by the Dy. Medical Superintendent, Sripur Area Hospital to the Agent, J. K. Ropeway, contradictory his previous report and mentioning that the entry on sick register dated 7-4-1992 seems to be tampered and the signature of the Doctor in the fitness certificate issued to the workman concerned also seems to be forged. Xerox copy of the sick/fitness certificate issued by the Medical Officer on

7-3-1992 in favour of the workman concerned. Five sets of Xerox copies of the warning letters issued by the Agent, J. K. Ropeways to the concerned workman for absents from duty without any information or prior permission on the different dates. All the aforesaid documents filed by either of the parties have not been challenged by either side so their legality and genuineness can't be questioned.

18. In view of the above facts, circumstances, and the materials available on the record I find that the workman concerned was absents from the duty from 23-2-1992 to 10-3-1992 continuously without seeking prior permission and previously too he was warned by the management for an unauthorised absence and as such the concerned workman has been rightly found guilty for the misconduct by the enquiry officer for which he deserved some punishment by the management.

19. Now the only point to be considered by the Court is to see as to how for the punishment passed by the management is proportionate to the alleged nature of misconduct proved against the concerned workman.

20. During course of argument it was submitted by the learned counsel of the workman that it is a simple case of an unauthorised absence only for a few days i.e. 17 days and the reason of the same has been sufficiently explained and the sick information was communicated to the management through the post and to that effect documents have been tendered before the enquiry officer who has also appreciated the reasons for his absence during the relevant period. I found force in the argument of the learned lawyer in this regard. There is no allegation in the report that the delinquent was found absent without any intimation and without any satisfactory reason.

21. It was further submitted by the learned lawyer of the workman that the charge of habitual absenteeism can't be taken into consideration as the chapter has been closed and the workman has reaped the consequence for the same and a person can't be punished twice for the same sorts of misconduct. Besides this the attention of the Court was also draw towards the averments of the pleading of the management with regard to the allegation of the habitual absenteeism, when the allegation is not pleaded in the W/S the charge on this Court itself is beyond the scope of law and the extremes penalty can't be imposed having regard to this allegation. The argument was further advanced on the point that no second show cause notice was issued to the workman before passing the order of dismissal against him which is itself a deliberate violation of the mandate of the Apex Court. Admittedly this aspect of the violation of the direction of the Apex Court is vital and prejudicial to the interest of the delinquent.

22. It is well settled principles of law that before imposing punishment of dismissal, it is necessary for the disciplinary authority to consider the family back ground

economic back ground of the delinquent, length of service put in by the employee, his past and other surrounding circumstances including the compelling circumstances for committing the misconduct. The delinquent is a member of Scheduled Castes who is literally and financially very weak and poor who has suffered immense hardship for more than a decade and he had never been gainfully employed anywhere during the period after his dismissal.

23. A part from this when the Model Standing Order applicable to the establishment under Section 27(1) (page-15) provides various minor punishments. I fail to think as to why only maximum punishment available under the said clause should be awarded on the facts of the present case. I am of the view that justice must be tempered with mercy and that the erring workman should be given an opportunity to reform himself and prove to be a loyal and disciplined employee of the management. Any way I am of this view that the punishment of dismissal for an unauthorised leave for a few days under the explained compelling circumstance and with out any ulterior motive and mala fide intention is too harsh a punishment which is totally disproportionate to the misconduct alleged undoubtedly the job of a Bucket Man is not important due to which the industry might have incurred any lose. It is a plain and simple case which should have been dealt with by taking a lenient view by the management. In that view of the matter I think it necessary to modify the penalty imposed by the management to meet the ends of justice.

24. Having considered the above facts circumstances and the discussion made I am satisfied to hold that the punishment imposed by the employer is not at all proper, just and commensurate with the nature and gravity of the misconduct proved against the delinquent and as such the impugned order of the punishment by way of dismissal is hereby set aside and the delinquent is directed to be reinstated with the continuity of service. Considering the fact of a long lapse of time before the date of dismissal and reinstatement, and no blame can be put only on the door of the workman, I think it appropriate to award 25% per cent of the back wages being payable to the delinquent. Let the award be and the same is passed accordingly. Copies of the award be sent to the Ministry of Labour for information and needful.

MD. SARFARAZ KHAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2004

का. आ. 2737.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार खादी एवं विलेज इण्डस्ट्रीज कमीशन के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. II, नई दिल्ली के पंचाट

(संदर्भ संख्या 79/93) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-09-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/92/92-आई.आर. (डी. यू.)]
कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th September, 2004

S.O. 2737.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 79/93) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court No. II, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Khadi and Village Industries Commission and their workman, which was received by the Central Government on 30-09-2004.

[No. L-42012/92/92-IR(DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND
FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW DELHI**

R. N. Rai, Presiding Officer

I. D. No. 79/93

Sh.O. P. Khatri

Versus

Khadi and Village Industries Commission

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-42012/92/92-IR (DU) Central Government dt. 30-09-1993 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :—

"Whether the action of the management of Khadi and Village Industries Commission in refusing promotion to Shri O. P. Khatri, UDC at their Delhi Office to the post of Superintendent at Delhi is just. If not to what relief the concerned workman is entitled to?"

The workman applicant has stated in the statement of claim that he is UDC presently posted at State Office, New Delhi as Upper Division Clerk and performing his duties since August, 1975 quite sincerely and honestly. There is no adverse report or remark was never recorded against the workman by the Management.

That the Management has already declared the seniority list of the Ministerial staff on 31-12-1988 through its proper authority. The workman is entitled to get

promotion to the post of Superintendent w.e.f. 1-3-1991 from the date the post was got vacant under State Office, New Delhi.

According to the Standing Order No. 1408 dt. 24-09-1987 and 1422 dated 19-2-1988, the workman was automatically entitled to be promoted for the post of Superintendent as per his seniority. He was not promoted w.e.f. 1-3-1991 at the post of Supdt. The action of the management is illegal. The defendant has filed written statement. In the written statement, it has been stated that the applicant's seniority could not be fixed in relation to such employees because he did not belong to any state cadre. His name was carried in the services Board Section which was an All India Cadre. As such, his seniority is to be ascertained on All India Cadre basis. The applicant vide his letter dt. 26-10-1987 indicated that he opted for the Ambala Office. He was not illegible to exercise this option because he did not belong to the unified cadre for ministerial staff. His request was not considered. Subsequently, the ex-cadre post of Shri Khatri at Ambala which was carried in the Services Board Section was abolished and vide order dt. 7-4-1988, Shri Khatri was asked to report to Bombay on transfer to the present department of the services Board Section. He filed a suit against his transfer to Bombay dated 7-4-1988. This suit came up before the Court of the Additional Senior Sub-Judge, Ambala. The order of transfer was confirmed and it was directed that the applicant seniority be determined at Ambala. In view of the order of the Sub-Judge, a fresh seniority list was issued on 31-3-1988 vide order dated 16-12-1988. Accordingly, his seniority was notionally fixed w.e.f. 30-08-1976 and was at Sl. No. 19-A. Vide order dt. 19-1-1989, the learned Additional District Judge, Ambala Cantt allowed the appeal of the management while holding that it was prima facie evident that Shri Khatri was working on an ex-cadre post at Ambala under the Services Board Section Cadre and that an employee working on an ex-cadre post has no legal right to remain on that post and that he can be sent back to his parent office at the discretion of the competent authority. The workman applicant belonged to All India Cadre of the Services Board Section. Thus, he is not entitled for seniority fixation in the Delhi State Cadre as if he belonged to that cadre.

The workman applicant has filed rejoinder and in his rejoinder, he has reiterated the averments of his statement of claim.

Heard arguments from the side of the management. The workman applicant is not turning up for a long time and it was told that he has retired and he was promoted subsequently according to his seniority.

It was pointed out that seniority was fixed on 1-12-1988 and the workman applicant was at Sl. No. 19-A

and his seniority was fixed by the order of the Additional Senior Sub-Judge. The appeal was allowed against the said order and according to the order of the Appellate Court, he was treated to be an employee of All India Cadre and not of Delhi State. His Headquarter is Bombay so he cannot be given the seniority of the Delhi State Cadre and the Hon'ble Court of Additional District Judge has directed the management to place him in his own cadre. As such, the seniority cannot be considered according to the state cadre of Delhi so his seniority was re-fixed and when he was senior for appointment for the post of Supdt., he was given appointment. He is now retired and he has been given promotion so he has not turned up for a long time. From the evidence of the management, oral as well as documentary, this fact is established that the workman applicant was not senior in 1991 to be promoted as Supdt. However, when his seniority was considered on all India basis, he was promoted. As such, the prayer of the workman applicant is liable to be rejected.

The award is replied thus :—

The action of the management of Khadi and Village Industries Commission in refusing promotion to Shri O. P. Khatri UDC at their Delhi Office to the post of Superintendent at Delhi is just. The applicant is not entitled to get any relief as prayed for.

The award is given accordingly.

Dt. 27-9-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2004

का. आ. 2738.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मास मेलिंग यूनिट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 46/92) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-09-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/158/91-डी. 2 (बी)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th September, 2004

S.O. 2738.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 46/92) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court No. II, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Mass Mailing Unit and their workman, which was received by the Central Government on 30-09-2004.

[No. L-42012/158/91-D. 2(B)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL
GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR-COURT II, RAJENDRA BHAWAN,
GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW
DELHI**

R. N. Rai, Presiding Officer

I. D. No. 46/92

In the matter of :

Sh. Awadhesh Prasad

Versus

Mass Mailing Unit, Deptt. of Family Welfare

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-42012/158/91-D2(B) Central Government dt. 07-05-1992 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of Mass Mailing Unit, Deptt. of Family Welfare, Bikaner House, New Delhi in terminating the services of Sh. Awadhesh Prasad, Watchman w.e.f. 21-10-86 is justified ? If not what relief the workman is entitled to ?”

The claimant has filed statement of claim. In the statement of claim, it has been stated that the applicant was appointed/engaged by the management as daily rated workman on muster roll on 3-6-85 through employment exchange Kamla Market, New Delhi. That the workman/applicant has been performing his duties as chowkidar under the management since the date of his employment and he was paid daily wages after completion of a month on muster roll @ Rs. 15.70 per day. That the workman/applicant had been in continuous service of the management without any complaint against him since his engagement on 3-6-85. That however the services of the workman were arbitrarily and without notice terminated by Res. No. 1 and his Section Officer being Sh. R. N. Saxena/Sh. N. S. Tanwar as they were those days on 21-10-86 when he reported for duties and was not taken on duties. Details of salary drawn and record of work are available with the Resp. 1. That there had been sufficient work under Resp. 1 as well as Resp. 2. However the workman/applicant was replaced by contract Labour without any justifiable cause by the management to disentitle the workman/applicant as regards future service benefit which might have accrued to the applicant/workman. That the applicant/workman had been in continuous service of the management and had completed more than 240 days in the preceding calendar year. However the management terminated his services in utter disregard of the provisions of the Industrial Dispute Act

and principle of fair play. That the termination of services of the workman/applicant by the management was in utter disregard of the fundamental rights guaranteed under Articles 14, 16, and 21 of the Constitution and the law laid down by the Hon'ble Supreme Court in this regard. That the applicant/workman has worked with the Management at their various offices like at Nirman Bhawan Awane Ghalib Marg and Bikaner House, as per the order of the management and at their convenience. At the time of termination the applicant/workman was posted and working at the management's office at Bikaner House, New Delhi. That the applicant/workman has always been willing to work with the respondents and has written to this effect at various occasions besides having met personally but the respondent/management failed to act fairly and reinstate the workman/applicant.

That having failed to receive any positive response from the management the workman raised the Industrial Dispute before the Asstt. Labour Commissioner, (Central) New Delhi in Feb. 1991. However the conciliation proceeding failed due to rigid and negative attitude of the management leading to the reference of the said dispute by the competent Govt. That the termination of services of the workman by the management is illegal, unconstitutional arbitrary and bad in the eyes of law. That the applicant is entitled for reinstatement with full back wages and with continuity in services.

The management/respondent has filed WS. In the WS it has been stated that the statement of claim is not maintainable as the workman failed to file the same with the Tribunal within 15 days of receipt of the order of reference and also failed to forward a copy of such statement to the respondents involved in the dispute as required under rule 10-B of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. That the statement of claim has not been verified and/or supported by affidavit at all and thus it is not proper in the eye of law and is not maintainable. The workman should not be given any relief and the statement of claim may be dismissed with cost to the management. That inordinate and unexplained delay or laches is by itself a ground to refuse relief to the workman. It is submitted that if a person entitled to a relief chooses to remain silent for a long time he thereby gives rise to a reasonable belief in the mind of others that he is not interested in claiming that relief. The claim is highly belated and there is no cogent explanation for inordinate delay of 4 years in filing the application for reinstatement after leaving the service in October, 1986. It is further submitted that the workman should have approached the concerned authorities for relief within a reasonable period although no limitation period could be fixed. That no attempt has been made by the workman to explain why he chose to be silent for so long if he too was interested in being reinstated and had not abandoned his claim if any. It is further submitted that if the workman's

contention is upheld that lapse of any length of time is of no consequence in the present case it would mean that any such workman can choose to wait even till he attains the age of superannuation and then assail the termination of his services and claim monetary benefits for the entire period on the same ground. The action in the instant case is much too belated and should not be entertained by the Hon'ble Tribunal. To hold otherwise would result in grave consequences for the management.

It has been further stated that the applicant was employed from June, 1985 to August 1986 on temporary basis. In 1985, he worked for 186 days and during the calendar year 1986, he worked for 275 days. There was no employer and employee relation. MMU is not an industry and the court has got no jurisdiction to adjudicate upon the matter. The work was entrusted to a private agency. The Industrial Dispute Act is not applicable in this case. There is no question of violation of provisions of that Act. His services were purely temporary and his employment was casual. When the work was given to the other agencies, he was removed from service.

The workman has filed rejoinder. In his rejoinder, he has denied most of the paras of the written statement. The management has also denied most of the paras of the statement of claim. In his rejoinder, he has reiterated the averments of his statement of claim.

Both the parties have examined the witnesses and the witnesses have been cross-examined.

Heard arguments from both the sides. It was submitted from the side of the workman that it is an admitted case of the management that the workman worked from 3-6-1985 to 21-10-1986. It has been further admitted by the management that the workman has worked for 186 days in 1985 and 275 days in 1986. As such the workman has worked for more than 240 days.

It was further submitted from the side of the workman that the management is an industry. It is an undertaking of the Ministry of Health and Family Welfare. There is district officer of Mass Mailing Unit so the MMU is an undertaking of the Ministry of Health. As such, this undertaking is an industry and this Court has jurisdiction to adjudicate upon the matter.

It was submitted from the side of the workman that in 1979, a letter was issued regarding sanction of peons. In that letter, it has been mentioned in para (iii) that broken period of service rendered as casual employees shall be taken into account for purpose of regularisation in regular establishment provided that one stretch of service is for more than six months. According to the circular letter of 1979, in case the workmen have worked for more than six months, their cases will be considered for regularisation. Circular issued by the Government of India, Ministry of Home Affairs dt. 26-10-1984 has specified

that in case, the workman has put in two years of service, as casual worker with 206 days of service during each period, as against usual 240 days, such casual workers may be considered for regular appointment to the posts. In view of this letter also, the workman applicant deserves to be regularised as he has put in two years service. In case notional break is not considered, he has put in more than 206 days in 1985 and 1986. The management cannot ignore the regularisation of such workman. As such, according to the letter of Ministry of Home of 1984, the workman deserves to be regularised. The Hon'ble Supreme Court has held that in case, a daily wager or temporary employee has worked for more than 240 days and he has not been given retrenchment compensation and notice, he deserves to be regularised from the date of his initial appointment. The law of limitation is not applicable in ID Act, 1947.

In view of the decision of the Bangalore Water Supply of the Hon'ble Supreme Court, Mass Mailing Unit is carrying on human activities and the work is of a perennial nature as it has been given to some other out sourcing agency. As such, the workman has worked under the control of the management. In case, the workman's case is covered under the ID Act, notice and compensation is must. No notice and compensation has been paid. The workman deserves to be regularised.

The workman is a manual labour so it cannot be deemed that he was sitting idle. He must be doing some work and he filed the case after a long gap. In the facts and circumstances of this case, he should be regularised with only 20% wages from the date of termination of his service in view of his delay and latches also.

The reference is replied thus :—

The action of the management of Mass Mailing Unit, Deptt. of Family Welfare, Bikaner House, New Delhi in terminating the services of Sh. Awadhesh Prasad, Watchman w.e.f. 21-10-86 is not justified. The workman is entitled to be regularised from 21-10-1986 with 20% back wages. In case, the workman is not regularised within one month after publication of the award, he will get 10% interest on the entire back wages when the same became due till the date of payment.

The award is given accordingly.

Dt. 24-9-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2739.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्द्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, कानपुर (उ.प्र.) के संज्ञा (संदर्भ

संख्या 141/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/24/99-आई. आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 2004

S.O. 2739.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 141/99) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Kanpur (U. P.) as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Central Bank of India, and their workman, which was received by the Central Government on 04-10-2004.

[No. L-12011/24/99-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE SRI SURESH CHANDRA PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, SARVODAYA NAGAR, KANPUR, U. P.**

Industrial Dispute No. 141 of 99

In the matter of dispute between :

The Assistant General Secy. Central Bank Staff Association, 13/11, Sheo Nagar Colony, Allahapur, Allahabad

AND

Central Bank of India, The Regional Manager, CBI Regional Office, Lanka Varanasi

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide Notification No. L-12011/24/99/IR (B-II), dated 23-6-99 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

“Whether the action of the management of Central Bank of India Regional Office, Varanasi is justified in imposing the punishment on Sh. A. N. Pandey, Clerk ? If not, what relief is the said workman entitled to ?”

2. The claim of the workman Sri A. N. Pandey has been filed through Asstt. General Secy., Central Bank Staff Association, Allahabad. A written Statement refuting the claim of the petition has also been filed on behalf of the management of Central Bank of India, Varanasi which has also prayed for decision after framing preliminary issue detailed in para 148 of the written statement through which the jurisdiction of the tribunal has also been challenged and also the maintainability of the industrial

dispute within the meaning of Section 2(k) of Industrial Disputes Act, 1947.

3. The workman has examined himself on oath. On behalf of the management ocular evidence has not been produced but the management has filed inquiry report and also other relevant documents which have been admitted by the workman. The workman has also filed certain documents in support of his case.

4. Heard the parties at length. The management has also filed written arguments.

5. The workman in the present reference has been held proved for the charges levelled against him by the management after an inquiry initiated and conducted by the management in which the workman has been given full opportunity to defend and the workman has also examined its witness in support of his defence against the charges levelled against him. The workman was also given an opportunity of being heard personally and the disciplinary authority having been satisfied that the findings of the inquiry are sufficient to impose punishment, imposed punishment on the workman. The workman feeling aggrieved with the punishment filed an appeal before the appellate authority who reduced the sentence awarded to the workman by withholding to only one increment instead of two increments of pay as given by the disciplinary authority.

6. Initial question to be considered, therefore, is as to whether the domestic inquiry conducted against the workman was fair and proper. In this regard the workman's only objection is that no opportunity to defend has been given. The statement of the workman is far from truth as is apparent from going through the record. The workman no where was denied opportunity to defend himself except that the service of an Advocate was denied to the workman to defend himself as per the bipartite settlement. The workman admittedly was defended by another authorised representative during the inquiry and he has also adduced the defence witness to defend his charges. Having gone through the entire disciplinary proceeding there is nothing on record to even suspect slightly about the unfairness of the inquiry at all. The inquiry has been held well within the meaning of law after following set norms of principles of natural justice and equity. The charges have been established beyond any suspicion and also there is nothing on record to disagree with the finding of the enquiry officer against the workman. The preliminary issue is therefore held against the workman holding that the domestic inquiry conducted by the inquiry officer against the workman was fair and proper and does not suffer from any infirmity or illegality nor it is against the principles of natural justice.

7. Having arrived at a conclusion as stated above there is also no ground to interfere with the punishment

in respect of the charges levelled and proved against the workman and it can also not be accepted that the punishment so awarded is not commensurate with the failings of the workman.

8. Before parting with it may also be concluded that the present industrial dispute has been prosecuted through the Union which too is against the bipartite settlement and strictly speaking it cannot be accepted as an industrial dispute within the meaning of Section 2(k) of the Act.

9. For this reasons also no award can be passed in favour of the workman.

10. For the reasons stated above the workman is held not entitled for any relief whatsoever against the management of Central Bank of India pursuant to the present reference.

SURESH CHANDRA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2740.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय कोलम, के पंचाट (संदर्भ संख्या 57/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/43/2000-आई.आर. (बी-II)]
सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 2004

S.O. 2740.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 57/2000) of the Industrial Tribunal Kollam as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Indian Bank and their workman, received by the Central Government on 04-10-2004.

[No. L-12012/43/2000-IR(B-II)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, KOLLAM

(Dated, this the 3rd day of September 2004)

PRESENT :

SRI. C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 57/2000

BETWEEN

The Zonal Manager,
Indian Bank,
Zonal Office,
Chittoor Road,
Ernakulam.

.....Management

(By Sri. P. Krishnan Kutty Nair, Advocate,
Trivandrum)

AND

Sri. S. Sanjeev,
TC. 42/1046,
Ushus Rose Lane No. 62,
Vallakkadavu P.O.,
Trivandrum

.....Workman

AWARD

The Government of India, by Order No. L-12012/43/2000/IR (B-II) dated 19-7-2000, have referred this industrial dispute for adjudication to this Tribunal.

The issues for adjudication are following :

“Whether there existed any employee-employer relationship between the ‘Personal Drivers’ engaged by the executives of the Indian Bank and the management of Indian Bank? If so, whether the denial of employment of Sri. S. Sanjeev, Personal Driver w.e.f. 30-9-1999 is justified? If not, what relief the workman is entitled to?”

“Whether the action of the management of Indian Bank in not considering Sri. S. Sanjeev, Personal Driver in any post of sub-staff as a prevalent precedent in the bank is justified? If not, what relief he is entitled to?”

2. The workman involved in this reference Sri. S. Sanjeev has stated that he has worked as Personal Driver of several Executive Officers of the management bank w.e.f. 14-7-1993 to 13-9-1999 and he was denied employment w.e.f. 13-9-1999 on the closure of Zonal Inspectorate of the management at Trivandrum. Though he has made several representations to the bank, his request was not considered. According to him he is the only earning member of his family and as a result of denial of employment he is not in a position to maintain his family of wife and two children. It is further stated that the management bank has appointed several personal drivers as permanent driver as well as sub-staff in the bank. He has also stated the names of some of such persons. It is also his case that as per the circulars of the bank dated 25-5-1989 and 4-7-1996 he is entitled to get appointment as permanent driver. On the basis of such

circulars his service records were sent to the zonal office but no action has been taken. According to him the action of management in denying him employment as well as non consideration of his name for appointment as sub-staff, are highly illegal and unjustified. His claim is for reinstatement in service with all benefits.

3. The management bank opposes the claim of the workman. It is stated that the workman Sri. Sanjeev is not a workman and hence the dispute raised by him is not an 'industrial dispute' as defined under Sec. 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947. Hence this reference is not maintainable. The workman was not an employee of the management bank and he was never engaged on permanent basis or casual basis by the management. His statement that he had worked for a continuous period of six years in the bank is absolutely false. There existed no employer employees relationship between the management and the workman and hence there is no cause of action to be redressed by this Tribunal. The management has not terminated the service of the workman. Certain officers of the bank are provided with car and it is for the officers to decide to engage a driver or not. If they engage a personal driver they are re-imbursed certain amount of expenses in this regard but the bank do not stipulate terms and conditions for selection or appointment of personal drivers. The bank do not have disciplinary control over such personal drivers and there is no privity of contract between the bank and such drivers. Hence such personal drivers do not have any right to claim regular appointment in the bank. The workman has not been paid any wages or salary by the bank. He was not employed permanently as personal driver of the Zonal Inspectorate, Trivandrum and there is no such post also. The bank has already stopped fresh appointments from the year 1996. Sub-staff/drivers are appointed only against the vacancies declared and appointments are made by following the well settled selection process in the bank. The management denies all other allegations made by the workman against the bank. According to the management the workman is not entitled to get any relief.

4. The workman examined himself as WW1 and Exts. W1 to W2 have been marked on his side. The manager of the management bank examined himself as MW1 and Exts. M1 to M4 have been marked on the side of the management.

5. The management has raised a preliminary objection to the effect that this reference is not maintainable. According to the management Sri. Sanjeev is not a workman and hence the present dispute is not an 'industrial dispute' as defined in the Act. The definite case of the management is that the workman was never appointed by the bank in any capacity and not paid salary or wages at any point of time. That is not proved otherwise also. Even according to the workman he was personal

driver of Executive of the bank. Admittedly he was not served with any appointment order or dismissal order from the bank. In the absence of any evidence that he was appointed by the management bank and paid salary, it cannot be held that there existed any employer employee relationship between him and the management. There is also no evidence of any master and servant relationship between them. That being the position the present dispute raised by the workman cannot be considered as an industrial dispute as defined under Sec. 2(k) of the Act. Hence this reference is not maintainable in law.

6. Issue No. 1

According to the workman he was employed as personal driver of several Executive Officers of the management bank from 14-7-1993 and was denied employment from 30-9-1999 as a result of the closure of zonal directorate of the bank at Trivandrum. He has no case that he was appointed by the management and was paid salary or wages. Of course the management has admitted the engagement of the workman as personal driver of Executive Officer of the bank but denied his claim that he had continuous service of six years. In response to Ext. W1 letter the Asstt. General Manager of the bank, Trivandrum has forwarded the service details of personal drivers engaged by the officer of bank and in which the details of the workman are stated. As per that his initial engagement was on 14-7-1993 as personal driver. But there is no evidence regarding the date of closure of the zonal directorate of the bank though according to the workman the denial of employment was w.e.f. that date viz; 30-9-1999 there is no evidence on record to show that he was appointed or paid salary by the management bank. There is also no evidence to the effect that there was any control or supervision by the management bank over the personal drivers including the workman. The workman has also not made any attempt to call for any records from the management bank to prove that he was appointed or paid salary by the management bank. There is also no evidence to show that he was denied employment by the bank. In the absence of any such evidence it cannot be held that there existed any employer employee relationship between the management and the personal drivers engaged by the executives of the management bank. Therefore the question of denial of employment of the workman does not arise at all. Hence the workman is not entitled to get any relief under this issue.

7. Issue No. 2

The further case of the workman is that the management has not considered his name for appointment in any post of sub-staff as there existed such a precedent in the bank. He has also pointed out the names of certain persons appointed in that capacity who were earlier worked as special drivers. But there is no evidence showing their

period of service as personal drivers before their absorption as sub-staff. The management has also admitted the prevalence of such a practice. But the question is whether the workman is qualified and eligible to be considered for such appointments. The workman has placed much reliance on Ext. W2 circular dated 18-8-1994 of the management bank in support of his claim. As per Ext. W2 a settlement has been signed on 23-7-1994 which provides as one time measure that all the personal drivers who have completed minimum five years uninterrupted service in the capacity of personal drivers will be considered for the post of permanent sub-staff along with the temporary sub-staff taking into account their date of initial engagement for the purpose of seniority. There cannot be any dispute that on the date of the said settlement the workman has not completed five years continuous service. Ext. M2 is another circular dated 14-11-1995 in this regard and as per that a personal driver engaged on or before 23-7-1994 could be considered for appointment to permanent cadre on completion of uninterrupted service of five years. The workman has not completed five years service as on 23-7-1994 or 14-11-1995. As stated earlier there is no evidence at all to show that the workman has completed five years uninterrupted service as personal driver w.e.f. the date of initial appoint viz; 14-7-1993. Therefore he is not eligible to claim the benefit provided by the bank as per Exts. W2 and M2 circulars. Hence the action of management is not considering the workman in any post of sub-staff is fully justified and he is not entitled to get any relief under this issue as well.

8. For the foregoing discussions, an award is passed holding that the workman is not entitled to get any relief in this reference.

C.N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal

Witness examined on the side of the Workman

WW1. Sri. S. Sanjeev

Witness examined on the side of the Management

MW1. Sri. A. Subramaniya Pillai

Documents marked on the side of the Workman

Ext. W1. Service details of the workman Sri. Sanjeev

Ext. W2. Photocopy of the circular issued by the management bank dated 18-8-1994

Documents marked on the side of the Management

Ext. M1. Photocopy of request of the workman submitted to the zonal manager of the management bank for permanent posting as driver.

Ext. M2. Photocopy of the circular issued by the management bank dated 18-8-1994.

Ext. M3. Photocopy of letter addressed to the zonal manager Ernakulam from the Central office of the management bank dated 14-11-1995.

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2741.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ बड़ोदा के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, कानपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 79/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/49/98-आई.आर. (बी-II)]
सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 2004

S.O. 2741.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 79/99) of the Cent. Govt. Indus. Tribunal-cum-Labour Court, Kanpur (U.P.) as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Bank of Baroda and their workmen, received by the Central Government on 04-10-2004.

[No. L-12011/49/98-IR(B-II)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE SRI SURESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, SARVODAYA NAGAR, KANPUR**

Industrial Dispute No. 79 of 99

In the matter of dispute between :

Shri Munna Lal Gupta
General Secretary
Bank of Baroda Staff Association (U.P.)
15/222 A Civil Lines,
Kanpur

AND

The Assistant General Manager
Bank of Baroda
Gumti No. 5, Kanpur

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide Notification No. L-12011/49/98-IR (B.II) dated

19-4-99 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Bank of Baroda in deducting wages of the workman S/Sh. Munna Lal Gupta, Anil Mishra, Raja Ram, M.C. Mishra, P.K. Talwar and Sri Rajneesh Gupta of the Association for sitting on Dharna on 5-11-96 is justified ? If not to what relief the said workmen are entitled ?

2. The admitted facts giving rise to the present reference for adjudication is that admittedly the office bearers of the Association named in the schedule of reference order above sat on Dharna in following a call of their Association on 5-11-96. The workers were denied wages for the day in question on account of dharna done by the workmen. The facts are not disputed by either party by way of their respective pleadings.

3. None of the parties adduced any oral or documentary evidence in support of their respective claims and in rebuttal.

4. Heard the authorised representatives for both the parties and also perused the reference received for adjudication and also the claims and rival claims by the contesting parties.

5. The only argument led on behalf of the workman is that the management has been paying wages earlier even for the days when the workmen did not work and staged dharna. It is pointed out that in the absence of any evidence to this effect the arguments put on behalf of the workmen has got no force and cannot be accepted. Further the attention was drawn by the workman towards the reply filed by the management against the claim petition which runs that past mistake cannot be made precedent to seek exemption as given in para no. 13 of the written statement filed on behalf of the management. The guidelines of the instructions issued by the management in respect of strike and agitation chapter 37 issued by Bank of Baroda clearly lays down that the principle of no work no pay should uniformly apply. Even where an employee in breach of his contract for part of the day he will not earn wages for full day subject to the condition that the bank does not acquiesces in the breach by taking work from such employee for the rest of the day. The later part of the instruction is not applicable in the present case and in a no work no pay situation question of payment of wages does not arise as the employee had not earned wages. The Hon'ble Supreme Court of India was pleased to hold in a case Bank of India Vs. T. S. Kalawati reported in 1990 Part II LLJ page 39 that illegality or legality of strike has nothing to do with the liability for deduction of the wages and even if the strike was legal the bank was fully entitled to deduct it. The principle laid down by the Hon'ble Supreme Court is fully applicable on the facts of the present case and it cannot be held that the workmen who

staged dharna on relevant day and did not work on the day as per their contractual obligations cannot be permitted to demand the wages which they have never earned. No other point has been raised on behalf of the workmen in support of their contention.

6. In the light of above the award is answered against the workmen and it is held that the action of the management of Bank of Baroda in deducting the wages of the workmen of the Association for sitting on Dharna on 5-11-96 is fully justified. The workers are therefore, not entitled to any relief.

Dated : 30-9-2004

SURESH CHANDRA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2742.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडिया सिक्युरिटी प्रेस के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में श्रम न्यायालय, नासिक के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-16011/6/99-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th October, 2004

S.O. 2742.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Labour Court, Nashik as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of India Security Press and their workman, which was received by the Central Government on 4-10-2004.

[No. L-16011/6/99-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SMT. C.A. NATHANI, PRESIDING OFFICER, LABOUR COURT, NASHIK

Reference (IDA) No. 57/199

BETWEEN

General Manager,
India Security Press,
Nashik Road, Maharashtra

...First Party

AND

Shri M. B. Naik,
Madhu Kunj, 5 B, Suyog Co-op.
Housing Society, Shikharwadi,
Nashik Road, Nashik (Maharashtra).

...Second Party

PRESENT :

Smt. C. A. Nathani, Judge

APPEARANCES :

Mrs. U. S. Patil, A.G.P. for first party
Shripad Chaphekar Advocate for second party,

AWARD

(23-8-2004)

This is a reference sent to this Court under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the I.D.A.) by the Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.

2. Shortly stated the second party's case is as under :

The second party was working as photographer Class II in D-2 grade from 19-1-1972. He was promoted as Photographer Class I in D-1 grade in the pay scale of Rs. 1320—2040 from 1-10-1973. On 1-4-1986 Sr. Photographer Special Grade-A (journeyman) in the scale of Rs. 1400—2300 became vacant due to retirement of Shri R. R. Kadvekar. On the retirement of Shri Kadvekar, the second party was asked to do the work of journeyman in the scale of Rs. 1400—2300 by the order of Manager (designs) dated 1-4-1986. Even though Shri B. M. Gangurde was promoted in place of Shri Kadvekar, Shri B. M. Gangurde retired on 31-10-1986 and the post again became vacant from 1-11-1986. The second party continued in this post w.e.f. 1-11-1986. The second party was not granted promotion in the post of Sr. Photographer Class I. He was not paid with the difference of the scale of Rs. 1320—2040 and Rs. 1400—2300 of Sr. Photographer. The Departmental Promotion Committee (D.P.C.) also recommended the name of second party for promotion to the post of Sr. Photographer in the scale of Rs. 1400—2300. The appointing authority had not accepted or given effect to the recommendations of D.P.C. As per the procedure, the appointing authority has to submit such cases to the next higher authorities and seek orders. The appointing authority has not followed the procedure and simply denied the promotion as well as wages in higher grade. The second party had made representations about the promotion but none of his representation was replied. Being aggrieved, the second party raised industrial dispute with the Assistant Labour Commissioner on 23-11-1995, but no relief was given. However, the Asstt. Labour Commissioner has suggested the second party to submit his claim under Section 33-C (2) of the Industrial Disputes Act, to the Central Government Industrial Tribunal. Accordingly the claim was submitted, but the judgement went against the second party on the ground that claims under existing rights can

be considered under Section 33-C (2) of the I.D. Act and therefore application was not maintained. The second party again requested the Assistant Labour Commissioner to intervene in the matter. The matter was not settled. Hence, the reference.

3. The first party submitted the written statement at Ex. C-2 and raised following defence :

The post of Sr. Photographer (journeyman) is higher scale category and is purely selection grade. No Government servant can claim promotion to higher post as a matter of right. The Manager (Designs) who is immediate head of Studio where the second party was working was required to look after the work and duties of photographer Special Grade-A. The photographers were required to work one stage above and one stage below temporarily when required. There was nothing wrong with head of section i.e. Manager (Designs) to ask the second party to look after the work of Sr. Photographer Special Grade-A in addition to his own duties which was a stage above. That was a stop gap arrangement. It will not make the second party to claim promotion with retrospective effect from 1-11-1986. The second party was asked to do the work temporarily in order to run the administration smoothly. The recommendations of the D.P.C. are advisory in nature and should be duly approved by the appointing authority. In the instant case, the proceedings of D.P.C. had not been approved by appointing authority and thus the recommendations of the said D.P.C. remained only recommendations. These recommendations have no legal effect or do not confer any right to the person who is recommended in higher post. The second party was granted promotion w.e.f. 14-12-1994. The promotion cannot be granted with retrospective effect. As per the rules where a Government Servant is formally appointed to hold full charge of the duties of a higher post in the same office as his own and in the same cadre of promotion in addition to his ordinary duties, he shall be allowed the pay admissible to him, if he is appointed to officiate in the higher post. In the instant case, the second party was not promoted to officiate in the higher grade, therefore, he has no right to claim for promotion for higher grade and consequently the pay scale of higher post.

4. The following issues are framed at Ex. C-6 by my Id. predecessor.

1. Whether the action of the management of the first party in not promoting the 11nd party w.e.f. 1-11-86 in the scale of Rs. 1400-2300 was legal and justified ?
2. Whether the 11nd party is entitled to the reliefs as prayed for in the statement of claim ?
3. What award ?

5. My findings to the above issues are as under :—

1. The action of the management of the first party in not promoting the second party w.e.f. 1-11-1986 in the scale of Rs. 1400-2300 was legal and justified ?
2. As per final order.
3. As per final order.

REASONS

6. Prior to taking up the issues for discussion, I prefer to have short account of the evidence led by the parties.

7. In oral evidence, the second party examined himself and no other witness. Likewise first party examined its Administrative Officer Shri Ramchandra Narsinha Murti and no other witness. The second party produced order issued by the Manager (Designs) of first party on 1-4-1986 regarding allocation of additional duties of Sr. Photographer to the second party at Annexure A (Ex. U-6); minutes of the meeting of D.P.C. held on 9-7-87 at Annexure B. Statement of claim letter of Asstt. Labour Commissioner, Pune dated 4-10-1996 at Annexure D and proforma to maintain the record of working in the higher grade at Ex. U-7.

8. The first party produced list of duties of Sr. Photographer at Annexure A and Copy of the order of judgement of Central Govt. Labour Court No. 2, Mumbai.

9. As to issue No. 1 & 2 :

There is no dispute that the second party was discharging the duties of Sr. Photographer Class I Grade A when he was designated as Photographer Class II in D-2 grade since 1-4-1986. He was promoted as Sr. Photographer Class I Grade-A on 14-12-1994. Admittedly the post of Sr. Photographer became vacant from 1-11-1986. The dispute under reference is only restricted whether the promotion which was granted on 14-12-1994 be given effect from 1-11-1986 or not.

10. The second party has stated that the D.P.C. had recommended his name for promotion on 9-7-1987. In support of his claim, he has produced the copy of recommendations of D.P.C. which is placed on record at Annexure B.

11. The first party has not disputed the recommendations of the D.P.C. In such circumstances, it has to be seen what are the effects of recommendations of D.P.C.

12. The second party relied upon Rule No. 16.4.3 as is mentioned in Swami's Establishment and Administration, the extract of which is placed by him on record at Annexure C. The first party's witness Shri Ramchandra Murti was asked about the procedure to be

followed by the first party in the case of promotion. He admitted that the rule as mentioned in Swami's Establishment & Administration are followed by the first party. The said witness when referred with Rule No. 16.3 of Swami's Establishment and Administration, had tried to clarify that this rule pertains to the appointment of Sr. Class I officer by the President of India and not for other lower post. He has stated that there are other rules to be followed for rejecting the proposals for lower posts. It is significant to note that the first party has not produced for rejecting the proposals of D.P.C. for lower post. As he admitted that, Swami's Establishment & Administration is referred for Procedure in Party No. 1, therefore, it has to be taken that the rules which are applicable are as mentioned in Swami's Establishment and Administration. I have gone through Chapter No. 43 of Swami's Establishment & Administration which is for the rules to be observed in the cases of promotion. As per this rule, the promotions are to be made on the basis of D.P.C.'s recommendations. The same is the admitted fact in this case also as the witness for the first party has admitted that, there used to D.P.C. meetings to recommend the promotions of the employees. In such circumstances, the recommendations of D.P.C. has to be considered.

13. The second party has produced copy of minutes of the D.P.C. held on 9-5-1987. It bears clear terms of the recommendations for the name of second party to consider his promotion from 1-11-1986. Thus, it is clear that D.P.C. had recommended the second party's promotion from 1-11-1986.

14. First party has come up with the case that the post of Sr. Photographer is of Selection Grade, the promotion is not a matter of right. I do agree with the contentions raised by the first party that the post of Sr. Photographer is of Selection Grade. However, the procedure for accepting or rejecting the recommendations of D.P.C. can be same for both the posts either of selection grade or of non-selection grade. No doubt in the case of selection grade post, the promotion is not a matter of right, however, denial of promotion cannot be said legal and justified when it is without any reason.

15. In the present case, the D.P.C. had recommended the second party's name on 9-5-1987. The first party had issued letter on 1-4-1986 while allocating the work of Sr. Photographer that his name will be proposed in the D.P.C. for the post of Sr. Photographer Special Grade-A, after retirement of Shri B.M. Gangurde. Admittedly the said Shri B.M. Gangurde retired on 31-10-1986 and the second party continued to work even after his retirement. Thus, the first party had expressed its view of the eligibility of the promotion of second party while allocating the work of Sr. Photographer on 1-4-1986. The recommendations of D.P.C. also came in favour of the second party when the meeting was held. It

is significant to note that the first party has not given any reason for not accepting the recommendations of D.P.C. It may be even said that the first party had not even taken any action to show that it had noticed the recommendations of the D.P.C. As per Rule 16.4.3 if the appointing authority does not accept recommendations of the D.P.C., it shall submit papers to the next higher authorities with its own recommendations. Here in this case, nothing is on record to show that the appointing authority either accepted or refused to accept the recommendations of the D.P.C. As per Rule 16.4.3 it was binding on the appointing authority to accept the recommendations of D.P.C. or submit the papers to the next higher authorities with its recommendations. The appointing authority failed to submit the papers to the next higher authorities with its own recommendations. Thus, the first party failed to follow the procedure.

16. It is significant to note that the procedure provides three months' time limit either to accept or reject the recommendations of D.P.C. Rule No. 16.5.1 of Swami's Establishment and Administration is very specific for that purpose. I would like to reproduce the same, which runs as under :—

"In cases excepting those which require the approval of the Appointments Committee of the Cabinet the appointing authority should take a decision either to accept or disagree with the recommendations of the D.P.C. within a time limit of three months (from the date of the D.P.C. meeting or the date of communication of the UPSC's approval to the panel, where such approval is required). Where the appointing authority proposes to disagree with the recommendations, the relevant papers should be submitted by the appointing authority to the next higher authority with its own recommendations by the expiry of the period of three months. In those cases in which the UPSC is associated with the DPC and the appointing authority proposes to disagree with the recommendations of the DPC, the case should be forwarded to the Establishment Officer in the Department of Personnel and training for placing the matter before the Appointments Committee of the Cabinet as soon as possible and, in any case, not later than three months from the date on which the validity of the panel commences."

17. Here in this case both the 1d. counsels for the parties relied on the book of Swami's Establishment & Administration for the procedure to be followed for promotion of the employees of the first party. The xerox copy of Chapter 53 has been provided by the first party. As per Rule No. 16.5.2 the time limit has to be followed even in the cases when approval of A.C.C. is required to give effect to the recommendations of D.P.C. Nothing is on record to show that, the first party was careful enough

to follow the time schedule to recommendations for approval to A.C.C. Thus, the first party was in total failure of following the procedure in respect of recommendations of D.P.C. in the case of second party. Such action cannot be considered legal and justified.

18. It has been vehemently submitted on behalf of the first party that the second party was put in charge of Sr. Photographer for time gap arrangement. According to it, it was temporary arrangement. It is significant to note that, the second party was kept in charge of Sr. Photographer which fell vacant on 1-11-1986. He was promoted on 14-12-1994. The period about 7 years cannot be in any case said temporary or a time gap arrangement. No doubt the superiors have right to get the work done of one grade above and one grade below of the employees post, however, such arrangement against clear vacancy cannot be stretched for years together. In the present case there was not only clear vacancy for which the second party was asked to work as additional charge, but his name was also recommended for that post by D.P.C. In such circumstances, the action of first party in not acting upon the recommendations of D.P.C. in time cannot be said to be justified.

19. I would like to make it clear that the second party's promotion was recommended in the meeting of D.P.C. on 9-5-87. The period of 3 months is provided as per the rules for accepting or rejecting the recommendations. The post of Sr. Grade requires approval. Had the approval made in time of 3 months, at the most it would have accepted or rejected in further 4 months? Had it been rejected, the second party would have got opportunity of legal action at that time, therefore, the notional date of promotion has to be taken as 1-1-1988?

20. Here in this case, the first party neither accepted the recommendations nor submitted it for further approval of higher authorities. The fact cannot be neglected that the second party is fighting for his rights since last many years. He approached to Assistant Labour Commissioner. Assistant Labour Commissioner advised him to approach Central Government Industrial Tribunal. Accordingly he approached to Central Govt. Industrial Tribunal. Central Govt. Industrial Tribunal has not considered the claim for want of existing rights. Then he approached to Assistant Labour Commissioner where from the reference has come to this Court. The Complainant had worked for 7 years for the promotional post, while he was designated a rank below. Admittedly, he was not granted with any monetary benefits. In all such circumstances, the action of not granting promotion, the notional date which I have taken 1-1-1988 is therefore not justified.

21. The second party was appointed on the scale of Rs. 1320-2040. I have taken his date of notional promotion 1-1-1988. Had he been promoted on 1-1-1988,

he would have got the pay scale of Rs. 1400-2300 ? The second party is now retired from the services. Now only monetary benefits can be granted to him. I am therefore of the opinion that, he can be granted difference in 2 scales, which he was getting and which he sought to have got. He was getting the payment in the scale of Rs. 1320-2040. He ought to have got the scale of Rs. 1400-2300. The actual salary and the slab where he was not before the Court. I therefore hold that he is entitled to get whatever actual salary drawn and difference in the scale of Rs. 1400-2300.

22. The first party had tried to bring evidence on record in order to show that, the second party was not a workman. It witness Ramchandra Murti has stated that, second party was not a workman. In order to show the same, the first party has produced the duty list of Sr. Photographer Grade-1 at Annexure A. It is significant to note that, as per Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, 1947, a workman means :—

"any person (including an apprentice) employed in any industry to do any manual, unskilled, skilled, operational, clerical or supervisory work for hire or reward, whether the terms of employment in relation to an industrial dispute, includes any such person who has been dismissed, discharged or retrenched in connection with, as a consequence of, that dispute, or whose dismissal, discharge or retrenchment has led to that dispute, but does not include any such person—

- (i) —————
- (ii) —————
- (iii) who is employed mainly in a managerial or administrative capacity, or
- (iv) who, being employed in a supervisory capacity, draws wages exceeding one thousand six hundred rupees per mensem or exercises, either by the nature of the duties attached to the office or by reason of the powers vested in him, functions mainly of a managerial nature.

Admittedly the second party was not the person of managerial category. So as to supervisory category is concerned, it is significant to note that the first party has come with the case that the second party was bound to follow the instructions of Manager (designs) to work one rank above or one rank below. Thus, the first party has come with the case that the second party was under the supervision of Manager-designs. Ultimately, it can be said that the second party does come in supervisory category. In such circumstances, the duty list produced by the first party does not exclude the second party's work from the area of workman. More so, Annexure B to written statement also does not bring any supervisory nature of work to be discharged by the second party. In such

circumstances, it can be well said that the second party is a workman within the meaning of section 2(s) of the Industrial Disputes Act, 1947.

23. As I mentioned in foregoing paras, the action of first party in not promoting the second party from 1-1-1988 is not legal and justifiable, the second party can be granted with only monetary relief, therefore, I hold that he is entitled to the difference of 2 scales from 1-1-1988 to 13-12-1994.

24. In the light of above discussion, the issue Nos. 1 & 2 are answered accordingly.

25. Hence, I proceed to pass the following order.

ORDER

1. The reference is partly allowed.

2. It is hereby declared that the action of the first party in not promoting the second party from 1-1-1988 is illegal and unjustified.

3. The second party is entitled to the difference of wages drawn and which he was entitled to (Rs. 1400-2300) from 1-1-1988 to 13-12-1994.

4. The first party is accordingly directed to pay to the second party the difference of wages drawn and which he was entitled to (Rs. 1400-2300) from 1-1-1988 to 13-12-1994 within two months from the date of publication of the award.

5. Parties to bear their own costs.

Nashik SMT. C. A. NATHANI, Presiding Officer
Date : 23-8-2004

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2743.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, शुगर केन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चेन्नई (संदर्भ संख्या 83/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/242/2002-आई.आर. (सीएम-II)]
एन. पी. केशवन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th October, 2004

S.O. 2743.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 83/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chennai as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Sugar Cane

Breeding Institute, and their workmen, received by the Central Government on 04-10-2004.

[No. L-42012/242/2002-IR(CM-II)]
N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHENNAI

Tuesday, the 10th August, 2004

PRESENT :

K. Jayaraman, Presiding Officer

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 83/2003

[In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), between the Management of Sugar Cane Breeding Institute and their workmen]

BETWEEN

The General Secretary, : I Party/Claimant
Sugar Cane Breeding Institute
Farm
Labour Union, Coimbatore

AND

The Director, : II Party/Management
Sugar Cane Breeding Institute,
Coimbatore

APPEARANCE :

For the Claimant : M/s. D. Hariparanthaman,
V. Ajoy Khose, Advocates
For the Management : Mr. K. Rajendran, CGSC

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Notification Order No. L-42012/242/2002-IR(CM-II) dated 08-05-2003 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of Sugar Cane Breeding Institute, Coimbatore in denying bonus to the casual workers for the year 2000-01 for the reason that they have not completed 240 days of service in each year during the previous three years by ignoring their past service with them is legal and justified ? If not, to what relief they are entitled ?”

2. After the receipt of the reference, it was taken on file as I.D. No. 83/2003 and notices were issued to both the parties and both the parties entered appearance through their advocates and filed their Claim Statement and Counter Statement respectively.

3. The allegations of the Petitioner in the Claim Statement are briefly as follows :—

The II Party is growing sugarcane and other products for sale apart from rendering service to the farmers and public. The II Party has been employing large number of workmen numbering more than 300, which includes both male and female workers. During January, 1992 the II party management unilaterally increased the work load apart from reducing the manpower. This led to protest by total work force in the farm. Subsequently, the Respondent/Management imposed a condition for allowing workmen to resume duty that they should give an undertaking that they would not join any union. Only the workmen who gave such an undertaking were allowed to resume work. 153 workmen who did not give undertaking as demanded by the II Party/Management were denied employment without following any procedure contemplated under the provisions of I.D. Act. Therefore, the 153 workers raised industrial dispute against the non-employment of the above 153 workmen and the same was taken as I.D. No. 23/93 by the Industrial Tribunal, Chennai and on 19-3-97 the Tribunal has passed an award declaring that the non-employment is unjustified and directed the II Party/Management to reinstate all the 153 workmen with continuity of service, back wages and other attendant benefits. The II Party/Management filed a W.P. No. 17842/97 in the High Court and obtained stay. When the Petitioner filed a vacate stay petition the II Party/Management agreed to reinstate the workmen instead of paying 17B wages. Thus, the II Party/Management reinstated the workmen w.e.f. 1-12-2000, but the II Party/Management did not give them bonus or any other benefits, though the other similarly placed workmen were paid bonus and other benefits. Hence, the I Party Union raised this industrial dispute before Assistant Labour Commissioner (Central). The other workmen who are similarly placed with the workmen concerned in the dispute were paid Rs. 1700 as bonus for the year 2000-2001. This is paid without reference to profit or productivity. The Petitioner Union workmen concerned in this dispute have worked for four months from 1-12-2000 to 31-3-2000 and they were not paid proportionate bonus for the period and they were not paid bonus as per Payment of Bonus Act also. The II Party/Management took a stand that since these workmen have not put 240 days continuously for three years, they were not entitled to bonus for the year 2000-2001. The action of the II Party/Management in not paying bonus is arbitrary, violative of Article 14 of the Constitution. Section 8 of the Payment of Bonus Act contemplates that every employee is entitled to bonus in an accounting year, if he worked for not less than 30 days in the establishment. Therefore, the II Party/Management is bound to pay bonus for 2000-2001 as per section 13 of the Payment of Bonus Act. Furthermore, the II Party/Management was directed

to reinstate the workmen in service with continuity of service, back wages by an Award in 23/93. Therefore, it shall be taken that these workmen were put in continuous service of three years and on that score also the II Party/Management is bound to pay bonus to the Petitioner Union workmen. Hence, the Petitioner Union prays that an award may be passed against the Respondent/Management for payment of bonus to workmen who were reinstated on 1-10-2000 for the accounting year 2000-01 in accordance with the Payment of Bonus Act.

4. As against this, the Respondent/Management in its counter statement contended that the Respondent is functioning under the administrative control of Indian Council of Agricultural Research, the Central Govt. Autonomous Body under the Department of Agricultural Research and Education, Ministry of Agriculture, Government of India. The Institution is engaged purely on agricultural research activities pertaining to sugarcane crop and it does not have any profit motive as per its mandate. All the workers, who were paid bonus for the year 2000-2001 belong to temporary status category and they are not similarly placed as alleged by the Petitioners. As the temporary status labourers were working continuously during the preceding three years and satisfying the other conditions of Indian Council of Agricultural Research, they were paid bonus. The bonus paid workers are not similar to the workers who went on illegal strike disrupting the research work of institute abruptly without any notice. There is no provision in Indian Council of Agricultural Research rules to pay proportionate bonus. The bonus is being paid as per the rules and regulations of ICAR. The said Rules state that the casual labourers have to work for minimum of 240 days in a year continuously during the preceding three years to become eligible for payment of bonus. Since the said workers worked only for four months during 2000-2001, they went on strike during the preceding three years and they do not satisfy the conditions laid down under ICAR rules, hence, the bonus cannot be paid. Since the question of continuity of service for strike period from January, 1992 to November, 2000 has been challenged in High Court by II Party/Management, the Petitioner Union labourers will be paid bonus as per the Council rules. The payment of bonus is being made as per ICAR rules. The Petitioners are not entitled to any bonus as there is no provision in existing rules to pay proportionate bonus. The temporary status labourers were paid bonus, since they have worked for 240 and more days during the preceding three years. Hence, the Petitioner cannot claim bonus for the period alleged by them. ICAR rules alone are applicable to the labourers working in the organisation and hence, the question of illegality does not arise. The Director has no power to grant or deny bonus to his subordinates. Hence, the dispute is not maintainable either in law or on facts. Therefore, for all these reasons, the

Respondent prays that the claim may be dismissed with costs.

5. In these circumstances, the point for my determination is :—

(i) "Whether the action of the Respondent/Management in denying bonus to the Petitioner Union Workers for the year 2000-01 for the reason that they have not completed 240 days of service in each year during the previous three years?"

(ii) "To what relief they are entitled?"

Point No. 1 :

6. In this case, to substantiate their contention on the side of the Petitioner WW1 namely Mr. Loganathan was examined and on the side of the Petitioner Ex. W1 to W5 were marked. Out of which Ex. W1 is the judgement in I.D. No. 23/93 before Tamil Nadu State Industrial Tribunal, Chennai. Ex. W2 is the copy of order of High Court in WMP No. 22208/2000 in W.P. No. 17847/97. Ex. W3 is the list of workers reinstated on 1-12-2000, who were not paid bonus for the year 2000-2001 and Ex. W4 is the copy of industrial dispute raised by the Petitioner before Assistant Labour Commissioner (Central), Chennai. Ex. W5 is the copy of failure of conciliation report. On the side of the Respondent/Management, no witness was examined but Ex. M1 namely office memorandum issued by the Govt. of India, Ministry of Finance dated 16th October, 2001 was marked. It is admitted in this case that 153 workmen were reinstated as per the orders of Industrial Tribunal and as per the orders of High Court in W.M.P. No. 22208/2000 in W.P. No. 17847/97. It is further admitted that they have been denied bonus on the ground that these 153 workmen have not put in 240 days continuously for three years prior to 2000-01.

7. On behalf of the Petitioner, it is contended that the denial of bonus to workmen is arbitrary and violative of Article 14 of Constitution. Secondly, Section 8 of the Payment of Bonus Act contemplates that every employee shall be entitled to be paid bonus by his employer in an accounting year if he works for not less than 30 days in the establishment in that accounting year. Therefore, the Petitioner Union workmen had worked more than 30 days in the accounting year 2000-01 and therefore, the Respondent Management is bound to pay proportionate bonus for the year 2000-01, as per Section 13 of the Payment of Bonus Act. The third contention of the Petitioner is that the workmen concerned are entitled to minimum bonus at the rate of 8.33% of the wages earned by them during the accounting year 2000-01 i.e. during the period from 1-12-2000 to 31-3-2000 as per Section 10 of the Bonus Act. Therefore, not paying the proportionate amount to these workmen is unjust, arbitrary

and discriminatory. It is further contended on behalf of the Petitioner that these workmen will be paid only if they had continuously worked for the three years putting 240 days of service in each year is contrary to Section 8 of Payment of Bonus Act and therefore, it is illegal.

8. On behalf of the Respondent, it is contended that the payment of bonus is being made by the II Party/Management as per ICAR rules, which stipulate that labourers should have worked not less than 240 days in a year continuously during the preceding three years for particular final year and there is no provision in the existing ICAR rules to pay proportionate bonus. Though the Petitioner Union contended that other labourers belonging to temporary status category are paid bonus, on the other hand, these persons were not paid bonus is of no value because the temporary status labourers are not similarly placed to the Petitioner Union labourers and the temporary status labourers were paid bonus, since they worked for 240 or more days in a year continuously during the preceding three years, whereas the Petitioner Union labourers went on illegal strike and hence the claim is not maintainable. ICAR rules are only applicable to labourers working in the Respondent/Management and hence, there is no illegality as alleged by the Petitioner Union and therefore, they are not entitled to claim bonus.

9. It is seen from the Bonus Act Section 32(iv) that nothing in this Act, namely Payment of Bonus Act, shall apply to employees employed by an establishment engaged in any industry carried on by or under the authority of any department of Central Govt. or State Govt. or a local authority, therefore, though the Petitioner's claim that they are entitled to bonus under Payment of Bonus Act, since the Respondent/Management namely the Sugarcane Breeding Institute functions under administrative control of ICAR, autonomous body of Central Govt. under the Department of Agricultural Research & Education, Ministry of Agriculture, Govt. of India, I find, the Bonus Act is not applicable to the Respondent/Management. Anyhow, the Govt. of India, Ministry of Finance, Department of Expenditure has issued a memorandum in which non-productivity linked bonus (ad-hoc bonus) was given to the Central Govt. employees for the year 2000-2001. Only on this memorandum, the II party/management has given bonus (ad-hoc bonus) to the workmen working under their institution. In that, it is specifically mentioned that the casual labourers who have worked in offices following six days week for at least 240 days for each year for three years or more [206 days in each year for three years or more in the case of offices observing five days week] will be eligible for non-productivity linked bonus (ad-hoc bonus) payment. The amount of non-productivity linked bonus payable will be Rs. $1200 \times 30/30.4$ i.e. Rs. 1184.21 (rounded off to Rs. 1184) in cases where the actual emoluments fall below Rs. 1200 per month, the amount will be calculated on

actual monthly emoluments. Only on this rule mentioned in the memorandum, the II Party/Management contended that the Petitioner Union labourers are not entitled to bonus, since they have not worked for 240 days continuously during the preceding three years.

10. But, again the learned counsel for the Petitioner contended that in I.D. No. 23/93 the Industrial Tribunal, Chennai has passed an award wherein the Tribunal directed the II Party/Management to reinstate the Petitioner Union labourers namely 153 labourers with continuity of service and back wages and therefore, even assuming that the Petitioner Union labourers were worked only for four months in the accounting year 2000-01, as per the Award it should be taken that these workmen had put in continuous service for three years. Therefore, even on this score also the II Party/Management is bound to pay bonus for the concerned workman in this dispute for the accounting year 2000-01.

11. But, as against this, the Respondent contended that the Award in I.D. No. 23/93 of Industrial Tribunal, Chennai has been contested in W.P. No. 17847/97 before the High Court and the contention of the Petitioner that they should have been worked for more than 240 days in a year continuously for three years cannot be accepted in such circumstances and it should depend on the final verdict of the High Court and they cannot take advantage of the award passed by the Industrial Tribunal.

12. Though, I find some force in the contention of the learned counsel for the Respondent, since the Respondent/Management in W.M.P. No. 22208/2000 had filed counter affidavit and in that the High Court has passed an order to take all the 153 employees and also directed under section 17B of the I.D. Act to pay wages @Rs. 605 for A Group (male) and Rs. 550 for B Group (female) labourers per month for a period of two years within a period of 12 weeks i.e. from 13-11-2000 and also passed an order that this order is without prejudice to the stand of both parties in the Writ Petition. Accordingly, from the date 1-12-2000 the Petitioner Union labourers were reinstated in service and they are paid daily wages which is prevailing as on date. Therefore, even assuming without conceding that the Writ Petition is pending against the order in I.D. No. 23/93, since the Petitioner Union labourers have been reinstated in service and they were also paid arrears under section 17B, it should be considered that they are only reinstated and back wages were also paid as per the orders of High Court. Under such circumstances, it cannot be said that they have not worked for more than 240 days in a year continuously in the preceding three years to the accounting year 2000-2001. Further, even in the memorandum, it is stated in clause 2(i) that pro-rata payment will be admissible to the eligible employees for the period of continuous service during the year from six months to a full year, the

eligibility period being taken in terms of number of months of service (rounded to the nearest number of months) and therefore, the proportionate bonus is not given in the memorandum cannot be said as a valid ground. In this case, it is admitted that since the Petitioners have worked for four months from 1-10-2000 to 31-3-2001, I find they are entitled to bonus as per office memorandum dated 16-10-2001. Therefore, I find this point that the action of the II Party/Management in denying bonus to the Petitioner Union labourers for the account year 2000-01 for the alleged reason is not legal and justified.

Point No. 2 :

The next point to be decided in this case is to what relief the Petitioner is entitled ?

13. In view of my foregoing findings that the denial of bonus by the II Party/Management is not legal and justified, I find the Petitioner Union workmen are entitled to proportionate bonus for the accounting year 2000-2001 as claimed by them. Ordered accordingly. No Costs.

14. Thus, the reference is answered accordingly.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him, corrected and pronounced by me in the open court on this day the 10th August, 2004).

K. JAYARAMAN, Presiding Officer

Witnesses Examined :

For the I Party/Petitioner : WWI Mr. M. Loganathan

For the II Party/Management : None

Documents Marked :

For the I Party/Workman :

Ex.No.	Date	Description
W1	19-03-97	Xerox copy of the Award in I.D. No. 23/93 Passed by Industrial Tribunal, Chennai.
W2	13-11-2000	Xerox copy of the order of High Court in WMP No. 22208/2000 in W. P. 17847/97
W3	Nil	Xerox copy of the list of workmen reinstated on 1-12-2000
W4	Nil	Xerox copy of the industrial dispute raised by Petitioner Union before Assistant Labour Commissioner (Central), Chennai.
W5	09-10-02	Xerox copy of the failure of conciliation report.

For the II Party/Management :

Ex.No.	Date	Description
M1	16-10-01	Xerox copy of the office memo issued by Ministry of Finance, Government of India regarding bonus for 2000-01.

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2744.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, चेन्नई के पंचाट (संदर्भ संख्या 76/2003) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 01-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-33011/2/2003-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 2004

S.O. 2744.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 76/2003) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chennai as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Chennai Port Trust and their workman, received by the Central Government on 01-10-2004.

[No. L-33011/2/2003-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHENNAI

Wednesday, the 11th August, 2004

PRESENT :

K. Jayaraman, Presiding Officer

Industrial Dispute No. 76/2003

[In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) between the Management of Chennai Port Trust and their workmen].

BETWEEN

The General Secretary, : I Party/Claimant
Madras Port United Labour Union

AND

The Chairman, : II Party/Management
Chennai Port Trust, Chennai

APPEARANCE :

For the Claimant : M/s R.P. Panneer Selvam &
C.R. Malaivannan, Advocates

For the Management : Mr. R. Karthikeyan &
R. Bharanidharan, Advocates

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Notification Order No. L-33011/2/2003-IR(B-II) dated 16-04-2003 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Chennai Port Trust in imposing the punishment of postponing the annual increment for two years without cumulative effect in respect of Smt. J. Pramila and Smt. Sambavi is justified ? If not, what relief are they entitled to ?”

2. After the receipt of the reference, it was taken on file as I.D. No. 76/2003 and notices were issued to both the parties and both the parties entered appearance through their advocates and filed their Claim Statement and Counter Statement respectively.

3. The allegations of the Petitioner Union in the Claim Statement are briefly as follows :

Smt. Pramila and Smt. Sambavi are staff nurses in the medical department of the Respondent/Management. Smt. V. Pramila was posted in 2nd shift on 4-9-2000 and Mrs. J. Sambavi was posted in 3rd shift on the same day i.e. 4-9-2000 to discharge their nurse duties in Chennai Port Trust Hospital. Since Smt. J. Sambavi reliever has not reported for duty in time, Smt. Pramila posted in 2nd shift was asked to continue for 3rd shift also by the Duty Doctor posted in 2nd shift. But, on the same day, Smt. J. Sambavi has informed her colleague over phone that she was held up due to traffic dislocation on the way from her residence to Chennai Port Trust Hospital for 3rd shift. As such, Smt. Sambavi has reported for 3rd shift a little late on 4-9-2000 and Smt. Pramila who was posted in 2nd shift on the same day had to go home, as she has not informed her house about her continuance posting in 3rd shift, since the reliever has reported, Smt. Pramila has handed over the charge to the reliever, 3rd shift nurse Smt. Sambavi and left for home. When Mrs. Sambavi has reported for 3rd shift, little late, neither the 2nd shift nor 3rd shift incharge were in the hospital. However, there was no dislocation of routine work since both shifts have been carried out avoiding over time on 4-9-2000. While so, Smt. J. Sambavi and Smt. V. Pramila were served with charge memo dated 22-9-2000 by the Chief Medical Officer of the Respondent/Management. Even though both the nurses have given their explanation, they were not accepted by the Chief Medical Officer and they were punished for wilful insubordination and he has ordered

to withhold the increment when it falls due next for a period of two years without cumulative effect. The said punishment was imposed arbitrarily on the said nurses without giving any fair opportunity to explain the entire situation happened on 4-9-2000. Therefore, it is unlawful and against the principles of natural justice. The Petitioner Union made several representations to Chief Medical Officer and Chairman, but they were not accepted are rejected by the concerned authorities. Hence, for all these reasons, the punishments are unsustainable and against the principles of natural justice. Therefore, the Petitioner Union prays that an award may be passed holding that the orders passed by the II Party/Management is illegal and to set aside the same.

4. As against this, the Respondent in the Counter Statement contended, that duty hours in Chennai Port Trust Hospital for nurses 1st shift is 7.00 am to 1.30 pm, 2nd shift is from 1.30 pm to 8.00 pm and the 3rd shift is 8.00 pm to 7.00 am. On 4-9-2000, the 2nd shift supervisor Smt. Glory has forwarded a letter dated 4-9-2000 to the Chief Medical Officer stating that on 4-9-2000 Smt. J. Sambavi, nurse who was posted for night duty did not report for duty upto 8.30 pm and it was also informed to CMO and over time was given to Smt. Pramila to perform her night shift. But, subsequently it is learnt that Smt. Sambavi reported for duty at 8.35 pm and on seeing her reliever, Smt. Pramila left the ward without even informing the shift supervisor or the control officer. Similarly, Smt. J. Sambavi joined duty without informing the control officer or shift supervisor. The control officer asked Mrs. Sambavi to go back and in spite of the same, Smt. Sambavi chose to remain for duty. The 2nd shift supervisor had also added that this was a repeated problem with Smt. Sambavi and hence, requested necessary action in the above matter. The above acts on the part of both nurses was construed as misconduct under 4(6) and 4(9) of Madras Port Trust Employees' (Conduct) Regulations, 1987 and therefore, they were served with show cause notice and since their explanation were not satisfactory, the authority had ordered for minor penalty of withholding of their increments when it falls due for next two years without cumulative effect under Regulation 8a(iv) of Madras Port Trust Employees' (CCA) Regulations, 1988 as a punishment for their delinquency. Both these persons even after receiving the said orders did not choose to file any statutory appeal as per Regulation 21 of Madras Port Trust Employees' (CCA) Regulations, 1988 and the Petitioner Union by its letter dated 7-11-2000 to the Chief Medical Officer has requested to consider their representations. Since it was not made by the individual persons, the Chief Medical Officer did not consider the request of the union and they were informed of the same by letter dated 4-12-2000. After lapse of three months, the Petitioner Union again made a representation to the Chennai Port Trust and the same was rejected by the

Chairman. Mrs. J. Sambavi, nurse of the Respondent/Management was a chronic late comer and on that day she did not report for duty till 8.30 pm and hence, the 2nd shift nurse Smt. V. Pramila was asked to do 3rd shift on over time basis. But, at 8.40 pm Mrs. Pramila had left the ward without informing the supervisor or the control officer on seeing Smt. J. Sambavi. Thus, it could be seen that the act of Mrs. V. Pramila and Smt. J. Sambavi are nothing but an act of misconduct which had attracted the provisions under 4(6) & 4(9) of Conduct Regulations, 1987 and also wilful insubordination of the order of superior. Therefore, the Respondent had rightly imposed the punishment and it cannot be said that the same is illegal. Hence, for all these reasons, the Respondent prays that the claim may be dismissed with costs.

5. In these circumstances, the point for my determination is :

- (i) "Whether the action of the Respondent/Management in imposing the punishment of postponing the annual increment for two years without cumulative effect in respect of Smt. V. Pramila and Smt. J. Sambavi is justified ?"
- (ii) "To what relief they are entitled ?"

Point No. 1 :

6. It is an admitted case of both sides that the concerned employees namely Smt. V. Pramila and Smt. J. Sambavi who are working as staff nurses in the medical department of the Respondent/Management and on 4-9-2000, Smt. V. Pramila was posted in 2nd shift i.e. from 1.30 pm to 8.00 pm and Smt. J. Sambavi was posted in 3rd shift i.e. on 4-9-2000 from 8.00 pm to 7.00 am of next day to discharge their nurses duties in the Respondent hospital.

7. On behalf of the Respondent it is contended that on that day, the 2nd shift supervisor Smt. Glory of the Respondent hospital has sent a letter dated 4-9-2000 to the Chief Medical Officer, copy of which is marked as Ex. M1 that on that day Smt. J. Sambavi nurse, who was posted for night duty did not report for duty at 8.30 pm accordingly, the control officer, Deputy Chief Medical Officer was also informed of the same and over time was given to Smt. Pramila to perform night shift, who worked in the 2nd shift and Smt. J. Sambavi reported to duty at 8.35 pm and on seeing her reliever, Smt. Pramila left the ward without even informing the shift supervisor or the control officer. Similarly, Smt. J. Sambavi had also joined duty without informing control officer or shift supervisor. Even when the control officer asked Mrs. Sambavi to go back and in spite of the same, Smt. Sambavi chose to remain for duty and it is also mentioned that this was a repeated problem with Smt. Sambavi and hence, the shift supervisor has requested necessary action in that matter

and for this, the Respondent/Management has issued show cause notice and construed on the ground that they were misconduct under Regulation 4(6) and 4(9) of the Madras Port Trust Employees' (Conduct) Regulations, 1987.

8. The grievance of the Petitioner Union on behalf of the concerned employees is that even after a valid explanation given by the concerned employees, the Respondent/Management has not satisfied with the explanation and imposed minor punishment of withholding of increments for when it falls due next for a period of two years without cumulative effect which is arbitrary and without giving a fair opportunity to the concerned employees to explain the entire situation happened on 4-9-2000. The learned counsel for the Petitioner contended that Smt. Sambavi has given an explanation that on 4-9-2000 before coming to hospital she caught on traffic jam near Ramachandra Medical Hospital while coming to duty and she has also informed the shift supervisor through Smt. Vasuki, who is a ICU staff that she would report for duty for the said reason little late. The telephonic message was also given to the shift supervisor about her late arrival to duty at 7.15 pm. Since Smt. V. Pramila requested her that she should have to go early to attend her sick baby, she was forced to do 3rd shift duty and she has no intention to disobey her supervisor's orders, but circumstances forced her to complete her shift duty on 4-9-2000 as stated above and she has also requested the management to excuse her for the same due to unavoidable circumstances. Similarly, Smt. V. Pramila also has given her explanation for show cause notice that on that date she had completed her 2nd shift duty in Children's ward at 8.00 pm waiting for reliever of Smt. J. Sambavi to take charge of her 3rd shift duty. When she started from her home to report for duty in the morning, her child was suffering from fever and even in spite of that she has reported for duty with great difficulty, while so at 7.00 pm Smt. J. Sambavi has given a phone message that she caught in traffic jam and she will be coming to duty little late and she reached for duty at 8.25 pm and since she was very anxious to see her sick child, she has requested her reliever Smt. J. Sambavi to resume her 3rd shift duty and immediately she left the hospital as the night shift supervisor was not available at that time and therefore, she was unable to inform her and her action may be excused if there was any lapse on her part in that circumstances. Further, it was argued on behalf of the Petitioner Union that when Smt. Pramila left the office and when Smt. J. Sambavi joined the 3rd shift duty, the 3rd shift in-charge did not raise any objection to her reporting to duty, under such circumstances, it cannot be said that their action amounts to misconduct. Further, it is argued on behalf of the Petitioner that various judicial pronouncements clearly stated that charge sheet is the charter of disciplinary action, The domestic enquiry or departmental enquiry commences with the service of

charge sheet. Therefore, before proceeding with departmental or domestic enquiry against delinquent employee, he or she must be informed clearly and accurately of the charges levelled against him/her and the charge sheet should specifically set out all charges which the delinquent employees is called upon to show cause against and should also state all relevant particulars and details without which he or she cannot defend himself/herself. The object of this requirement is that the delinquent employees must know what he or she is charged with and have adequate opportunity to meet the charges and to defend himself or herself by giving proper explanation. In this case, Regulation 14(1)(a) of Madras Port Trust Employees (Classification, Control & Appeal) Regulation, 1988 clearly stated it should be in writing of the proposal to take action against her and of the imputations of misconduct or misbehaviour on which it is proposed to be taken and giving her an opportunity of making any representation, she may wish to make against the proposal. In this case, even though memorandums were served to Smt. V. Pramila and J. Sambavi on 22-9-2000 under Ex.M2 and M3 in that it has not been specifically stated as to where, when and before whom the concerned employees have committed that act of insubordination. Further, Disciplinary Authority has not mentioned in the said memorandums clearly and definitely what the allegations are on which the charges preferred against them. Further, the memos were not disclosed any breach of duty or dislocation of duty during the 2nd shift or 3rd shift on 4-9-2000. Furthermore, neither the control officer nor shift supervisor submitted any report against the concerned employees to the Disciplinary Authority in respect of the misconduct or misbehaviour or insubordination. In this case, there is no dislocation either in 2nd shift or in 3rd shift on 4-9-2000 in hospital. Though Ex.M1 said to have been written by 2nd shift supervisor, on the face of it, it cannot be considered as a proper letter which contains proper page numbers or reference. It was improper and motivated. Further copy of which is not served on the concerned employees. It is held in several judgements of Supreme Court and High Courts that statement of allegations and charges must be specific and it should be supplied to delinquent employees. In this case, the allegation in the memos are extremely vague and indefinite. Even in spite of repeated requests by the concerned employees, no copies of statement of allegations were supplied to delinquent employees. Therefore, the proceedings clearly established the complete disregard of fundamental rules which are mandatory terms and further the charge has not been accompanied, statement of allegations along with memorandum. Under such circumstances, the punishment imposed by the authorities is to be set aside.

9. But, as against this, the learned counsel for the Respondent contended that it is not correct to say that

show cause notices issued to the concerned employees are not clear. Only after receiving the same and only after going through the said show cause notice, both the employees concerned have given their explanation. In the case of Smt. V. Pramila, even though she was allotted night shift on over time basis, she has left the ward without informing either the shift supervisor or control officer which amounts to wilful insubordination. Even assuming for argument sake that shift supervisor was not available on that date, the control officer was available and if she wanted to go home immediately, and if the night shift supervisor has not reported to duty she would explain to control officer and take his permission to leave the hospital. But, she has not done anything to that effect. Her act of misconduct warranted the punishment and therefore, the Respondent/Management had ordered for minor penalty of withholding of two increments without cumulative effect under Regulation 8(a)(iv) of Madras Port Trust Employees' (CCA) Regulations, 1988 as punishment for her delinquency. In the case of Smt. J. Sambavi, she had not reported for duty till 8.30 pm on 4-9-2000 and Smt. Sambavi who reported late for duty was refused to do duty by control officer, but even in spite of that she reported for duty at 8.30 pm. When the control officer refused to take her in duty, she disobeyed the order, which amounted to wilful insubordination of the orders of superiors, which construed as misconduct and in such circumstances, the Respondent/Management have ordered for minor penalty of withholding of increments for two years without cumulative effect under Regulation 8(a)(iv) of Madras Port Trust Employees' (CCA) Regulations, 1988. Even though Smt. Sambavi in her explanation stated that she had informed her late coming to the 2nd shift supervisor at 7.15 p.m. and she had also informed the same through ICU staff Smt. Vasuki, there is no proof that she has phoned up to the said Smt. Vasuki regarding her late arrival and hence, her explanation is only an imaginary one. Under such circumstances, at no stretch of imagination, it can be said that it is illegal or perverse and therefore, this Tribunal cannot interfere at this stage.

10. Learned counsel for the Respondent further argued that punctuality in attendance is always implied condition of service and every management is entitled to regular and punctual attendance on the part of the employees and it has a right to take disciplinary action amounting if necessary to dismissal in order to ensure that these requirements are fulfilled. Further, habitual late attendance is a misconduct and it is generally included in the Standing Orders of industrial establishment because late attendance is a species of absence without leave between time an employees is required to arrive and the time he actually arrives. Though casual or isolated cases of late attendance may not warrant serious punishment yet if an employee makes late attendance as a matter of habit, it can be seriously viewed. In this case, against

Smt. J. Sambavi, habitual late attendance has been complained by the shift supervisor, under such circumstances, it cannot be said that she is innocent. Further, it is the duty of workman to comply with lawful order of employer because, obedience to superior officers orders and loyalty to the management are inherent relationship of master and servant and they need not be prescribed. There is no doubt that an employee however old and senior in service has no right to defy the orders of supervisor whatever his grivance in that behalf. Concept of obedience is implicit in the fact that officer receiving the order is subordinate to the officer giving the order and a lawful order has to be obeyed, unless there is good justification for not complying with such a lawful order. In this case, even though control officer has asked Smt. J. Sambavi to get back from her duty, Smt. J. Sambavi has disobeyed the orders and stayed back for duty without even informing the control officer. Under such circumstances, the action for the wilful insubordination of the orders of superiors and her act construed as an act of misconduct and therefore, the minor punishment imposed on her cannot be considered as illegal.

11. I find much force in the contention of the learned counsel for the Respondent. In this case, though it is argued that memoranda issued to the concerned employees were not specific, I find this contention is made only for an argument sake and there is no truth behind this allegation. On consideration of entire documentary evidence, I find the action of the Respondent/Management in imposing punishments of postponing the annual increments for a period of two years in respect of Smt. V. Pramila and Smt. J. Sambavi is justified. As such, I find this point against the Petitioner Union.

Point No. 2 :

The next point to be decided in this case is to what relief the Petitioner is entitled ?

12. In view of my foregoing findings that the action taken by the Respondent/Management is justified, I find the concerned employees are not entitled to any relief, as claimed by the Petitioner Union. No Costs.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him, corrected and pronounced by me in the open court on this day the 11th August, 2004)

K. JAYARAMAN, Presiding Officer

Witnesses Examined :

On either side : None

Documents marked :

For the I Party/Claimant :

Ex. No.	Date	Description
W1	07-11-2000	Xerox copy of the letter of I Party/ Union to Chief Medical Officer

W2	12-02-2001	Xerox copy of the letter of I Party/ Union to Chairman, Chennai Port Trust.
----	------------	---

For the II Party/Management :

Ex. No.	Date	Description
M1	04-09-2000	Xerox copy of the report of 2nd shift supervisor to Respondent
M2	22-09-2000	Xerox copy of the show cause notice to Smt. Sambavi
M3	22-09-2000	Xerox copy of the show notice to Smt. V. Pramila
M4	04-10-2000	Xerox copy of the reply to show cause notice by Smt. Sambavi
M5	17-10-2000	Xerox copy of the replay to show cause notice by Smt. Pramila
M6	03-11-2000	Xerox copy of the order of CMO issued to Smt. Sambavi
M7	27-10-2000	Xerox copy of the order of CMO to Smt. Pramila
M8	04-12-2000	Xerox copy of the letter of CMO to Petitioner Union
M9	26-09-2001	Xerox copy of the letter from Chairman, Chennai Port Trust to Petitioner Union.

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2745.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आन्ध्रा बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, चेन्नई के पंचाट (संदर्भ संख्या 39/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 01-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/211/2001-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 2004

S.O. 2745.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 39/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chennai as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the the management of Andhra Bank, and their workman, received by the Central Government on 01-10-2004.

[No. L-12012/211/2001-IR(B-II)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
CHENNAI**

Friday, the 6th August, 2004

PRESENT :

K. Jayaraman, Presiding Officer

Industrial Dispute No. 39/2002

(In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of Sub-section (1) and Sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) between the Management of Andhra Bank and their workmen)

BETWEEN

Sri Guruprasad S. Mahatma : I Party/Petitioner

AND

The Chief Manager,, : II Party/Management
Andhra Bank, Z.O., Chennai

APPEARANCE :

For the Workman : M/s R.Sivakumar & S. Suresh
Advocates

For the Management : M/s S. Jayaraman, H. Balaji,
V.V. Balasubramanian,
Advocates

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Order No. L-12012/211/2001-IR(B-II) dated 22/27-03-2002 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Andhra Bank to remove Shri Guruprasad S. Mahatma, Cashier from service vide Order dated 10-07-1999 is legal and justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled to ?”

2. After the receipt of the reference, it was taken on file as I.D. No. 39/2002 and notices were issued to both the parties and both the parties entered appearance through their advocates and filed their Claim Statement and Counter Statement respectively.

3. The allegations of the Petitioner in the Claim Statement are briefly as follows :

The Petitioner was appointed as Clerk-cum-Cashier on 28-4-78 by the Respondent/Bank. While so, to his shock and surprise, he was placed under suspension by the Respondent/Management by letter dated 28-4-98 and they have also issued a charge memo dated 8-7-98. The charges alleged against the Petitioner are that the Petitioner has

misappropriated a sum of Rs. 14,600 for one day and utilised the amount and the second charge is that the Petitioner has misappropriated a sum of Rs. 50,000. The Petitioner was called for an explanation for these charges and he has submitted his explanation, but not being convinced with the explanation, the Respondent proceeded further with domestic enquiry. A farce enquiry was conducted and the Enquiry Officer has submitted his report dated 18-1-99 wherein, he held that charge No. 1 is not proved against the Petitioner and he further held that charge No. 2 is proved. On the basis of the findings, the Disciplinary Authority has issued a notice and after hearing the Petitioner, he has imposed the punishment of compulsory retirement from service on the Petitioner. The Petitioner's appeal to the Appellate Authority was also dismissed. The Petitioner contended that the charge No. 2 is that for CD Account No. 1122 M/s. Sree Vijayalakshmi Finance & Investments the Petitioner on 17-2-96 prepared a debit voucher for Rs. 50,000 with a narration 'amount of cash drawn' and obtained the signature of the Sub Manager Mr. Sundaram on the voucher and debited the amount in the said current account and drawn the amount. The said voucher did not contain the signature of proprietrix of the concern, hence this is an unauthorised debit. The amount of this voucher was added in payment scroll after the day's total was arrived at. In the rough chitta, the amount was incepted as the last but one item and total, which was already made without the said item, was altered by adding this amount of Rs. 50,000. Subsequently, the Petitioner had remitted Rs. 30,000 on 27-2-96 and Rs. 10,000 on 1-3-96 and Rs. 10,000 on 5-3-96 for the credit of this account. Thus, the Petitioner has misappropriated a sum of Rs. 50,000. The Petitioner's preliminary objection on the ground of inordinate delay and laches in initiating the charges was not considered by the Enquiry Officer. Further, charge memo dated 8-7-98 is not accusation but conclusive in nature, hence, it is bad in law. Even for this also, the Enquiry Officer has not given any reply. Subsequently, the complainant also reported that he has withdrawn the complaint vide his letter dated 12-8-97. For this misappropriation, there was no evidence adduced by the Respondent/Management to prove the fact of misappropriation by the Petitioner. The Petitioner also produced documents DEX 3 and 4 to prove that there was no misappropriation of Rs. 50,000 by the petitioner. But, without considering all these things, the Enquiry Officer has come to a perverse view that the Petitioner has misappropriated this amount. Further, the fact of signature of payee was not obtained in the debit voucher is not the fault of the petitioner because the said money was handed over by the then Manager to the customer. The payment was at his cabin. Therefore, the failure on the part of the Petitioner to verify the signature of the payee on the voucher may be only a procedural lapse and that does not lead to a conclusion that the Petitioner had misappropriated the amount. It is also false

to contend that the Petitioner has repaid in three instalments by credit vouchers. It was only on the advice of Mr. Naidu, then Manager credit voucher was prepared by him and the management has not produced any evidence to disprove the contention of the Petitioner on the practice adopted by the then Manager. Further, the Sub Manager Mr. Sundaram was also charge-sheeted and a disciplinary proceedings was initiated against him on the very same allegation of misappropriation of the above alleged amount of Rs. 50,000 and on the other hand, for the said charge punishment of stoppage of one increment alone was imposed on him. Therefore, the allegation of misappropriation of amount of Rs. 50,000 against the Petitioner cannot stand because for the very same amount yet another person was also held responsible by the Respondent/Management. The Enquiry Officer's report is bereft of any reasons. Further, the past record of the Petitioner has not been considered and extreme penalty of compulsory retirement from service was imposed on him, without considering the unblemished past record of the Petitioner. Hence, for all these reasons, he prays that an award may be passed in his favour to reinstate him into service holding that the order impugned passed by the Respondent/Bank is illegal and unjustified.

4. As against this, the Respondent in its Counter Statement contended, that while the Petitioner was working as Cashier in Chetpet branch of the Respondent/Bank, he has committed an act of misappropriation from the account of a customer, which is prejudicial to the interest of the bank. This constituted a serious misconduct as per clause 19.5(j) of Bipartite Settlement and therefore, he was suspended from service and subsequently domestic enquiry was held and basing on the report of the domestic enquiry the Disciplinary Authority has imposed the punishment of compulsory retirement on the Petitioner. With regard Current Account No. 1122 favouring M/s. Sree Vijayalakshmi Finance & Investments Proprietrix Smt. Viji Venkatesh, in that account the Petitioner has prepared a debit voucher for Rs. 50,000 for the above account with a narration 'amount of cash drawn' obtained the signature of Sub-Manager Mr. Sundaram on the voucher, debited the amount in the said current account and drawn the amount. This voucher does not contain the signature of the proprietrix of the above concern not any authorisation was given by her for such withdrawal. The Petitioner has misappropriated the amount of Rs. 50,000 and repaid the amount. Since the explanation given by the Petitioner was not satisfactory, the Disciplinary Authority ordered for an enquiry and an enquiry was conducted in accordance with principles of natural justice. The Petitioner was allowed the assistance of defence representative and he has also utilised the same. The Enquiry Officer after analysing the entire materials namely evidence, written arguments and submissions made thereon, has come to a conclusion that one of the

charges namely the second charge has been proved against the Petitioner and he submitted his report to the Disciplinary Authority. The Disciplinary Authority after following the procedure has proposed the punishment of dismissal. In fact, after the written submission made by the Petitioner, the Disciplinary Authority has modified the proposed penalty of dismissal to that of compulsory retirement. Therefore, the domestic enquiry was held in a fair and reasonable way and the Petitioner has also got reasonable opportunity to defend his case at every stage of enquiry. Only after the preliminary investigation and inspection it came to light that such misconduct has been committed by the Petitioner. Immediately, after that enquiry and preliminary inspection, a charge sheet was issued to the Petitioner. Hence, there was no delay in initiating the disciplinary proceedings as alleged by the Petitioner. Further, there is no laches or delay in initiating the domestic enquiry. The allegation that charge sheet is not accusation but conclusive in nature is devoid of any merits. In the domestic enquiry the management has produced substantial evidence before the Enquiry Officer and proved the charges. Further, the charge of misappropriation is a very serious charge warranting the punishment of dismissal. In this case, the Petitioner is an employee of the bank, where the customers repose their confidence and with the faith and belief that their money will be safe they deposit the money. If such an employee commits such a breach of faith and misappropriate the customer's money, the same has to be viewed seriously. Hence, the punishment of dismissal is appropriate and it cannot be said that it is harsh. Hence, for all these reasons, the Respondent prays that the claim may be dismissed with costs.

5. In these circumstances, the point for my determination is—

- (i) "Whether the action of the Respondent/Bank in removing the Petitioner from service vide order dated 19-7-99 is legal and justified ?
- (ii) "To what relief the Petitioner is entitled ?"

Point No. 1 :

6. In this case, the Petitioner has stated that the domestic enquiry conducted by the Respondent is not fair and proper. After hearing both sides, this Tribunal has answered the preliminary issue against the Petitioner. Subsequently, the case was posted for enquiry, but as the Petitioner has not interested in prosecuting this case further, he has not appeared before this Court. The learned counsel for the Petitioner has also not turned up. Therefore, on 27-7-2004, the Petitioner was set ex-parte and Award is pronounced today.

7. In this case, the Petitioner alleged that he has been charge-sheeted on the ground that he had prepared a debit voucher for Rs. 50,000 for C.D. Account No. 1122

of M/s. Sree Vijayalakshmi Finance & Investments and obtained signature of the then Sub Manager Mr. Sundaram on the voucher debited for the amount in the above current account and drawn the amount and he was charge-sheeted that debit voucher is unauthorised and it was not contained the signature of the proprietrix of the concern nor authorised by her. Further, subsequently, he has remitted Rs. 30,000 on 27-2-96, Rs. 10,000 on 1-3-96 and Rs. 10,000 on 5-3-96 for the credit of that account and thus, he had misappropriated an amount of Rs. 50,000. For the same incident, the then Sub Manager Mr. K. Sundaram was also charge-sheeted by the Respondent/Management and he has been charged that for the payment of unauthorised debit voucher of Rs. 50,000 from the C.D. Account No. 1122 of M/s. Sree Vijayalakshmi Finance & Investments, the Proprietrix Smt. Viji Venkatesh, which was neither signed by the account holder nor authorised by her, the voucher was written by Mr. Mahatma, the Petitioner herein, then cashier and payment was made without issuing any token. This Respondent/Management had specifically admitted that the then Manager Mr. K. Sundaram had authorised the said payment. Further, it was also admitted that he had made the payment, but in the enquiry held against Mr. Sundaram, he was imposed with minor penalty of withholding of one annual increment without cumulative effect. But on the other hand, for the same incident, the Petitioner was imposed with the punishment of dismissal and this is a clear discrimination and it is not valid. Further, the Enquiry Officer has not taken into consideration the inordinate delay in initiating the disciplinary enquiry. The alleged incident took place in February, 1955 and March, 1996 and the complaint alleged to have been made on 25-7-97, whereas the charge memo was issued only on 8-7-98 i.e. almost three years after the alleged misappropriation. The management has not given any valid reason for inordinate delay in taking disciplinary action. Therefore, the enquiry is vitiated by delay and laches on the part of the management in initiating the disciplinary proceedings. Further, the Respondent/Management has not taken into consideration the Petitioner's unblemished past service for about 21 years and the punishment was also excessive and so many things.

8. As against this, the Respondent contended that since the Respondent has taken preliminary investigation and inspection, there was some delay on the part of the management and only on such inspection, it came to light that such misconduct has been committed by the Petitioner and immediately after that inspection the Respondent/Management had issued charge sheet to the Petitioner. Hence, the contention that there was delay in disciplinary proceedings is totally unsustainable. With regard to the contention of discrimination, it is contended by the Respondent that the Petitioner's case has to be viewed differently, since he was dealing with the bank's funds.

Further, the misappropriation is a very serious charge warranting punishment of dismissal. In this case, the Petitioner as an employee of the bank, where the customers repose their confidence and with belief and faith that their money will be safe they deposit the money and if an employee commits such a breach of faith and misappropriate customer's money, the same has to be viewed seriously. On the other hand, Mr. Sundaram has not been charged with misappropriation and he has only authorised the withdrawal voucher and he has not done anything except signing in the voucher. But, the Petitioner has misappropriated the money of customer, therefore, the offence committed by Mr. K. Sundaram, Sub-Manager cannot be equated with the offence committed by the Petitioner and therefore, it cannot be said that there is discrimination among the staff of the bank and therefore, the finding given by the Enquiry Officer is just and proper. Furthermore, in the appeal, the Appellate Authority has reduced the punishment from that of dismissal to compulsory retirement. Under such circumstances, the Petitioner cannot question the punishment imposed on him.

9. Though the Petitioner has made serious contentions against the domestic enquiry and also the punishment given to him, neither he nor his counsel on record has come before this Tribunal to prove how the punishment imposed on the Petitioner is illegal and not valid in law. The Petitioner has not marked any documents in the enquiry. Though he has marked so many documents with regard to preliminary issue, in the enquiry proceedings before this Tribunal, he has not placed any material to prove his contention. As such, I find the Petitioner has not substantiated his contention through any satisfactory evidence and therefore, I find this point against the Petitioner.

Point No. 2 :

The next point to be decided in this case is to what relief the Petitioner is entitled ?

10. In view of my finding that the Petitioner has not substantiated his contention, I find the petitioner is not entitled to any relief as prayed for. No Costs.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him, corrected and pronounced by me in the open court on this day the 6th August, 2004.)

K. JAYARAMAN, Presiding Officer

Witnesses Examined :

On either side : None

Documents marked :

On either side : Nil

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2004

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Notification Order No. L-12011/112/2002-IR(B-II) dated 06-09-2002 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Syndicate Bank, Anna Nagar branch in terminating Smt. E. Amudha, part-time sweeper from service w.e.f. 9-12-2000 is legal and justified ? If so, what relief is the workman entitled to ?"

2. After the receipt of the reference, it was taken on file as I.D. No. 86/2002 and notices were issued to both the parties and both the parties entered appearance through their advocates and filed their Claim Statement and Counter Statement respectively.

3. The allegations of the Petitioner in the Claim Statement are briefly as follows :

The Petitioner Union is espousing the cause of Smt. E. Amudha, who worked as part-time sweeper in the Respondent/Bank. Smt. E. Amudha's husband C. Elumalai was employed as attender in the George Town branch, Chennai and as he fell ill, he was not attending duties regularly. The bank terminated his service on 24-8-91 on the ground that he voluntarily left the service of the bank. He belong to SC/ST community and the said Elumalai died on 30-10-96. The Respondent/Bank after negotiating with the union provided employment to Mrs. Amudha, wife of late Elumalai as part-time sweeper at Anna Nagar branch. After that she was continuously working as sweeper from February, 1999 to December, 2000 and on 9-12-2000 her services were discontinued as per the orders of the Respondent/Bank. Since the Respondent/Bank did not comply with Section 25F of the Act, termination for non-compliance of mandatory provisions makes the order of termination ab initio void. Smt. E. Amudha worked as class IV employee and therefore, Employment Exchange Act is not applicable to class IV employees. The Respondent/Bank has discharged the workman by way of victimisation, not in good faith but in colourable exercise of employer's right. The action of the bank is also in violation of Bipartite Settlement modified from time to time. After discharging casual employment of Mrs. Amudha, the Respondent/Bank has recruited new hands in her place. This is also an utter violation of Section 25G & H of the Industrial Dispute Act. The Tamil Nadu Industrial Establishment (Conferment of Permanent Status to Workmen) Act, 1981 is applicable to the facts of this case and the concerned workman who has completed more than 480 days of continuous service in a period of 24 calendar months and she has attained permanent status as per the said Act. Therefore, for all these reasons, the Petitioner union prays that an award may be passed to the effect that the order

का. आ. 2746.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंडिकेट बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, चेन्नई के पंचाट (संदर्भ संख्या 86/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 01-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/112/2002-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 2004

S.O. 2746.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 86/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chennai as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Syndicate Bank and their workmen, which received by the Central Government on 01-10-2004.

[No. L-12011/112/2002-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT,
CHENNAI**

Wednesday, the 11th August, 2004

PRESENT :

K. Jayaraman, Presiding Officer

Industrial Dispute No. 86/2002

[In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) between the Management of Syndicate Bank and their workmen].

BETWEEN

The General Secretary. : I Party/Claimant
Syndicate Bank Employees Union

AND

The General Manager (P). : II Party/Management
Syndicate Bank, H.O. Manipal.

Appearance :

For the Claimant : M/s. S. Vaidyanathan, Advocates

For the Management : M/s. T.S. Gopalan & Co.,
Advocates

passed by the Respondent/management is illegal and consequently direct the Respondent/Bank to reinstate the concerned workman with continuity of service, back wages and other attendant benefits.

4. As against this, the Respondent in its Counter Statement contended that the Respondent/Bank has got Zonal Office which controls Regional Offices in Tamil Nadu and Kerala. The bank has fixed number of posts under each category for each branch and appointments have been made only for sanctioned posts. The bank maintains panel of temporary part-time sweepers to engage during the temporary vacancies of regular part-time sweepers and during the leave vacancy of regular part-time sweepers, one of the temporary sweepers in the panel will be engaged in his place. When an irregular engagement is made against the vacancy of a part-time sweeper and if so found, the Head Office will step in and will order removal of such persons so as to ensure that all the branches strictly follow the guidelines issued in the matter of engaging temporary part-time sweeper against leave vacancy. In this case, the temporary part-time sweeper Smt. E. Amudha, who was the wife of late Elumalai who was employed as an attender at George Town branch, Chennai, owing to his continuous absence, his services were terminated in August, 1991. The Petitioner Union represented to Respondent/Bank to consider the concerned temporary part-time sweeper for compassionate appointment by reason of employment of her deceased husband. As her husband late Elumalai was not in service at the time of his death, she could not be considered for compassionate appointment. Then the Petitioner Union pleaded that she should be considered for temporary appointment. As such Smt. Amudha was appointed on temporary basis for three months by an order dated 3-2-99. Anna Nagar branch had one sanctioned post of part-time sweeper. When the vacancy was to be filled up, one of the temporary sweepers in the panel should have been considered for vacancy. However, the concerned temporary part-time sweeper was engaged absolutely on humanitarian grounds only for temporary period of three months, till an arrangement is made by the bank to fill up the vacancy by a suitable empanelled candidate. Since the Smt. E. Amudha was not an empanelled candidate, her engagement was considered irregular and was removed on 9-12-2000. Since her engagement was irregular, she has no right to claim employment and therefore, the period of her engagement is not relevant. Further, she was not appointed as a regular part-time sweeper for Anna Nagar branch. Furthermore, only candidates sponsored by Employment Exchange could be included in the panel of temporary part-time sweepers and only the candidate in panel could be considered for regular appointment. The bank has already having a panel of temporary part-time sweeper, who had been sponsored by Employment Exchange. If a person not in the panel is

engaged against the norms, it would affect the interest of other members in the panel. Disengagement of irregular temporary appointment would not amount to termination of service so as to attract Section 25F of Industrial Disputes Act. Since Smt. Amudha has not been entered into panel of temporary part-time sweepers, she cannot claim appointment. The claim of permanency in terms of provisions of Tamil Nadu Industrial Establishment (Conferment of Permanent Status to Workmen) Act, 1981 cannot be entertained by this Tribunal. Since Respondent/Bank is a public sector undertaking of Central Govt. local enactments are not applicable and this Tribunal is not bound by these local Enactments also. Hence, for all these reasons, the Respondent prays that the claim may be dismissed with costs.

5. In these circumstances, the point for my determination is :

- (i) "Whether the action of the Respondent/Management in terminating Smt. E. Amudha from service w.e.f. 9-12-2000 is legal and justified ?
- (ii) "To what relief the said Smt. Amudha is entitled ?"

Point No. 1 :

6. It is admitted case of both sides that the temporary part-time sweeper Smt. E. Amudha was the wife of one late Elumalai who was employed as attender in the Respondent/Bank, George Town branch and due to his continuous absence, his services were terminated in the year 1991 as per clause 17 of 4th Bipartite Settlement and subsequently, the Petitioner Union represented to the Respondent/Bank to consider appointment of the concerned workman for temporary part time sweeper by reason of employment of her deceased husband. It is also admitted that husband of Smt. E. Amudha namely Elumalai was not in service at the time of his death and she could not be considered for compassionate appointment. Again, only on the representation of the Petitioner Union, Smt. E. Amudha was appointed on temporary basis for three months by an order dated 3-3-99 under original of Ex.W1 on humanitarian consideration. In this case, E. Amudha was examined as WW1 and another witness namely Mr. K. Umesh Nayak was examined as WW2, who acted as General Secretary of the Petitioner Union and on the side of the I Party/ Petitioner Ex.W1 to W5 were marked. On the side of the Respondent/Management one Mr. P.R. Narasimha Prasad, who was the Branch Manager of Anna Nagar branch at the relevant time, was examined as MW1 and Ex.M1 to M16 were marked on the side of the Respondent/Management.

7. On behalf of the Petitioner, it was contended that the Respondent/Bank has discharged the workman namely

Smt. E. Amudha by way of victimisation and not in good faith and she had worked more than 657 days and since the Employment Exchange Act is not applicable to class IV employees, which was held as such by Supreme Court and High Courts in number of cases, it cannot be said that only Employment Exchange sponsored candidates are alone to be appointed as class IV employees. The action of the Respondent/Management in discharging the services of the workman concerned amounts to termination and admittedly, the Respondent/Management not complied with the mandatory provisions of Section 25F of the Act, hence, the termination is ab initio void. It is further contended that Tamil Nadu Industrial Establishment (Conferment of Permanent Status to Workmen) Act, 1981 is applicable to concerned workman in this case. The concerned workman has completed more than 480 days of continuous service in a period of 24 calendar months and therefore, she has attained the permanent status as per the said Act. Hence, for all these reasons, the order passed by the Respondent/Management terminating the services of the concerned workman is illegal.

8. But, as against this, on the side of the Respondent, it is contended that the Respondent/Management maintains panel of temporary part-time sweeper to engage during the leave vacancy of regular part-time sweepers and during the vacancy of regular part time sweeper, one of the temporary sweepers in the panel will be engaged in his place and as per the guidelines of the Respondent Zonal Office/Regional Office, under no circumstances, leave vacancy of part-time sweeper can be filled up by any one other than from the panel of temporary part-time sweepers and when any irregular appointment is made against the vacancy of a part-time sweeper, if so found, the Head Office will step in and will order removal of such person so as to ensure that all the branches strictly follow the guidelines issued in the matter of engaging part-time sweeper against leave vacancies of regular part-time sweepers. Further, only the candidates sponsored by the Employment Exchange would be included in the panel of temporary part-time sweepers and only candidate in the panel could be considered for regular appointment and in this case, the bank has already having a panel of temporary part-time sweeper, who have been sponsored by Employment Exchange and therefore, the concerned workman who was not sponsored by Employment Exchange and her name has not been included in the panel of temporary part-time sweeper, therefore, she is not entitled to be appointed in the post and the appointment made by the management is irregular and when the irregularity has come to light, it was decided to terminate the services of the concerned workman and therefore, it cannot be questioned in any legal forum. Further, it is argued on behalf of the Respondent that the claim of permanency in terms of provisions of Tamil Nadu Industrial Establishment (Conferment of permanent Status

to Workmen) Act, 1981 cannot be entertained by this Tribunal. Since the bank is a public sector undertaking of Central Govt. the local enactments are not applicable to this Tribunal and this Tribunal is not bound by local enactments also. Learned counsel for the Respondent further relying on the rulings reported in 2003 1 LLJ 1015 RAVICHANDRAN N.S. Vs. MANAGEMENT OF THANTHAI PERIYAR TRANSPORT CORPORATION AND OTHERS and also 2003 LLR 169 GOVERNMENT SERVANTS' CO-OPERATIVE SOCIETY LTD. Vs. INDUSTRIAL TRIBUNAL, ALAPPUZHA AND OTHERS and argued that the contention that completion of services of 240 days can no longer be regarded as good law in the light of the later judgement of Supreme Court in the case of ASHWANI KUMAR Vs. STATE OF BIHAR AIR 1997 SC 1628 and on the ground that persons who entered service illegally and in breach of law cannot seek protection of the law to remain in service and claim a right to become a permanent part of the establishment on the basis of an illegal entry. Further, he contended that all retrenchments will result in termination of service of a workman by the employer, but termination of service of a workman by employer will not fall within the definition of retrenchment and termination of the services of a workman should have been from a post from which he could have been continued, if the post is, that it continuance is not possible then termination of service of a workman from that post cannot amount to retrenchment as defined under Industrial Disputes Act. In this case, the appointment of Smt. E. Amudha was against the rules and regulations and guidelines issued by the Govt., therefore, there was no relationship of master and servant between the bank and Smt. E. Amudha. Smt. Amudha could not be continued in employment of the Respondent/Bank, so her services were terminated and it was in fact, she was terminated as a result of directions given by the Head Office, which the branch office has no control. Under such circumstances, it cannot be said that the termination of Smt. E. Amudha is illegal.

9. Though, I find some force in the contention of the learned counsel for the Respondent, I find there is no point in his contention because, even at the time of appointment of Smt. E. Amudha, the Head Office must have known the fact that it is not a compassionate ground appointment and Smt. Amudha was appointed only on the direction of the Head Office. Under such circumstances, the appointment of Smt. Amudha cannot be considered as irregular. Though, it is argued that even the Chairman has no power to make irregular appointment, in this case, the appointment was made on humanitarian grounds and the said Smt. Amudha was continued to be worked as temporary part-time sweeper for more than 480 days i.e. 657 days. Under such circumstances, without following any mandatory provisions the termination was effected by the Head Office.

Therefore, I find some force in the contention of the learned counsel for the Petitioner that the discharge of the Petitioner was not in good faith and in colourable exercise of employer's rights.

10. Again, the learned counsel for the Respondent contended that under a wrong impression the said workman was appointed on compassionate grounds that on the date of death of Elumalai he was working as an employee of the Respondent/Bank. But, even though it is contended that the appointment of Petitioner was under wrong assumption, I find from the order of appointment EX.W1 that the said appointment was not made on compassionate ground and therefore, I find there is no force in the contention of the learned counsel for the Respondent that the appointment of Smt. Amudha was on compassionate ground.

11. Further, the learned counsel for the Petitioner contended that the Supreme Court in the cases reported in 1996 6 SCC 216 and 1995 2 SCC 1 has held that Employment Exchange Act is not applicable to Class IV employees and further, the Respondent/Bank has not obtained any exemption under Tamil Nadu Industrial Establishment (Conferment of Permanent Status to Workmen) Act, 1981 wherein under Section 9 of the Act, the Government has to exempt certain establishments from the provisions of the Act. Though the Respondent argued that the provisions of the said Act is not applicable to the Respondent/Bank, it was not shown before this Tribunal how this provision is not applicable to the banks in Tamil Nadu, as such, I find the concerned workman who has worked for more than 240 days in a continuous period of 12 calendar months and who has worked for more than 480 days in a continuous period of 24 calendar months is to be regularised in her service.

12. Again, the learned counsel for the respondent contended that in the Respondent/Bank appointments were made only for sanctioned posts and the bank appointed including the part-time sweeper as required for office branch as per Govt. guidelines. In this case, after the discharge of the concerned workman, a person in the panel has been appointed as temporary part-time sweeper and therefore, as it is there is no vacancy in the post of temporary part-time sweeper, it cannot be contended that the concerned workman is not entitled to reinstatement in service. Further, it was contended by the learned counsel Respondent that even for the vacancies, the concerned workman has stated that she is not willing to join as temporary part-time sweeper, but only for a permanent post. Under such circumstances, she should not be reinstated in the post of temporary part-time sweeper. Though his argument is vehement, I find there is no point in the contention of the learned counsel for the Respondent because, the concerned employee had worked for more than 480 days in a continuous period of 24 calendar

months and therefore, she is entitled to be regularised in the post as per Tamil Nadu Industrial Establishment (Conferment of Permanent Status to Workmen) Act, 1981. Further, the Petitioner union wants to reinstate the concerned workman with effect from the date of her completion of 480 days or at least from 9-12-2000 with continuity of service, back wages and attendant benefits. Since I find that the concerned workman is entitled to the benefits, I find she should be regularised from the date of her termination i.e. from 9-12-2000. As such, I find this point in favour of the Petitioner Union.

Point No. 2 :

The next point to be decided in this case is to what relief the Petitioner is entitled ?

13. In view of my foregoing findings, I find the concerned workman in this dispute is entitled to the benefits as claimed by the Petitioner Union. Therefore, I direct the Respondent/Management to reinstate the concerned workman Smt. E. Amudha as permanent workman w.e.f. 9-12-2000 with continuity of service, back wages and other attendant benefits. No Costs.

14. Thus, the reference is answered accordingly.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him, corrected and pronounced by me in the open court on this day the 11th August, 2004).

K. JAYARAMAN, Presiding Officer

Witnesses Examined :

For the I Party/Claimant : WW1 Smt. Amudha
WW2 Sri K. Umesh
Nayak

For the II Party/Management : MW1 Sri P.R.
Narasimha Prasad

Documents marked :

For the I Party/Claimant :

Ex. No.	Date	Description
W1	03-02-99	Xerox copy of the order of appointment issued to concerned workman
W2	Nil	Xerox copy of the S.B. pass book of concerned workman
W3	09-12-00	Xerox copy of the order of termination issued to Concerned Workman
W4	27-04-02	Xerox copy of the reply submitted by Respondent before Assistant Labour Commissioner (Central)
W5	12-02-02	Xerox copy of the industrial dispute raised by Petitioner union on behalf of Smt. E. Amudha.

For the II Party/Management :

Ex. No.	Date	Description
M1	17-07-98	Xerox copy of the circular issued by respondent regarding appointment of part-time sweeper
M2	03-02-99	Xerox copy of the letter from respondent to concerned workman appointing her as Temporary Part-time sweeper
M3	04-10-00	Xerox copy of the inter office memo of Anna nagar branch to concerned workman
M4	15-11-00	Xerox copy of the letter from General Manager (P) to Deputy General Manager (P) regarding Appointment of concerned workman
M5	08-12-00	Xerox copy of the letter from Deputy General Manager to Branch Manager, Annanagar
M6	09-12-00	Xerox copy of the order of termination issued to concerned workman
M7	23-08-03	Xerox copy of the details of regular vacancies of Part-time sweeper in Annanagar branch
M8	03-11-90	Xerox copy of the Head Office letter to all Z.O. Regarding appointment of part-time sweeper
M9	28-03-00	Xerox copy of the letter of Head Office to Zonal Officers regarding guidelines for filling up vacancy of part-time sweeper
M10	05-10-02	Xerox copy of the letter from Union to Respondent regarding posting of part-time sweeper in Chennai
M11	18-12-02	Xerox copy of the minutes of joint meeting.
M12	10-06-03	Xerox copy of the minutes of joint meeting.
M13	14-01-04	Xerox copy of the minutes of joint meeting.
M14	Nil	Xerox copy of the list of part-time sweeper in Panel of Chennai city.
M15	Nil	Xerox copy of the list of part-time sweepers presently working in Chennai city.

M16 Nil Xerox copy of the consolidated gist of guidelines to be followed by Zonal Offices.

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2747.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी.बी.एम.बी. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 62/93) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 04-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/175/92-आई.आर. (डी.यू.)]
कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi. the 4th October. 2004

S.O. 2747.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 62/93) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BBMB and their workman, which was received by the Central Government on 04-10-2004.

[No. L-42012/175/92-IR(DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer.

ANNEXURE**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
CHANDIGARH**

Shri Kuldip Singh, Presiding Officer

Case No. LD. No. 62/93

Date of Decision 3-9-2004

Deep Ram Sharma son of Shri Amar Singh, Village
Mandhana, Tehsil Kalka, District Ambala, Haryana.
.....Applicant

Versus

I. Executive Engineer, O & Main Division, BBMB
Dhulkot, District Ambala.Respondent

APPEARANCES :

For the workman : Shri O. P. Batra

For the Management : Ms. Jyoti Kaushal

AWARD

The reference No. L-42012/175/92-IR(DU) dated
13th of May, 1993 made under Section 10 of the Industrial

Disputes Act 1947 (hereinafter referred to as the Act) reads as under :

"Whether the action of the Executive Engineer, O&M Division BBMB, Dhulkot in terminating the services of Shri Deep Ram, son of Shri Amar Singh, T. Mate from 10-1-1986 is justified ? If not, what relief the concerned workman is entitled to and from what date ?"

2. After receipt of the notices of the reference, the parties appeared and filed their pleadings in the shape of statement of claim, written statement and replication. They also filed affidavits and deponents examined and cross-examined by them.

3. The claim of the applicant, as made out by him in his statement of claim as well as in the replication is that he was appointed as T. Mate in work charged capacity on 29-8-1984 and he continuously served till 10-1-1986 when his services were terminated illegally, without following the law, that he raised dispute about his illegal termination, before the Conciliation Officer, but the management did not co-operate whereupon the present reference was made, on the recommendation of the ALC (C), Chandigarh, that he had served the management for 240 days in a calendar year preceding the date of his termination and as such he was entitled to 30 days notice, retrenchment compensation in terms of Section 25F of the Act, that he had been appointed on permanent basis. As per terms of appointment letter, he could be transfer to anywhere in the State of Punjab & Haryana, under the respondent Board. His services were terminated arbitrarily, that the management further violated the provisions of the Act as contained in Section 25G, since they retained his juniors in service whereas he was thrown out. They also recruited new hands, in violation of Section 25H, without offering him re-employment. He named Lekh Raj and Ram Parkash who were appointed on 21-1-1992 by S.E., O&M Circle Jamalpur and who are continuing in service. Besides the management had recruited a good number of employees by back door entry ignoring the claim of the petitioner.

4. In reply to the objections of the management it is submitted by the workman that there was no delay in raising the dispute since he had served the demand notice on 3-2-1989 and the reference was made to this Tribunal in the year 1993. The workman contested the claim of the management and stated that he had joined the services of the management on 29-8-1984 and had worked upto 31-10-1984, which fact is admitted by the In-charge SDO of the respondent. He clarified that the offer of appointment was given to him on 6-11-1984 since the management had no work for the workman to be done. He worked from 6-11-1984 till 25-7-1985 continuously. The management, due to cession of work, did not utilize his services till 15-11-1985 and thereafter, he had worked upto 10-1-1986, when his services were finally terminated, without giving

him notice, retrenchment compensation. He claimed that by any calculation he has served for 252 days preceding the date of his termination and thus he was entitled for protection of Section 25F; that he was not given any extension in service, but in terms of his appointment letter, he was to continue in service and could be transferred as stated earlier. He further contested the claim of the management, made with the help of Section 25FFF of the Act, saying that there was no new set up which was closed by the management and even if it was there, they were required to seek permission u/s. 25-O of the Act, before doing that, which they have not done.

5. The petitioner has further claimed that the management did not prepare any seniority list at the time of terminating his service and the one issued by them on 1-1-1990, clearly indicates that the workmen, standing at Nos. 192 to 203, 205 and 227 were recruited later than him and so were juniors to the petitioner, but they were retained in service, in violation of Section 25G. He admitted that he was called for re-employment w.e.f. 1-11-1992 to 20-2-1993, but he claims that he had remained unemployed w.e.f. 11-1-1986 to 31-10-1992, then from 20-2-1993 to till date, whereas his juniors, standing at Sr. Nos. 206 to 212 were retained in service, that the respondent retained their kith and kin in service, whereas the petitioner was ousted. Reiterating his claim that he had served for 240 days, before his termination, he has claimed that he is entitled to all the benefits under the law.

6. The management has opposed the claim of the petitioner stating that the reference is bad since there existed no dispute between the parties, as the petitioner was appointed against specific work, and was disengaged on the completion of the said work. Moreover the reference is bad for delay and latches. On merits, it is admitted by the management that the workman was appointed as T. Mate in work charged capacity vide order dated 5-11-1984, but contested the claim of the petitioner that he was appointed on 29-8-84. They further admitted that the services of the petitioner were extended from time to time, as per requirement of the work and it came to an end on the completion of the work on 25-7-1985. They also admitted that they had given only 10 days notice to the workman, but stated that no notice was required to be issued in view of the terms of the employment of the workman. According to them, the workman was again engaged on 15-11-1985, against deposit work of 66 KV Sub Station, Chandigarh and was disengaged on 10-1-1986, on the completion of the said job. They have submitted that the petitioner is not entitled to any benefit in terms of Section 25F of the Act, since he was engaged against specific work, so his case was covered by Section 25FFF of the Act. Not only he, all the workers employed against deposit work were disengaged. They have claimed that the seniority list was maintained at the time of

terminating the services of the workman, on the completion of the deposit work of UT, Chandigarh and stated that the workman was given re-employment against a new deposit work on 23-10-1992, for a short spell, as per requirement and he worked from 1-11-1992 to 20-2-1993. They have claimed that the workman is not entitled to any monetary benefits in the light of terms and conditions of the appointment letter and for the reasons submitted in the written statement.

7. After the filing of written statement, by the management, the workman filed rejoinder whereby he submitted that there is no basis for the management to raise preliminary objections to the maintainability of the reference. In view of the offer of appointment, which contained the stipulation that though the appointment is for a specified period, yet the same could be extended and the workman could be transferred to any place in the States of Haryana & Punjab under B.B.M.B. Thus by their conduct the management showed that the appointment of the workman was on regular basis. As regards the objection about the delay in raising in dispute, the workman stated that he had submitted the demand notice on 03-02-1989, whereupon the matter was referred to this Tribunal. Therefore, it is not the workman who came late rather the Ministry concerned took time to refer the matter for adjudication. The workman reiterated his claim, that he had joined the service with the respondents, on 29-08-1984 and served them till 30-10-1984. Again he worked for them from 06-11-1984 continuously up to 25-07-1985. Again he served them from 15-11-1985 to 10-01-86, when his services were terminated. In between those small intervals the management told him that they have no work for him. As such there came breaks in the continuity of his service till the date he was finally terminated from service. However, he completed a continued service of 252 days i.e. between 09-01-1985 to 10-01-1986. As such he performed continued service for more than 240 days and thereby became entitled to the benefits of Section 25-F of the Act, that there was never an order of extension, in his service, from time to time, as it was never served upon him. Moreover, the offer of appointment contained the stipulation, that the services were likely to be continued and the workman could be transferred to anywhere in the State of Haryana & Punjab, under the B.B.M.B. Challenging the legal claim of the management, it is submitted by a workman that Section 25-FFF is not helpful to the management for the reason that the management had not set up a new venture as the work was under the B.B.M.B. and even if the set up was separate and distinct, then also it was required of the management to have obtained permission of the appropriate Government before closing the said new set up. On this ground also in terms of Section 25(O) sub-clause 6, the closer of such a 'set up' was illegal and the workman is entitled to all the benefit as if the set up had not been closed.

8. The workman further contended that T. Mates standing at Sr. Nos. 192 to 203, 205, 227 in the seniority list dt. 01-01-90, were juniors to him, as per date of appointment, given in para-6. The management retained these T. Mates, which were junior to workman and thereby violated the provisions of Section 25-G of the Act. He admitted that the management had re-employed him w.e.f. 01-11-92 to 20-02-93, but he remained idle from 11-01-86 till 30-10-92 and from 20-02-93 till date, whereas the management recruited fresh hands, standing in the seniority list at Sr. Nos. 206 to 212. Besides, the management transferred their kith and kins to other places, so as to save them from retrenchment, as they were juniors. That since the workman had performed duty for 240 days, before the date of termination of his service, the management violated the provision of law, as they did not issue any notice to him, before the termination of his services nor paid him the retrenchment compensation. As such the workman is entitled to be treated in continuous service and for all the benefits, as if he was never retrenched. The workman has reiterated all these facts in his affidavit Ex. W1. Also placed on record is certificate of service Ex. W2, his demand notice Ex. W3, the recommendation of the ALC (C), Chandigarh Ex. W4, another letter of ALC (C), Chandigarh Ex. W5, the appointment letters of Lekh Raj and Ram Prashad alleged to be in violation of the provision of the Act Ex. W6 and Ex. W7, seniority list Ex. W8.

9. By the present reference this Tribunal is required to adjudicate upon the question whether the action of the Executive Engineer, O & M Division, BBMB, Dhulkot, in terminating the services of Sh. Deep Ram s/o Shri Amar Singh. T-Mate from 10-1-1986 is justified or not. In case this Tribunal comes to the conclusion that the termination of the said workman was not justified then to what relief he is entitled to and from which date ?

10. The workman after getting the notice of the reference came to this Tribunal and filed his statement of claim that he was appointed T-Mate, on work charge capacity w.e.f. 29-08-84 and served in that capacity continuously till 10-01-86, when his services were terminated illegally against which he approached the Labour Commissioner, that at the time of termination of his services, he had put in service for 240 days in the year preceding the date of termination, but the management did not give him notice of 30 days nor followed the provisions of Section 25(F) of the Act. He was also not paid retrenchment compensation; that the post against which he was appointed, was permanent one, but despite that his services were terminated in an arbitrary manner. The management did not maintain any seniority list and retained in service juniors to the workman, whereas he was thrown out. Besides raw hands were recruited, but no option, of re-employment, was given to the petitioner. He mentioned the names of Lekh Ram and Ram Prashad,

who were appointed on 21-01-92 by the Superintending Engineer, O & M Circle, Jamalpur. There was other backdoor recruitments made by the respondents. Thus, the management violated the provisions of Section 25 (G & H). He prayed for his re-instatement in service with full backwages and benefits of continuity in service.

11. The management has opposed the claim of the petitioner by their written statement where they stated that the reference is bad since there existed no dispute between the parties. The petitioner was appointed against the specific work and was disengaged on the completion thereof. The reference is also bad because of laches. On merit, it is their case that the petitioner was appointed not on 29-08-84, but by an order dt. 05-11-84, against the temporary deposit work of 66 KV sub-station, Sector 52, Chandigarh and he had joined his duties on 06-11-84; that the work, against which the petitioner worked ended on its completion on 25-07-85 and in that between the appointment of workman, was extended from time to time; that 10 days notice was given to the workman, though it was not required to be given, before terminating his services; that the workman was again appointed on 15-11-85, against the deposit work 66 KV, Sub Station, Sector 52 and was disengaged on 10-01-86, on the completion of that work. Taking the support of Section 25(FFF) of the Act, it is claimed by the management, that since the petitioner was engaged against a specific work, so his case is not covered by Section 25(F) of the Act. Claiming that they had prepared the seniority list of the workmen, at the time of termination of petitioner from service, they stated that he was again called for employment, for a short spell on 23-10-92 and he served from 01-11-92 to 20-02-93. According to them the workman is not entitled to any monetary or other benefits, as per the terms and conditions of his appointment. They have requested for dismissal of claim of the petitioner.

12. The workman filed rejoinder and reiterated the facts stated in the statement of claim. He denied that he had ever received any order of extension in service, therefore, claimed that his appointment was regular. He further contested that there was delay in raising the demand, since he had served the demand notice on 03-02-89 and it was the Ministry, which caused the delay to send the reference to the CGIT in 1993. He claimed that he had served the respondents from 29-08-84 till 30-10-84, as is certified by SDO concerned. It is further claimed that he was given offer of appointment for 5 days from 01-11-84 to 05-11-84, and then he was continuously employed till 25-07-85. Thereafter, he was again re-employed from 15-11-85 till 10-01-86 when his services were finally terminated, without any notice. It is his claim that on the day of termination of his services i.e. on 10-01-86, he had put in continuous service of 252 days preceding upto 09-01-85, therefore, he was entitled to the

benefits of Section 25(F) of the Act. The workman contested the application of provisions of Section 25 (FFF) of the Act in the matter saying these are not applicable in his case since he had not been appointed in a new set up, but was recruited by the B.B.M.B. nor the said set up was closed. He further contended that the management had not obtained permission from the appropriate Govt. to close down the set up, in which he was appointed as was required under Section 25(O) of the Act. He further claimed that as per the seniority list, prepared by the management on 01-01-90, the T. mates standing at Sr. No. 192 to 203, 205 to 227 were appointed between 17-09-84 to 01-12-85, as per detail given in para 6 of the rejoinder and the T. mates standing at Sr. No. 227, in that list i.e. Sadhu Ram, was recruited on 16-02-85 and as per the record they were all juniors to him and by recruiting them without giving him option of re-employment the management violated the provisions of Section 25(G) of the Act.

13. He further admitted that he was called for re-employment from 01-11-92 to 20-02-93, but he remained idle from 11-01-86 to 30-10-92 and from 20-02-93, till date. He has further claimed that T. mates, standing at Sr. No. 206 to 212, as per the seniority list enclosed, freshers had been recruited, by ignoring the claim of the petitioner. The management further acted malafidely by transferring their kith and kins recruited in violation of provisions of Section 25(G) of the Act to other places, so as to save them from retrenchment. The petitioner again prayed for cancellation of his termination order and for backwages, other benefits and continuity in service.

14. The workman testified all the facts stated in the claim petition and rejoinder, by his affidavit Ex. W1. He placed on record a certificate from SDO, Ex. W2, his representation to the Executive Engineer Ex. W3, a copy of letter from ALC(C) Chandigarh Ex. W4, another letter of ALC (C) Chandigarh Ex. W5, copy of offer of appointment to Lekh Raj Ex. W6, the offer of appointment to Ram Prashad Ex. W7, seniority list Ex. W8.

15. The management also produced documents such as joining report of the workman Ex. M1 showing as having joined the duties on 06-11-84, Ex. M2 is another joining report showing the workman having joined duties on 15-11-85, termination notice M3, another termination notice M4, affidavit of Sh. S.C. Mangal, Sr. Executive Engineer, O & M, Division Dhulkot 'M5'. The petitioner as well as Mr. S.C. Mangal appeared as witnesses and testified their affidavits, placed on record. The petitioner in his statement proved his affidavit and the documents exhibited as W2 to W8. When cross-examined, he denied the contents of Ex. M1, his joining report and stated that he had not been served with Ex. M2 and M3, though he had received Ex. M4.

16. Sh. S.C. Mangal, Executive Engineer, B.B.M.B., Dhulkot, in his statement proved his affidavit M5. He admitted that he had stated wrong facts in his affidavit, that the workman had worked from 01-11-82 to 20-02-93. It was a topographical mistake. He admitted that the workman had served from 01-11-92 to 20-01-93. According to him the workman had completed 240 days service, on the date of termination of his services. He admitted that only 10 days notice was given to the workman, before his retrenchment and that no retrenchment compensation was paid to him. He claimed that when the work finished, every body working in the project was terminated. He admitted that Ex. W8 is the seniority list, prepared by his department, but could not say whether Deep Ram, the workman was terminated from service, whereas his juniors standing at Sr. No. 192 to 203 were retained, saying that he did not know whether those persons were also working in the project or not. He kept on changing his stand saying that the same were retained by specific orders and then said that none was retained. He could also not say as to how many persons were engaged in the year 1992, for specific work. He admitted that the work of B.B.M.B. is still going on, but could not say whether anybody was appointed after 1992 or not. On the one hand he admitted that on compassionate ground, some persons were appointed, but on the other hand he stated that no new person was appointed.

17. The statement of S.C. Mangal, binds the management as per the rule of law, this witness has admitted the case of the workman to the extent that on the day of termination of his services, the workman had put in continuous service of 240 days; and that only a notice of 10 days was given to the workman before the termination of service; that he was not paid retrenchment compensation. The witness though admitted that Ex. W8 is the seniority list, prepared by the management, but he could not say whether the workman shown at Sr. No. 192 to 203, were junior to the workman or not. He admitted that the work of the B.B.M.B. is still going on; and that some persons had been appointed on compassionate grounds, but he could not answer whether anybody was appointed after 1992 or not. It comes out from the statement of this witness that he did not state truth in the Tribunal and withheld the facts, may be those facts were not convenient to the management. His attitude, while making the statement, also was not constant and regular. He made shifting statements and thereby made mess of things. The management did not think it proper to keep the record straight by offering to produce other witnesses or at least by placing on the file the concerned record so as to qualify the answers to the questions, which their witness could not reply properly. By withholding the relevant record the management has allowed the Tribunal to presume that if produced the same would go against their interest.

18. From the co-joint reading of the evidence, brought on record by both the parties, it comes out that the evidence has supported the claim of the petitioner that he had put in continuous service of 240 days during one year preceding the date of termination of his services on 10-01-86; that the management did not follow the command of Section 25 of Act, as they did not issue one month's notice to the workman nor paid him salary for the notice period before terminating his services. They also did not pay him the retrenchment compensation nor brought the matter of termination to the notice of appropriate Govt. Thus they violated the provisions of Section 25F of the Act.

19. The management also violated the provisions of Section 25 G&H, as is alleged and proved by the workman. They admitted that seniority list Ex. W8 is their document. Page 8 of this document contains the names of T. Mates, Kashmir Singh and others up to Jaswinder Singh shown from Sr. No. 192 to 203. As per this record these persons were recruited between the period 01-10-81 to 20-06-85. The petitioner has claimed that these T. mates, who were junior to him, were retained in service whereas his services were terminated on 10-01-86. The management has failed to explain this position as their witness S. C. Mangal beat about the bushes, when stated that he cannot say as to whether those persons were juniors to the petitioner or not. Thus, this claim of the workman is also proved.

20. The management has placed much reliance on their claim that the petitioner was appointed against a specific work and his services were terminated on the completion of that work. They have thereby taken the support of Section 2(oo) of Sub-section (bb), which reads : termination of service of the workman, as a result of none renewal of the contract of employment between the employer and the workman concerned on its expiry or of such contract being terminated under a stipulation, in that behalf contended therein "is not termination". A photocopy of offer of appointment, given to the workman, in compliance to which he joined the service with the management is on record and the management does not deny its contents. As per the offer of appointment given to Deep Chand by the B.B.M.B. under the signatures, of their Executive Engineer, O & M, Division, B.B.M.B., Dhulkot, under his No. 9795/96 dt. 05-11-84, the workman was appointed for one month against the work of 66 KV, Sector-52, Chandigarh. It is not the case of the management that after the expiry of one month, his services were terminated. The evidence brought on record shows that the services of the workman were not terminated immediately after the expiry of one month, but those were continued. The offer letter itself contained the stipulation that his employment was likely to be extended, from time to time and he could be transferred to anywhere in Punjab, Haryana under the B.B.M.B. Thus,

it is clear that the recruitment of the workman though was shown to be against 66 KV, sub-station-52, Chandigarh, but as a whole, the offer was to put him in job against any of the works of the B.B.M.B., in the States of Punjab and Haryana. Another offer letter No. 11533/34 dt. 11-11-85 is also on record, which is also in the similar form and contains the same terms of recruitment, as were contained in the earlier offer appointment letter. Thus the management has failed to bring on record any specific, documentary or oral evidence, to show that the work of 66 KV, sub-station, Sector-52, Chandigarh, was for such and such period and it was completed on such and such date, where upon the services of the workmen were terminated. The notice of termination, given by the management itself makes interesting reading because it nowhere states that the work has been completed. The notice bearing No. 785, dt. 15-07-85 states that the work against which the workman was engaged is almost complete. The other notice bearing No. 553, dt. 10-01-86 reads that the services of the workman are no more required. Therefore, the same are being terminated without any notice as per the terms and condition of his letter of appointment. The two notices thus, contain contradictory statements. Therefore, it cannot be stated that the services of the workman were terminated since the work against which he was recruited was, by then, complete. The management has taken the support of a Judgement of the Supreme Court reported as 1997 (3) LLN65 in the case of Escorts Ltd. Vs. Presiding Officer and others. The law laid down by their Lordships of the Supreme Court is that the termination of services of a daily-wage workman, in accordance with terms of appointment, is not retrenchment. Termination of services of a workman as a result of non-renewal of contract of employment between the employer and the workman concerned or on such contract being terminated under stipulation is not termination as defined by section 2, sub-section (oo), sub-clause (bb) of the Industrial Disputes Act. This law is not helpful for the management for the simple reason that since the management has failed to prove that the recruitment of the petitioner was under a specific contract of employment or the said contract contained stipulation like the one claimed by them. In this case, no doubt the initial appointment of workman contained some stipulation, like his appointment for one month, but the other conditions contained therein clearly suggested that he has been appointed not against the specific work, but also against the all works of BBMB all through the States of Punjab & Haryana, initially for one month, but it was extended in such manner that the stipulation of the time faded away and he continued in service. In the other Judgement, referred to by the management, in the case of Hindustan Steel Ltd. Vs. their workman, their Lordships held that as per the definition of undertaking, contained in section 25 (FFF), it could be said that it is intended to include entire industry or business of an employer. According to them, even the closer or stoppage, a part of

the business or activity of an employer, could be covered by the definition. In that case the workman was recruited on work charge establishment of the Ranchi Housing Project, which was a distinct venture undertaken by the Hindustan Steel Ltd. The said project had distinct beginning and end. It had established separate office and on the completion of the project the entire undertaking was closed. It was in these circumstances that the Apex Court held that the termination of services of the workman on the closer of such a project would not be retrenchment as defined by Section 2(oo) sub-section (bb) of the Act. This is not the situation in the present case here. It is not the claim of the management that the work of 66 KV, sub-station, Sector-52, Chandigarh was a separate project, for that it had separate beginning and end; and that the project began and ended on such and such date. There is no evidence, in this regard, produced by the management, rather, as stated earlier the offer of appointment, given to the workman, as noted above, itself shows that the workman had been engaged by the management against all its work, in the states of Haryana and Punjab and his recruitment was not against a specific work. As such the authorities referred to by the management are not helpful to them.

21. The management has also placed on record photo copies of the awards passed by my predecessor in the case ID No. 38/94 and ID No. 82/90 decided on 13-03-2003 and 03-01-2002 respectively. With respects I say, these Judgements do not guide me to the conclusions I propose to arrival at. In my opinion these authorities are also not of any help to the management.

22. After sifting, scanning and weighing all the evidence, brought on record, I am of the opinion that the workman is successful in proving that at the time of his retrenchment he had completed continuous service of 240 days and the management violated the provisions of Section 25(F) of the Act, as they did not give proper notice to the workman before terminating his services. They did not pay him retrenchment compensation. They also did not inform the appropriate Government about his termination. Thus the termination of petitioner was illegal and void ab initio. He is, therefore, held to be in service right from the date of his termination. I further, hold that the management violated the provisions of Section 25 G & H also when they retained the juniors and recruited fresh hands like Lekh Raj and Ram Prashad by exhibits W6 and W7 and by not following the seniority as prepared by them by exhibits W8.

23. It has come on record that after his retrenchment, the workman was given re-employment for certain periods. The management has not shown that right from the date of his termination, except for the period he was re-employed by them, the workman remained grainfully engaged, whereas the workman has stated in

his statement that he remained idle although without job except for the period, he was re-employed by the management. Taking these facts into consideration I, hold that the workman is entitled to the back wages from the date of termination of his services till date, excluding the period during which he remained employed with the management. As regards the extent of the wages I am of the opinion that since the workman did not actually served the management, though not for his own fault, it will be in the interest of justice that only wages up to the extent of 50 per cent be paid to the workman. The reference made is, therefore, is answered in these terms. A copy of this award be sent to the appropriate Govt. for necessary action the file be consigned to record after due completion.

KULDIP SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2748.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सैन्ट्रल सोयल एण्ड सैलिनिटी रिसर्च इंस्टिट्यूट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 109/94) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-10-04 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/91/93-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th October, 2004

S.O. 2748.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 109/94) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Central Soil and Salinity Research Instt. and their workman, which was received by the Central Government on 4-10-04.

[No. L-42012/91/93-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Shri Kuldip Singh, Presiding Officer.

Case No. ID 109/94

Date of Decision 13-09-2004

Shri Daya Ram S/o. Sh. Girdhari Lal, Village & Post Office Saidpura, Distt. Karnal.Applicant

Versus

Director, Central Soil and Salinity Research

Instt., Karnal.

....Respondent

APPEARANCES :

For the workman : Shri D. R. Sharma.

For the management : Shri R. K. Sharma.

AWARD

The reference No. L-42012/91/93-I.R. (D.U.) dated 24th August, 1994 made under Section 10 of the Industrial Disputes 1947 (hereinafter referred to as the Act) reads as under :

“Whether the action of the management of Central Soil and Salinity Research Institute, Karnal in terminating the services of Shri Daya Ram Ex-Daily paid labour is justified ? If Not, what relief he is entitled to and from what date ?”

2. Today the workman appeared and made a statement that he does not want to persue with the present reference as he has already got the regular appointment in the State Govt. and the reference may be returned as withdrawn. In view of the statement of the workman, the present reference is returned to the Ministry as withdrawn. Central Govt. be informed.

Chandigarh : 13-9-2004

KULDIP SINGH, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2749.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी.बी.एम.बी. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 143/92) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/12/91-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th October, 2004

S.O. 2749.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 143/92) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of B.B.M.B. and their workman, which was received by the Central Government on 4-10-2004.

[No. L-42012/12/91-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
CHANDIGARH**

Shri Kuldip Singh, Presiding Officer.

Case No. ID 143/92

Received on : 3-11-1991 Date of Decision : 20-9-2004

Ramesh Kumar S/o. Sh. Khushal Chand, C/o.
Sh. R. K. Singh Parmar, President, Nangal Bhakra
Mazdoor Sangh, Nangal Township, Distt. Ropar.
...Petitioner

Versus

1. Chairman, Bhakra Beas Management Board,
Sector-19-B, Madhya Marg, Chandigarh.
2. Executive Engineer, Operation & Maintenance
Division (Power Wing), B.B.M.B., P.O. Power
House, Delhi.Respondent

APPEARANCES :

For the Workman : Shri R. K. Singh
For the Management : Ms. Neeru Chadha.

AWARD

The Government of India, on the recommendation of conciliation officer referred the following matter for the adjudication of this Tribunal vide their No. L-42012/12/91-IRDU, dt. 30-09-1991 :

"Whether the action of the Executive Engineer, BBMB, Delhi in terminating the services of Shri Ramesh Kumar, son of Shri Kushal Chand, w.e.f. 21-11-1978 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Notices were issued to the parties. The petitioner appeared through, his representative, Mr. R. K. Singh, whereas the management appeared through their representative on 18-12-1991, on which day the workman filed his claim petition a copy of which was given to the management. The management filed the written statement on 21-05-1992. The petitioner was accorded an opportunity to file the replication, which he filed on 15-04-1993. He filed his affidavit on 16-12-1992 on the day he filed replication, whereas the management filed the affidavit of Sh. S. K. Bansal, Assistant Executive Engineer, in support of their written statement. The parties filed photo copies of a number of documents including the documents and statements of witnesses, made before the Enquiry Officer. Both the petitioner and witness of the respondent Sh. S. K. Bansal proved the documents

submitted by the parties. The petitioner in his statement stated as under :

3. Ramesh Kumar, workman deposed that he admits the contents of his affidavit and documents produced by him, as correct and the same are exhibited as Ex. W1 to Ex. W5. When cross-examined he stated that he was placed under suspension and was also chargesheeted. He admitted his signatures on the documents exhibited as Ex. M1 and stated that he was working in the work charge capacity. He admitted that he had received subsistence allowance during the period of his suspension, but on the intervention of the court and admitted the contents of court order Ex. W6. He further stated that before the termination of his services he was given show cause notice, but he does not remember whether, he had replied the same or not. However, he stated that he does not remember whether he had received the copy of the enquiry report or not. He alleged that he was not given full opportunity to defend and denied that the enquiry was conducted in accordance with the principle of natural justice and standing orders. He also denied that he was gainfully employed after 21-11-1978. Sh. S. K. Bansal, SDO who appeared as witness for the management proved, as correct, his affidavit, placed on record and the documents filed therewith. All these documents were exhibited as Ex. M2 to M19. In cross-examination he stated that the workman had given explanation to the chargesheet, but the same was rejected by the Disciplinary Authority. That he was not a witness in the enquiry, so he cannot say whether the order of rejecting the explanation is available or not, that he cannot say whether any presenting officer was appointed by the management. However, as per the office record the enquiry was conducted properly and fairly and the same is placed on record. Copy of order is exhibited as Ex. M 20.

4. In the statement of claim the workman claimed that he was engaged by respondent No. 2, as Line Man, in the work charge capacity, since 1970 and he continuously worked in that capacity up to the after-noon of 21-11-1978, the day when his services were terminated by an illegal, bad and void order. That he was placed under suspension on 01-09-1976, on a false and fictitious charge, which was also not properly served upon him. His reply to the charge was also rejected and he was served with a show cause notice and thereafter his services were terminated in a hire and fire manner, without holding proper enquiry and without the evidence of the parties, that he was not paid subsistence allowance during the period of suspension, therefore, he filed an application under Section 33(C), before the Presiding Officer, Labour Court, Rohtak who ordered the management to pay a sum of Rs. 1232/-, as the subsistence allowance, at the rate of 50% of last wages, vide his order dt. 30-4-1978, that he had filed a suit for declaration at Jalandhar, against his illegal termination from services on, 23-01-1981, which

was decided by the said court on 03-06-1986. That, after the dismissal of suit, for want of jurisdiction, he made representation to the respondents and even made an appeal to the Chairman, Bhakra Beas Management Board, but heard nothing from them for two years. It is in that contingency that he approached the Authority under the Labour Law, that this order of his termination is not a speaking order. The reply to the show cause notice was not considered properly, no enquiry was conducted nor the workman was accorded an opportunity of personal hearing, before the termination of the Services, that the authority did not act on the dictum of Certified Standing Orders/Model Standing Orders 1946. That the Executive Engineer was neither his appointing authority nor he could be punishing authority. Thus, the termination of the petitioner was bad, that he was not served with one month's office before his termination, therefore, also the termination is bad and is required to be declared so with further direction for his reinstatement in service, payment of full back-wages and continuity in service.

5. The management has opposed the claim of the petitioner, by raising preliminary objections and on the basis of their case stated on merit. It is their case that the present reference is bad in law since the reference has been made on the basis of failure of conciliation proceedings, which had been conducted in the absence of management: that conciliation officer was misguided by the workman, that on the notice issued by ALC(C), Rohtak, the Executive Engineer concerned appeared before the ALC(C), Rohtak, who fixed the next date for 22-01-1991. On the date next fixed for the proceedings it was told to the management that the workman has stated in writing to close the case as he had raised the same issue before the ALC(C), Chandigarh and so the management should await for the notice, from the ALC(C), Chandigarh. That ALC(C), Chandigarh also issued notice to the management for the day ALC(C), Rohtak, had issued the notice. But in fact no notice was issued by ALC(C), Chandigarh to Executive Engineer, who had terminated the services of the petitioner and was a party. The date fixed in the notice was 03-01-1991, on which day, it was told that the workman has closed his case at Rohtak and the next date was fixed for 22-01-1991. However, the petitioner did not inform the management that the case is pending before the ALC(C), Chandigarh. The case was also pending before the ALC(C), Rohtak, where the management had appeared and in whose jurisdiction the case had arisen. That a registered notice was sent to the Chief Engineer and not to the parties, against whom the petitioner had raised the dispute. As such the respondents could not attend. Thus the parties did not appear before the ALC(C), Chandigarh, since no proper notices were served upon them. Thus, the order of the Government is not proper since it was passed without hearing the management.

6. On facts, it is stated by the management that the workman had worked on work charge capacity in the B.B.M.B. from the year 1970 to 21-01-1978, when his services were terminated, according to the Certified Standing Orders; that the workman was given full opportunity to defend himself, before the termination. That the workman was suspended on the report of S.D.O. T/L Sub-Division, Balabgarh and charge-sheet was served upon him. Thereafter, a proper enquiry was conducted by Mr. V. K. Gupta, the then Executive Engineer, O & M, Division, Panipat. That the workman was given full opportunity of his defence. That the Enquiry Officer had submitted his report on 31-08-1978, holding that the charges were established against the workman. Thereafter, show cause notice was served upon the workman asking him to submit his reply within 20 days. The reply was received after the stipulated period, yet it was considered, but was not found satisfactory.

7. The management has further claimed that the services of the petitioner were terminated by following the provision of Certified Standing Orders. That the Executive Engineer is the appointing authority as well as the punishing authority. That the services of the workman were terminated and not retrenched, therefore, there was no question of giving him any notice. They have further alleged that the services of petitioner were terminated for his misconduct and misbehaviour with his superiors and the same was done after following the necessary formalities in terms of Certified Standing Orders.

8. Before I proceed to examine the case of the parties on merits, I would like to dispose of an application made by the management for summoning of the record which according to them is lying in the office of ALC(C), Rohtak. It is their case that on a call, the representative of the management appeared before the ALC(C), Rohtak on 22-01-1991 and he was informed that the workman has prayed for closing the case as he has raised the same issue before the ALC(C), Chandigarh. It is further claimed that the management had deposited the relevant record with the ALC(C), Rohtak and a mention about that was also made in the departmental enquiry, when both the parties appeared before him; that certain basic record is lying with the Labour Commissioner Rohtak, which has not been produced in this case. The management has prayed for summoning the said record, so that the case is disposed off properly.

9. On the record, I find that the workman has not filed objections to this application, though copy of it was given to him. Since the application has been made at the stage of final arguments it was decided that the application would be considered, on merits at the time of final arguments, which were heard on 17-06-2004.

10. During the course of arguments the representative of the management admitted that they have

not given detail of the documents, which were placed on the file of the ALC(C), Rohtak and which were relevant to the matter in issue in these proceedings. As per their own statement they have produced the record in the case No. 811777/90 ACR dt. 30-12-1990 in which there were no proceedings after 22-01-1991. In these about 14 years, the management did not take any steps to get the copies of that record so as to produce the same in these proceedings. Even today they do not have detail of that record nor they can say about the substance it contains. How then, the court can find out, whether documents, which the management wants me to summon are really relevant to the matter in issue before me. The management has no explanation to advance as why to they have slept over this matter all this period, although they have acknowledged that even before the Enquiry Officer, both the parties stated that certain record is on the file of the ALC(C), Rohtak, which even before him they did not produce. The case is already very old and the occurrence is stated to have taken place some two decades ago. In the circumstances I feel no useful purpose shall be served if the application is allowed since the management itself is not sure as to what record they want to get summoned which will help in the disposal of his case. They must reap what they have shown. As such the application is rejected.

11. Now coming to the merits of the case, there is no dispute between the parties that the services of the workman were terminated on 21-11-1978. According to the management the workman was engaged in work-charged capacity, in the year 1970, and he was continuously working till 21-11-1978, the day, on which his services were terminated in accordance with the provisions of Certified Standing Orders of the BBMB, as applicable to the work charged staff. According to them, the workman was suspended on 01-09-1976, on the basis of the report of SDO, T/L, BBMB, Balabgarh, that the workman was charge-sheeted vide their No. 153/C-26, dt. 08-02-1977, in accordance with clause 23(5) of the Certified Standing Orders and thereafter a proper enquiry was conducted by Mr. V. K. Gupta, the then Executive Engineer, O & M, Division BBMB, Panipat that the workman was given full opportunity to defend himself, that as per the report of the Enquiry Officer the guilt of the official was proved and the charges were established against him. Thereafter, the workman was given show cause notice, asking him to submit his explanation which he sent after the expiry of the stipulated period of 21 days yet it was considered; that after considering the reply of the workman the punishing authority held that the plea of the workman is not carried, therefore, services of the workman are dispensed with.

12. The management has further claimed that the services of the workman were terminated, after observing the pre-requisite in accordance with the Certified Standing

orders; that Executive Engineer was the appointing as well as the punishing authority; that the services were terminated on the grounds of misconduct and misbehaviour, with his superiors and the same was done after observing all the formalities.

13. Alongwith their written statement, the management enclosed certain documents including photo copies of the charge sheet No. 153/C-25, dt. 08-02-1977, another charge sheet Memo No. 105/0-25, dt. 11-09-76, statement of the charges which are not dated, another document which also shows the allegation against the workman, the report of the enquiry which comprises of six pages, the statements of the workman and that of Messers S. S. Gupta, S.E., B. S. Sachdeva, AO&S, Om Parkash, Ragubir Singh, Sher Singh, J. R. Chandan, Sat Paul, Risal Singh, Maha Dev, Harjeet Singh, besides the final show cause notice by which the workman was directed to show cause as to why his services should not be terminated. The perusal of these documents show that Enquiry Officer did not prepare the memorandum of proceedings during the period the enquiry was conducted. It is also claimed that he recorded the statement of the petitioner, i.e. the workman and 10 other witnesses of the management on one day i.e. on 23-08-1978. After going through the statements of the witnesses I find that there is nothing in record to suggest that the workman had cross-examined the witnesses of the management. In the absence of memorandum of proceedings, it cannot be made out whether the workman was given opportunity to cross-examine, the witnesses of the management or not. Even statements of the witnesses are recorded in the first form and there is nothing to show as to who was the presenting Officer and who produced those witnesses. The Enquiry Officer apparently recorded the statements in a composite manner. Even the statement of the workman is recorded in that manner without showing as to whether he was examined, by whom, and who cross-examined him. Statement of the workman contains, last line, where he is shown to have said that he was allowed to cross-question the witnesses of the management. But barring this statement, there is no evidence on the record to show that the workman had cross-examined the witnesses of the management and what questions he asked them and what was their reply. The statement of the witnesses of the management also do not contain any reference as to who examined them and what questions were put to them. They have vomited out a tutored versions. The recording of statement on the same day, further suggests that these were typed and signed by the witnesses, without perhaps their actually making the statements. It also speaks of the hurry in which the Enquiry Officer was to complete the enquiry on the same day. There is therefore, no evidence to show that the workman was given full opportunity to defend himself, both by putting questions to the witnesses of the management and by producing his own evidence.

The enquiry clearly seems to have been conducted with a premeditated mind without caring for principles of natural justice.

14. The workman alleged that he was not even served with the charge sheet by the management well in time and the copy of the charge sheet was provided to him just before the start of the enquiry. It is also on record that the management did not provide subsistence allowance to the workman during the course of his suspension which also includes the period when the enquiry was conducted and it was only on the intervention of the Labour Court that the subsistence allowance was paid to him. The order of suspension as noted in the service book of the workman shows the mind of the competent authority, as he ordered that the workman, during the period of suspension, shall perform duties, but he shall not be paid any wages and allowances. Such an order was clearly against the service rules and principles of natural justice. All this shows that enquiry conducted against the workman was not fair. There is no evidence on record to show that the workman was provided with the opportunity to cross-examine the witnesses of the management and was allowed to produce the evidence in his defence. Even the Enquiry Officer does not seem to have taken pains to verify whether the claim, made by the workman, against the allegation, which gave cause for the enquiry, were genuine or not. I am therefore, of the opinion that the punishment imposed on the basis of such an enquiry is not legal and justified.

15. After due consideration of the evidence, placed on record, by the parties, I am of the considered opinion that the management did not conduct a proper and fair enquiry against the workman, since the workman was not provided with proper opportunity to produce his evidence and to cross-examine the witnesses of the management. The Enquiry Officer further failed in his duty to examine, enquire into the defence of the workman so as to reach the just conclusion in the matter. The manner in which the enquiry was completed, in a day itself shows that the conducting of the enquiry was only to cover up the working of the mind of the management, so as to punish the workman. Even the order of suspension passed by the Executive Engineer, a photo copy of which is on record, shows the mala fide in the mind of the authority, placing workman under suspension, as he categorically directed, that during the period of suspension the workman shall work but he will not be paid wages or allowances. In that case how the management expected the workman to survive and also take effective part in the enquiry proceeding. The law is settled where the workman could not effectively defend himself in the enquiry, as he was not paid the subsistence allowance, the enquiry was held to be bad in law. Considering all these situations I hold that the enquiry against the workman was not fair and proper, therefore, the punishment based thereon is bad

in law. As such the punishment awarded is quashed. In the pleadings of the management there is no prayer, that in case, this Tribunal comes to the conclusions that the enquiry conducted against the workman was not fair, they may be allowed to lead evidence, to show that the dismissal of the workman was justified, in view of his misconduct and misbehaviour with the superior officers. Since, there is no such prayer therefore, the management cannot be given, suo moto, permission for adducing fresh and additional evidence to prove that the dismissal of the workman was justified. In this regard I get the support of a Judgement of the Andhra Pradesh, High Court reported as 1995 (2 SCT 404) a photo copy of which is placed on record.

16. There is ample evidence on record to show, that the preceding the date of dismissal of the workman, on the basis of departmental enquiry, he had put in continuous service for 240 days, and that before doing that the management did not follow the provisions of Section 25-F, as they did not issue any notice of termination nor paid retrenchment compensation to the workman, they also did not inform the Appropriate Government about the retrenchment of the workman. In the circumstances they violated in letter and spirit, the provision of the Industrial Disputes Act. On this count also the termination of workman from service is held to be bad in law and for the reasons stated earlier the workman is treated to be in service as if there was no order of his dismissal from service. It is further held that the workman is entitled to full back-wages with continuity in service and all other benefits as if he continued in service all this period. The award is passed in these terms; that the action of the Executive Engineer, BBMB, Delhi in terminating the services of Ramesh Kumar S/o Kushal Chand w.e.f. 21-11-1978 was not justified and he is treated to be in service all through this period subject to his age of superannuation. He is also held to be entitled to full back-wages, continuity in service and all other service benefits. Let the copy of this award be sent to Government of India for necessary action and the file be consigned in record after due completion.

KULDIP SINGH, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2750.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केनरा बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, बंगलौर के पंचाट (संदर्भ संख्या 6/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/183/2001-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 6th October, 2004

S.O. 2750.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award Ref. No. 6/2002 of the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Bangalore as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Canara Bank and their workmen, received by the Central Government on 05-10-2004.

[No. L-12012/183/2001-IR(B-II)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT "SHRAM SADAN" III MAIN, III CROSS, II PHASE, TUMKUR ROAD, YESHWANTHPUR, BANGALORE-560022

Dated : 28th September 2004

PRESENT :

Shri A. R. Siddiqui, Presiding Officer.

C. R. No. 6/2002

I PARTY

Shri M. Praveenchandra
S/o late Shri B. Manju,
Near Pump House,
Koikude Village & Post,
HALEANGADI-574146

II PARTY

The Deputy Manager,
Canara Bank Circle Office,
MANGALORE-575003

AWARD

1. The Central Government by exercising the powers conferred by clause (d) of sub-section 2A of the Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred this dispute vide order. No. L-12012/183 (IR (B-II) dated 16th January 2002 for adjudication on the following schedule :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Canara Bank, Circle Office, Mangalore, in terminating the services of Shri Praveenchandra M, Ex. Sub-staff, Canara Bank, Market Road Branch, Mangalore w.e.f. 8-9-1998, during the period of probation is justified ? If not, what relief the said workman is entitled to ?"

2. The case of the first party as made out in his Claim statement in brief is that he was appointed by the Second Party as a Peon initially in the month of June 1990 on daily wages in the vacancy reserved for Scheduled Caste candidates. He was selected after interview. His

name having been sponsored through Employment Exchange. He worked in the said capacity for over 7 years at various branches of the Second Party Bank in Mangalore circle. He discharged his duties very honestly and sincerely and some of the branch managers of the Second Party had recommended to appoint him on regular basis as sub-staff in the existing vacancies. Later on, his services were regularised w.e.f. 8-12-97 and he was posted as sub-staff at the Market Road Branch, Mangalore. However, after regularization of his services, the first party was being harassed by the second party bank levelling against him all types of vague, flimsy, frivolous and baseless allegations with the sole intention to terminate his services by hook or crook; that there was no show cause notice or charge sheet issued to the first party nor enquiry was held against him while terminating his services. Therefore, he is without any work from 8-9-1998 and on account of termination of services, a stigma has been attached to his career; that the first party comes from a poor scheduled caste family of Dakshina Kannada District and his efforts through the All India Canara Bank SC/ST Employees Association and also through the good offices of the officials of the Labour department to get himself reinstated in service have failed due to recalcitrant attitude of the management; that the action of the Second Party is arbitrary, illegal and in violation of principles of natural justice so also in violation of the provisions of Canara Bank Service Code; that even if the first party is guilty of any misconduct or unsatisfactory work performance then again the punishment of terminating his service is shockingly disproportionate therefore, the termination order is liable to be set aside and he is entitled to be reinstated in service.

3. The management while filing its Counter Statement resisted the claim of the first party, however, admitting the fact that he was appointed as a probationary Peon as per the order dated 25-11-97 and he joined the services of the bank on 8-12-97 and was posted at Market Road Branch, Mangalore. It was contended that during the aforesaid period of probation the performance of the first party was not satisfactory, during the period of probation initially fixed for six months and therefore, it was extended by 3 months as per the bank proceedings dated 23-5-98 giving an opportunity to the first party to improve his work performance. However, he did not improve his work performance despite the suitable counselling by the Manager Incharge of the Branch and therefore, the bank decided not to confirm services of the first party and accordingly he was terminated from service vide proceedings dated 7-9-1998. While denying the allegation of the first party that he was initially appointed as Peon in June 1990, the management contended that the first party was brought on the panel of daily wagers list and was engaged intermittently on daily wage basis in the leave vacancy of sub staff and thereafter he was

appointed as a Probationary Peon during the year 1997. It was contended that since the services of the first party were not confirmed for the reasons narrated above, hence the question of issue of charge sheet against him or holding an enquiry before terminating the services did not arise. Therefore, the management requested the court to dismiss the reference.

AWARD

The proceedings stand abated and accordingly reference is rejected.

(Dictated to PA transcribed by her corrected and signed by me on 28th September 2004)

A. R. SIDDIQUI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2751.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 9/96) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 05-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/299/95-आई.आर. (बी-II)]
सी. गंगाधरन, अवर सचिव

New Delhi, the 6th October, 2004

S.O. 2751.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 9/96) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh as shown in the annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 05-10-2004.

[No. L-12012/299/95-IR(B-II)]
C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL- CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Shri Kuldip Singh, Presiding Officer.

Case No. I.D. No. 9/96

Date of Decision 23-9-2004

Ved Parkash,
Ex-Clerk,
Central Bank of India,
G.T. Road, Karnal

.....Workman.

Versus

1. Central Bank of India, through Chairman and Managing Director, Central Office, Chandermukhi Nariman Point, Bombay
2. Regional Manager, Central Bank of India. Regional Office, 106, Metro Motor Building, Ambala Cantt.
3. Zonal Manager, Central Bank of India, Zonal Office, Chandigarh
.....Respondents

5. As noted above, the notice sent to the first party by registered post returned unserved on 11-6-04 and thereafter notice issued to his advocate though was served, he failed to respond. As seen above the first party failed to appear before this tribunal to prosecute the proceeding as he was reported to be dead vide postal endorsement referred to supra. As noted above, learned counsel for the management has filed memo to close the proceedings as 'abated' as no steps were taken by the LR's of the first party to come on record and to prosecute the proceedings. As could be seen from the records, notice issued to the first party returned unserved by this tribunal on 11-6-04. As on 21-9-04 when the learned counsel for the Second Party filed a memo, period of 3 months to bring LR's on record had already expired. Even as on today there is nobody representing the first party much less his LR's to give life to the proceedings. Therefore, this Tribunal is left with no alternative but to give due weightage to the memo filed by the Second Party to close the proceedings as 'abated'. Hence the following Award :

APPEARANCES :

For the workman : Shri J.S. Rana
 For the management : Shri H.C. Arora

AWARD

1. This is a reference, received from Government of India, vide their letter No. L-12012/299/95/I.R(B-3), which was received in this Tribunal on 09-01-96. It was directed to be entered in the concerned register and notices were issued to the parties who appeared on 15-02-96. The workman filed the claim statement on that day, a copy of which was given to the management. The management took time to file the written statement. In this between, as per the record, fresh claim statement was filed by the workman on 02-12-98 and the management filed written statement thereof on 23-12-94. The workman filed rejoinder on 10-11-2000. In support of his claim the worker filed his affidavit on 14-07-2000, whereas the management tendered the affidavit of their Regional Manager, S. L. Doda on 02-02-2002. The management also placed on record photo copies of the charge sheet, statement of the workman and that of witnesses produced by them such as Sh. S.K. Jain, Sh. B.K. Bhatia, Sh. P.C. Mittal, Sh. M.K. Verma, as made by them in the enquiry. Besides the photo copy of the proceedings in the enquiry and the findings, have also been placed on record along with the final show cause memo issued to the workman, the order of the Appellate Authority. It is worthwhile to note that on 07-08-2001, the workman appeared through his counsel Sh. J.S. Rana, when none was present for the management. Mr. Rana submitted before the Court that no evidence is required to be recorded in these proceedings, since the reference pertains only to the question of quantum of punishment awarded to the workman and this Tribunal has to return the finding, whether the punishment awarded is proportionate to the misconduct committed by the workman or not and if not, to what relief the workman is entitled to. According to him this question can be decided after hearing the parties. It seems the court agreed with the counsel of the workman and directed that the matter be put up for arguments but the order, which was passed subsequently on the same day, shows that the opposite side did not agree with the counsel for the workman and desired to submit the affidavits of non-applicants. The Court, however, did not agree with them and directed that the management shall produce the record on the next date. The parties produced the affidavits, besides the copies of the enquiry proceedings. Vide its order dt. 20-06-2003, the court directed that the matter be put up for arguments. The workman filed the written arguments on 11-09-2003. The Court awaited for the arguments of the management and the counsel for the management submitted oral arguments in presence of the counsel for the workman, who replied the oral arguments of the counsel for the management and submitted that the

case may be decided on the basis of written arguments and the oral submission made by the counsel for the parties.

2. The reference, which is required to be adjudicated upon by this Tribunal reads as under :—

“Whether the action of the management of Central Bank of India in dismissing the services of Shri Ved Prakash, Ex-Clerk, is proportionate to the misconduct committed by the workman or not ? If not, what relief is he entitled and from what date ?”

3. The bare perusal of this reference shows that its extent is limited to the amount of punishment awarded to the workman, which pre-supposes that the parties have not disputed the facts leading to alleged occurrence, fairness of departmental enquiry, held against the workman, and the amount of punishment awarded to him, by the punishing authority and confirmed by the Appellate Authority. However, the question, which is required to be considered by this Tribunal, cannot be answered without making a reference to the facts of the case, the departmental proceedings conducted in the matter, the conclusions arrived at by the Enquiry Officer, the punishment awarded by the punishing authority and the order of the Appellate Authority.

4. Stated in brief, the facts are that the workman was posted as Clerk in the respondent bank at Karnal, when the Regional Manager, Ambala Cantt. served upon him the charge sheet which reads as under :

- (i) On 06-06-1991 while working in the current account department, he with a mala fide intentions, fraudulently altered the closing balance in the account of M/s Mehfil Restaurant from Rs. 1367/07 to Rs. 6367/07. He made this alteration by altering the figure of '1' in the said balance to '6'. Further, in the same account, on 28-06-91, he corrected the closing balance from Rs. 5997/07 to Rs. 297/07, by authenticating it with forged initials of Checking Officer, so that the fraudulent alteration, made by him on 06-06-91, does not come in the picture, while jotting and tallying the balances of said ledger, for the month of June 1991. In this way he, with a mala fide intentions accommodated the said party unauthorisedly in a fraudulent manner, which is prejudicial to the interest of the Bank and for which he is charged with gross misconduct under para 19.5(j) of the Bipartite Settlement.
- (ii) On 02-07-91, in the same account i.e. in the account of Mehfil Restaurant, he with a mala fide intention, with some ulterior motive, made a superfluous credit entry of Rs. 8000 (Rs. Eight thousand only) and increased the closing

balance in the said account from Rs. 1457.07 to Rs. 9457.07, by way altering the figure of '1' to '9'. After that, before proceeding for training on 08-08-91, he corrected the closing balance, in the said account, from Rs. 9197.72 to Rs. 1197.72, by authenticating it with the forged initials of Checking Officer, so that the above unauthorized and fraudulent alteration, made by him, does not come in the picture. Further while jotting the balance of said ledger, on 30-07-91, he deliberately jotted the balance of said account as Rs. 1045.72 instead of Rs. 9045.72, as appearing in the account on said date, so that the balances may tally and fraudulent alteration, done by him on 02-07-91, may not come into the knowledge of other Branch Officials, which clearly establishes his mala fide intention in all the above said fraudulent alterations done by him

For these acts, done with mala fide intention, by which he accommodated the party unauthorisedly and which are prejudicial to the interest of the Bank, he is charged with gross misconduct under para 19.5(j) of the Bipartite Settlement.

- (iii) On 13-07-91 when a cheque No. 049251 dated 13-09-91 for Rs. 1587 drawn on above said account i.e. Mehfil Restaurant, was presented for payment, he with a mala fide intentions, with some ulterior motives, mentioned balance of the said account over the cheque as Rs. 2929.37 whereas balance in fact, at that time, in the account, was only Rs. 929.37. Further while debiting the said cheque of Rs. 1587 in the account, he did not derive the resultant debit balance in the account so as to conceal his above said fraudulent action. Later on, at the time of close of public hours, on the said date, he himself deposited Rs. 1000 in the account, as is evident from the pay-in-slip of said date, so that overdraft is not created in the account and his above fraudulent and unauthorized accommodation of the party, does not come into the knowledge of the concerned Branch Officials".

5. The workman, in his statement of claim, admitted charges one and two before the Enquiry Officer to the extent that he had made the alterations in the account of M/s Mehfil Restaurant without mala fide intentions. He claimed that charge three is not admitted by him, that he had admitted charge "1 and 2" with the understanding that such an admission will not warrant his dismissal from service, in the light of his unblemished past service record.

He further admitted that an enquiry was conducted against him, but with biased mind and alleged that the 'Disciplinary Authority' made mistake in dismissing him from the service and the order so passed is illegal and bad. He raised other grounds to challenge the orders of the Disciplinary Authority and submitted that the order of the Disciplinary Authority is violative of mandatory provisions of clause 19.12(c) of Bipartite Settlement, dated 19-10-96.

6. The workman has also challenged the decision of the Disciplinary Authority and that of the Appellate Authority, on a number of grounds as detailed in the statement of claim. Taking the support of Authority of Punjab & Haryana High Court in the case of S.L. Loona Vs. Punjab National Bank, 1992, Domestic Enquiry Law General, it is alleged by the workman that the order of the Appellate Authority is required to be vitiated in the light of the said Judgement, since he was also not provided with an opportunity of personal hearing, before his appeal was disposed off. He further alleged that the Zonal Manager has appointed him whereas the Regional Manager, who is lower in rank has dismissed him. So far that reason also the order of the Regional Manager is bad in law. In the end the workman has prayed for setting aside the order of penalty of dismissal, in the exercise of powers conferred under Section 11-A of the Industrial Disputes Act. He has further prayed that he be reinstated with full back wages, continuity in service and with all other consequence benefits.

7. The perusal of the statement of claim shows that the workman has tried to broad based the scope of the present proceedings and thereby has tried to extend the terms of reference, which is not permissible.

8. The management has opposed the claim of the workman and has raised preliminary objections to the maintainability of the reference. They submit that the workman has not brought the facts to the notice of the court honestly and has tried to conceal them. He has made false and frivolous charges, which are scandalous in nature. According to them, the workman has admitted the charges, levelled against him. Now it does not lie in his mouth to raise finger against that. The workman was provided with the opportunity of personal hearing both by the Disciplinary Authority and Appellate Authority. The principles of natural justice were fully complied with. Rebutting the allegations, made by the workman in the statement of claim and then in his affidavit, it is submitted by the management that a fair and proper enquiry was held against the workman and during the enquiry all the procedure was followed, the principles of natural justice were respected; and that in the facts and circumstances of the case and in view of the admission of the workman, the charges against the workman were proved. Therefore, he was awarded the punishment, which is under challenge.

9. The workman in his written statement admitted that the controversy between the parties is only with regard to the proportionality of the punishment of dismissal handed over to him. He has challenged the legality of the punishment on the grounds, that

- (i) The applicant-workman did not derive any financial benefit from the act attributed to him in the charges.
- (ii) The punishment of dismissal has been awarded in violation of mandatory provision of clause 19.12(c) of the Bipartite Settlement dated 19-10-96 that imposed upon the Disciplinary Authority a duty to check the past record of the workman and other extenuating circumstances.

I shall first take up the ground of violation of provisions of clause 19.12(c) of the Bipartite Settlement, dated 19.10.96, which reads as under :

“19.12(C). In awarding punishment by way of disciplinary action, the authority concerned shall take into account the gravity of the misconduct, the previous record, if any, of the employees and any other aggravating or extenuating circumstances, that may exist”.

This provision has enjoined upon the Disciplinary Authority to take into account the :

- (i) Gravity of the misconduct;
- (ii) Previous record of the delinquent official and any other aggravating or extenuating circumstance that may exist.

10. If we go back to the charge sheet the report of the Enquiry Officer, photocopies of which are on record, it is shown that the workman was charged with many instances of tampering with the record of the Bank. He was alleged to have altered the closing balance in the account of M/s. Mehfil Restaurant on 06-06-91 from Rs. 1377.07 to Rs. 6367.07, thereby he raised the balance of the concerned party by altering the figure “1 to 6” and thereby helped the said party to gain. On 28-06-91 he again altered the balance account of the said party and charged it to Rs. 297.07 from Rs. 5997.07 and in doing that he forged the initials of Checking Officer, so as to cover up his lapse made on 06-06-91. On 02-07-91 he again raised the closing balance of M/s. Mehfil Restaurant, named above, from Rs. 1457.07 to Rs. 9457.07, by altering figure “1 to 9”. On 08-08-91 he again altered the figures in the account of the said party and lower down the balance to Rs. 1197.72 from Rs. 9197.72 and in doing that he forged the initials of Checking Officer, while authenticating the change. On 30-07-91 he recorded the balance of M/s. Mehfil Restaurant as Rs. 1045.72 whereas

in the account the balance was Rs. 9045.72, so as to cover up his earlier fraudulent action done on 02-07-91.

11. Further allegations against the workman is that on 13-07-91 he raised the closing balance of M/s. Mehfil Restaurant to Rs. 2929.37 whereas the said party had only a balance of Rs. 929.37. On that day he apparently did so, so as to help the said concerned to get their cheque worth for Rs. 1587 en-cashed. He purposedly did not show the resultant debit balance, but later on deposited an amount of Rs. 1000 himself so that overdraft is not created against the account of said party and his conduct is not exposed.

12. As stated above the workman admitted the charges of commission of alteration/forgery by him on 06-06-91, 02-07-91, 08-08-91, and 30-07-91. During the enquiry the 3 charge of his misconduct on 13-07-91 and that of depositing the amount of Rs. 1000 so as to cover his act of misconduct, were proved to be true. From the events proceedings the departmental enquiry, against the workman, clearly suggested that the workman had made the alterations with full conscious mind and as per the report of the enquiry the same was done to help M/s. Mehfil Restaurant, in getting their cheques encashed without creating overdraft on their head. The workman admitted this fact in his statement before the Enquiry Officer and the explanation he advanced was in the manner that since the concerned party was a good customer of the respondent Bank, therefore, he did the alterations so as to accommodate them. He, however, has not shown as to who had authorized him to do that. If he had that good intentions why he did not bring the matter to the notice of his superior officers and then why he tried to cover up his misconduct by committing further misconduct, which was clearly to cover up his actions so as to screen the same from the sight of his superior officers in the Bank. There is absolutely no extenuating circumstance to show that the workman had good intentions to help the customer of the Bank.

13. The workman has failed to bring on record any evidence to show that his previous conduct was unblemished; that he was a sincere and faithful servant of the Bank. As regards the gravity of misconduct, it is grave and serious, perhaps it was good luck of the Bank that his misconduct was spotted and he was proceeded against, otherwise encouraged by his deeds, he could have done any bigger misconduct and fraud so as to dupe his employer or the customers of his employer.

14. There is no merit in the claim that since the workman did not derive any monetary benefit from his conduct, therefore, the punishment awarded to him cannot be justified. It is not the question of monetary benefits, which are important. What is important is the trust that the customers impose in the financial institutions and the banks stand at the top of the list. Though they give less interest on the deposits than the other financial

institutions, the customers still make deposits in the banks since they feel that their money is secure. It is like that it is in their pocket, without taking the pain to case for it. If employees of the banks, like petitioner, start meddling with their accounts, where shall go their trust. The courts have taken strict view in such matters and a reference to the Judgement of the Delhi High Court reported in the case of Delhi State Transport Corporation Vs. N.L. Kakarh reported as 2004, Labour and Industrial Cases 2312 can be made with advantage. In that case the Bus Conductor had not issued the tickets worth 5 paise to each of the three of the passengers but three tickets were found lying in the bus which were not properly punched, which suggested that the conductor had taken the money but had not issued the tickets and finding the Checking Staff, he threw three tickets in the bus, so as to claim that he had issued the tickets. The Hon'ble High Court of Delhi did not get impressed by the fact that the amount involved was very meager therefore, the punishment of dismissal was bad. They rejected the claim of the workman and upheld the punishment of dismissal from service.

15. In the present case the position is worse. Here the petitioner was entrusted with the job of dealing with lacs of rupees of the customers of the Bank. The manner he made the alterations and then the manipulations to cover his action, clearly shows his guilty mind. In my opinion he deserved no leniency and the punishment awarded was proportionate to the misconduct, he committed while serving as an employee of the Bank. The reference is answered holding that the action of the management of Central Bank of India in dismissing the services of Sh. Ved Prakash, Ex-Clerk was proportionate to the misconduct committed by him and he is entitled to no relief. Let the copy of this award be sent to the Central Govt. for necessary action and the file be consigned to record after due completion.

KULDIP SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2752.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल. आई. सी. ऑफ. इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 93/93) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-17012/10/92-आई.आर. (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 6th October, 2004

S.O. 2752.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby publishes the Award (Ref. No. 93/93) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh as shown in the annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of L.I.C. of India and their workman, which was received by the Central Government on 05-10-2004.

[No. L-17012/10/92-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT CHANDIGARH

Shri Kuldip Singh, Presiding Officer.

Case No. I.D. No. 93/93

Date of Decision 23-9-2004

Raj Kumar
C/o Shri Arun Ghai,
B.XI, 1662,
Rari Mohalla,
Ludhiana

.....Applicant

Versus

1. Senior Divisional Manager, Life Insurance Corporation of India, Jivan Parkash, Sector 17-B, Chandigarh
.....Respondent

APPEARANCES :

For the workman : Shri Karam Singh

For the management : Shri R.S. Longia

AWARD

The reference No. L-17012/10/92-IR(B.II) dated 27th of August 1993 made under Section 10 of the Industrial Disputes Act 1947 (hereinafter referred to as the Act.) received from Govt. of India reads as under :

“Whether the action of the Senior Divisional Manager, L.I.C. of India Chandigarh in terminating the services of Shri Raj Kumar, Peon w.e.f. 29-5-1987 is legal and justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled and from what date ?”

The petitioner, in response to notices, filed claim petition on 27-1-1994 and submitted that the respondents terminated him from the service without following procedure laid down by the law as he had put in 319 days of service, before the termination of his service; that after his appointment he was put on probation for six months and the same was over at the time of his discharge; that at the time of joining his services he had submitted all the required certificates which made him eligible for the post, he was given and the management discharged him from

the service without following the law and the principle of natural justice.

The management opposed the claim, by filing their written statement in which they raised preliminary objection to the maintainability of the petition stating that the petition is bad for laches since the services of the workman were terminated on 23rd of May 1987 whereas he approached the conciliation authority on 13-10-1992, without explaining the delay of five and half years; that in term of clause 5 of the appointment letter and regulation 14(4) of the Life Insurance Corporation of India Staff Regulation, 1960, for short 'Regulations' the workman was liable to be discharged from the service during the probation period, without notice and without assigning any cause; that the workman was discharged from service during the probation period since he did not possess the required qualification of having passed 9th standard from the Government recognized school as was notified in the Employment notice. In view of that, the termination of the services of the workman cannot be termed as retrenchment and the workman is not entitled to any benefits u/s. 25F of the I.D. Act for short "Act" that the services of the workman were governed by the provisions of L.I.C. of India (Staff) Regulations 1960 and the same were deemed to be rules framed by the Central Govt. under Section 48(2)(cc), after the amendment of L.I.C. Act in 1981; that the said rule had the effect notwithstanding the Act or any other law, any agreement, settlement, award or other instruments for the time being in force. Thus the workman cannot take the benefit of provisions of Section 2(oo) and Section 25F of the Act.

On merits, the management has claimed that the workman was discharged from service under the law since he was discharged during the period of probation and in terms of appointment letter. Admitting that the workman was initially put on probation for six months, but the probation period got extended in the absence of an order of his confirmation as provided by clause 5 of the appointment letter and in terms of Regulation 14(3); that no letter of confirmation of his services was issued by the management, rather during the verification of his age and educational qualification, so as to examine his case for confirmation in service, it was found that the workman has not passed 9th standard from the Govt. or Govt. recognized school; thus he did not possess required qualification, as per terms of advertisement notice. That the workman produced a certificate having passed 9th class examination, as a proof of his qualification, but after his appointment it was found that he had passed 9th class examination from G. V. Vidyalaya Sector-24, Chandigarh which was not a recognized institution. There upon he was issued notice and in his reply he did not deny the fact. Therefore the competent authority discharged him from service during the period of his probation.

Contesting the claim of the workman, as made in para 1 of his claim statement, it is contended by the management that the particulars and eligibility criteria of the workman were not verified before the written test. It was only when he was called for medical examination on 10-7-1986, that he was asked to produce original certificates as a proof of his date of birth to be shown to the medical officer at the time of his confirmation that the appointment letter was issued on the basis of information supplied by the workman. Further it was made a condition in the appointment letter that the workman would be on probation, which could be extended further for six months and that the workman shall be governed by the Staff Regulations; that the question of verification of age and educational qualifications were under consideration even before, so as to examine his case for confirmation in service and it was at that time found that he has not passed his 9th class standard examination from the recognized school, which was basic for appointment on the post, therefore, he was discharged from the service; that the workman never disclosed that he had not passed 9th class examination from a recognized school and so did not possess basic qualification. Since the workman was not qualified for the post, therefore, he was discharged from the service and in view of that, the petition is not maintainable. That the discharge had been done during the probation period, therefore, the workman did not acquire the status of a permanent employee.

The workman filed rejoinder, after the filing of written statement by the management and submitted that his claim is not belated as the workman had made numerous representations against his illegal termination; that the workman possessed the required qualification, therefore, management had no justification to discharge him from the service, that since the workman was a workman as defined by the Act, therefore, it was incumbent upon, the employer to discharge the obligations, put on him, by the Act. On merits, the workman has claimed that the period of his probation was never extended as he never received any notice in that regard; that the workman had completed all the formalities before he was given the appointment otherwise the same would have been refused to him; that the grounds of his discharge have been concocted, just to relieve him of the job. He again prayed for deciding the matter in his favour.

It has been noted earlier that the workman filed his affidavit, which has been exhibited as Ex. W1, another his affidavit is Ex. W2. The management has also filed the affidavit of Smt. Manju Jain, AAO. They have also placed on record the employment notice Ex. M1, copy of the application of the workman Ex. M3 (A), school leaving certificate of workman Ex. M3, notice to the workman Ex. M4, another notice Ex. M5, next notice Ex. M6, a document showing the address of the G. V. School

Ex. M7, notice dt. 11-03-87 Ex. M8, Hindi version of notice dt. 11-03-87 Ex. M9, reply of workman Ex. M10, a letter of Senior Manager to the Head Master G. V. Vidyalaya, Sector-24-D, Chandigarh Ex. M11, another letter to the same Head Master dt. 09-02-87 Ex. M12, letter dt. 06-04-87 to D.E.O., Chandigarh Administration Ex. M13, letter of D.E.O., Chandigarh Administration to the name of Manager respondent management Ex. M14, list of recognized and aided schools under the Education Department of Chandigarh Administration Ex. M15, office order of Senior Divisional Manager of respondent corporation Ex. M16.

I have gone through the pleadings of the parties and the copies of the documents placed on record by them.

The facts, which emerge out from the pleadings of the parties and the documents placed on record, are that in response to the employment notice dt. 03-08-85, issued by the Senior Divisional Manager, Life Insurance Corporation of India, Chandigarh. The workman Raj Kumar submitted his application for appointment on the facts stated therein and the particulars given by him in his application dt. 13-12-85, exhibited as Ex. M3-A, he attached a copy of school leaving certificate Ex. M1 with the application in support of his claim. There is no dispute that he was appointed and he joined his duties on 16-07-86. The terms and conditions on which the workman was appointed were contained in the appointment letter dt. 11-07-86 and exhibited as Ex. M5, which read as under :

- “1. With reference to your application dated 13-12-85 and interview, we are pleased to offer you hereby the post of a PEON in the Scale of Rs. 430-10-450-20-790 at Ludhiana III office of the Corporation. Your initial basic pay will be Rs. 430 per month only.
2. Over and above the basic salary mentioned in para 1 above, you will be paid such allowances as may be applicable to the employees of the Corporation from time to time.
3. Your appointment shall be governed by the Staff Regulations of the Corporation and by such instructions and/or orders that may be issued to you both orally and in writing. This offer of appointment being made is subject to result of Reference No. NT. BI of 1985 before the Hon'ble National Industrial Tribunal.
4. You will be on probation for a period of Six Months from the date of your joining duties in terms of this letter of appointment.
5. During the probationary period, which may be extended by another six months, you are liable to be discharged without notice and without any

cause whatsoever being assigned to you for such discharge.

6. Your daily working hours will be 7¼ hours excluding lunch interval on all week days except Saturdays and 4½ hours on Saturdays. Subject to this limit, your actual working hours will be prescribed by the Office from time to time.
7. If more than one shift is worked, you will be liable to be transferred from one shift to another.
8. You shall not be entitled to get any traveling allowance for taking up your duties at the place, where you are now being posted.
9. You are liable to be transferred anywhere in India where the Corporation has its offices.
10. You will not be allowed to undertake any part-time studies unless sanctioned in writing by the authority competent to give such permission. Any pursuance of the part-time studies, if permitted, shall always be subject to office exigencies and no claim for leave for preparation shall be made on the ground that such part-time studies were undertaken by you on or prior to your joining the Corporation or that permission was given for the same by the authority competent to do so.
11. The appointment is offered to you on the basis of the information given by you in your application dt. 13-12-85 that you have not passed Matric/SSC or equivalent examination. If, in the meantime, you have appeared and/or passed Matric/SSC or its equivalent examination, you should let us have the full particulars of the examination passed before accepting this offer of appointment. Please note that in case it comes to the notice of the Corporation anytime that you had passed Matric/SSC or equivalent examination before the date of this letter your services with the Corporation will be terminated and terminal benefits, if any, accrued to you will be forfeited.
12. If the terms herein offered are acceptable to you, you are required to report for duty to the office of the Corporation stated in para 1 above immediately and in any event not later than 15 days from the date of this letter”.

The grievance of the workman is that his services were terminated by the respondent management on 23-05-87 without following the provision of Act and the Rules. As against to it the claim of the management is that the appointment of the workman was on probation for a period of six months; and that after the expiry of

that period the services of the workman were not confirmed; that by the order of the appointment the period of probation could be extended for another Six months, which got extended by virtue of the appointment order, since the services of the workman were not confirmed; that before the expiry of the next term of the probation order, it was revealed that the workman did not possess required qualification as were notified in the employment notice, therefore, the services of the workman were not confirmed. The management, after examining the documents and testimonials, submitted by the workman, they came to the conclusion that the workman did not possess school leaving certificate of 9th pass, issued by a Government recognized school, so, he was not eligible for appointment as PEON in the Life Insurance Corporation. Therefore, he was discharged from service.

The employment notice is on record and exhibited as Ex. M1. It reads as under :—

“Applications are invited from eligible candidates to be sponsored by Employment Exchange only for about 20 posts of peons for offices of the Corporation under Chandigarh Division, situated in the States of Himachal Pradesh, Haryana and parts of Punjab *and Sainik Boards for Ex-Servicemen Category”.

1. EDUCATIONAL QUALIFICATIONS :

Candidates must have passed IX Standard Examination from a government or government recognized school. Candidates who have passed Matriculation Examination with less than 55% marks in the aggregate can also be considered.

For Ex-Servicemen, who have put in atleast 3 years service in the Armed Forces, the minimum education qualification shall be a pass in Standard VII. Knowledge of driving Light Vehicle shall be an additional qualification, but not essential.

2. AGE :

Must have attained 18 years of age, but must not have attained 25 years of age as on 1-8-1985. The upper age limit is relaxable by 5 years in case of candidates belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribes. The upper age limit as also relaxable by 10 years in case of candidates, who are physically handicapped subject to proving their disability to the satisfaction of the Corporation. In case of Ex-Servicemen, the upper age limit is relaxable to the extent of period of service in the Armed Forces plus 3 years.

3. RESERVATION OF POSTS :

(i)	Scheduled Castes	12%
(ii)	Scheduled Tribes	5%
(iii)	Ex-servicemen/Disabled Ex-Servicemen	27½%

(Only those sponsored and dependents of personnel killed in action by Rajya/Zila Sainik Boards will be considered)

- (iv) Physically handicapped persons 3%

(Posts will be reserved as per actual points in the roster).

4. PAY AND ALLOWANCES :

Pay Scale : Rs. 430-10-450-20-790 & other allowances admissible, from time to time.

5. SELECTION : The applicant who satisfy the above eligibility conditions shall have to appear in the Written Test comprising of one paper of the 9th Standard level in regional language of the candidate i.e. Hindi or Punjabi. Candidates, who qualify the test will be called for interview thereafter. The time and venue of the Written Test and Interview will be notified later on.

The candidates, who fulfil the above eligibility conditions should submit their biodata on the plain paper on a proforma given below, to the Employment Exchange and Sainik Boards concerned who will sponsor them. The concerned Employment Exchange are requested to send the applications duly sponsored by them by 31st August, 1985.

Application for the post of Peon

- Full Name :
- Father's name :
- Mailing Address :
- Permanent Address :
- Date of Birth :
- Place of Birth :
- Qualifications :
- Whether you belong to Scheduled Caste/ Scheduled Tribe/Ex-Servicemen/Disabled Servicemen/Physically Handicapped Category :

(If yes, please attach true copy of the certificate)

PLACE
DATE

SIGNATURE

GENERAL CONDITIONS :

1. The biodata on plain paper should strictly conform to the above proforma and should only be in the candidate's own handwriting or typewritten and should be accompanied by a self addressed envelope of 9" x 4".

2. Certified true copy of school certificate as well as proof of date of birth should accompany the biodata.
3. Depending on response, the Corporation reserves the right to allow only a limited number of candidates to sit for Pre-Recruitment Written Test.
4. The complete biodata in the prescribed form should be sent to Manager (Per and I.R.) Divisional Office, L.I.C. of India, Jeevan Prakash, Sector 17-B, Chandigarh, so as to reach her on or before 31-8-85. Biodata received after the prescribed date shall outright be rejected.
5. All vacancies reserved for Ex-Servicemen/Disabled Ex-Servicemen shall be filled only from amongst persons nominated by Zila Sainik Board/Rajya Sainik Board/Directorate General Re-settlement. The applications from Ex-servicemen/Disabled Ex-Servicemen candidates not sponsored by the above agencies, will not be considered.

Sd/-
Sr. Divisional Manager

If we look at the condition No. 1, it relates to the educational qualification for appointment as Peon. It reads that the candidates must have possessed 9th Standard Examination from Govt. or Govt. recognized school. Candidates who have passed Matriculation examination with less than 50 per cent marks in the aggregate could also be considered. It further reads that for Ex-Servicemen who have put in at least 3 years service in the Armed Forces, the minimum educational qualification shall be a pass in Standard VII.

It is clear from the conditions appended to the employment notice that before a person could be appointed as PEON he should have a certificate showing having passed 9th Standard examination from a Govt. or Govt. recognized school.

The workman produced a certificate, issued by G. V. Vidalaya, Sector 24-D, Chandigarh, which has been exhibited as Ex. M3. He claimed that the said institute was a recognized institute whereas as per the certificate issued by the D.E.O., Chandigarh, vide his letter No. SA/748/misc./11399, Chd. dt. 13-4-87, and which was addressed to the Manager, Life Insurance Corporation of India, Jeevan Prakash, Sector 17-B, Chandigarh, G.V. Vidalaya, Sector 24-D, Chandigarh, this school was shown to be not a recognized school. He also provided a copy of list of recognized schools within the jurisdiction of Chandigarh Administration and the name of the G. V. Vidalaya, Sector 24-D, Chandigarh did not figure in the list of these schools, which had been recognized. In response to the notice issued by the L.I.C., before the termination of the services of the workman he did not

produce any evidence to show that the referred school was a recognized school by the Govt. Even during the proceedings, in this petition, he failed to produce any evidence to show that the school, from which he had passed the 9th Standard examination, was a recognized school. The evidence available on record, therefore, proves that the workman did not possess the required educational qualification, so as to get an appointment as a PEON with the management.

The workman has challenged the termination of his services on the grounds that the management had not associated him with the enquiry held against him; therefore, any order passed thereon is bad in law. On record I find a number of notices issued by the management such as notice dt. 11-02-86 Ex. M4, notice 11-7-1986 Ex. M5, notice 19-02-87 Ex. M6, notice dt. 11-03-87 Ex. M8, Ex. M9 and the reply of the workman Ex. M10. There is also on record Ex. M16, by which the services of the workman were terminated. All these documents show that the workman was repeatedly asked to produce verification to the fact that the school from which he had passed 9th Standard examination was a Govt. recognized school. So it does not lie in the mouth of the workman to claim that he was not associated with the enquiry conducted against him. Moreover the enquiry conducted was not an enquiry about any misconduct in service committed by the workman. The enquiry was conducted so as to confirm him in service, after the expiry of the probation period, which got extended, by conduct of the parties, and such an extension in probation period was authorized by the terms of the appointment order under which the workman had joined the services with the management.

There is also no weight in the submission of the workman that since he was allowed to continue in service after the expiry of initial period of Six Months probation, therefore, he got confirmed in the service. The reply to this is contained in numerous judgement of the Apex Court of the country such as reported in AIR 1972, Supreme Court page 873 & 1991 (2) SLR(615).

There is weight in the submission of the management that Section 25-F of the Industrial Disputes Act does not come in the way of the management in the light of the Life Insurance Corporation Act of 1956. They have relied upon the judgement of the Supreme Court reported as AIR 1994, Supreme Court 1343. Their Lordship in that judgement have laid down that termination effected by the Life Insurance Corporation in terms of the contract of appointment read with Regulation No. 14 framed under the Life Insurance Corporation Act of 1956 is not retrenchment within the meaning of Section 2 (oo) of the Act, since it contains non-obstante clause. They further held that any termination under the Regulation cannot be assailed for compliance of Section 25-F of the Act. The Hon'ble Supreme Court in a

subsequent judgement reported as AIR 1998, Supreme Court 327, followed this view. Their Lordship held that the letter of appointment stipulating discharge from service without notice or reasons could not be held to be bad on the grounds of failure of Corporation to give opportunity of hearing. The termination also does not amount to retrenchment as defined by Section 2(oo) of the Act.

In the facts and circumstances of the case, I find that the workman was a probationer on the day his services were terminated. There is no justification for him to claim that he got confirmed in the service, after the expiry of initial period of probation. The Punjab and Haryana High Court in the Case of Vimaljeet Singh Vs. State of Punjab, reported in 1994 (2SCT386) held that where the probation period is extendable, there is no automatic confirmation. There has to be an order of confirmation by the competent authority, on completion of probation period unless there is specific provision of automatic confirmation in the Rules or in the appointment order. In the present case the workman has failed to show that there existed rules under the Life Insurance Corporation Act, by virtue of which he automatically got confirmed. As against to it, the appointment order contained stipulation that the initial period of probation could be extended for further Six Months. The Regulation framed under the Life Insurance Corporation Act contained in Regulation 14 that the period of probation could be extended by the competent authority upto one year and that during the period of probation the employee shall be liable to be discharged from the service without any notice.

After considering the facts and circumstances of the case the reference, made by the Govt., is replied in the terms that the action of the Senior Manager, Life Insurance Corporation of India, Chandigarh in terminating the services of Sh. Raj Kumar, Peon w.e.f. 29-05-87 was legal and justified and that the workman is not entitled to any relief.

The award is passed in these terms. Let a copy of it be sent to the Appropriate Government for necessary action and the file be consigned to record after due completion.

KULDIP SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2753.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पोस्टल ट्रेनिंग सेन्टर के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बेंगलूर के पंचाट (संदर्भ संख्या 67/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40011/16/2000-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 2004

S.O. 2753.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 67/2000) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Bangalore now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Postal Training Centre and their workman, which was received by the Central Government on 6-10-2004.

[No. L-40011/16/2000-IR(DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated : 23rd September, 2004

PRESENT :

Shri A. R. Siddiqui, Presiding Officer

C.R. No. 67/2000

I Party

Sh. Palaniswamy,
129, Opp. to Mysore Silk
Rajiv Gandhi Colony,
Mandavadi Road,
MYSORE-570001.

II Party

The Principal,
Postal Training Centre,
MYSORE-570010.

APPEARANCES :

I Party : V. S. Naik, Advocate

II Party : S. R. Deshpande, Advocate

AWARD

1. The Central Government by exercising the powers conferred by Clause (d) of Sub-section (1) and Sub-section 2A of the Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred this dispute vide Order No. L-40011/16/2000/IR(DU) dated 28-09-2000 for adjudication on the following schedule :

SCHEDULE

"Whether the claim of Sh. Palaniswamy, former Safaiwala of Postal Training Centre, Mysore for payment of invalid pension is maintainable? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. In response to the notice issued by this tribunal to the parties on 20-08-2001 learned counsel Shri V. S. Naik undertook to file vakalat for the I party along with the Claim Statement on which date Shri T. P. Srinivas

filed his memo of appearance for the II party. On 14-11-2002 when the case was taken up for hearing I party though appeared before the court did not choose to file his claim statement and accordingly my learned predecessor wrote the following Order Sheet :

I Party Present.

Official is present for Management.

Claim Statement not filed.

Call by 16-12-2002

3. From 14-11-2002 till 06-07-2004 once again the case came to be posted for filing of the claim statement by the I party however this opportunity was also not availed by the I party and once again this tribunal posted the case for filing of the counter statement by writing the order sheet 06-07-2004 as under :

Time Prayed. No grounds. Hence taken as Claim not filed. For Counter Statement if any by 30-07-2004.

4. The II party management also did not file counter and then case was taken as closed and posted for award.

5. As could be seen from the order sheet maintained by this tribunal in the instant case learned counsel Shri V. S. Naik undertook to file claim and vakalat for the I party but he did not do so as on today. However, the I party himself being present before this tribunal on 10-01-2002 and once again on 14-11-2002 did not choose to file his claim statement. As could be seen from the points of reference, the burden of proof was cast upon I party and it was for him only to substantiate before this tribunal that his claim for payment of 'Invalid Pension' was maintainable against the management. Keeping in view the conduct of the I party in not filing the claim statement despite pendency of the proceedings before the tribunal for about a period of more than 3 years what appears is that he has lost interest in the matter and is not intending to prosecute the proceedings.

6. Therefore, there is no point in keeping the proceedings any more pending. In the result the court is left with no alternative but to reject the reference for non-prosecution. Hence the following award.

ORDER

Reference is rejected for non-prosecution.

(Dictated to the L. D. C., transcribed by him, corrected and signed by me on 23rd September, 2004)

A. R. SIDDIQUI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2004

का. अ. 2754.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर

संचार विभाग के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बेंगलूर के पंचाट (संदर्भ संख्या 88/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/38/99-आई.आर. (डी.यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 2004

S.O. 2754.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 88/99) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Bangalore now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Deptt. of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 6-10-2004.

[No. L-40012/38/99-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated : 17th September, 2004

PRESENT :

Shri A. R. Siddiqui, Presiding Officer

C.R. No. 88/1999

I Party

Smt. Venkatamma,
W/o late Sri Kalvanaiah,
Kadakola,
Jayapurahobli, Tal & Dist.,
MYSORE-570001.

II Party

The General Manager,
Department of
Telecommunications,
Jayalakshmiapuram,
MYSORE-570012

APPEARANCES :

I Party : O. K. Harish, Advocate

II Party : M. C. Ravi Kumar, Advocate

AWARD

1. The Central Government by exercising the powers conferred by Clause (d) of Sub-section (1) and Sub-section 2A of the Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred this dispute vide Order No. L-40012/38/99/IR(DU) dated 26-07-1999 for adjudication on the following schedule :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of The General Manager, Deptt. of Telecommunications, Mysore in terminating the services of Smt. Venkatamma is legal and justified? If not, to what relief she is entitled?"

2. The I party filed Claim Statement alleging that she was appointed at the Kadakola Telephone Exchange as Sweeper in January 1981 on consolidated wages of Rs. 50.00 per month. She was discharging her duties very honestly and sincerely so also continuously from January 1981 to 30-06-1989. She contended that while she was on duty on 30-06-1989, the officer incharge of the exchange told her that the Divisional Engineer Telecom has directed him to remove her from the service and accordingly her services have been terminated from 01-07-1989 and termination was bad in law there being no compliance of Section 25(F) of I.D. Act. She approached the General Manager in the month of February 1993 seeking reinstatement but was disappointed. Even she moved the Labour and Conciliation Officer, Mysore District, Mysore resulting into a reference by the Labour Officer of the Karnataka Government and that reference was withdrawn as not pressed. She then raised another dispute before the Assistant Labour Commissioner (Central) at Bangalore on 21-12-1997 and on the failure report made by him the present reference is made to this tribunal by Government of India.

3. Therefore she requested this tribunal to pass an award declaring the action of the management in terminating her services as illegal, with a direction to reinstate her into service with continuity of service and full backwages.

4. The Management by its Counter Statement denied the very relationship between the management and the I party contending that as per the records maintained by the Office of the Management and the records of the Telephone Exchange or any of the subordinate offices of the management no person by name Smt. Venkatamma had ever been appointed as Sweeper at the Telephone Exchange, Kadakola as alleged by the I party. Therefore, the management requested the court to dismiss the reference.

5. On the receipt of the reference it was registered on the file of this tribunal and notices were taken against both the parties. Both of them made appearances before this tribunal with respective counsels. After some gap of period due to the retirement of my Learned predecessor when the case was taken up on 08-03-2004 both the parties remained absent. They also did not turn up by themselves or through counsels on 01-04-2004 as well as on 06-05-2004. Therefore, in the interest of justice this court thought proper to issue fresh notice to the I party and the notice issued to her under RPAD returned to this office

with a Postal Endorsement that "She is no more". Thus a notice by Registered was taken against her counsel to be on safer side and that also met with same fate as learned counsel failed to respond to the said notice despite its due service. On 15-09-2004 when the matter was taken up, counsel for the I party remained absent. Learned counsel appearing for the II party submitted that the proceedings stand abated as no LR's of the deceased I party have been brought on record despite the fact that she expired long back and was reported to be dead by Postal Endorsement dated 11-05-2004. As per the above said endorsement dated 11-05-2004, the I party was reported to be dead and to be on safer side this court had taken a Registered post to her counsel so that he could do the needful in the matter. Unfortunately, he remained absent before the court despite the due service. From 11-05-2004 to this date more than 4 months have elapsed. Even if we take the above said date as the date of her death, so far no LR's have been brought on record and none on her behalf has come forward to come on records. As seen above the learned counsel appearing for the party did not turn up to help the court in the matter. In the result the court is left with no alternative but to hold that proceedings on hand stand 'Abated'. Hence, the following award.

ORDER

Proceedings are closed as 'ABATED'

(Dictated to the L.D.C., transcribed by him, corrected and signed by me on 17th September, 2004)

A. R. SIDDIQUI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2755.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गैरीसन इंजीनियर के प्रबंधन के संबंध में निम्नलिखित नियोक्तों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 179/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-13012/2/98-आई.आर. (डी. यू.)]
कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 2004

S.O. 2755.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 179/98) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Garrison Engineer and their workman, which was received by the Central Government on 6-10-2004.

[No. L-13012/2/98-IR(DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Shri Kuldip Singh, Presiding Officer

Case No. I D. No. 179/98

Registered on 21-08-1978

Date of Decision : 23-9-2004

Ashok Kumar S/o Shri Hari Krishan, C/o Sh. Gopal
Arora, H. No. 3075, Sector-38D, Chandigarh-160001.
... Petitioner

Versus

1. The Secretary to Govt. of India, Ministry of Defence, New Delhi.
2. The Chief Engineer, Military Engineer Services, Bhatinda.
3. Garrison Engineer, AGE EN No. 4 (GE), Bhatinda Cantt. ... Respondents

Appearances :

For the Workman : Shri Gurbinder Singh.

For the Management : Shri K. K. Thakur

AWARD

The Government of India Ministry of Labour referred the following matter for the adjudication of this Tribunal vide their Order No. L-13012/2/98/IR (DU), dated 11-08-1998.

“Whether the action of the Management of Garrison Engineer, MES Bhatinda Cantt. in terminating the services of Sh. Ashok Kumar, S/o Sh. Hari Krishan as a daily rated worker w.e.f. 03-01-87 is just and legal ? If not, to what relief to the workman is entitled to, from what date ?”

The reference was entered in the concerned register and notices were issued to the parties. The workman appeared on 11-01-99 and filed the claim statement. The management appeared through their counsel and filed the written statement on 08-12-99. The workman filed his affidavit on 22-11-2000, whereas the management filed affidavit of one of their witness on 25-02-2002. The workman appeared as witness on 29-04-03 and with that the workman closed his evidence.

3. During the course of the proceedings on 29-08-03, it was brought to the notice of the Court that the Central Administrative Tribunal has dismissed the case of the workman; and that the appeal against the said order, before the Hon'ble Supreme Court has also met with the same fate. The court directed the workman to place on record the copies of the judgments passed by the Hon'ble High Court and Supreme Court. The copies were

placed on record by the workman on 23-06-04. In view, of the judgments, the management requested for consideration of question of latches. As agreed to by the counsel for the parties, the arguments on the question of latches were heard on 30-08-04. The Court, at this stage, is required to consider as to whether the present reference is bad for latches and so is not maintainable.

4. Before we take up the matter in issue for consideration, a brief statement of facts may be recounted, which have led to the issuance of present reference and its consideration by this court.

5. It is the case of the workman that he was appointed as Wireman on 27-11-84 and was drawing a monthly salary of Rs. 1200/- + allowances on 03-01-87 when his services were terminated; that till then he had continuously served the respondents; that the services of the workman were terminated without following the provisions of Industrial Disputes Act, hereinafter to be referred as Act; that the workman approached the Central Administrative Tribunal, against the termination of his services, but his application was dismissed on the grounds that he has not exhausted the alternative remedy under the Act; that after the decision of the Central Administrative Tribunal, on 06-10-93, he filed an appeal before the Hon'ble Supreme Court, which too, was dismissed on 10-1-1997; that the workman has been prejudiced since the management did not follow the provisions of Section 25-F and 25-G of the Act as neither any notice was served upon him nor he was paid any compensation, before the termination of his services, that the management further made the lapse, by retaining the juniors of the workman in service while terminating his services.

6. The management has opposed the claim of the workman. They have raised the preliminary objections about the maintainability of the reference stating that the employees, working with the management are governed by the rules, framed under Article 309 of the Indian Constitution, therefore, this Tribunal has no jurisdiction to entertain the instant case especially in the light of the judgment passed by the Supreme Court in the case P. K. Vijayan Nair *V/s.* Assistant Superintendent of Post Office. It is further claimed by them that the colleagues of the workman agitated the matter before the Central Administrative Tribunal and then before the Hon'ble Supreme Court and all of them were given benefits granted to them by the Hon'ble Supreme Court. That the workman cannot claim any benefit as he has come to this Court to claim relief under the Act. Moreover, he has concealed the fact by wrongly claiming that he had worked continuously for the respondents whereas he had worked for the respondents, intermittently, as the work in which he was engaged, was seasonal one. They have further, alleged that since the relief claimed by the workman has

been refused, by the forum be approached, therefore, his coming to the present forum is a misuse of judicial forum.

7. On merits it is their case that the workman was engaged, on daily wages and was paid on Muster Roll, so as to carry out seasonal work. Claiming that they have followed the provisions of the Act, it is stated by them that a notice was not required to be issued under Section 25-F of the Act, in this case; that since the workman had not continuously worked for a period as required under Section 25-F of the Act, therefore, he is not entitled to the benefits, under the said section. Moreover, the workman was clearly told that, his services will be deemed to have automatically terminated at the time of completion of work and he will be entitled to no consequential benefits. They have also contested the claim of the workman that his juniors were retained whereas his services were terminated, thus the violation of under Section 25-G of the Act. It is also claimed by the management that the workman is working as an employee with M/s. Jag Construction Co. under identity card No. 94199.

8. The workman reiterated the facts, stated in the claim petition, in his affidavit filed on 29-04-2003. He also filed rejoinder, by which, he again denied the claim of the management, as made out in the written statement. He specifically claimed that he had worked for the management continuously, that the claim for issuance of notice is correct besides the other claims made in the rejoinder.

9. As stated earlier the management did not produce any witness, in support of their claim, although they tendered the affidavit of Major Satendra Singh Negi. They also filed Photostat copies of judgments, passed by the Central Administrative Tribunal on 06-10-93, in the cases of Ashok Kumar Vs. UOI and Gurmeet Singh Vs. UOI and that of Central Administrative Tribunal, Chandigarh, dated 20-09-93 in the OA No. 14/PB/90 which was decided on 20-09-93, and in which case the present workman was the petitioner, whereas the management herein besides UOI was the answering respondent. The copy of judgement of the Hon'ble Supreme Court of India in petition's No. 96 CC7075-7077/96 decided on 10-01-97 has also been placed on record, which shows that the claim of the petitioner against the judgment of Central Administrative Tribunal, referred to earlier, was not accepted by the Hon'ble Supreme Court, and SLP filed by him was dismissed.

10. It is an admitted case of the petitioner that the management terminated the services of workman on 03-01-87; that after exhausting his remedies, before the Central Administrative Tribunal, he served a demand notice on the management, which has resulted into the making of the present reference to this Court. It is on record that the Central Administrative Tribunal decided the petition of the workman on 06-10-93. The workman

has not shown as to on which date he served the demand notice on the Management. However, the copy of notice, placed on record, shows that the demand notice was issued somewhere in the year 1997. The reply to the notice, made as Appendix-A, to the affidavit of the workman, filed on 20-11-02, shows that the same was dated 23-12-97. The management has claimed that there is an inordinate delay in making the reference, therefore, the same is bad and should be rejected on the ground of laches on the part of the workman.

11. It is on record that when the petitioner, along with others, approached the Hon'ble Supreme Court of India, by way of SLP, the Hon'ble Court rejected their case on the grounds of inordinate delay in filing the case and for failing to explain the inordinate delay in approaching the Court. In view of the judgment of the Hon'ble Supreme Court, the reference should be rejected since the petitioner has failed to explain the inordinate delay he made in approaching the appropriate forum, for the redressal of his grievances. As stated earlier his services were terminated on 03-01-87. He did not approach the competent authority under the Industrial Disputes Act. Instead he approached the Central Administrative Tribunal and kept on prosecuting his case before that forum till 20-09-93. The petitioner did not awake, even thereafter and approached the Hon'ble Supreme Court by way of Special Leave Petition, which was decided on 10-01-97. Thus the petitioner did not approach the right forum in time and took almost 10 years to come to proper forum under the Industrial Disputes Act. The Hon'ble Supreme Court has already held it that the petitioner has made a long delay in approaching the right forum. Hon'ble Apex Court further noticed that the petitioner has not explained the delay to the satisfaction of the court. Hence, his petition is dismissed.

12. If we look into the pleadings, in the present case, we find that the petitioner has nowhere explained the delay in approaching the competent authority under the Act. He has not claimed that he laboured under the mistaken belief and approached the Central Administrative Tribunal and then the Supreme Court, under what circumstances or under the wrong advice of his lawyer. In the absence of any pleadings to this effect the court has no option but to hold that the workman has utterly failed to explain the delay in approaching the competent forum under the Industrial Disputes Act to get redressal to this grievances.

13. It is true, that no limitation is prescribed for filing a petition under the Act but the Apex Court of the country has laid down the law that the delay in making such petition should not be an inordinate and in no case it should be more than 7 years. In the present case the delay is for more than 10 years and that too has not been explained by the petitioner. The Hon'ble Apex Court in

the case of Nedungadi Bank Ltd. Vs. K. P. Madhavankutty and Others reported as 2000-I-LLJ-247 held as under :—

“Law does not prescribe any time limit for the appropriate Government to exercise its powers under Section 10 of the Act. It is not that this power can be exercised at any point of time and to revive matters, which had since been settled. Power is to be exercised reasonably and in a rational manner. There appears to us to be no rational basis on which the Central Government has exercised powers, in this case after lapse of about seven years of order dismissing the respondent from service. At the time reference was made no industrial dispute existed or could be even said to have been apprehended. A dispute, which is state, could not be subject matter of reference under Section 10 of the Act. As to when a dispute can be said to be state would depend on the facts and circumstances of each case. When the matter has become final, it appears to us to be rather incongruous that the reference to be made under Section 10 of the Act in the circumstances like the present one. In fact it could be said that there was no dispute pending at the time when the reference in question was made. The only ground advanced by the respondent was that two other employees who were dismissed from service were reinstated. Under what circumstances they were dismissed and subsequently reinstated is nowhere mentioned. Demand raised by the respondent for raising industrial dispute was *ex facie* bad and incompetent”.

14. The counsel for the workman has relied upon a judgment of the Central Administrative Tribunal, Chandigarh passed on 19-08-92 in the case of Darshan Singh and others, which was decided as a batch of about 70 applications. In that case the petitioners claimed that they were daily rated workers who had put in more than 240 days continuous service for the Garrison Engineer, Bhatinda Cantt; and that their services were terminated verbally between the year 1981-87; that the management did not follow the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. The Hon'ble Tribunal, after examining the matter came to the conclusions that they enjoyed the powers under the Industrial Disputes Act and decided the petitions assuming that they substituted to the jurisdiction of the Hon'ble High Court. With due respects to the Members of the Tribunal I do not contribute to their views that they enjoyed the powers under the Industrial Disputes Act. In this regard I get the support of the judgment, passed by the same Tribunal in another case on 20-09-93 in which the present workman was the petitioner. The learned Tribunal held that since the petitioner, in the case before them has not exhausted the available remedy under the Industrial Disputes Act,

therefore, his petition was not maintainable under the Administrative Tribunal Act 1985. It is interesting to note that one of the members of the Tribunal was the same, who had assumed the jurisdiction in the earlier case decided on 19-08-92 and relied upon by the counsel for the applicant.

15. The learned counsel for the petitioner has taken the support of another judgment passed by the Central Administrative Tribunal, Principal Bench, New Delhi in the case of Rai Singh Vs. UOI and others. In that case the respondents engineers of Bhatinda Army Camp disengaged 69 labourers who approached the Central Administrative Tribunal, both at Chandigarh and Delhi and all the applications were clubbed together. The Central Administrative Tribunal rejected the applications in limine having been not filed before the appropriate forum. Out of these petitioners some approached the Apex Court, which by an order set aside the order of the Tribunal and direction was issued to consider the case in the light of the judgment of the Apex Court in the case of State of Haryana Vs. Piara Singh reported as 1992 (4SCC 116). As a result the applicants were re-employed. The petitioner Rai Singh, after coming to know about that decision approached the learned Tribunal for relief as was granted to the similarly placed co-workers. Against his claim, the respondents raised the plea of laches, but the Tribunal rejected the same and allowed the petition directing that the benefits extended to the petitioners by the Apex Court be also given to the petitioner.

16. Without commenting upon the judgment and its applicability to the facts of the present case I say the said judgment is distinguishable since, in that case the petitioner had made a prayer in writing for condonation of delay in approaching the Court. In this case the workman has not stated even a word so as to explain the delay, what to talk of a prayer for condonation of the delay. In the absence of any prayer the question of condonation of delay cannot be considered. The present reference thus suffers from the vice of the laches therefore it is rejected. The file be consigned to record after due completion. Let a copy of this award be sent to appropriate Government for necessary action.

KULDIP SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2756.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गैरीसन इंजीनियर के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 178/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-13012/3/98-आई.आर. (डी. यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 2004

S.O. 2756.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 178/98) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Garrison Engineer and their workman, which was received by the Central Government on 6-10-2004.

[No. L-13012/3/98-IR(DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVT INDUSTRIAL TRIBUNAL- CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Shri Kuldip Singh, Presiding Officer.

Case No. I. D. No. 178/98 registered on 21-08-1978

Date of Decision : 23-9-2004

Triyogi Pandit S/o Shri Hukam Chand, resident
of Guru Teg Bahadur Nagar, Gali No. 12, Biliwala
Road, Bhatinda. Petitioner

Versus

1. The Secretary to Govt. of India, Ministry of Defence, New Delhi.
2. The Chief Engineer, Military Engineer Services, Bhatinda.
3. Garrison Engineer, AGE EN No. 4 (GE), Bhatinda Cantt. Respondents

APPEARANCES :

For the Workman : Shri Gurbinder Singh.
For the Management : Shri K. K. Thakur

AWARD

The Government of India Ministry of Labour referred the following matter for the adjudication of this Tribunal vide their order No. L-13012/3/98/IR (DU), dated 11-08-1998.

"Whether the action of the Management of Garrison Engineer, MES Bhatinda Cantt. in terminating the services of Sh. Triyogi Pandit, S/o Sh. Hukam Chand a daily rated worker w.e.f. 03-01-87 is just and legal? If not, to what relief the workman is entitled to and from what date?"

The reference was entered in the concerned register and notices were issued to the parties. The workman appeared on 11-01-99 and filed the claim statement. The management appeared through their counsel and filed the written statement on 08-12-99. The workman filed his

affidavit on 22-11-2000, whereas the management filed affidavit of one of their witnesses on 25-02-2002. The workman appeared as witness on 29-04-03 and with that the workman closed his evidence.

3. During the course of the proceedings on 29-08-03, it was brought to the notice of the Court that the Central Administrative Tribunal has dismissed the case of the workman and that the appeal against the said order, before the Hon'ble Supreme Court has also met with the same fate. The court directed the workman to place on record the copies of the judgments passed by the Hon'ble High Court and Supreme Court. The copies were placed on record by the workman on 23-06-04. In view of the judgments, the management requested for consideration of question of latches. As agreed to by the counsel for the parties, the arguments on the question of latches were heard on 30-08-04. The Court, at this stage, is required to consider as to whether the present reference is bad for latches and so is not maintainable.

4. Before we take up the matter in issue for consideration, a brief statement of facts may be recounted, which have led to the issuance of present reference and its consideration by this court.

5. It is the case of the workman that he was appointed as Wireman on 17-02-83 and was drawing a monthly salary of Rs. 1200/- + allowances on 03-01-87 when his services were terminated; that till then he had continuously served the respondents; that the services of the workman were terminated without following the provisions of Industrial Disputes Act, hereinafter to be referred as Act; that the workman approached the Central Administrative Tribunal, against the termination of his services, but his application was dismissed on the grounds that he had not exhausted the alternative remedy under the Act; that after the decision of the Central Administrative Tribunal, on 20-9-93, he filed an appeal before the Hon'ble Supreme Court, which too, was dismissed; that the workman has been prejudiced since the management did not follow the provisions of Section 25-F and 25-G of the Act as neither any notice was served upon him nor he was paid any compensation, before the termination of his services; that the management further made the lapse, by retaining the juniors of the workman in service while terminating his services.

6. The management has opposed the claim of the workman. They raised the preliminary objections about the maintainability of the reference, stating that the employees, working with the management are governed by the rules framed under Article 309 of the Indian Constitution, therefore, this Tribunal has no jurisdiction to entertain the instant case especially in the light of the judgment passed by the Supreme Court in the case P. K. Vijayan Nair Vs. Assistant Superintendent of Post Office. It is further claimed by them that the colleagues of the

workman agitated the matter before the Central Administrative Tribunal and then before the Hon'ble Supreme Court and all of them were given benefits granted to them by the Hon'ble Supreme Court. That the workman cannot claim any benefit as he has come to this Court to claim relief, under the Act. Moreover, he has concealed the facts claiming that he had worked continuously for the respondents whereas he had worked for the respondents, intermittently, as the work in which he was engaged, was seasonal one. They have further alleged that since the relief, claimed by the workman has been refused by the forum be approached, therefore, his coming to the present forum is a misuse of judicial forum.

7. On merits it is their case that the workman was engaged, on daily wages and was paid on Muster Roll, so as to carry out seasonal work. Claiming that they have followed the provisions of the Act, it is stated by them that a notice was not required to be issued, under Section 25-F of the Act, in this case; that since the workman had not continuously worked for a period, as required under Section 25-F of the Act, therefore, he is not entitled to the benefits, under the said section. Moreover, the workman was clearly told that, his services will be deemed to have been automatically terminated at the time of completion of work and he will be entitled to no consequential benefits. They have also contested the claim of the workman that his juniors were retained whereas his services were terminated, thus the violation of under Section 25-G of the Act. It is also claimed by the management that the workman is working as an employee with Messers Mokha Electronics under identity card No. 287.

8. The workman reiterated the facts, stated in the claim petition, in his affidavit filed on 02-11-2002. He also filed rejoinder, by which, he again denied the claim of the management, as made out in the written statement. He specifically claimed that he had worked for the management continuously, that the claim for issuance of notice is correct, besides the other claims made in para 2, 3 and 4 of the rejoinder.

9. As stated earlier the management did not produce any witness, in support of their claim, although they tendered the affidavit of Major Satendra Singh Negi. They also filed Photostat copies of judgments, passed by the Central Administrative Tribunal on 06-10-93, in the cases of Ashok Kumar Vs. UOI and Gurmeet Singh Vs. UOI and that of Central Administrative Tribunal, Chandigarh, dated 20-09-93 in the OA No. 14/PB/90 which was decided on 20-09-93, and in which case the present workman was the petitioner, whereas the management herein besides UOI was the answering respondent. The copy of judgment of the Hon'ble Supreme Court of India in petition's No. 196 CC7075-7077/96 decided on 10-01-97, has also been placed on record, which shows that the claim of the petitioner, against the judgment of

Central Administrative Tribunal, referred to earlier, was not accepted by the Hon'ble Supreme Court, and SLP filed by him was dismissed.

10. It is an admitted case of the petitioner, that the management terminated the services of workman on 03-01-87; that after exhausting his remedies, before the Central Administrative Tribunal, he served a demand notice on the management, which has resulted into the making of the present reference to this Court. It is on record that the Central Administrative Tribunal decided the petition of the workman on 20-09-93. The workman has not shown as to on which date he served the demand notice on the Management. However, the copy of notice, placed on record, shows that the demand notice was issued somewhere in the year 1997. The reply to the notice, made as Appendix-A, to the affidavit of the workman, filed on 20-11-02, shows that the same was dated 23-12-97. The management has claimed that there is an inordinate delay in making the reference, therefore, the same is bad and should be rejected on the ground of laches on the part of the workman.

11. It is on record that when the petitioner, along with others, approached the Hon'ble Supreme Court of India by way of SLP, the Hon'ble Court rejected their case on the grounds of inordinate delay in filing the case and for failing to explain the inordinate delay in approaching the Court. In view of the judgment of the Hon'ble Supreme Court, the reference should be rejected since the petitioner has failed to explain the inordinate delay he made in approaching the appropriate forum, for the redressal of his grievances. As stated earlier his services were terminated on 03-01-87. He did not approach the competent authority under the Industrial Disputes Act. Instead he approached the Central Administrative Tribunal and kept on prosecuting his case before that forum till 20-09-93. The petitioner did not awake, even thereafter and approached the Hon'ble Supreme Court by way of Special Leave Petition, which was decided on 10-01-97. Thus the petitioner did not approach the right forum in time and took almost 10 years to come to proper forum under the Industrial Disputes Act. The Hon'ble Supreme Court has already held it that the petitioner has made a long delay in approaching the right forum. Hon'ble Apex Court further noticed that the petitioner has not explained the delay to the satisfaction of the court. Hence, his petition is dismissed.

12. If we look into the pleadings, in the present case we find that the petitioner has nowhere explained the delay in approaching the competent authority under the Act. He has not claimed that he laboured under the mistaken belief and approached the Central Administrative Tribunal and then the Supreme Court, under what circumstances or under the wrong advice of his lawyer. In the absence of any pleadings, to this effect,

the court has no option but to hold that the workman has utterly failed to explain the delay in approaching the competent forum under the Industrial Disputes Act to get redressal to this grievances.

13. It is true, that no limitation is prescribed for filing a petition under the Act but the Apex Court of the country has laid down the law that the delay in making such petition should not be an inordinate and in no case it should be more than 7 years. In the present case the delay is for more than 10 years and that too has not been explained by the petitioner. The Hon'ble Apex Court in the case of Nedungadi Bank Ltd. Vs. K. P. Madhavankutty and Others reported as 2000-1-LLJ-247 held as under :—

“Law does not prescribe any time limit for the appropriate Government to exercise its powers under Section 10 of the Act. It is not that this power can be exercised at any point of time and to revive matters, which had since been settled. Power is to be exercised reasonably and in a rational manner. There appears to us to be no rational basis on which the Central Government has exercised powers, in this case after lapse of about seven years of order dismissing the respondent from service. At the time reference was made no industrial dispute existed or could be even said to have been apprehended. A dispute, which is state, could not be subject matter of reference under Section 10 of the Act. As to when a dispute can be said to be state would depend on the facts and circumstances of each case. When the matter has become final, it appears to us to be rather incongruous that the reference to be made under Section 10 of the Act in the circumstances like the present one. In fact it could be said that there was no dispute pending at the time when the reference in question was made. The only ground advanced by the respondent was that two other employees who were dismissed from service were reinstated. Under what circumstances they were dismissed and subsequently reinstated is nowhere mentioned. Demand raised by the respondent for raising industrial dispute was ex facie bad and incompetent”.

14. The counsel for the workman has relied upon a judgment of the Central Administrative Tribunal, Chandigarh passed on 19-08-92 in the cases of Darshan Singh and others, which was decided as a batch of about 70 applications. In that case the petitioners claimed that they were daily rated workers who had put in more than 240 days continuous service for the Garrison Engineer, Bhatinda Cantt; and that their services were terminated verbally between the year 1981-87; that the management did not follow the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. The Hon'ble Tribunal, after

examining the matter came to the conclusions that he enjoyed the powers under the Industrial Disputes Act and decided the petitions assuming that they substituted to the jurisdiction of the Hon'ble High Court. With due respects to the Members of the Tribunal I do not contribute to their views that they enjoyed the powers under the Industrial Disputes Act. In this regard I get the support of the judgment, passed by the same Tribunal in another case on 20-09-93 in which the present workman was the petitioner. The learned Tribunal held that since the petitioner, in the case before them, has not exhausted the available remedy under the Industrial Disputes Act, therefore, his petition was not maintainable under the Administrative Tribunal Act 1985. It is interesting to note that one of the members of the Tribunal was the same, who had assumed the jurisdiction in the earlier case decided on 19-08-92 and relied upon by the counsel for the applicant.

15. The learned counsel for the petitioner has taken the support of another judgment passed by the Central Administrative Tribunal, Principle Bench, New Delhi in the case of Rai Singh Vs. UOI and others. In that case the respondents engineers of Bhatinda Army Camp disengaged 69 labourers who approached the Central Administrative Tribunal, both at Chandigarh and Delhi and all the applications were clubbed together. The Central Administrative Tribunal rejected the applications in limine having been not filed before the appropriate forum. Out of these petitioners some approached the Apex Court, which by an order set aside the order of the Tribunal and direction was issued to consider the case in the light of the judgment of the Apex Court in the case of State of Haryana Vs. Piara Singh reported as 1992 (4SCC 116). As a result the applicants were re-employed. The petitioner Rai Singh, after coming to know about that decision approached the learned Tribunal for relief as was granted to the similarly placed co-workers. Against his claim, the respondents raised the plea of laches, but the Tribunal rejected the same and allowed the petition directing that the benefits extended to the petitioners by the Apex Court be also given to the petitioner.

16. Without commenting upon the judgment and its applicability to the facts of the present case I say the said judgment is distinguishable since, in that case the petitioner had made a prayer in writing for condonation of delay in approaching the Court. In this case the workman has not stated even a word so as to explain the delay, what to talk of a prayer for condonation of the delay. In the absence of any prayer the question of condonation of delay cannot be considered. The present reference thus suffers from the vice of the laches therefore it is rejected. The file be consigned to record after due completion. Let a copy of this award be sent to appropriate Government for necessary action.

KULDIP SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2757.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सुपरिन्टेन्डेंट ऑफ पोस्ट आफिसेस के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 42/95) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/53/94-आई.आर. (डी. यू.)]
कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi. the 6th October, 2004

S.O. 2757.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 42/95) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Supdt. of Post Offices and their workmen, which was received by the Central Government on 6-10-2004.

[No. L-40012/53/94-IR(DU)]
KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL- CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Shri Kuldip Singh, Presiding Officer.

Case No. I. D. No. 42/95 registered on 01-06-1995

Date of Decision : 20-9-2004

Raj Kumar son of Roora Ram Sharma resident of village Sarsa Dhana, District Kaithal... Applicant

Versus

Superintendent of Post Offices, Kurukshetra Division, Kurukshetra. ... Respondent.

APPEARANCES :

For the Workman : Shri Dhani Ram

For the Management : Shri J. S. Rana.

AWARD

The Government of India, vide its notification No. L-40012/53/94-IR(DU), dated 24/25-05-95 referred the following matter for the adjudication of this Tribunal :—

"Whether the action of the Management of Supdt. of Post Offices, Kurukshetra in terminating the services of Shri Raj Kumar, Chowkidar w.e.f. 31-01-1992 is just fair and legal? If not, to what relief he is entitled to and from what date?"

2. After the receipt of the notification, notices were issued to the parties who appeared and filed their pleadings in the shape of statement of claim, written statement. They have also filed affidavit of workman Raj Kumar and that of Shri S. P. Arya then posted as Supdt. of Post Offices, Kurukshetra.

3. The claim of the workman is that he was engaged as part-time Chowkidar in Sub Post-Office, Pehowa and performed his duties in that capacity from 24-12-81 to 31-01-92 and during all that period, he performed his duties to the satisfaction of his superiors; that on the night falling 01-12-91 dacoits intruded in the building, housing the post office armed with weapons. They over powered the workman, caused him injuries and then looted cash from the post office; that the workman in an injured condition informed the concerned quarter about the incident of dacoity, that he was admitted in the hospital where he remained under treatment. During that period, the Inspector of Post Offices, obtained his signature on a blank paper, saying that a report has to be submitted to the department; that thereafter his services were terminated by the respondents, without serving him with a charge sheet or show cause notice and without any enquiry, for the alleged misconduct on his part; that the department also did not follow the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, hereinafter is referred to as Act as he was not given a month's notice or salary in lieu of the notice period before the termination of his services. He was also not paid the compensation. He further alleged that the respondents retained his juniors in service whereas his services were terminated. They also recruited fresh hands without giving him option for re-employment thus the order of termination of the workman is bad in law and is against the principles of natural justice which is required to be quashed.

4. The management opposed the claim, by raising the preliminary objection that the respondents are not an industry, therefore, the petition is not maintainable. On merits, it is submitted by them that the petitioner was appointed w.e.f. 24-12-85 and not from 24-12-81, as is claimed by him. Denying the averments made by him in para 2 of the claim petition. It is stated by them that the workman, as a Government servant was required to do work and conduct satisfactorily, but in the present case the workman failed in his duty as it was due to his lapse in duty that the miscreants entered the Post Office through the door, which was kept open and the workman was sleeping on the office table, at that time. Thus he derelicted in the performance of his duty and thereby caused a loss of Rs. 36,406.25. Respondents claim that proper notice was given to the applicant, vide S. P. M. Pehowa letter No. 1287 dated 31-01-92. It is also submitted by them that the statement of the workman was recorded. Thereafter, an enquiry was conducted in which the workman was given sufficient opportunity to defend

himself. It is also their case that since the applicant was a part-time worker, therefore, the CCS(CCA) Rules were not applicable to him and as he was a contingency paid employee so no regular appointment order was issued nor such employees are brought on the regular establishment. It is also claimed by them that the workman had refused to sign the chargesheet; that in view of the enquiry conducted by the Director, Postal Services Haryana Circle, Ambala, applicant was held responsible for the incident, therefore, his services were terminated and since the services of the applicant workman were terminated for his lapse in performing his duties, therefore, his termination was not a retrenchment. The workman had made the representation to the Director, Postal Services Haryana Circle, Ambala, which was rejected. Hence, he was not considered for appointment in extra departmental cadre or on part-time post. They have further denied that the respondent has violated the provision of Section 25-F, 25-G and 25-H and has prayed for dismissing the claim made by the workman.

5. On record, I find the photocopy of the enquiry report. It has not been exhibited, but it has been made the main basis for the termination of the services of the workman. The management has also placed on record alleged statement of the workman Ex. M1, the existence of which is denied by the workman. The management has not produced, in the case, the original record, showing day-to-day proceeding in the alleged enquiry, claimed to be held by the Director, Postal Services Haryana Circle, Ambala. The perusal of the photocopy of enquiry report shows that it was not an enquiry exclusively held to find out the conduct or misconduct of the workman though this enquiry has been made the basis for the termination of his services. The enquiry report itself speaks that it was an enquiry conducted about the alleged incidence of dacoity and the working of the postal services. There is nothing to show in the enquiry, which has been written, in the first form, as to what was the basis for the Enquiry Officer to write such an enquiry report. No doubt, the enquiry report makes reference about the appointment of the Chowkidar and then the lapses noticed on the part of the Chowkidar without showing that the observations made by the Enquiry Officer were based on specific evidence, which was tested on the touchstone of the cross-examination and that before making such an observation, the workman had been given the articles comprising the charge sheet, the detail of evidence to be produced against him and the evidence to show that the Chowkidar was given sufficient opportunity to defend himself.

6. If we read the enquiry report it clearly notes down the circumstances in which the alleged dacoity had taken place. It reads that the thieves overpowered the Chowkidar and gave him beating, injured him with iron rods and thereafter looted the cash, after opening the iron safe and left, keeping the Chowkidar in an injured and unconscious

condition. No doubt the report says that the thieves entered the Post Office through the door between the telegraph room and work hall which was kept open and this was the lapse noticed by the Enquiry Officer, on the part of the workman. He also noted down that since the Chowkidar was sleeping, by infringing the Rules, therefore, he could not perform his duties properly, had he been awake on duty, he would have raised the alarm and the mishap could have been averted. This is all presumptive conclusions.

7. As noted above the respondent did not hold domestic enquiry nor issued any charge sheet to the workman. They did not serve upon him any charge sheet nor provided him the opportunity to defend himself before the Enquiry Officer. There is nothing to show that any presenting officer was appointed or the workman was allowed to engage a representative to defend himself. The enquiry, alleged to be conducted cannot be said to be a domestic enquiry or which was fair and proper. The termination of service order passed thereon is bad in law. It has been admitted by the respondents that the workman had served them from 24-12-85 till 31-01-92, without any break in his service. Thus the workman had performed his duties for more than 240 days in the calendar year preceding the date of termination of his services. He was thus entitled to the benefits, as envisaged in Section 25-F of the Act. The evidence available on record shows that the benefits were not given to the workman. Nowhere the respondents have claimed that they had given notice to the workman before the termination of his services or that they had paid him the retrenchment compensation. In the written statement, they claimed that since the workman was a part-time worker, therefore, the CCS(CCA) Rules were not applicable to him, and that as a part-time Chowkidar, he was a contingent paid employee not entitled to be dealt with under the Rules meant for the regular establishment.

8. The management claimed that the workman had admitted his guilt by making a voluntary statement, but workman, in his affidavit, categorically denied having made such a statement and alleged that the Inspector of Post Offices had obtained his signatures on a blank paper, when he was admitted in CMC, Hospital, Pehowa. He named D. P. Singh as the concerned Inspector. The management did not produce that D. P. Singh as their witness or any other witness to show that the workman had made a voluntary statement and to whom and in whose presence and who recorded the same. The reliance of the respondents on such a statement is misplaced.

9. The Punjab & Haryana High Court in the case of Gian Singh Vs. UOI and others, being Civil Writ Petition No. 6589 of 1988, decided on 24-01-89 held that once it is proved that a workman had rendered service for a period of 240 days, his nature of employment, whether on daily

wages or on work charge are totally irrelevant consideration. Thus the claim of the management that the workman was a part-timer, therefore, he did not enjoy the protection as was allowed to a regular employee, is totally irrelevant. Whether or not the Post Office is an industry, is answered with the help of decision of Supreme Court passed in Bangalore Water Supply Case, reported as (1978) 1 LLJ 376. The activities of Post Offices clearly fall them in the definition of Industry.

10. After going through the evidence available on record, I am of the considered opinion that the management did not observe the provisions of Industrial Disputes Act, specifically Section 25-F of the Act, before terminating the services of the workman. The management did not issue any notice to him, before terminating his service, they also did not pay him the retrenchment compensation and also failed in their duty to inform the appropriate Government, by a notice, in the prescribed manner about the proposed termination of services of the workman. The termination of services of the workman is, therefore, held to be bad in law and is quashed. The reference made by the Government of India is answered in the following terms :—

“The action of the management of Supdt. of Post Offices, Kurukshetra Division, Kurukshetra in terminating the services of Sh. Raj Kumar, Chowkidar w.e.f. 31-01-92 was unjust, unfair and illegal. He is, therefore, entitled to the relief of reinstatement on the post from which he was retrenched, treating retrenchment as bad with continuity of service, as if there was no order of his retrenchment. As regards the benefits of back wages, the management has neither claimed nor proved that the workman was gainfully engaged during the period of his retrenchment. However, it is a fact that during this period he did not perform duties of the Post Office. Thus I hold that he is entitled to backwages to the extent of 50 per cent. The reference is answered and the award is passed. Let a copy of it be sent to Government of India for necessary action and the file be consigned to record after due completion”.

KULDIP SINGH, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2758.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बी. बी. एम. बी. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 93/91) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/162/90-आई.आर. (डी. यू.)]

कुलदीप राय वर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 6th October, 2004

S.O. 2758.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 93/91) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chandigarh now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BBMB and their workman, which was received by the Central Government on 6-10-2004.

[No. L-40012/162/90-IR(DU)]

KULDIP RAI VERMA, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL- CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Shri Kuldip Singh, Presiding Officer

Case No. I.D. 93/91

Received on 24-7-1991. Registered on 25-7-1991

Date of Decision : 22-9-2004

Narata Ram S/o Karam Chand, Vill. Gadiwal, Thana Gadiwal, Tehsil Anandpur Sahib, Distt. Ropar.

... Workman

Versus

The Executive Engineer, Building Construction and Township Division, BBMB, Nangal Township & others.
... Respondent.

APPEARANCES :

For the Workman : Shri O. P. Batra.

For the Management : Shri R. C. Attri.

AWARD

The following reference was made by the Govt. of India vide their No. L-42012/162/90-IR(DU) dt. 12-7-91 and the same was sent to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the Management of Bhakra Beas Management Board, Nangal Township, in terminating the services of Sh. Narata Ram, Ex-Beldar, w.e.f. 1-2-90 is justified ? If not what relief he is entitled to and from what date ?”

2. The reference was received by this Tribunal on 24-7-1991 and the same was entered in the concerned register and notices were issued to the parties, who appeared through their representatives on 27-11-91. The workman filed the claim petition on the same day whereas the management filed written statement on 25-8-99. In this between application was made under Section 36 of Industrial Disputes Act, hereinafter to be referred as ‘Act’

for debarring the petitioner from appearing through a legal counsel. The court after due consideration of the objections of the petitioner held that the application is not maintainable having been filed at a belated stage.

3. The workman filed replication and both the parties filed the affidavits and documents, in support of their respective cases. Workman appeared as a witness whereas Sh. R. B. Singh appeared as a witness for the management.

4. It is on record that the management made another application on 7-4-91 requesting the Court to debar Sh. O. P. Batra, who appeared on behalf of workman since he is a practising lawyer. The workman filed objection thereto. The representative of the workman also filed his affidavit claiming that he is appearing, in the case, in his capacity as legal secretary of Hind Mazdoor Sabha. The court, after the consideration of the application, the objections and affidavit allowed, Mr. Batra to appear on behalf of the workman and thus the application of the management was deemed to have been rejected.

5. On 30-4-03 the workman made an application for permission to produce additional evidence to which the management filed objections. After the consideration of the application and the objections filed thereto, the court rejected the same and the matter was directed to be listed for final argument, which the parties addressed on 2-6-04.

6. The claim of the workman is that he had served the management as Beldar from 12-2-89 to 1-2-90, on wages at the rate of 18/54 and thus he served the management for more than 300 days in the calendar year; that the management terminated the services of the workman on 1-2-90 without giving him any notice, charge sheet, enquiry and he was also not paid the compensation. Thus the management violated the provision of the Act; that the management obtained the thumb impression of the workman in the name of Ashok Kumar in May 1989 with mala fide intention to reduce the working period of the workman; that the services rendered to the management in the name of Ashok Kumar were in fact the services done by the workman and the management committed the unfair labour practise by getting services of the workman on a changed name; that the management asked the workman to join duties as a fresh worker, which the workman did not accept, since, it would have resulted into break in his service. Despite his request the management did not agree to give him the benefit of continuity in service nor they paid the back-wages to him. The intention of the management was to terminate the services of the workman soon after his joining as a fresh workman and he would have lost the length of service, he rendered; that the management violated the provision of Section 25-F, 25-G and 25-H of the Act as

they retained the juniors of the workman in service whereas his services were terminated and also recruited fresh hands without offering him the job.

7. The management filed written statement, by which they opposed the claim of the workman by raising preliminary objections and the grounds taken on merit. It is their claim that the reference is bad in law since the Appropriate Govt. did not ask for the objections of the management, before referring the matter for adjudication to this Tribunal. The reference in the circumstances is bad in law. That the reference is also bad since there existed no dispute nor the same was apprehended. The reference is also bad for latches. It is claimed by the management that the seniority of the casual labourers is being fixed on the basis of policy framed in compliance to the directions of Hon'ble High Court of Himachal Pradesh, issued in the case of Ram Piari & others Vs. BBMB passed in the CWP No. 27/88 and upheld in CWP No. 274/90, by the same High Court in the case of Krishnu Ram & others Vs. BBMB. The Hon'ble Supreme Court of India also upheld the policy so framed in the case of Civil Appeal No. 5635/90 decided on 2-11-90. The Hon'ble Supreme Court upheld the decision of the H. P. High Court. According to them the deployment and retrenchment of the workers are being done and on the start of new works on need for fresh labour basis. For that reason also the petition is not maintainable.

8. Rebutting the averments in the claim petition, it is stated by the management that the workman was appointed as unskilled Mazdoor in Building Construction and Township Division, Nangal, for watch and ward of the quarters, where he worked for 101 days as per the detail given in the written statement. Since the work for which the workman was engaged was nearly completion, the workman left the job at his own. Thereafter he never approached the management for work. They further denied that any junior of the workman was engaged, after he left the job. According to the management the workman served in the Nangal Dam Division from July 89 to Nov. 89, as a special watch and ward, for Nangal Hydel Channel, that in terms of the policy framed on 8-7-88, the workman could not claim seniority on the basis of services he rendered in the Building Construction and Township Division. According to the management the workman worked from Dec. 89 to Jan. 90. He was deployed to work against other special works of testing and sand grouting, behind lining of NHC.

9. The management further stated that the workman had worked in the Nangal Dam Division for 152 days and he stood at serial No. 44 of the seniority list; that in Jan. 1990, seventy eight workmen were deployed but in Feb. 1990 only 12 unskilled Mazdoors were retained as per the field requirement. As per the seniority list, a notice to that effect was also placed on the notice board, no junior

of the workman was retained in service in Feb. 1990 and thereafter. Admitting that the workman had also served for 101 days in Building Construction and Township Division, Nangal, they claimed that the seniority of the workman was as per the directions of the Himachal Pradesh, High Court. Therefore, the disengagement of workman from the services of Nangal Dam Divn. did not involve any violation of the provisions of the Act and the principles of natural justice. They undertook to state factual position, about the claim of workman that his thumb impression was taken against the name of Ashok Kumar, the moment the workman provided the name of the Divn./sub divn. in which it was done.

10. Claiming that during the month of July, 90 the workload in Nangal Dam Divn. increased, due to monsoon and to meet the field requirement, unskilled casual workers were summoned as per the seniority list of the Division, including the workman, but he refused to report for duty on one or the other excuse which clearly suggested that he was not interested to join the duties. Describing the contents of para 11 as misconceived, it is stated by the management that during the conciliation proceedings the management had offered to engage the workman and to give him the seniority, but he remained adamant and it is clear from the report of the ALC, as he has noted that the management is ready to engage Sh. Narata Ram and to give him seniority, but he is not prepared and is mis-guided by his representatives, thus the conciliation proceedings have failed. The workman, therefore, has unnecessarily dragged the respondent into litigation so as to get undue and illegal benefit. They have prayed for dismissal of the petition being without any merit, in view of the factual position, placed on record.

11. The workman filed rejoinder wherein he claimed that the reference has rightly been made since there existed Industrial Dispute; and that he had performed duty for 300 days in the calendar year preceding the date of his retrenchment and the management violated the provisions of Section 25-F, G & H as they did not follow those provisions, retained the juniors in service and did not offer employment to him. Reiterating the facts stated in the claim petition, he stated that the work, against which he was appointed, was in progress when his services were terminated and against that work the management made new appointments. He offered to accept the job, without back-wages provided the continuity of his service is given to him. Explaining the circumstances in which he refused to accept the offer, made by the management, before the conciliation officer, he stated that the conciliation officer had pressurised him to join the service as a fresher, which he did not accept and he had challenged the order of the conciliation officer whereupon the High Court referred the matter to this Tribunal. The workman reaffirmed the averments made by him in his claim petition and requested that he may be reinstated on the job, from which he

was terminated, with continuity of service and full back-wages.

12. The workman filed his affidavit in support of the claim petition Ex. W1 and also faced the cross-examination of the management. He reiterated the facts stated in the claim petition, in his affidavit. In cross-examination he admitted that he had worked in the Nangal Dam Div. from 10-2-89 to 1-2-90. He then corrected himself and stated that during that period he had worked in two different divisions, that is from 10-1-89 to June 89 in Building Construction and Township Divn. Nangal and he was employed in Nangal Dam Divn., in July 1989; and that both the divisions were manned by two different Executive Engineers. He further admitted that he had worked for 152 days in the Nangal Dam Divn. where from his services were terminated and his duties were at different places when he worked in two different divisions. He admitted that the work of the Bldg., which was put under his watch and ward, got completed in the June 89 and then he was deputed by the SDO, to work in Nangal Dam Divn.; that his thumb impression was obtained, against the name of Ashok Kumar, in Township Divn., by one Gurmeet Singh, Overseer; that he had demanded continuity in service, but the management refused, therefore, he had refused the offer to work. He further admitted that the management had given him offer of service with continuity in service, but without backwages, therefore, he had not accepted the offer.

13. Sh. R. B. Singh, SDEO, Nangal Dam Divn., appeared as a witness for the management and admitted the contents of his affidavit Ex. M2 as correct, besides that of the documents placed on record by the management and exhibited as Ex. M2 to M6. In cross-examination he admitted that the workman had performed his duties from Feb. 89 to June 89, in the Bldg. Const. Township Divn. and thereafter he had joined duty in the Nangal Dam Divn. in July 89, where he worked upto the end of Jan. 90. He admitted that the workman had completed his service of 240 days in the year preceding the date of his termination, as he had performed the duty for 101 days in the Bldg. Const. Divn. and for 152 days in the Nangal Dam Divn. He, however, claimed that both the divisions were controlled by separate Executive Engineers. He admitted that Ex. W9, W11, W17 and W18 were issued by his department and the department had received document W3, W10 and W12; and that no letters was written to the workman after 12-9-90. He denied the suggestion that the juniors of the workman were retained whereas the workman was terminated from service. He admitted that Sanjeev Kumar and Krishan Kumar were appointed in the year 1990 but after the workman refused to join back the department.

14. Here we have to recall the reference, made by the Appropriate Govt., for the adjudication of this

Tribunal. The Govt. of India desired to know whether the action of the management of BBMB, Nangal Township in terminating the services of Sh. Narata Ram, Ex-Beldar w.e.f. 1-2-90, is justified and if not, to what relief the said beldar is entitled to and from which date. The workman has challenged the termination of his services on the grounds :

I. That the management did not follow the provisions of the Industrial Disputes Act, before terminating his services. It is also his claim that he had served the management from 10-2-89 to 1-2-90 and thereby he had put in 300 days continuous service, for the management, preceding the date of termination of his services. Elaborating further he stated that, before the termination of his services, no notice was given to him, no enquiry was held nor he was served with any charge sheet and was also not paid the retrenchment compensation.

II. That the management further violated the provisions of Industrial Disputes Act by obtaining his thumb impression against the name of Ashok Kumar, in July 1989, and thereby committed unfair labour practice, so as to reduce the length of service of the workman. In order to do that, they further asked the workman to join duties as a fresh labour vide their letters and did not accede to his request of giving him continuity of service. They behaved in the similar fashion during the conciliation proceeding and refused to give the benefit of continuity of service to the workman.

III. The management also violated the provisions of Section 25-G & H, as they retained the juniors in service whereas terminated the services of the workman and also did not offer the appointment to the workman before recruiting fresh hands.

15. The only witness examined, by the management, in his statement, recorded on 16-4-02, Sh. R. B. Singh, admitted that the workman had joined service with the management in Feb. 89 in the Building Construction Township Divn. and had performed duties in that Division upto June 89. Thereafter, he joined Nangal Divn. in July 89 and performed duties upto Jan 1990. He admitted that the workman had performed duties for 240 days in the calendar year preceding the date of his retrenchment. However, he stated that in the Bldg. Const. Division he had performed duties for 101 days and in the Nangal Dam Divn. for 152 days. Thus it is clear that the workman had performed duties for the management for 240 days in the calendar year preceding the date of termination of his services. He was, therefore, entitled to the benefits as contained in Section 25-F of the I. D. Act. The workman has claimed that he was not given any notice before the termination of his services. He was also not paid the retrenchment compensation. The management has neither rebutted this claim of the workman nor has

produced any evidence to show that they had complied with the provisions of Section 25-F of Act. Before the termination of services of the workman, the provisions required of Management even the sending of notice/information to the Appropriate Government, about the termination of a workman, who had been in continuous service of 240 days. There is, therefore, clear violation of provisions of Section 25-F of the Act by the management.

16. The management has, however, contended that since the workman had not performed duties continuously in one division and in terms of the policy framed by instructions, issued by the management of BBMB vide its No. 30315-450/PD/468/87/A-7 dt. 8-7-88, on the directions of High Court of Himachal Pradesh passed, in CWP No. 27/88 in the case of Smt. Ram Piari & Others Vs. BBMB the seniority of the workman could be considered only in one division and his services in the two divisions could not be clubbed together so as to find out whether he had performed continuous service of 240 days, before the termination of his services. They further contended that the policy to frame the seniority list was upheld by the same High Court in the subsequent judgement passed in CWP No. 274/90, titled as Krishnu Ram & others Vs. BBMB and the same was also not disturbed by the Hon'ble Supreme Court, by their judgement passed in Civil Appeal No. 5635/90, dt. 22-11-90. Thus the policy adopted and instructions issued by the BBMB, were held to be valid. Thus the seniority was to be maintained at the divisional level.

17. This argument of the management is apparently after thought and cannot hold good. Nowhere, in their pleadings they have claimed that the workman did not complete 240 days of his service, as such he cannot claim the benefit of provisions of Section 25-F of the Act. In fact their witness, Sh. R. B. Singh, in his statement, before this court, categorically admitted that the workman had completed 240 days of service in the year preceding the date of his termination. In their written statement also they claimed that during the conciliation proceedings, on 11-9-90, the management had offered to engage Sh. Narata Ram and to give him seniority accordingly, but that was not accepted by him. This shows that the management was clear in their mind that the workman had put in the required service of 240 days, at the time of his retrenchment, still they did not follow the mandate of law, as they did not issue notice to the workman nor paid him salary in lieu of the notice period. They also did not pay retrenchment compensation to the workman. There is also no evidence to show that a notice was given to the Appropriate Govt. or the authority authorised by it, about the proposed termination of services of the workman. They thus, violated the provisions of Section 25-F of the Act.

18. The claim of the management also fades away in the light of the evidence available on record. The

workman in his statement, recorded on 27-9-95, claimed that when his duty in the Building Construction and Township Division, ended in June 89 he was transferred to Nangal Dam Division, by the SDO concerned. He further, claimed that the management, through their Overseer Gurmeet Singh, obtained his thumb impression against the name of Ashok Kumar, so as to deprive him of the benefit of continuity in service, whereas it is he, who had worked, though he was shown to have worked as Ashok Kumar. The management produced their witnesses, after the statement of the workman, but they neither denied the assertions, made by the workman, nor produced any evidence to rebut the claim so made. They also did not bother to produce the SDO, who, as per the claim of the workman had deputed the workman to work in the Nangal Dam Divn. in July 89 or the Overseer, according to the workman, who had obtained his thumb impression, against the name of Ashok Kumar. Taking into consideration these facts, it is clear that the management did not dispute the claim of workman about the continuity of his services and now it does not in their mouth to claim that the workman had not performed the duties continuously in one division for 240 days, therefore, the continuity of his service cannot be accepted and thus his claim for benefit under Section 25-F of the Act is not maintainable. The workman, as per the evidence on record, continuously claimed in all the proceedings under the Act, before this court and before the conciliation officer, the continuity of service and that is the explanation he gave for having refused to accept the offer, made by the management for re-employment. For these reasons claim of the management that, in view of the policy framed to maintain the seniority of the workman on 8-7-88, the petitioner did not perform duties for 240 days, merits no consideration and is rejected.

19. The petitioner had also claimed the violation of Section 25-G and H, but he has not produced sufficient evidence to prove this claims. There is not doubt that a witness for the management admitted that Sanjeev Kumar and Krishan Kumar were appointed in the year 1990, but for the reasons that the workman had not responded to the offer of the management for re-employment. Against this, the workman has failed to show anything, rather he admitted that the offer was made to him, but he spurned the same for the reasons that the management did not give him the benefit of continuity in service. However, he contested the claim, made by the management, that in the conciliation proceedings, the management had offered re-employment to the workman with continuity of service but the workman had refused and demanded full back-wages. In the circumstances, I hold that the workman has not been able to prove the violation of Section 25-G & H of the Act.

20. In view of what has been stated above, the reference is answered in the terms that the management

of BBMB, Nangal Township violated the provisions of Section 25-F of the Act while terminating the services of the workman and their action in terminating the services of Sh. Narata Ram, Ex.-Beldar w.e.f. 1-2-90 was not justified.

21. Coming to the second part of the reference, I hold that there has come to evidence on record to show that right from the date of termination of his services, the workman remained gainfully engaged in some pursued. This fact was to be proved by the management, so as to get an escape from the payment of back-wages. Since the management has failed to prove the engagement of the workman during the period, after the termination of his services, therefore, they are liable to pay back-wages to him. It cannot be accepted that the workman remained without work through out this period, though he may not have been engaged fully and that was what for, the action of the management, therefore, I hold that the workman shall be entitled to the wages to the extent of 50 per cent. In view of the conclusions arrived at the workman is treated to be in service right from the date of his services were terminated, with continuity in service. He is also entitled to the back-wages to the extent of 50 per cent in the circumstances of the case. The management is directed to comply with the award within a month from the date the same is published in the Government Gazette. The file be consigned to record after due completion and a copy of this award be sent to the Appropriate Government.

KULDIP SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2759.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सदर्न रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, चेन्नई के पंचाट (संदर्भ संख्या आई.डी. नं. 419/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 06-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41011/15/95-आई.आर. (बी-1)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 7th October, 2004

S.O. 2759.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (ID. No. 419/2001) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Chennai now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Southern Railway and their workman which was received by the Central Government on 06-10-2004.

[No. L-41011/15/95-IR(B-I)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
CHENNAI**

Monday, the 9th August, 2004

PRESENT :

K. Jayaraman, Presiding Officer

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 419/2001

(Tamil Nadu State Industrial Tribunal I.D. No. 9/97)

[In the matter of the dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) between the Management of Southern Railway, Madras and their workmen]

BETWEEN

Sri D. Palani,
Representative of 315 retrenched
piece rate labourers ...I Party/Petitioners

AND

The Chief Personnel Officer,
Southern Railway,
Chennai ...II Party/Management

APPEARANCE :

For the Workmen : Mr. R. Lawrance,
Advocates

For the Management : Mr. G. Kalyanasundaram,
Advocate.

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Notification Order No. L-41011/15/95-IR(B-1) dated 07-07-1997 has referred this industrial dispute to the Tamil Nadu Industrial Tribunal, Chennai, where the dispute was taken on file as I.D. No. 9/97 and notices were issued to both parties and both sides entered appearance through their advocates and filed their respective claim statement and counter statement. Subsequently, on constitution of this CGIT-Cum-Labour Court, the said dispute was transferred to this Tribunal for adjudication and the said dispute was renumbered as I.D. No. 419/2001. The schedule mentioned dispute is as under :

“Whether the General Manager, Southern Railway, Madras is justified in refusing to consider S/Sri D. Palani & other 315 T.P. Shed ex-employees of Arakkonam in regularising their services in the light of the regularisation of T.P. Shed workmen of Trichirappalli based on the judgement of the Supreme Court in Writ Petition 171 of 1986 ?”

AND

“Whether the Management Southern Railway, Madras is justified in unilaterally terminating the services of S/Shri D. Palani and 315 workmen without complying with the provisions of I.D. Act, 1947 and also in violation of the Directives of Supreme Court in the above reference is just, proper and legal ? If not, to what relief are these workmen entitled ?”

3. The allegations in the Claim Statement filed by the representative on behalf of the 316 piece rate labourers are briefly as follows :

The Petitioner was duly authorised by the 315 piece rate labourers of T.P. Shed at Arakkonam, who served in Southern Railway, Arakkonam Joint Junction for more than 7 to 14 years without any break in service to contest the case. The list of workers and the period of service rendered each in the office of the Respondent is furnished separately and enclosed in the petition. These workers were thrown out of employment suddenly without any prior notice or any retrenchment compensation. These workers were engaged for day-to-day work for conversion of Meter Gauge to Broad Gauge as mentioned in their representation to the Ministry of State for Labour, Government of India. Some of the piece rate labourers similarly placed in the same situation were brought as regular employees and they were also confirmed in their status. The Respondent is not entitled to pick and choose few daily rated labourers and give them permanent status and keep the rest without any work and to be thrown out of employment and such action of the Respondent is discriminatory in violation of Articles 14 and 16 of Constitution of India. The Supreme Court in W.P. No. 171/86 decided the issue relating to the temporary employees, who served in transshipment shed at Trichy. The findings given by the Supreme Court in the above Writ Petition is equally applicable to the Petitioner's case. The findings of the Supreme Court has to be implemented under Article 141 of Constitution of India. Hence, the Petitioner prays an Award may be passed for suitable compensation and employment to the retrenchment piece rated labourers including compassionate appointments to the concerned those who are eligible with regard to age and experience with consequential relief.

4. As against this, the Respondent in their Counter Statement alleged that the Petitioners have merely enclosed a list of names without furnishing any proof for they having worked as transshipment shed porters at Arakkonam for the number of years of service rendered as averred by them. In the case of piece rated workers, the railway administration does not exercise any control over the working hours, attendance or output etc. The piece rated workers are free to work according to their convenience and the payment is made purely on the basis of quantum of goods handled by each individual. The

Petitioners are not attracted by the provisions of I.D. Act relating to retrenchment. Further, no persons placed similarly as the Petitioners were absorbed as regular employees and no provision of Constitution of India has been violated. Therefore, the Petitioners are not entitled to any benefits, since they are not railway employees and they were not retrenched and are thereby not attracted by the provisions of Industrial Disputes Act, 1947. The judgement of the Supreme Court in W.P. No. 171/86 is a judgement in personam. Further, the Petitioners were not on the rolls of railways. Hence, the question of terminating their service does not arise. Hence, for all these reasons, the Respondent prays that the claim may be dismissed with costs.

5. In the additional Counter Statement filed by the Respondent, it is alleged that the claim of the Petitioner is stale, belated and time barred. Since the T.P. Shed, Arakkonam has been closed in the year 1980, and the Petitioner has raised this dispute before Assistant labour Commissioner (Central) only in the month of April, 1994 and therefore, the reference made by the Ministry of Labour is bad in law. Even though, law does not prescribe any time limit for appropriate Govt. to exercise its power under Section 10 of the Industrial Disputes Act, it cannot be said that this power can be exercised at any point of time. The Central Govt. in this case has exercised the power after a lapse of 15 years. Therefore, the dispute which is stale could not be subject matter of reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act. The Petitioners were working as piece rate labourers in the transshipment shed at Arakkonam who were engaged by the Station Master. The T.P. shed was closed during the year 1980. At the time of closure of T.P. Shed, 219 piece rated labourers were working and not 315 as stated by the Petitioner. The Petitioner for alternative employment to the said 219 labourers was discussed with organised labour representative of the piece rated labourers and a settlement was arrived at for absorption of the workers under the following conditions :

- (i) those who have put in five years of continuous service as piece rate workers except those who have been absent for more than 180 days continuously will be considered for regular employment;
- (ii) those who are of 45 years and below may be considered for regular employment. Their absorption is subject to their being declared medically fit under B-1 and C-1 category.

Therefore, out of 219 piece rated labourers, 62 of them who had satisfied the above conditions were absorbed on the basis of decision taken by General Manager and the Chief Commercial Superintendent. Therefore, the Petitioners were not qualified for absorption as per the

conditions and not selected. The allegation that Petitioners were continuously working for 7 to 15 years is totally false. Further, none of the Petitioner had worked for 240 days continuously during the alleged period of employment. Even if they have worked for 240 days continuously, they are not entitled for any claim, since they are not railway employees. The piece rate labourers are not regular railway employees. The piece rate labourers can come to work at any time as and when they like, as their work not being supervised by railway administration. The piece rate labourers were paid based on the quantum of work they do and no attendance register or muster roll was maintained by railways for them. If they were engaged by railways in sanctioned posts, they have been issued with casual labour card or appointment order. In this case, there is no relationship of master and servant between the Petitioners and Respondent. Therefore, the Petitioner cannot invoke provisions of Industrial Disputes Act. In this case, the Petitioners do not have status of even Casual Labour who are subject to certain terms and conditions of recruitment. Further the settlement for absorption of piece rate workers was arrived with the representatives of T.P. Shed workers. As per the said settlement, 62 piece rate workers were eligible for appointment in railways and others who had not fulfilled the above conditions were not selected. The Petitioner has not challenged the above appointment of 62 persons before any forum. Therefore, raising of this issue is a belated claim and not maintainable. Further, similarly placed piece rate labourers filed an application before Central Administrative Tribunal and the said applications was dismissed on 14-12-88. The duty passes are issued to some of the Petitioners who are working under contractor to do work outside the Arakkonam occasionally in the years 1983-84. Since the T.P. Shed has been closed in the year 1980, the passes issued in the year 1983 and 1984 have no relevancy. Further, the railway protection force has issued the identity cards only for the purpose of making entry into railway premises and these identity cards were not issued on the ground that they were railway employees. Further, the railway management does not issue any identity card for piece rate labourers and it was issued only for security purposes. Since they crossed their maximum age for appointment in railways and further the Petitioners are also not entitled for back wages and compensation as they were gainfully engaged elsewhere. As per the Supreme Court judgement, those who were in active engagement are entitled to regular appointment. The case of the Petitioner is on different footing, when compared with that of transshipment workers at Trichy. Therefore, they cannot claim any benefits based on the Supreme Court judgement. Hence, for all these reasons, the Respondent prays that the claim may be dismissed with costs.

6. In these circumstances, the point for my determination is :

- (i) "Whether the Respondent is justified in refusing to consider the Petitioners in regularising their services in the light of Supreme Court judgement in W.P. No. 171/86 ?"
- (ii) "Whether the Respondent is justified in unilaterally terminating the services of the Petitioner without complying with the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 ?"
- (iii) "To what relief the Petitioners are entitled ?"

Point Nos. 1 & 2 :

7. In this case, Petitioners who are 316 piece rate labourers of Southern Railway, T.P. Shed at Arakkonam alleged that they have been engaged in T.P. Shed at Arakkonam and the railways have stopped them from service in the year 1980 and these piece rate labourers were working in railways from seven to fifteen years and they were thrown out of employment suddenly without any prior notice and no retrenchment compensation was paid to them. As against this, the respondent contended that over the piece rated workers, railway administration have no control and railway administration does not exercise any control over the working hours, attendance or output etc. and they are free to work according to their convenience and the payment is made purely of the basis of quantum of goods handled by each individuals and they are not attracted the provisions of Industrial Disputes Act, relating to retrenchment. Therefore, the burden of proving that the Petitioners who are piece rated labourers are workers of railway administration and they are entitled to the benefits of Industrial Disputes Act, is upon the Petitioners.

8. On the side of the Petitioner one Mr. Jayaseelan was examined as WW1 and Sri D. Gopal was examined as WW2 and on the side of the Petitioners seven documents were marked and on the side of the Respondent one Mr. Prithviraj, Senior Clerk in Personnel Department of the Respondent/Management was examined as MW1 and on the side of the Respondent Ex.M1 to M10 were marked. Out of this, Ex.W1 is the copy of the letter addressed to Regional Labour Commissioner (Central) by Mr. D. Palani. Ex. W2 series are copy of emergent duty passes issued by the Respondent/Management to some of the Petitioners. Ex.W3 is the copy of the office orders issued by the Divisional Railway Manager with regard to appointment of 30 persons. Ex.W4 is the representation given by the representatives of the Petitioner to the Chief Labour Commissioner. Ex.W5 (series) is the Identity Cards for the piece rated labourers issued by Railway Protection Force, Arakkonam. Ex.W6 is the zerox copy

of the hospital permit issued to one Mr. A. Durai and Ex.W7 is the copy of service certificate issued to one Mr. D. Gopal namely WW2. As against this, the Respondent/Management marked ten documents and Ex.M1 is the copy of letter from Mr. John, General Secretary, Loading and Unloading Mazdoor Union. Ex.M2 is the copy of letter issued by Senior Divisional Personnel Office with regard to absorption of piece rated labourers at T.P. Shed, Arakkonam. Ex.M3 is the copy of office order issued by Divisional Railway Manager (Personnel) with regard to appointment of 38 piece rated employees as MF Porters. Ex. M4 is the office order of Assistant Personnel Officer with regard to appointment order to two T.P. Shed porters from piece rate labourers. Ex.M5 is the copy of the office order of Assistant Personnel Officer with regard to absorption of 15 piece rate labourers as MF Porters. Ex.M6 is the copy of the letter of Senior Divisional Personnel Officer with regard to engagement of nine piece rate labourers as casual labourers. Ex.M7 is the copy of the letter issued by Chief Personnel Officer. Ex. M8 is the copy of the letter of Divisional Railway Manager to Labour Enforcement Officer. Ex.M9 and M10 are copy of orders of Central Administrative Tribunal in O.A. Nos. 835 to 845/1992 and O.A. No. 346/92 respectively.

9. Though the Petitioners alleged that they were working continuously in the Respondent/Management nearly from 7 to 15 years and the Respondent has without any reason or rhyme has stopped the workmen from engaging them as piece rate labourers, and the procedure prescribed under Industrial Disputes Act, was not followed by the Respondent/Management, they have not produced even a single document to show that they worked continuously in the railway department as alleged by them. Further, it is the contention of the Respondent that the Petitioners were engaged as piece rate labourers on contract basis and the railway department has no control over their working hours, attendance or output and piece rate workers are free to work according to their convenience and their payment was made purely on the basis of quantum of goods handled by each individual. Therefore it is the bounden duty of the Petitioner to prove that they were paid by railway administration and they were employed by the Respondent/Management. Though the Petitioners have produced Ex. W5 photo Identity Cards and also Ex. W3 series emergent duty passes, Ex. W3 series were issued by Railway Protection Force in the year 1984 and Ex.W4 photo identity cards were also issued by Railway Protection Force and they will not prove that the Petitioners were engaged by railway department because, it is an admitted fact that T.P. Shed at Arakkonam was closed even in the year 1980 and therefore, identity card alleged to have been issued in the year 1984 will not in any way prove that the Petitioners were appointed by railway department even in the year 1975-76 onwards. Further, they will not in any way prove that the Petitioners

were continuously worked in railway management for 7 to 15 years prior to 1980. Further Ex.W4 which is a photo identity card issued by Railway Protection Force only as a security measure because they were permitted to enter into the railway premises. As such, these documents will not in any way prove the contention of the Petitioners that they were in continuous employment in the railway department for 7 to 15 years prior to 1980.

10. The learned counsel for the Petitioners contended that all the documents, attendance register and other things, are with the Respondent/Railway Administration and he has filed a petition to produce the documents and the railway department has not produced the same and therefore, an adverse inference is to be drawn in the circumstances shown by the Petitioners and their contention is to be accepted. But, I find there is no point in the contention of the learned counsel for the Petitioners because the petition filed by the Petitioners for production of documents was dismissed by this Tribunal and no revision or W.P. was filed against the said order and under such circumstances, it cannot be said that an adverse inference can be drawn in these circumstances.

11. Again, the learned counsel for the Petitioner contended that out of more than 400 piece rate employees, the Respondent/Management has picked and chosen 62 employees and they were made permanent leaving the rest without giving any work and such action of the Respondent/Management is discriminatory and in violation of labour legislations and Constitution of India.

12. As against this, the learned counsel for the Respondent contended that at the time of closure of the T.P. Shed at Arakkonam only 219 piece rate labourers were working and not 315 as alleged by the Petitioners and the proposal for alternative employment to 219 labourers were discussed with organised labour representatives of piece rate labourers and a settlement was arrived at for absorption of labourers under certain conditions and most important conditions are that they should have put in five years of continuous service as piece rate workers and they should not have been absented for more than 180 days continuously and they should not have crossed the age of 45 years and their absorption is subject to their being declared medically fit under B-1 and C-1 category and out of the 219 piece rate labourers only 62 of them had satisfied the above conditions and they were absorbed on the basis of Ex.M2 to M6 and in the year 1984 the Chief Personnel Officer of the Respondent/Management has clearly stated that on the issue of absorption of piece rate labourers in T.P. Shed, absorption of 62 labourers who had been taken as per the conditions and under such circumstances, it cannot be said that the Respondent has picked and chosen some of the persons discriminatorily.

13. But, again the learned counsel for the Petitioner argued that neither the Respondent nor MW1 has produced the alleged settlement entered into by representative of piece rate labourers with the railway management before this Tribunal. Under such circumstances, it cannot be said that there was screening before the selection of 62 piece rate labourers out of 219 piece rate labourers. Though, I find some force in the contention of the learned counsel for the Petitioner, from the documents Ex.M2 to M6, I find there is no point in the contention of the Petitioner because, it cannot be said that even after twenty years, the Respondent must have kept all these documents in tact. Further, Ex.M2 to M6 are official documents produced in the regular business. I find this Tribunal can rely on these documents and the railway management has taken much pains to enforce conditions and screened the piece rate employees as per the settlement.

14. Learned counsel for the Respondent contended that if the railway department has actually employed these piece rate labourers as Casual Labourers, then they must have been issued with appointment orders or any such thing, but on the other hand, the Petitioners have not produced any such papers to show that they were appointed by the Respondent/Management. From this, it is clear that they were engaged on contract basis as piece rate labourers. Further, from Ex. W2 series, it is clear that even after the closure of T.P. Shed at Arakkonam they were employed by railway department as contract labourers for the work and for which duty passes were issued to some of the Petitioners. Under such circumstances, it cannot be contended that the petitioners were under employment of the railway management and they had worked continuously nearly seven to fifteen years as alleged by them. The learned counsel for the Respondent further contended that even though the Petitioners produced Ex.W1 which is a letter addressed by the representative of the workers Mr. D. Palani to the Regional Labour Commissioner (Central) in the year 1985 and the reference was made only on the dispute raised by the representative in the year 1994 and therefore, this claim is required to be dismissed on the ground of delay in raising the dispute. The learned counsel for the Respondent further contended that even though the law does not prescribe any time limit for the labourers to raise dispute, it cannot be said that the Petitioner can raise a dispute at any point of time. It is an admitted fact that T.P. Shed at Arakkonam was closed in the year 1980 and only after a lapse of 14 years, the Petitioners have raised a dispute which is stale, belated and also time barred. The learned counsel for the Respondent relied on the rulings reported in 1998 I SLJ 117 STATE BANK OF INDORE Vs. GOVINDARAO wherein the Supreme Court held "*High Court should not have entertained the petitioner after such a long period of ten years*" and he also relied on ruling reported in

BALBIR SINGH Vs. PUNJAB ROADWAYS AND ANOTHER 2001(2) LLN 118, wherein the Supreme Court has held that *"the High Court has rightly dismissed the Writ Petition and held that there were no grounds to interfere with the exercise of judicial discretion by the Tribunal"* and relying on these decisions, he argued that after fifteen years of the closure of T.P. Shed and without giving any valid reason for the delay in raising the dispute, the petitioner's claim cannot be entertained and it should be rejected.

15. On the other hand, the learned counsel for the Petitioner argued that even in the year 1983 the representative of the Petitioners had given a representation to Regional Labour Commissioner (Central) and also to the Ministry of Labour and Secretary and the Govt. has not taken any initiative and it was referred only in the year 1997, and under such circumstances, it cannot be said that it is the mistake of the petitioner for the delay. But, I find there is no point in the contention of the petitioner because, this reference is made only on the claim raised by the Petitioner in the year 1994. It is an admitted fact of both sides that the T.P. Shed at Arakkonam has been closed in the year 1980 and therefore, the Petitioner has to give valid reason for delay in approaching the labour authorities. But, the Petitioners have not stated any valid reason for the delay of fifteen years. Under such circumstances, I find the delay in raising the dispute as laches on the part of the Petitioners and on this ground alone, the claim is to be rejected.

16. But, at this juncture, the learned counsel for the Petitioners raised a curious argument stating that the reference was made that whether the Railways is justified in refusing to consider Sri D. Palani and other 315 T.P. Shed ex-employees in regularising their services in the light of regularisation of T.P. Shed workmen of Trichirappalli based on the judgement of Supreme Court in W.P. No. 171/1986 and therefore, the burden in this case is to give a reason for refusing to consider the request of the Petitioner is upon the Respondent and the Respondent has not adduced any evidence with regard to this contention. Under such circumstances, this Tribunal cannot go into the question whether the Petitioners have proved that they were employed by the Respondent/Management for more than seven to fifteen years and whether the claim of the Petitioners is a belated one. Similarly, he further argued that the Govt. while referring the matter to this Tribunal has also mentioned whether the Respondent/Management is justified in unilaterally terminating the services of 316 workmen without complying with the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 and therefore, the burden in this case is upon the Respondent to substantiate their contention of terminating the services of Petitioners and it should not be placed on the Petitioners and he relied on the some of the rulings 1979 LIC 821, 1966 II LLJ 194, 1961 I LLJ 178 and

argued that the Tribunal cannot go behind the scope of reference.

17. But, here again, I find there is no point in the contention of the learned counsel for the petitioner because when the Respondent has alleged in the Counter Statement that the petitioners were not regular employees and they were piece rate workers engaged by the contractors and they have no control over them, the initial burden is upon the Petitioners to prove that they were engaged by the Respondent directly and they had worked under the Respondent/Management continuously for seven to fifteen years. But, the Petitioners have not adduced any satisfactory reliable evidence to prove that they were engaged by the Respondent directly and they were paid by the Respondent directly. Under such circumstances, I find there is no point in the contention of the learned counsel for the Petitioner. Further, the judgement in W.P. No. 171/86 by the Supreme Court was passed on the compromise entered into between the workers of T.P. Shed, Trichy with the Railway management. Further, it is judgement *in personam*. Even assuming for argument sake that it is applicable to the Petitioners in this case, on the date of raising the dispute in this case, the Petitioners were not under the control of the railway department i.e. in the year 1994 and as such, I find the judgement of the Supreme Court in W.P. No. 171/86 is not applicable to the Petitioners in this case.

18. Further, the learned counsel for the Respondent argued that witnesses examined on behalf of the Petitioners namely Mr. Jayseelan has admitted in his cross examination that they were engaged by one Mr. Rajamanickam, CTC and they were not issued with appointment order by the railway department. Therefore, it is clear that they were engaged on contract basis as piece rate labourers and as per the judgement of the Supreme Court and also the judgements of High Courts, neither appointment letter was issued by railway management nor salary was paid directly by the Respondent/Railway and therefore, merely because the Petitioners were asked to work under railway yard by an officer, who was not competent to make appointment would not make the Petitioners to have a right to claim for appointment. Further, they cannot be said to be workmen for the purpose of Industrial Disputes Act. He further contended that WWI has also admitted that after the closure of T.P. Shed, an alternative employment to the said piece rate labourers was discussed with Mr. John, Secretary of Loading and Unloading Mazdoor Union, representative of the piece rated labourers and they were arrived at a settlement for absorption of workers under certain conditions and out of 219 piece rate labourers, 62 persons have been absorbed on the basis of above agreement and which was also admitted by the petitioners as per Ex.M3 to M6. Under such circumstances, it is not contended that the Respondent has not followed the

judgement in W.P. No. 171/86. Learned counsel for the Respondent further contended that some of the Transshipment Labourers Association, Trichy filed O.A. No. 346/92 before Central Administrative Tribunal, Madras Bench based on the judgement of Supreme Court in W.P. No. 171/86. In the said O.A., the Central Administrative Tribunal has dismissed the petition on the ground that the applicants approached after a long delay and they have not established any right and it also observed that all the piece rated labourers who were in active engagement were extended the benefit of Supreme Court judgement. However, the applicants therein were not Petitioners before Supreme Court to extend the benefits, to all those who had worked as piece rate labourers in transshipment shed, Trichy since its inception. The spirit of the Supreme Court order is to extend the benefits to the Petitioners in that case only. Thus, it is clear that the Supreme Court judgement in W.P. No. 171/86 is to extend the benefits to the Petitioners in that case only i.e. it is a judgement in *personam*. Further, he argued that the petitioners in this case have not disputed or challenged the closure of T.P. Shed at Arakkonam and their non-employment in any forum in the year 1980 itself. Therefore, their claim after a lapse of 14 years is not justifiable. Further, the transshipment of goods yard workers filed another O.A. No. 1361/2000 before the Central Administrative Tribunal based on the Supreme Court judgement in W.P. No. 171/86. The Central Administrative Tribunal has dismissed the petition on the ground that the applicants approached after a long delay and they have not established their case. He further argued that though WW2 has produced certain documents and claimed that he was the employee of railway management, on a perusal of Ex.W7, it cannot be said that WW2 was a workman in railway department for more than 15 years. Further, Ex.W7 alleged to have been given by Station Superintendent, Arakkonam was in the year 1983. It is not known how the alleged Station Superintendent has got power to issue the said certificate in the year 1983, when he cannot have worked more than three years in the same station. Furthermore, the Petitioner has not examined the said Station Superintendent before this Court to prove under what authority he has issued this certificate when he has no authority to issue the same, because in Respondent/Railways only the Personnel Department has power to issue service certificate of an employee. Further, when the witness WW2 has not produced any document to show the identity card issued by railway department or LTI card number issued by Railway Department, it cannot be said that this document is a genuine one and therefore, this Court can not rely on this document. Learned counsel for the Respondent further argued that Supreme Court in RANGE FOREST OFFICER Vs. S.T. HADIMONEY 2002 3 SLJ 316 held that "*mere filing of affidavit is only his own statement in his favour and that cannot be regarded as sufficient evidence for any Court to come to*

a conclusion that a workman had in fact worked for 240 days in a year. No proof of receipt of salary or wages for 240 days, or order or record of appointment or engagement for this period was produced by the workman and on this ground alone the award is liable to be set aside." Under such circumstances, when the Petitioners have not produced any document to show that they were worked under the Respondent/Management for more than 240 days or seven to fifteen years continuously as alleged by them, they cannot claim any relief in this dispute raised by them.

19. I find much force in the contention of the learned counsel for the Respondent. Through the Petitioners have alleged that they were directly appointed by railway management and they have received salary directly from the railway management, they have not produced any document to prove their contention and therefore, they cannot take advantage from vague inferences to be drawn from the documents produced by them. Since the burden of proving the contention is upon the Petitioners and since the Petitioners have not substantiated their contention, I find these two points against the Petitioners.

Point No. 3 :

The next point to be decided in this case is to what relief the Petitioner is entitled ?

20. In view of my finding that the Petitioners have not substantiated their contention that they were employed by the Respondent/Management directly and they had worked more than 240 days in a continuous period, I find the Petitioners are not entitled to any relief as prayed for. No Costs.

21. Thus, the reference is answered accordingly.

(Dictated to the P.A., transcribed and typed by him, corrected and pronounced by me in the open court on this day the 9th August, 2004)

K. JAYARAMAN, Presiding Officer

Witnesses Examined :

For the I Party/Workmen : WW1 Sri K. Jayaseelan
WW2 Sri D. Gopal

For the II Party/Management : MW1 Sri H. Prithiviraj

Documents marked :

For the I Party/Workman :

Ex. No.	Date	Description
W1	12-08-85	Xerox copy of the industrial dispute raised by Petitioners before Regional Labour Commissioner (Central).

W2 series Nil	Xerox copy of the emergent duty passes issued by Respondent.
W3 Nil	Xerox copy of the office order issued by Respondent For absorption of piece rate labourers.
W4 23-12-93	Xerox copy of the representation given by Petitioner to Chief Labour Commissioner, New Delhi.
W5 series Nil	Xerox copy of the photo identity cards issued to Petitioners.
W6 17-01-81	Xerox copy of the hospital permit issued to Mr. Durai By Respondent.
W7 08-02-83	Xerox copy of the service certificate issued to Mr. D. Gopal.

For the II Party/Management :

Ex. No.	Date	Description
M1	18-05-81	Xerox copy of the letter from Mr. John, General Secretary To Respondent/Management.
M2	02-06-81	Xerox copy of the letter issued by Senior Divisional Personnel Officer regarding absorption of piece rate Labourers.
M3	08-06-81	Xerox copy of the office order of Respondent regarding absorption of piece rate Labourers.
M4	08-07-81	Xerox copy of the office order of Respondent regarding absorption of piece rate Labourers.
M5	06-02-82	Xerox copy of the office order of Respondent regarding absorption of piece rate Labourers.
M6	29-05-84	Xerox copy of the letter of Senior Divisional Personnel Officer regarding engagement of Piece rate labourers as Casual labourers
M7	15-03-84	Xerox copy of the letter of Chief Personnel Officer Regarding absorption of piece rate labourers.
M8	08-01-86	Xerox copy of the letter from Respondent/Management to Labour Enforcement Officer, Chennai regarding absorption of piece rate labourers.
M9	18-07-94	Xerox copy of the order of Central Administrative Tribunal in O.A. Nos. 835 to 845/92.

M10 16-11-94 Xerox copy of the order of Central Administrative Tribunal in O.A. No. 346/92.

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2760.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ बिकानेर एण्ड जयपुर के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय-II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या आई. डी. 47/92) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/19/92-आई.आर. (बी. 1)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 8th October, 2004

S.O. 2760.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (I. D. No. 47/92) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court-II, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner & Jaipur and their workman, which was received by the Central Government on 9-10-2004.

[No. L-12012/19/92-IR(B. 1)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

Shri R. N. Rai, Presiding Officer.

I.D. No. 47/92

Sh. Ravindra Kumar Khanna, S/o Sh. Budh Ram, E-1/9, Rana Pratap Bagh, Delhi-110007.

Versus

The Manager, State Bank of Bikaner & Jaipur, Head Office, Tilak Marg, Post Box No. 154, Jaipur-302005.

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-12012/19/92/IR (B-I), Central Government, Dt. 13-05-1992 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :—

“Whether Shri Ravindra Kumar Khanna, Deposit Collector, was a workman of the State Bank of Bikaner and Jaipur ? If so, whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur in terminating the services of Shri Ravindra Kumar Khanna w.e.f. 18-12-1984 was justified ? If not, to what relief Shri Khanna is entitled ?”

The claimant has filed statement of claim. In his statement of claim it has been stated that the Bank had introduced a scheme for mobilization of deposits at the door steps of the prospective small depositors in order to augment its deposits and business. The bank for this purpose had appointed the “Deposit collectors”. The workman applicant was Deposit Collector at Muzaffarnagar Branch of the bank w.e.f. 05-05-1977 and executed an agreement. He had worked for 7½ years without giving any cause of complaint about his work, the Manager of the said Branch served on the workman a letter dated 18-12-1984, calling his explanation for allegedly not depositing with the bank certain sums stated to have been collected by him and the workman by the said letter was forbidden from making any further collections from the depositors pending receipt of his reply/explanation to the said letter.

The Ministry of Finance forwarded the complaint of the workman to the Customer Service Centre for banks. Subsequently, it was forwarded to the Regional Manager of the bank at New Delhi and the bank was asked to examine the representation of the workman expeditiously and favourably but the bank gave no response to the workman's letters dt. 9-5-1989 and 17-08-89. The Regional Manager of the bank, by a letter dt. 10-01-1990 wrote to the customer services cell that no deposit collector was now working in the Branch Office, Muzaffarnagar and the matter may be treated as closed. Such action of the workman is against the provisions of the contract entered into between the parties. He shall be deemed to be employed in industry. It shall be deemed that his services have been terminated by the bank by way of refusal to give him work from 8-12-1984.

The management has filed written statement. In the written statement, it has been stated that Conciliation proceedings were started at Dehradun. U.P. but the reference was made to Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in place of Kanpur. As such, the court lacks jurisdiction.

That the claimant was never given any appointment letter and he never marked his attendance on the Muster Roll of the management. No particular or regular duties have ever been assigned to the claimant as compared to the regular employees.

That there was a complaint from the customers that he had not deposited money so letter was issued to him

and the Regional Manager, Muzaffarnagar confirmed the suspension of the agency of the claimant. The claimant was not acting bonafide. He has not deposited the money collected from the customers so the explanation was called and he was forbidden to collect money and subsequently, the contract was revoked by the competent authority.

The claimant has filed rejoinder. In his rejoinder, he has denied most of the paras of the written statement and has reiterated the averments of the statement of claim in his rejoinder. Evidence of both the parties has been taken.

Heard arguments from the side of the management. The workman is not turning up for almost one year despite knowledge of the case. However, written arguments have been filed on behalf of the workman as well as the management. It has been submitted from the side of the workman that the bank should have given three months notice before termination of his services and in case misappropriation of money collected by him is proved, then only his agency can be terminated. He shall be deemed to be a workman of an industry so he should have been given notice and retrenchment compensation but the bank all of a sudden forbade him to collect money from the customers and subsequently, Regional Manager terminated his agency. It was submitted from the side of the management that it has been mentioned in Annexure W/I that the bank may without notice terminate the agency at any time if the deposit collector commits breach of agreement and rules and regulations. Since the workman has not deposited the entire money collected by him, so in view of para 4 of the scheme dt. 11-4-1986, his agency was terminated. The workman applicant was simply an agent of the bank and he was not an employee of the bank. The bank had no control over him. He may collect money from the depositors at any time. He was paid commission on the collected money. As such, the workman is not an employee. He did not deposit Rs. 1100 collected by him from Shri S. C. Aggarwal, deposit holder under the Janta Deposit Scheme. Account No. 1430. The workman has agreed that Mr. S. C. Aggarwal has given him money vide letter dt. 18-12-1984 and of which he has acknowledged. In view of the judgement of Jt-1992(3) SC, 290, he was a commission agent and the contract of a commission agent can be terminated at any time according to the terms and conditions of the agreement. It has been submitted from the side of the workman that the Hon'ble High Court of Madras has held that when once the deposit collector satisfied the definition of workman, it is not open to the bank to rely on Banking Regulation Act and such person is independent contractor.

The workman applicant was a pigmy agent and a pigmy agent will ever remain a pigmy agent. He has not deposited Rs. 1100 deliberately so he has committed breach of para 4 of the scheme and for such breach, the

condition has been stipulated that the agency may be terminated at any time without notice. The bank has acted in terms of the scheme of 1986. In such circumstances, the bank has committed no irregularity and no illegality. The workman was simply a pigmy agent of the bank and he was not an employee of the bank in view of the judgement in the Bangalore Water Supply of the Hon'ble Supreme Court. The law cited by the workman is not applicable in the facts and circumstances of the case.

The reference is replied thus :—

Shri Ravindra Kumar Khanna, Deposit Collector, was not a workman of the State Bank of Bikaner and Jaipur and the action of the management of the State Bank of Bikaner and Jaipur in terminating the services of Shri Ravindra Kumar Khanna w.e.f. 18-12-84 is justified. The workman applicant is not entitled to get any relief as prayed for.

The award is given accordingly.

Dt. 04-10-2004

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2761.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय-II, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या आई. डी. नम्बर 45/93) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/179/92-आई.आर. (बी. 1)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 8th October, 2004

S.O. 2761.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (I. D. No. 45/93) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court-II, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 7-10-2004.

[No. L-12012/179/92-IR(B. 1)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, RAJENDRA BHAWAN, GROUND FLOOR, RAJENDRA PLACE, NEW DELHI

Shri R. N. Rai, Presiding Officer.

I. D. No. 45/93

In the matter of :

Sh. Ram Pratap through The General Secretary, SBI Staff Association, 2124/2, Harisingh Nalwa Street No. 58, Karol Bagh, New Delhi-110005.

Versus

The Asstt. General Manager, State Bank of India, Delhi Zonal Office, Post Box No. 675, 11, Sansad Marg, New Delhi-110001.

AWARD

The Ministry of Labour by its letter No. L-12012/179/92-IR (B-1), Central Government, Dt. 09-12-1992 has referred the following point for adjudication.

The point runs as hereunder :—

“Whether the action of the management of the State Bank of India in dismissing Shri Ram Pratap from service w.e.f. 15-05-1991 was legal and justified ? If not, to what relief(s) the workman is entitled to and from what date ?”

The workman has filed statement of claim. In the statement of claim it has been stated :

1. That the workman was appointed as Temporary Messenger on 15-10-1980 at South Extn. Part-I, New Delhi Branch.
2. That the workman was absorbed in permanent service on 03-05-1983 at Roop Nagar, Delhi Branch.
3. That the workman was transferred from Roop Nagar, Delhi branch to Green Park Extn., New Delhi branch on 25-03-1985.
4. That the workman was charge sheeted on 17-08-1988 for the following alleged charges :—

(1) Out of the Cheque Book No. 005051 to 005075 issued against his Savings Bank Account No. 9740 maintained at Green Park Extension Branch, he attempted to fraudulently encash Cheque No. 005068 for Rs. 20,000 by forging the signature/initial of Smt. Pushpa Bhola, Savings Bank Incharge as also by writing in his own hands fictitious scroll number 165 and Cash scroll number E-19.

(2) When he failed to obtain cash payment of the said Cheque No. 005068 he connived with one Shri Chander Pal Yadav to obtain payment thereof through clearing. The cheque drawn by forging signatures of Shri K. J. Chandra, Savings Bank Account

No. 4493 was deposited in Shri Yadav's account maintained at Vijaya Bank, Ansari Road, Delhi. On 14-04-1988, when the cheque was received at Green Park Branch, he surreptitiously removed it and it was recovered from his person. It was noticed that he had also embossed on it Account No. 10551 over Account No. 4493 as the latter account did not have sufficient funds to meet the cheque on the said date i.e. 14-04-1988.

- (3) On 21-03-1988, you surreptitiously removed from the table of Shri V. K. Malhotra a draft No. 602509 dated 17-03-1988 for Rs. 5000 issued by Makrana Branch and deposited at the Branch by one Ms. Manju Jain, holder of Savings Bank Account No. 12012. He handed over the said draft to Sri Bal Kishan, Messenger at Rail Bhawan Branch for fraudulently obtaining payment thereof. Not only this, after the payment of this draft was made by Green Park Extension Branch, He again removed the paid draft from Bank's record and delivered it to Shri Bal Kishan.
- (4) Out of another Cheque Book No. 760726 to 760750 issued to him, he issued Cheque No. 760747 for Rs. 20,000 in favour of Shri E. Jacob and himself deposited it in his Savings Bank Account No. 4434 at Syndicate Bank, Hauz Khas, New Delhi. On 06-04-1988, when the cheque was received at Green Park Branch in clearing, he entered it in Transfer Scroll at Sl. No. 98, posted it in the account of Shri Ashok Kumar Pradhan, Savings Bank Account No. 8878, on the date of 08-04-1988; entered it in respective day book and modified the Savings Bank Account summary. Not only this, after the clean cash book was balanced, you surreptitiously removed the said cheque from records and destroyed it.

The above charges, if proved, would tantamount to gross misconduct in terms of paragraph 521(4)(J) of Sastry Award read with paragraph 18.28 of Desai Award."

- (5) That the enquiry in the case of workman started on 16-3-89 and took place on 26-4-89, 15-5-89, 6-7-89, 21-7-89, 10-9-89, and 12-12-90. That the workman and his defence counsel attended the enquiry proceedings on all the above noted dates except on 6-7-89 when the workman was sick. He sent his medical certificate through his defence counsel but the enquiry officer

was biased and he gave the unjustified ruling as under :—

"Submission of medical certificate appears to be delaying tactics. I have decided to complete the enquiry ex-parte."

That since the first date of so called departmental enquiry, the enquiry officer was biased and vindictive and was conniving with the bank representative.

- (6) That upto 10-9-89, neither the workman nor his defence representative asked for the adjournment except for one date i.e. 6-7-89 on medical grounds and on that date the biased enquiry officer threatened to close the enquiry ex-parte. That ultimately on 10-1-91, the biased enquiry officer closed the enquiry ex-parte against him without proving alleged charges and providing any opportunity to the workman and the defence counsel. That out of 23 witnesses as listed by the bank representative in support of the bank's case, 22 witnesses were from the same branch where enquiry proceedings were conducted. Despite repeated threatening postures given by the management they did not turn up. Only three witnesses those too from the supervising staff could be produced by adopting all the pressure tactics and even at this stage nothing could be proved.
- (7) That after the above mentioned date the biased enquiry officer did not hold enquiry for more than one year for mala fide reasons. That all of a sudden the workman received a communication from the enquiry officer that he should appear on 12-12-90 for further proceedings alongwith his defence counsel. That the workman was very much shocked to receive this communication as upto this stage the bank has not provided him or his defence counsel copies of the so-called departmental enquiry. His defence counsel objected in this regard as under on 12-12-90.

"The enquiry is taking place after a lapse of 9 months, I would like to study the statement given by the previous witnesses. The copies of previous proceedings/statements may be given to me. In the absence of such documents, I am not in a position to continue with the enquiry."

That the biased enquiry officer instead of providing the relative copies of previous enquiry proceedings fixed the next date of hearing on 10-1-1991 and held the enquiry

ex-parte. That from the above noted submissions it is very much clear that the enquiry officer was biased and vindictive since very beginning against him. The enquiry officer held the enquiry ex-parte illegally and arbitrarily, proved all the charges violating all the norms/ethics of principles of natural justice and without giving any chance to the workman to prove his innocence.

- (8) That it was the duty of the enquiry officer conducting the enquiry to make it clear to the workman that he had a right not only to cross examine the witness of the management but also to examine his witnesses in defence, but this was not done. That the workman was granted personal hearing by the punishing authority which was a formal personal hearing and a sham-show.

The management has filed written statement. In the written statement, it has been stated that the Industrial Dispute raised by the claimant is not justified as he was found guilty of committing acts of misconducts which relate to committing of frauds, falsification of accounts after holding a free and fair enquiry. The bank is a financial institution and the employees of the bank have got fiducial relationship with it i.e. relationship of trust and misappropriation, falsification of accounts, acts of frauds are anti-thesis of trust. The misconduct relating to the aforesaid act is always recognised as a serious/gross misconduct on the part of the employee and the imposition of penalty of dismissal is completely justified and commensurate to the proved misconduct. The brief facts of the case are that Sh. Ram Pratap was working as messenger at Green Park Extn. branch of the respondent bank. Being a staff member he was maintaining a S/B A/c No. 9740 at the branch. He was issued cheque book containing cheques No. 005051 to 005075 on 16-9-87. On 14-4-88, a difference of Rs. 20,000 was absorbed while balancing the account of books of the bank. The enquiry of the branch staff revealed that a cheque received from Vijaya Bank, Ansari Road, Delhi issued from the aforesaid cheque book of Sh. Ram Pratap for Rs. 20,000 is missing. As the cheque book containing the above cheque leaf had been issued to Sh. Ram Pratap, the enquiries were made from him and on suspicion when the pockets of Sh. Ram Pratap were checked, the cheque was recovered from his pocket. After recovering the cheque from his pocket the following things were observed :

Sh. Ram Pratap had signed the cheque as K. G. Chandra who was maintaining another S/B A/c No. 4493 thereby forging the signatures of Sh. K. G. Chandra with the intention that the cheque

may be debited to the account of Sh. Chandra. Prior to this date, on 14-4-88 (when the above occurrence took place), Sh. Pratap had also made a unsuccessful attempt to take cash payment of the said cheque by forging the signatures of the passing officer and had also put on it a scroll No. 165 falsely and cash scroll No. E-19 to suggest that the instrument had been processed for cash payment. Having failed to receive the cash payment of the cheque, Sh. Pratap in connivance with Sh. Chanderpal Yadav, who is maintaining a S/B A/c at Vijaya Bank, Ansari Road, Delhi conspired to encash the same and consequently, the cheque was deposited into the account of Sh. Chanderpal Yadav at Vijaya Bank, Ansari Road, Delhi and the same was presented to Green Park Extension Branch of the respondent bank and it was presented on 14-4-88 and the above occurrence occurred. Sh. Pratap removed the cheque with a view to change the Account No. from 4493 which he forged the earlier to Account No. 10551 as the earlier account did not have the sufficient balance to honour the cheque and the newly forged account had a credit balance of Rs. 80,000.

Another attempt of fraud was made by Sh. Ram Pratap by stealing a draft No. 602509 dated 17-3-88 issued by State Bank of India, Makrana Branch and drawn on Green Park Extn. Branch for Rs. 5,000 favouring Mrs. Manju Jain who was holding a S/B A/c at the Green Park Extn. Branch. The said draft was deposited by Mrs. Manju in the aforesaid account on 21-3-88. When the said draft could not be credited to the account of Mrs. Manju Jain, the enquiries made revealed that the said draft has been stealthily removed by Sh. Ram Pratap from the table of staff member handling the draft desk. The said draft was delivered by Sh. Ram Pratap to Sh. Bal Kishan, who was working as messenger at Rail Bhawan Branch of the respondent Bank. Yet another attempt was made by Sh. Ram Pratap to defraud the Bank as he was also issued a cheque book containing the cheques No. 760726 to 760750 on 20-2-87. Out of this cheque book, Sh. Pratap issued cheque No. 760747 for Rs. 20,000 in favour of Mr. E. Jacob who was holding a S/B A/c at Syndicate Bank, Hauz Khas, New Delhi.

The management had denied most of the paragraphs of statement of claim.

The claimant had filed rejoinder and in his rejoinder, he has denied most of the paragraphs of the written statement.

The workman has examined himself and he has been cross-examined by the management and the management has also adduced evidence. The issue regarding fairness of the enquiry was not pressed as a preliminary issue.

Heard arguments from both the sides and perused the papers on the record. It was submitted from the side of the workman that enquiry is ex-parte. The documents were not given to him and enquiry was concluded without giving him any documents. The enquiry was concluded in the absence of the workman applicant. The enquiry officer concluded the enquiry hastily without giving him any opportunity to produce evidence in defence. He was not permitted to cross-examine the management's witnesses. He was not given personal hearing and he was also not given copy of the proceedings of the enquiry. The enquiry was concluded after 5.00 P.M. on the same day after taking evidence of the management's witnesses. In case the workman was not present for his defence, a date should have been given for his defence but the E.O. was biased and he concluded the enquiry ex-parte on 12-12-1990. This date was given after 9 months as the enquiry officer has admitted that enquiry is taking place after a lapse of 9 months. After 9 months, the enquiry was re-opened and it was concluded on one and the same date i.e. 12-12-1990. It was further submitted that the enquiry officer was not in a hurry for 9 months. He re-opened enquiry after 9 months on 12-12-1990 and on that very day, he concluded the enquiry ex-parte. It was further submitted that such haste indicates prejudiced mind of the E.O. The principles of natural justice have not been followed. The E. O. has mentioned in the enquiry proceedings as follows :—

“As the enquiry is taking place after a lapse of 9 months This statement of enquiry officer shows that he started enquiry after a lapse of 9 months and he did not give any other date but he decided the enquiry ex-parte. The enquiry officer has been examined and he has admitted in his cross-examination :—

“since nobody was present on the last date of hearing and the workman was proceeded against again ex-parte so no opportunity was given to the workman to lead defence evidence. The workman had told him that he was going to bring his defence representative but he did not turn up even after the expiry of two hours so he was proceeded ex-parte. No notice was sent to the workman thereafter”. This indicates that the entire enquiry was concluded just after two hours. The workman might not have got his defence representative so he did not come within two hours but the enquiry was concluded in his absence and he was held guilty. No notice was given to him thereafter as has been admitted by the E. O. himself.

I have perused the proceedings of the enquiry and it transpires from the perusal of the enquiry that the

enquiry has been concluded in haste. The workman applicant has not been given even the reasonable opportunity to cross-examine the management's witnesses. He has not been given opportunity to lead his evidence in defence. From the conduct of the enquiry officer, it appears that he sat for the enquiry on 12-12-1990 to conclude the enquiry hurriedly. Heavens would not have fallen had he given one day for the enquiry or one day for the evidence in defence. It amply establishes the fact that the enquiry officer was pre-determined to conclude the enquiry that day whether the applicant was present or absent. It was submitted from the side of the management that the workman applicant did not turn up for 2 hours. The enquiry officer waited for two hours and thereafter he concluded the enquiry. This establishes the fact that after a long gap of 9 months, there was one sitting of the enquiry and that was on 12-12-1990 and enquiry was concluded ex-parte.

From the side of the management, my attention was drawn to 1962-II LLJ 498. In this case, the charge sheeted person deliberately avoided attending the enquiry or boycotted the proceedings of the departmental enquiry, it is open for the enquiry officer to proceed ex-parte. This judgement is not applicable in the facts and circumstances of the present case.

In LLJ 1961 1961 II 414, the Hon'ble Supreme Court has held that in case, the charge sheeted employee withdrew from the enquiry after two witnesses were examined as a result of some dispute and the enquiry officer closed the enquiry ex-parte, the dismissal on the basis of this enquiry was held invalid. This judgement is not also applicable in the facts and circumstances of the case.

My attention was drawn to AIR 1962 SC 1344 and 1986 (I) SLR ALL 23. In both the cases, the charge sheeted employee has declined to take part in the enquiry or withdrew himself from the enquiry as such, enquiry in this case was held ex-parte. The Hon'ble Apex Court in 1988 (4) SCC 619 has held that in ex-parte enquiry, the enquiry officer has to be more cautious. Several other rulings have been cited from the side of the management and from the side of the workman. I have gone through all the citations. In the facts and circumstances of this case, it is fully established that the enquiry was concluded in a haste with a prejudice and pre-determined mind. The law cited by the management is not applicable. The enquiry is not fair and it is liable to be set aside.

From the above discussions, it becomes quite apparent that the E. O. has not applied his mind. He has acted in haste and his finding is not supported by impartial evidence and the disciplinary authority and the appellate authority have not also applied their mind judiciously. In such circumstances, the enquiry stands vitiated. In this case, principles of natural justice have not been followed

and the workman applicant has not been afforded opportunity to defend himself. The enquiry report becomes non-existent.

The reference is replied thus :—

The action of the management of the State Bank of India in dismissing Shri Ram Pratap from service w.e.f. 15-05-1991 was neither legal nor justified. The workman is entitled to be restored to the position prior to the date of the award of punishment. The management may re-open the enquiry and conclude it after giving reasonable opportunity to the workman and following the principles of natural justice.

The award is given accordingly.

Dt. 01-10-2004.

R. N. RAI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2762.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उत्तर पूर्वी रेलवे के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, लखनऊ के पंचाट (संदर्भ संख्या आई.डी. नं. 21/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 07-10-2004 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41012/80/2003-आई.आर. (बी-1)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 8th October, 2004

S.O. 2762.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (ID. No. 21/2004) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Lucknow now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of North Eastern Railway and their workman, which was received by the Central Government on 07-10-2004.

[No. L-41012/80/2003-IR(B-1)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, LUCKNOW

PRESENT :

Shrikant Shukla, Presiding Officer.

ID. No. 21/2004

Ref. No. L-41012/80/2003-IR (B-I) dated 30-10-2004

BETWEEN

Hari Lal Singh S/o Shri Rajman Singh
Vishnupur P.O. Piprai
Distt. Kushinagar, Uttar Pradesh

AND

The Dy. Chief Engineer (Constn. & Survey),
North Eastern Railway,
Gorakhpur-273001.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour vide their order No. L-41012/80/2003-IR(B-I) dated 30-10-2004 has referred following dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Lucknow for adjudication :

“Whether the action of the management of N.E. Railway in terminating the services of Shri Hari Lal Singh w.e.f. 15-5-82 is legal and justified ? If not what relief the workman is entitled to ?”

The reference order was endorsed to Hari Lal Singh the workman and the Dy. Chief Engineer (Constn. & Survey), NER, Gorakhpur. The reference order was received in Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Lucknow on 22-3-2004 but the workman did not file any statement of claim till 21-4-2004. Thereafter, the Presiding Officer ordered the issuance of registered notice to the workman with direction to file statement of claim complete with relevant documents, list of reliance and witnesses by 28-5-2004. The registered notice was issued to the workman on 22-4-2004 vide receipt No. 297 dated 23-4-2004. The office has informed that the registered article containing notice to the workman did not return, unserved in the Tribunal till 8-7-2004 as such, service of notice upon the workman was presumed and the Presiding Officer ordered to issue notice to the opposite party to file written statement.

Shri R.D. Agarwal, advocate appeared in compliance of the notice before the Tribunal on behalf of railways on 17-8-2004 and filed his authority and sought time to file written statement, which was allowed, and 22-9-2004 was fixed for written statement. Today i.e. on 22-9-2004 Sh. R.D. Agarwal is present and has filed application C-6, requesting therein that since the workman has not filed any statement of claim to the fact that the order of termination was illegal, therefore, no claim award may be passed. He has argued that it was for the workman to have stated the fact that order of termination was illegal or unjustified. Since no statement of claim has come forward it is not obligatory on the part of employer to file any written statement. He has relied on 1981(29) 194 FLR Allahabad High Court. V.K. Raj Industries Vs. Labour

Court (I) and others. The learned representative of opposite party has argued that the Hon'ble High Court of Allahabad has laid down the principle of law holding that when the workman does not appear nor produce evidence before the court, the court has no jurisdiction to hold order illegal. It is well settled that if a party challenges the legality of an order, the burden lies upon him to prove illegality of the order and if no evidence is produced the party invoking jurisdiction of the court must fail. In the instant case the Government has referred the dispute to this Tribunal at the instance of the aggrieved workman. Consequently, the burden lay on the workman to set out the grounds challenging the validity of the termination order and to prove that the termination order was illegal. The workman did not appear nor he produced evidence, with the result that there was no material before the court for recording a finding that the order of termination passed by the employer was unjustified or illegal.

The argument of the learned representative of the Railway is supported by the case law in favour of the employers and in the circumstances I come to the conclusion that issue referred cannot be effectively adjudicated upon accordingly no claim award is passed.

Lucknow SHRIKANT SHUKLA, Presiding Officer
22-9-2004

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2763.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा-(3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 01 नवम्बर, 2004 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 [धारा-76 की उप धारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपबन्ध उत्तर प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“जिला, तहसील एवं परगना फिरोजाबाद में स्थित राजस्व ग्राम-आसफाबाद के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

[संख्या एस-38013/78/04-एस.एस.-1]

के. सी. जैन, निदेशक

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, (the 19th October, 2004)

S.O. 2763.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st Nov. 2004 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and

Chapter-V and VI [except Sub-Section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Uttar Pradesh namely :—

“Areas comprising in the Revenue village of Asfabad in Pargana, Tehsil and District Firozabad.”

[No. S-38013/78/2004-S.S.-I]

K.C. JAIN, Director

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2764.—राष्ट्रपति, श्री राजेश कुमार को 24-9-2004 (पूर्वा.) से तीन वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण-सह-श्रम न्यायालय-I, चंडीगढ़ में पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

[सं. ए-11016/13/2003-सी.एल.एस.-II]

पी.के. ताम्रकार, अवर सचिव

New Delhi, the 7th October, 2004

S.O. 2764.—The President is pleased to appoint Sh. Rajesh Kumar as Presiding Officer Central Govt. Industrial Tribunal-Cum-Labour Court-I, Chandigarh, w.e.f. 24-09-2004 (FN) for a period of three years.

[No. A-11016/13/2003-CLS-II]

P. K. TAMRAKAR, Under Secy.

शहरी रोजगार और गरीबी उपशमन मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 2004

का. आ. 2765.—भारत सरकार एतद्वारा शहरी रोजगार और गरीबी उपशमन मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में हड़को स्थानीय मुख्य कार्यालय, कोलकाता को, जिसमें 80% से अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अंतर्गत अधिसूचित करती है।

[सं. ई-11014/4/2000-हिन्दी]

एम. राजामणि, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF URBAN EMPLOYMENT AND POVERTY ALLEVIATION

New Delhi, (the 20th October, 2004)

S.O. 2765.—The Government of India in pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for the official purposes of the Union) Rules, 1976 hereby notifies the HUDCO Local Head Office, Kolkata under the administrative control of the Ministry of Urban Employment and Poverty Alleviation, where more than 80% of staff have acquired working knowledge in Hindi.

[No. E-11014/4/2000-Hindi]

M. RAJAMANI, Jr. Secy.